



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 24]  
No. 24]

नई दिल्ली, सनिवार, जून 14, 1975 (ज्येष्ठ 24, 1897)

NEW DELHI, SATURDAY, JUNE 14, 1975 (JYAISTHA 24, 1897)

इस भाग में निम्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके  
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

## भाग III—खण्ड 1

### PART III—SECTION 1

उच्च न्यायालयों, नियंत्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India

गृह मंत्रालय

महानिदेशालय केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल

नई दिल्ली-110001, दिनांक 19 अप्रैल 1975

सं० ओ० II-40/69-स्थापना—ले० कर्नल छत्तर सिंह ने उनके आई० टी० बी० पी० में पुनः नियुक्ति के रूप में कमांडेंट के पद पर नियुक्ति होने पर ग्रुप सेंटर के० रि० पुलिस दल, देवली में कमांडेंट के पद का कार्यभार 16-3-1975 (अपराह्न) को त्याग दिया।

उनकी सेवाएं केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल से सम दिनांक से स्थापित की जाएंगी।

दिनांक 7 मई 1975

सं० ओ०-II 878/69-स्थापना—श्री ए० एस० भटनागर ने वार्डन की आयु प्राप्त करने के फलस्वरूप महानिदेशालय के० रि० पु० दल, नई दिल्ली में संयुक्त सहायक निदेशक (लेखा) सी० पी० ए० यू० के पद का कार्यभार 30-4-75 अपराह्न को त्याग दिया।

दिनांक 9 मई 1975

सं० ओ० II-1010/75-स्थापना—महानिदेशक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल डाक्टर देविन्द्रा कुमार प्रधान को तदर्थ रूप में पहले एक वर्ष के लिए केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल में कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी के पद पर उनके कार्यभार संभालने की तारीख से नियुक्त करते हैं।

1-106GI/75

2. डाक्टर देविन्द्रा कुमार प्रधान को बेस हास्पिटल सी० आर० पी० नई दिल्ली में नियुक्त किया जाता है। और उन्होंने अपने पद का कार्यभार दिनांक 5-3-1975 पूर्वाह्न से संभाल लिया है।

दिनांक 12 मई 1975

सं० ओ० II-1009/75-स्थापना—महानिदेशक, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल डाक्टर विनेश कुमार जैन को तदर्थ रूप में पहले एक वर्ष के लिए केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल में कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी के पद पर उनके कार्यभार संभालने की तारीख से नियुक्त करते हैं।

डाक्टर विनेश कुमार जैन को 39 बटालियन सी० आर० पी० में नियुक्त किया जाता है और उन्होंने अपने पद का कार्यभार दिनांक 18-3-1975 पूर्वाह्न से संभाल लिया है।

एस० एन० माथुर  
सहायक निदेशक (प्रशासन)

केन्द्रीय अनुवाद ब्यूरो

नई दिल्ली, दिनांक 12 मई 1975

फा० सं० II(1)28/72-प्रशा०—केन्द्रीय अनुवाद ब्यूरो के वरिष्ठ अनुवादक श्री देवलाल को छुट्टी के दौरान दिनांक 14-4-75 से 11-7-75 तक तदर्थ आधार पर अनुवाद अधिकारी के पद पर नियुक्त किया जाता है।

गोबिन्द मिश्र  
निदेशक

## केन्द्रीय सतर्कता आयोग

नई दिल्ली, दिनांक 9 मई 1975

सं० 2/12/73-प्रशासन—केन्द्रीय सतर्कता आयुक्त एतद् द्वारा श्री आई० के० सोबती, सहायक अभियन्ता, पश्चिमी रेलवे, को 1-5-75 पूर्वाह्न से अगले आदेश तक केन्द्रीय सतर्कता आयोग में स्थानापन्न रूप से सहायक तकनीकी/परीक्षक नियुक्त करते हैं।

वी० व्ही० दिधे

अपर सचिव

कुले केन्द्रीय सतर्कता आयुक्त

## समन्वय निदेशालय

पुलिस बेटार

नई दिल्ली, दिनांक 23 अप्रैल 1975

सं० ए० 38/5/74-वायरलेस—श्री पी० जे० जकरिया को समन्वय निदेशालय (पुलिस बेटार) में दिनांक 14 अप्रैल 1975 (पूर्वाह्न) से 14 अक्टूबर 1975 (अपराह्न) तक के लिये अतिरिक्त सहायक निदेशक के पद पर स्थानापन्न रूप में रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में नियुक्त किया जाता है।

छत्तपति जोशी

निदेशक

पुलिस दूर संचार

## वित्त मंत्रालय

(अर्थ विभाग)

भारत प्रतिभूति मुद्रणालय

नासिक रोड, दिनांक 5 अप्रैल, 1975

सं० 26/ए०—श्री टी० एन० बलवी स्थायी नियंत्रण नवीन चतुर्थ पत्र मुद्रणालय नासिक रोड को नवीन चतुर्थ पत्र मुद्रणालय में (द्वितीय श्रेणी राजपत्रित पद) एतद्वारा तदर्थ रूप में छः महीने के लिए अथवा तब तक नियंत्रित रूप से जब तक इसके पूर्व ही उक्त पद की पूर्ति न हो जाए उप नियंत्रण अधिकारी के पद पर सुधारित वेतन श्रेणी रु० 650-30-740-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 में 17 मार्च, 1975 के पूर्वाह्न से नियुक्त किया जाता है।

वि० ज० जोशी

महाप्रबंधक

## केन्द्रीय राजस्व नियंत्रण प्रयोगशाला

दिल्ली-12, दिनांक 18 अप्रैल 1975

सं० 6/1975—श्री डी० के० राये, रसायन सहायक ग्रेड-I राजकीय अफीम व धाराभ कारखाना, गाजीपुर को दिनांक 27 फरवरी, 1975 (पूर्०) से आगामी आदेशों के जारी होने तक

सीमाशुल्क प्रयोगशाला, कलकत्ता में सहायक रसायन परीक्षक के पद पर सामयिक (प्राविजनल) रूप से नियुक्त किया गया है।

वे० सा० रामनाथन

मुख्य रसायनज्ञ, केन्द्रीय राजस्व

## भारतीय लेखा परीक्षा एवं लेखा विभाग

महालेखाकार का कार्यालय बिहार

रांची-2, दिनांक 3 मई 1975

महालेखाकार बिहार, अपने कार्यालय के श्री गौड़ वर्ण सरकार—स्थायी अनुभाग अधिकारी को इसी कार्यालय में दिनांक 30-4-75 के पूर्वाह्न से अगला आदेश होने तक स्थानापन्न सहायक स्थानीय लेखा परीक्षक के पद पर सहर्ष पदोन्नत करते हैं।

दिनांक 6 मई 1975

महालेखाकार बिहार, अपने कार्यालय के श्री गौड़ हरि मंडल स्थायी अनुभाग अधिकारी को इसी कार्यालय में दिनांक 17-3-75 के पूर्वाह्न से अगला आदेश होने तक स्थानापन्न लेखा अधिकारी के पद पर सहर्ष पदोन्नत करते हैं।

बच्चू प्रसाद सिन्हा

वरिष्ठ उप महालेखाकार (प्रशा०)

श्रीनगर, दिनांक 23 अप्रैल 1975

महालेखाकार जम्मू व काश्मीर ने आगामी आदेश तक के लिए इस कार्यालय के अधीनस्थ लेखा सेवा के सदस्य श्री अब्दुल अह्व को 19 अप्रैल, 1975 के पूर्वाह्न से लेखा अधिकारी के पद पर नियुक्त किया है।

पी० के० बोस

वरिष्ठ उप-महालेखाकार

प्रशासन तथा अधिकरण

## रक्षा लेखा विभाग

कार्यालय रक्षा लेखा महानियंत्रक

नई दिल्ली, दिनांक 26 अप्रैल 1975

सं० 18342/प्रशा०-II—राष्ट्रपति भारतीय रक्षा लेखासेवाओं के एक अधिकारी श्री आर० पटनायक, को वरिष्ठ प्रशासकीय ग्रेड स्तर-I (रु० 2500-125/2-2750) में स्थानापन्न रूप से 25-12-1973 से 17-2-1974 की अवधि के दौरान सहर्ष नियुक्त करते हैं।

सं० 68018(II)/71-प्रशा०-II—राष्ट्रपति भारतीय रक्षा लेखा सेवाओं के निम्नलिखित अधिकारियों को अनुक्रम नियम के अधीन वरिष्ठ प्रशासकीय ग्रेड स्तर-I (रु० 2500-125/2-

2750) में स्थानापन्न रूप से उनके नाम के सामने लिखी तारीखों से अगले आदेश पर्यन्त सहर्ष नियुक्त करते हैं :—

क्रम सं०	अधिकारी का नाम	तारीख जिससे नियुक्त किये गये
1.	श्री जी० सी० कटोच	1-1-1973
2.	श्री जे० बी० मार्टिन	1-1-1973
3.	श्री के० ए० लक्ष्मी नारायणन	1-1-1973
4.	श्री बी० एल० जैन	1-1-1973
5.	श्री एस० जी० डूबे	1-1-1973
6.	श्री टी० आर० एस० मूर्ति	1-1-1973
7.	श्री आर० एस० गुप्ता	15-2-1973
8.	श्री बी० एस० भीर	18-2-1974

सं० 18342/प्रशा०-II—राष्ट्रपति, भारतीय रक्षा सेवाओं के निम्नलिखित अधिकारियों को वरिष्ठ प्रशासकीय ग्रेड स्तर-I

(सं० 2500-125/2-2750) में स्थानापन्न रूप से उनके नाम के सामने लिखी तारीख से अगले आदेश पर्यन्त सहर्ष नियुक्त करते हैं :—

क्रम सं०	अधिकारी का नाम	तारीख जिससे नियुक्त किये गये
1.	श्री जे० पी० कक्कड़	1-1-1973
2.	श्री बी० जी० कामथ	1-1-1973
3.	श्री सी० पी० रामाचन्द्रन	1-1-1973
4.	श्री बहादुर मुराब	1-1-1973
5.	श्री बी० एम० मेनन	1-1-1973
6.	श्री बी० एम० प्रभु	1-1-1973
7.	श्री एन० बी० सी० सेकरैय्या	1-1-1973
8.	श्री आर० वेन्कटरामन	15-2-1973
9.	श्री के० राममूर्ति	6-4-1973
10.	श्री सी० एल० चौधरी	1-10-1973

दिनांक 1 मई 1975

सं० 40011(2)/74-प्रशा० ए०—वार्धक्य निवर्तन की आयु प्राप्त कर लेने पर निम्नलिखित लेखा अधिकारियों को उनके नाम के सामने लिखी तारीख से पेंशन स्थापना को अन्तर्गत किया जाएगा :—

क्र० सं०	नाम, रोस्टर सं० सहित	ग्रेड	पेंशन स्थापना को अंतरण की तारीख	संगठन
सर्वश्री				
1.	पी० बी० राममूर्ति (पी०/5)	स्थायी लेखा अधिकारी	30-6-75 (अपराह्न)	रक्षा लेखा नियंत्रक, (फैक्ट्रीज) कलकत्ता (वित्त मंत्रालय नई दिल्ली में प्रतिनियुक्ति पर)
2.	टी० एस० नटराजन (पी०/7)	स्थायी लेखा अधिकारी	31-7-75 (अपराह्न)	रक्षा लेखा नियंत्रक, (अन्य श्रेणी) दक्षिण, मद्रास
3.	एच० सी० कंवर (पी०/116)	स्थायी लेखा अधिकारी	30-6-75 (अपराह्न)	रक्षा लेखा नियंत्रक, (पेंशन) इलाहाबाद
4.	पी० एन० मल्होत्रा (पी०/632)	स्थायी लेखा अधिकारी	30-6-1975 (अपराह्न)	रक्षा लेखा नियंत्रक (अन्य श्रेणी) उत्तर, मेरठ
5.	डी० एल० दत्ता (पी०/182)	स्थानापन्न लेखा अधिकारी	30-6-1975 (अपराह्न)	रक्षा लेखा नियंत्रक, (फैक्ट्रीज) कलकत्ता
6.	आर० सुब्रमनियन (अभी नियत नहीं)	स्थानापन्न लेखा अधिकारी	30-6-75 (अपराह्न)	रक्षा लेखा नियंत्रक, (पेंशन) इलाहाबाद

दिनांक 12 मई 1975

सं० 23011(1)/66-प्रशा०-II—भारतीय रक्षा लेखा सेवा के निम्नलिखित अधिकारियों की भारतीय रक्षा लेखा सेवा के प्रथम श्रेणी के कनिष्ठ वेतनमान में उनके नाम के सामने लिखी तारीख से पुष्टि कर दी गई है :—

क्रम सं०	नाम	पुष्टि की तारीख
1.	श्री जनन प्रकाश	2-12-1973
2.	श्री गुर स्वरूप शील	20-9-1973
3.	श्री एम० जी० अग्रवाल	20-9-1973
4.	श्री बी० सारंगपानी	13-10-1973
5.	श्री के० जगन्नाथन	20-9-1973
6.	श्री एस० पी० खन्ना	20-9-1973
7.	श्री सी० जी० रामानाथन	25-10-1973
8.	श्री बी० डी० नरसिम्हन्	1-11-1973
9.	श्री पी० के० वीराराघवन	4-10-1973
10.	कु० हरजीत कौर सन्धू	16-7-1974
11.	कु० बुलबुल छिन्नर	16-7-1974
12.	कु० इन्दु तिवारी	16-7-1974
13.	श्री तारा पद मण्डल	16-7-1974
14.	श्री प्रेम सिंह	16-7-1974
15.	श्री एस० के० मेहता	25-10-1974
16.	श्री बी० नरसिम्हन्	25-10-1974

सं० 29014(3)/69/प्रशा०-II—भारतीय उर्वरक निगम लिमिटेड में 16-8-74 (पूर्वाह्न) से लोक हित में स्थायी रूप से समाहित हो जाने पर श्री आर० एस० गुप्ता ने भारतीय रक्षा लेखा सेवा में से अपनी नियुक्ति स्वत्व त्याग दिया है। तदनुसार उनको उसी तारीख से इस विभाग की नौकरी से निकाल दिया गया है।

दिनांक 14 मई 1975

सं० 86016 (13)/75-प्रशा०-II—राष्ट्रपति, भारतीय रक्षा लेखा सेवा के श्री चरनजीत लाल को कनिष्ठ प्रशासकीय ग्रेड (र० 1500-60-1800-100-2000) में स्थानापन्न रूप में 31-3-75 (पूर्वाह्न) से अगले आदेश पर्यन्त सहर्ष नियुक्त करते हैं।

एस० के० सुन्दरम  
रक्षा लेखा अपर महा नियंत्रक (प्रशासन)

रक्षा मन्त्रालय

भारतीय आर्जनैस फैंक्ट्रियां सेवा

महानिदेशालय, आर्जनैस फैंक्ट्रियां

कलकत्ता-16, दिनांक 14 अप्रैल 1975

सं० 15/75/जी०—वार्धक्य निवृत्ति आयु प्राप्त कर श्री जे० जी० बेलन, स्थानापन्न उप-प्रबन्धक (मौलिक एवं स्थायी फोरमैन) दिनांक 28 फरवरी, 1975 (अपराह्न) से सेवा निवृत्त हुए।

सं० 14/जी०/75—वार्धक्य निवृत्ति आयु 58 वर्ष प्राप्त कर निम्नलिखित अधिकारीगण प्रत्येक के सामने दर्शायी गई तारीख से सेवा से निवृत्त हुए :—

नाम एवं पद	दिनांक
1. श्री ए० एन० राय, स्थानापन्न उप-महा-प्रबन्धक (स्थायी प्रबन्धक)	28 फरवरी, 1975 (अपराह्न)
2. श्री आर० सी० घोष, स्थानापन्न प्रबन्धक (स्थायी उप-प्रबन्धक)	28 फरवरी, 1975 (अपराह्न)

सं० 17/75/जी०—राष्ट्रपति, श्री टी० के० चक्रवर्ती स्थानापन्न सहायक प्रबन्धक (मौलिक एवं स्थायी फोरमैन) को 58 वर्ष की आयु के बाद दिनांक 1ली अक्टूबर, 1974 से एक वर्ष की सेवा वृद्धि स्वीकृत करते हैं।

दिनांक 22 अप्रैल 1975

सं० 17/75/जी०—वार्धक्य निवृत्ति आयु (58 वर्ष) प्राप्त कर निम्नलिखित अधिकारी गई प्रत्येक के सामने दर्शायी गई तारीखों से सेवा निवृत्त हुए :—

नाम एवं पद	तिथि
1. श्री एम० एम० बोस, स्थायी टी० एस० ओ०	30 अप्रैल, 1974 (अपराह्न)
2. श्री पी० के० राय चौधुरी, स्थानापन्न टी० एस० ओ० (स्थायी फोरमैन)	31 दिसम्बर, 1974 (अपराह्न)
3. श्री एम० एस० पात्रा, स्थानापन्न टी० एस० ओ० (स्थायी फोरमैन)	31 जनवरी, 1975 (अपराह्न)

सं० 18/75/जी०—एक वर्ष तक की सेवा वृद्धि की स्वीकृति की समाप्ति पर, श्री ए० एस० मार्गबन्धु, स्थानापन्न, टी० एस० ओ० (स्थायी स्टाफ असिस्टेंट) दिनांक 13 अक्टूबर, 1974 (अपराह्न) से सेवा निवृत्त हुए।

सं० 19/75/जी०—सेवा निवृत्ति पूर्व अवकाश की समाप्ति पर, श्री अली हुसन, स्थानापन्न अपसर सुपरवाइजर (स्थायी निरीक्षक) दिनांक 31 दिसम्बर, 1974 (अपराह्न) से सेवा निवृत्त हुए।

एम० पी० आर० पिल्लाय  
सहायक महानिदेशक, आर्जनैस फैंक्ट्रियां



श्रम मंत्रालय

श्रम ब्यूरो,

शिमला-4, दिनांक 11-6-1975

नम्बर 23/3/75-सी० पी० आई० अप्रैल, 1975 में औद्योगिक श्रमिकों का अखिल भारतीय उपभोक्ता मूल्य-सूचकांक (आधार वर्ष 1960=100) मार्च, 1975 के स्तर से दो अंक बढ़ कर 323 (तीन सौ तेईस) रहा। अप्रैल 1975 माह का सूचकांक 1949 आधार वर्ष पर परिवर्तित किये जाने पर 393 (तीन सौ तेरानवे) आता है।

कृष्ण कुमार शांतिगया  
निदेशक

सं० 6/88/54-प्रशा० (जी०)---राष्ट्रपति केन्द्रीय सचिवालय सेवा की प्रवरण कोटि में स्थानापन्न रूप से कार्य कर रहे अधिकारी श्री जे० शंकर को मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात के कार्यालय, नई दिल्ली में 17-3-75 (पूर्वाह्न) से आगामी आदेशों के जारी होने तक संयुक्त मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात के रूप में नियुक्त करते हैं।

सं० 6/823/67-प्रशा० (जी०)---स्वैच्छिक निवृत्ति प्राप्त करने पर संयुक्त मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात के कार्यालय बम्बई में श्रीमती एस० एल० कृपलानी ने 28 फरवरी 1975 के अपराह्न से नियंत्रक के पद का कार्यभार त्याग दिया।

बी० डी० कुमार  
मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात

वाणिज्य मंत्रालय

मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात का कार्यालय

आयात तथा निर्यात व्यापार नियंत्रण

नई दिल्ली, दिनांक 25 अप्रैल 1975

सं० 6/1039/74-प्रशा० (राज०)---मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात एतद्वारा विपणन तथा निरीक्षण निदेशालय, कृषि तथा सिंचाई मंत्रालय, राजकोट के विपणन अधिकारी श्री एस० एच० आर० हप्पी को 29 मार्च, 1975 के पूर्वाह्न से अगले आदेश जारी होने तक संयुक्त मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात का कार्यालय, बम्बई में स्थानापन्न रूप में नियंत्रक क्लास-2 (केन्द्रीय सचिवालय सेवा से इतर) नियुक्त करते हैं।

2. श्री एस० एच० आर० हप्पी 650-30-740-35-810-द० अ०-35-880-40-1000-द० अ०-40-1200 रुपये के वेतनमान में नियमों के अनुसार वेतन प्राप्त करेंगे।

ए० टी० मुखर्जी  
उप-मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात  
हुते मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात

नई दिल्ली, दिनांक 25 अप्रैल 1975

सं० 6/1021/74-प्रशा० (जी०)---सेवा निवर्तन आयु प्राप्त करने पर केन्द्रीय सचिवालय सेवा के वर्ग 4 के स्थायी अधिकारी श्री बी० एल० शर्मा ने इस कार्यालय में 31 मार्च, 1975 के अपराह्न को नियंत्रक, आयात-निर्यात के पद का कार्यभार त्याग दिया।

दिनांक 28 अप्रैल 1975

सं० 6/518/58-प्रशा० (जी०)---राष्ट्रपति, संयुक्त मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात के कार्यालय, बम्बई में श्री एस० पी० दीवान, उप-मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात (केन्द्रीय सचिवालय सेवा से इतर) को उपर्युक्त कार्यालय में 3 अप्रैल, 1975 के पूर्वाह्न से 3 मास की अवधि के लिए उप-नियंत्रक, लोहा तथा इस्पात के रूप में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त करते हैं।

काण्डला मुक्त व्यापार क्षेत्र प्रशासन

गांधीधाम, दिनांक 15 अप्रैल 1975

सं० एफ० टी० जेड०/ए० डी० एम० एन०-7/2/1974---अधिसूचना क्रमांक ए/12018/1/72 ई० आई० दिनांक द्वितीय जनवरी, 1975 को ध्यान में रखते हुए जिसमें कि प्रशासन अधिकारी की पद-नियुक्ति के परिवर्तित आदेश जारी किये गये हैं, श्री यू० जे० बहारमलानी की पद नियुक्ति प्रशासन-अधिकारी, काण्डला मुक्त व्यापार क्षेत्र, जिसका वेतनमान रु० 650-30-740-35-810 ई० बी०-35-880-40-1000-ई० बी०-40 1200 के पद पर अगला आदेश जारी होने तक, 22-3-1975 से कर दी गई है।

एन० विठ्ठल, विकास आयुक्त  
काण्डला मुक्त व्यापार क्षेत्र

उद्योग एवं नागरिक पूति मंत्रालय

औद्योगिक विकास विभाग

विकास आयुक्त लघु उद्योग का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 9 अप्रैल 1975

सं० ए०-19018/16/75-प्रशासन (राजपत्रित)---विकासायुक्त लघु उद्योग, लघु उद्योग सेवा संस्थान हन्दौर में स्थायीवत् लघु उद्योग संवर्द्धन अधिकारी (औद्योगिक प्रबन्ध व प्रशिक्षण) श्री एल० पी० गंगवार को लघु उद्योग सेवा संस्थान कटक में आगामी आदेशों तक औद्योगिक प्रबन्ध व प्रशिक्षण में सहायक निदेशक (ग्रेड-II) के पद पर स्थानापन्न रूप से सहर्ष नियुक्त करते हैं।

श्री एल० पी० गंगवार ने पच्चिस फरवरी 1975 की पूर्वाह्न को लघु उद्योग सेवा संस्थान कटक के औद्योगिक प्रबन्ध व प्रशिक्षण में सहायक निदेशक (ग्रेड-II) के पद का कार्यभार ग्रहण किया।

के० बी० नारायणन  
निदेशक, (प्रशासन)

पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय  
(प्रशासन शाखा 1)

नई दिल्ली-1, दिनांक 22 अप्रैल 1975

सं० प्र०-1/1(962)—महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान एतद्वारा श्री के० के० हलदर को दिनांक 5-4-1975 के पूर्वाह्न से तथा आगामी आदेशों के जारी होने तक पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय, नई दिल्ली में सहायक निदेशक (ग्रेड-II) के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

(प्रशासन शाखा 6)

दिनांक 23 अप्रैल 1975

सं० ए/17011/88/75-प्र-6—महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान एतद्वारा निरीक्षण निदेशक, उत्तर निरीक्षण मंडल, नई दिल्ली के कार्यालय में भंडार परीक्षक (इंजी) श्री डी० एल० तलवाड़ को 7-4-75 के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों के जारी होने तक उसी मंडल में सहायक निरीक्षण अधिकारी (इंजी) के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

के० एल० कोहली,  
उप निदेशक (प्रशासन),  
कृते महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान

(प्रशासन शाखा-1)

नई दिल्ली-1 दिनांक 17 अप्रैल 1975

प्र-1/1(1022) महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान एतद्वारा उप महानिदेशक पूर्ति तथा निपटान कलकत्ता के कार्यालय में अवर क्षेत्राधिकारी श्री सुबलेन्दुदास को 22 मार्च, 1975 के पूर्वाह्न से तथा आगामी आदेशों के जारी होने तक इस महानिदेशालय, नई दिल्ली में सहायक निदेशक पूर्ति (ग्रेड-II) के पद पर तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

श्री सुबलेन्दु दास की सहायक निदेशक (ग्रेड-II) के पद पर नियुक्ति पूर्णतः अस्थायी तथा श्री एम० कुण्ठरामो द्वारा उच्च न्यायालय, नई दिल्ली में दायर याचिका सं० 739/71 के निर्णय के अधीन होगी।

दिनांक 26 अप्रैल 1975

सं० प्र०-1/1(1023)-महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान एतद्वारा पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय, नई दिल्ली में अवर क्षेत्र अधिकारी श्री डी० पी० गौड़ को दिनांक 26 मार्च, 1975 के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों के जारी होने तक इस महानिदेशालय में सहायक निदेशक पूर्ति (ग्रेड-II) के पद पर तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

श्री गौड़ की सहायक निदेशक (ग्रेड-II) के पद पर नियुक्ति पूर्णतः अस्थायी तथा श्री एम० कुण्ठरामो द्वारा उच्च न्यायालय, दिल्ली में दायर याचिका सं० 739/71 के निर्णय के अधीन होगी।

दिनांक 6 मई 1975

सं० प्र-1/1(455)—राष्ट्रपति, पूर्ति तथा निपटान निदेशक बम्बई के कार्यालय में सहायक निदेशक (ग्रेड-I) (भारतीय पूर्ति सेवा के ग्रेड-III) श्री टी० ए० अवतरमानी को दिनांक 15 अप्रैल,

1975 के पूर्वाह्न से तथा आगामी आदेशों के जारी होने तक उसी कार्यालय बम्बई में उप निदेशक पूर्ति (भारतीय पूर्ति सेवा के ग्रेड-II) के पद पर स्थानापन्न रूप से तदर्थ आधार पर नियुक्त करते हैं।

(प्रशासन शाखा 6)

दिनांक 23 अप्रैल 1975

सं० ए०/17011/89/75-प्र-6—महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान एतद्वारा कलकत्ता निरीक्षण मंडल में भंडार परीक्षक (वस्त्र) श्री पी० एन० मुखर्जी को दिनांक 17-3-75 के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों के जारी होने तक निरीक्षण निदेशक कलकत्ता के कार्यालय में निरीक्षण अधिकारी (वस्त्र) के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

दिनांक 26 अप्रैल 1975

सं० ए-17011(83)/75-प्र-6—राष्ट्रपति, इंजीनियरी सेवा परीक्षा, 1973 के परिणाम के आधार पर नामित प्रत्याशी श्री अशोक कुमार वर्मा को दिनांक 3-3-75 से भारतीय निरीक्षण सेवा (श्रेणी-I) की इंजीनियरी शाखा के ग्रेड-III में नियुक्त करते हैं।

श्री वर्मा ने दिनांक 3-3-75 के पूर्वाह्न से निरीक्षण निदेशक, उत्तरी निरीक्षण मंडल, नई दिल्ली के कार्यालय में निरीक्षण अधिकारी (इंजी) का कार्यभार सम्भाल लिया।

दिनांक 1 मई 1975

सं० प्र-6/247(83)/IV —स्थायी निरीक्षण निदेशक तथा भारतीय निरीक्षण सेवा के ग्रेड-1 में स्थानापन्न उप महानिदेशक (निरीक्षण) श्री पी० सी० कपूर दिनांक 28-2-75 के अवराह्न से निवर्तन आयु (58 वर्ष) होने पर सरकारी सेवा से निवृत्त हो गये।

के० एल० कोहली,  
उप निदेशक (प्रशासन)

इस्पात और खान मंत्रालय

(खान विभाग)

भारतीय खनि विभाग

नागपुर, दिनांक 17 मई 1975

सं० ए० 19011(5)/70-सिखन्दी ए—राष्ट्रपति डा० एम० सी० सिंघल, प्रादेशिक खनि नियंत्रक, भारतीय खनि विभाग को दिनांक 3 मई, 1975 के पूर्वाह्न से आगामी आदेश होने तक भारतीय खनि विभाग इस कार्यालय में खनि नियंत्रक के पद पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त करते हैं।

ए० के० राघवाचारी,  
प्रवर प्रशासन अधिकारी,  
भारतीय खनि विभाग

नागपुर, दिनांक 19 अप्रैल 1975

स० ए० 19011(80)/70-सिखन्दी ए—राष्ट्रपति श्री मोहम्मद अनवर, सहायक खान नियंत्रक, भारतीय खनि विभाग को दि० 12 मार्च, 1975 के पूर्वाह्न से आगामी आदेश होने तक भारतीय खनि विभाग में उप खान नियंत्रक के पद पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त करते हैं।

डी० एन० भार्गव, नियंत्रक

### भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकत्ता-13, दिनांक 2 मई 1975

स० 2251(के० के० डी०)/19 बी—भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के डीलर श्री के० के० दे का निधन 28 फरवरी, 1975 को हो गया।

स० 40/56/सी/19ए—महानिदेशक, भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के व्यक्तिगत सहायक श्री सुधामय चक्रवर्ती को भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के से रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000 द० रो०-40-1200 के वेतनमान में नियमानुसार वेतन पर 5 मई 1975 के पूर्वाह्न से अगला आदेश दिये जाने तक, पदोन्नति द्वारा तदर्थ रूप में सहायक प्रशासनिक अधिकारी, नियुक्त किया जाता है।

दिनांक 13 मई 1975

संख्या 40/59/सी/19ए—भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के निम्न लिखित अधीक्षकों को सहायक प्रशासनिक अधिकारी के पद पर भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में नियमानुसार 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० के वेतनमान में अगले आदेश तक उनके नामों के आगे दी गई तारीख से तदर्थ रूप में नियुक्त किया जाता है।

क्र० सं०	नाम	नियुक्ति की तारीख
1.	श्री शान्ति रजन भट्टाचार्य	3-5-75 (पूर्वाह्न)
2.	श्री एम० एन० चौधरी	5-5-75 (पूर्वाह्न)
3.	श्री तागपद मुखर्जी	5-5-75 (पूर्वाह्न)

सी० करुणाकरन्  
महानिदेशक

भारतीय प्राणि विज्ञान सर्वेक्षण विभाग

कलकत्ता-12, दिनांक 12 मई, 1975

स० एफ० 92-83/74-स्थापना—श्री कृपा सुधाकर, को भारतीय प्राणि विज्ञान सर्वेक्षण विभाग के प्रधान कार्यालय, कलकत्ता के अन्तर्गत अस्थायी आधार पर सहायक प्राणि वैज्ञानिक (राजपत्रित द्वितीय श्रेणी) के रूप में, 19 अप्रैल, 1975 (पूर्वाह्न) से आगामी आदेशों तक नियुक्त किया जा रहा है।

एफ 92-84/74-स्थापना—डा० आर० सी० सुब्बा राजू को सहायक प्राणि वैज्ञानिक (राजपत्रित द्वितीय श्रेणी) के रूप में अस्थायी आधार पर भारतीय प्राणि विज्ञान सर्वेक्षण विभाग के हाई अल्टीच्यूड जूलोजी फील्ड स्टेशन, सोलन के अन्तर्गत 9 अप्रैल, 1975 (पूर्वाह्न) से आगामी आदेशों तक नियुक्त किया जाता है।

डा० स० खेरा,  
उप निदेशक कार्यभारी,  
भारतीय प्राणि विज्ञान सर्वे० विभाग

### भारतीय सर्वेक्षण विभाग

महासर्वेक्षक का कार्यालय

देहरादून, दिनांक 28 अप्रैल, 1975

केन्द्रीय सिविल सेवाएँ (अस्थायी सेवा) नियमावली, 1965 के नियम 5(1) के अन्तर्गत निमित्त सेवा समाप्ती का नोटिस

स० ई-1-4955/पी० एफ० (एम० आई० हक)—केन्द्रीय सिविल सेवाएँ (अस्थायी सेवा) नियमावली, 1965 के नियम 5 के उपनियम (1) के अनुसार श्री मोहम्मद इम्तियाजुल हक, अधिकारी, सर्वेक्षक को एतद्वारा नोटिस दिया जाता है कि इस नोटिस के सकाराती राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से एक महीने की अवधि के समाप्त होने के बाद की तारीख से उनकी सेवा समाप्त हो जायेगी क्योंकि उन्होंने तारीख 10-10-72 के नोटिस की पावती नहीं भेजी है।

हरी नारायण,  
महासर्वेक्षक भारत  
(नियुक्ति प्राधिकारी)

### भारतीय मानव विज्ञान सर्वेक्षण

भारतीय संग्रहालय

कलकत्ता-13, दिनांक 25 मार्च, 1975

स० 4-104/74-स्था०—निदेशक, भारतीय मानव विज्ञान सर्वेक्षण, श्री जोगेण्वर महत को इस सर्वेक्षण के प्रधान कार्यालय, कलकत्ता में सहायक मनोवैज्ञानिक के पद पर 15 मार्च, 1975 के पूर्वाह्न से अस्थायी आधार पर अगले आदेशों तक नियुक्त करते हैं।

स० 4-105/74-स्था०—भारतीय मानव विज्ञान सर्वेक्षण के निदेशक, श्री असीम कुमार अधिकारी को इस सर्वेक्षण के प्रधान कार्यालय, कलकत्ता में सहायक मानव विज्ञानी (सांस्कृतिक) के पद पर 18/3/75 के पूर्वाह्न से अस्थायी आधार पर अगले आदेशों तक नियुक्त करते हैं।

दिनांक 4 अप्रैल 1975

स० 4-111/75-स्था०—निदेशक भारतीय मानव विज्ञान सर्वेक्षण श्री विकास भट्ट को, सर्वेक्षण के क्षेत्रीय मानव विज्ञान संग्रहालय, जगदलपुर में सहायक कीपर के पद पर 12 मार्च, 1975 के पूर्वाह्न से अस्थायी आधार पर अगले आदेशों तक नियुक्त करते हैं।

दिनांक 5 अप्रैल 1975.

सं० 4-101/74-स्था०—निदेशक, भारतीय मानवविज्ञान सर्वेक्षण के श्री राजेन्द्र सरकार की इस सर्वेक्षण के उत्तर-पश्चिम स्टेशन, देहरादून में सहायक मानव विज्ञानी (सांस्कृतिक) के पद पर 24 मार्च, 1975 के पूर्वाह्न से अस्थायी आधार पर अगले आदेशों तक नियुक्ति करते हैं।

सी० टी० थोमस,  
वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी

### राष्ट्रीय अभिलेखागार

नई दिल्ली-1, दिनांक 12 मई 1975

सं० 'फा० 11-2/74-ए-1—अभिलेख-निदेशक, भारत सरकार इसके द्वारा श्री ओम् प्रकाश भुगरा, सहायक माइक्रोफोटोग्रेफिस्ट (पदक्रम 1) को दिनांक 28 अप्रैल 1975 के पूर्वाह्न से आगामी आदेश पर्यन्त तदर्थ आधार पर माइक्रोफोटोग्राफिस्ट के रूप में स्थानापन्न रूप से काम करने के लिये नियुक्त करते हैं।

सं० फा० 11-3/74-ए-1—अभिलेख-निदेशक, भारत सरकार इसके द्वारा श्री राजेन्द्र प्रसाद, सहायक रसायनज्ञ (पदक्रम 1) को दिनांक 2 मई, 1975 के पूर्वाह्न से आगामी आदेश पर्यन्त, तदर्थ आधार पर वैज्ञानिक अधिकारी के रूप में स्थानापन्न रूप से काम करने के लिये नियुक्त करते हैं।

प्रशासन-अधिकारी,  
राष्ट्रीय अभिलेखागार,  
कृते अभिलेख-निदेशक

### विस्फोटक विभाग

नागपुर, दिनांक 16 अप्रैल, 1975

सं० ई-11 (7) :—इस विभाग की अधिसूचना सं० ई-11 (7) दिनांक 11 जुलाई, 1969 में श्रेणी 2 के अधीन - नाइट्रेट मिक्सचर, "अक्वाडाइन-11" की पविष्ट में संख्या "1975" के स्थान पर संख्या "1976" प्रतिस्थापित की जायेगी।

इंगुव नरसिंह मूर्ति  
मुख्य विस्फोटक नियन्त्रक

### आकाशवाणी महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 19 अप्रैल, 1975

सं० 4/84/75-एस-एक :—महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्वारा श्री ए० आर० हाडिकर, को 31 मार्च, 1975 से अग्रेतर आदेशों तक, आकाशवाणी, पुना में अस्थायी आधार पर, कार्यक्रम निष्पादक (प्रोग्राम एक्जीक्यूटिव) के पद पर नियुक्त करते हैं।

सं० 4/27/75-एस-एक :—महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्वारा श्री पर्सियम डी० शिरा को 29 मार्च, 1975 के अग्रहो से अग्रेतर आदेशों तक, आकाशवाणी, शिलांग

में अस्थायी आधार पर, कार्यक्रम निष्पादक के पद पर नियुक्त करते हैं।

सं० 4/73/75 एस-एक :—महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्वारा श्रीमती विजया एम० जोगलेकर, को 19 मार्च, 1975 से अग्रेतर आदेशों तक दूरदर्शन केन्द्र, आकाशवाणी बम्बई, में अस्थायी आधार पर कार्यक्रम निष्पादक (प्रोग्राम एक्जीक्यूटिव) के पद पर नियुक्त करते हैं।

सं० 5/117/67-एस-एक :—महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्वारा श्री वाई० पी० सिंह प्रसारण निष्पादक (ट्रांसमिशन एक्जीक्यूटिव) को 12 मार्च, 1975 से अग्रेतर आदेशों तक दूरदर्शन केन्द्र, आकाशवाणी, नई दिल्ली में अस्थायी आधार पर, कार्यक्रम निष्पादक (प्रोग्राम एक्जीक्यूटिव) के पद पर नियुक्त करते हैं।

सं० 4/35/75-एस-एक :—महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्वारा श्रीमती विजय लक्ष्मी सिन्हा को 21 मार्च, 1975 से अग्रेतर आदेशों तक, आकाशवाणी, पटना में अस्थायी आधार पर, कार्यक्रम निष्पादक (प्रोग्राम एक्जीक्यूटिव) के पद पर नियुक्त करते हैं।

सं० 5/16/67-एस-एक :—महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्वारा श्री एम० के० सर्वे, प्रसारण निष्पादक (ट्रांसमिशन एक्जीक्यूटिव), आकाशवाणी, पुना को 27 मार्च, 1975 से अग्रेतर आदेशों तक, उसी केन्द्र पर, अस्थायी आधार पर, कार्यक्रम निष्पादक (प्रोग्राम एक्जीक्यूटिव) के पद पर नियुक्त करते हैं।

सं० 4/18/64-एस-एक :—महानिदेशक, आकाशवाणी एतद्वारा श्री टी० गणेशन, प्रसारण निष्पादक (ट्रांसमिशन-एक्जीक्यूटिव), आकाशवाणी, तिरुचिरापल्ली को 15 मार्च, 1975 से अग्रेतर आदेशों तक, उसी केन्द्र पर, अस्थायी आधार पर, कार्यक्रम निष्पादक (प्रोग्राम एक्जीक्यूटिव) के पद पर नियुक्त करवे हैं।

सं० 4/24/75-एस-एक :—महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्वारा श्री एम० सी० शाह को 22-3-75 से अग्रेतर आदेशों तक, आकाशवाणी, राजकोट में अस्थायी आधार पर निष्पादक (प्रोग्राम एक्जीक्यूटिव) के पद पर नियुक्त करते हैं।

सं० 5/42/70-एस-एक :—महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्वारा श्री एस० ए० हुडगुण्ड, प्रसारण निष्पादक (ट्रांसमिशन एक्जीक्यूटिव), आकाशवाणी, धारवाड को 24 मार्च, 1975 से अग्रेतर आदेशों तक, आकाशवाणी, धारवाड में अस्थायी आधार पर, कार्यक्रम निष्पादक (प्रोग्राम एक्जीक्यूटिव) के पद पर नियुक्त करते हैं।

दिनांक 28 अप्रैल, 1975

सं० 1 (16) /75-एस-एक :—महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्वारा श्रीमती के० तुलसी को 4 अप्रैल, 1975 से अग्रेतर आदेशों तक, आकाशवाणी, मद्रास में, अस्थायी आधार पर, कार्यक्रम निष्पादक के पद पर नियुक्त करते हैं।

सं० 4 (123) / 75-एस-एक :— महानिदेशक, आकाशवाणी एतद्द्वारा श्री नवशर्मा को 5 अप्रैल, 1975 से अग्रेतर आदेशों तक, आकाशवाणी, गोहाटी में, अस्थायी आधार पर, कार्यक्रम निष्पादक के पद पर नियुक्त करते हैं ।

सं० 4 (75) / 75-एस-एक :— महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्द्वारा श्री वी० डी० अन्तानी को 9 अप्रैल, 1975 से अग्रेतर आदेशों तक, आकाशवाणी, कजु में अस्थायी आधार पर, कार्यक्रम निष्पादक के पद पर नियुक्त करते हैं ।

सं० 4 (36) / 75-एस-एक :— महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्द्वारा डा० उदयभान मिश्र को 2 अप्रैल, 1975 से अग्रेतर आदेशों तक आकाशवाणी, नई दिल्ली में, अस्थायी आधार पर, कार्यक्रम निष्पादक के पद पर नियुक्त करते हैं ।

सं० 4 (48) / 75-एस-एक :— महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्द्वारा श्री जी० एस० कृष्णन् को 5 अप्रैल, 1975 से अग्रेतर आदेशों तक, आकाशवाणी, तिरुनेलवेली में अस्थायी आधार पर, कार्यक्रम निष्पादक के पद पर नियुक्त करते हैं ।

सं० 4 (58) / 75-एस-एक :— महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्द्वारा श्री वी० के० गोधिन्दी को 31 मार्च, 1975 से अग्रेतर आदेशों तक, आकाशवाणी, हैदराबाद में, अस्थायी आधार पर, कार्यक्रम निष्पादक के पद पर नियुक्त करते हैं ।

सं० 5 (75) / 61-एस-एक :— दिनांक 1-1-1975 से 30-4-1975 तक मंजूर की गई सेवा-निवृत्त पूर्व छुट्टी की समाप्ति पर, श्री ए० एच० बक, कार्यक्रम निष्पादक रेडियो काश्मीर, श्रीनगर, दिनांक 30 अप्रैल, 1975 को अपराह्न में सेवा-निवृत्त हो जाएंगे ।

सं० 4 (116) / 75-एस-एक :— महानिदेशक, आकाशवाणी एतद्द्वारा श्री इन्द्रराज वैद को 7 अप्रैल, 1975 से अग्रेतर आदेशों तक, विज्ञापन प्रसारण सेवा, आकाशवाणी, अय्यपुर में अस्थायी आधार पर, कार्यक्रम निष्पादक के पद पर नियुक्त करते हैं ।

सं० 4 (122) / 75-एस-एक :— महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्द्वारा श्री माखन चन्द्र राजखोवा को 5 अप्रैल, 1975 से अग्रेतर आदेशों तक आकाशवाणी, गोहाटी में, अस्थायी आधार पर, कार्यक्रम निष्पादक के पद पर नियुक्त करते हैं ।

सं० 4 (11) / 75-एस-एक :— महानिदेशक, आकाशवाणी एतद्द्वारा श्री एम० एच० खान को 31 मार्च, 1975 से अग्रेतर आदेशों तक, आकाशवाणी, गुलबर्गा में, अस्थायी आधार पर, कार्यक्रम निष्पादक के पद पर नियुक्त करते हैं ।

सं० 5 (150) / 67-एस-एक :— महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्द्वारा श्री एम० अशितारन्, प्रसारण निष्पादक, आकाशवाणी, कालीकट को 3 अप्रैल, 1975 से अग्रेतर आदेशों तक, आकाशवाणी, तिरुनेलवेली में, अस्थायी आधार पर, कार्यक्रम निष्पादक के पद पर नियुक्त करते हैं ।

सं० 4 (92) / 75-एस-एक :— महानिदेशक, आकाशवाणी एतद्द्वारा श्री श्रीकान्त दास को, 2 अप्रैल, 1975 से अग्रेतर आदेशों तक, आकाशवाणी मंबलपुर में, अस्थायी आधार पर, कार्यक्रम निष्पादक के पद पर नियुक्त करते हैं ।

सं० 4 (66) / 75-एस-एक :— महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्द्वारा श्री कार्तिकेश्वर नायक को 31 मार्च, 1975 से अग्रेतर आदेशों तक, आकाशवाणी, कटक में, अस्थायी आधार पर, कार्यक्रम निष्पादक के पद पर नियुक्त करते हैं ।

सं० 4 (111) / 75-एस-एक :— महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्द्वारा श्री अथोस फर्नान्डिस, क्लर्क ग्रेड-एक, आकाशवाणी, पणजी को पहली अप्रैल, 1975 से, अग्रेतर आदेशों तक, उसी केन्द्र पर अस्थायी आधार पर, कार्यक्रम निष्पादक के पद पर नियुक्त करते हैं ।

दिनांक 12 मई, 1975

सं० ए-30014 (2) / 74-एस-छः :— महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्द्वारा श्री एस० एस० पाने के, कृषि/रेडियो अधिकारी, आकाशवाणी, पूना को 23 फरवरी, 1974 से उसी पद पर स्थायित्व पद-क्षमता में नियुक्त करते हैं ।

शांति लाल  
प्रशासन उपनिदेशक  
कृते महानिदेशक

नई दिल्ली, दिनांक 9 मई 1975

सं० 2/39/60-एस-दो :— महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्द्वारा श्री एन० एन० घोष, मुख्य लिपिक, आकाशवाणी, कलकत्ता को दिनांक 19-4-75 (पूर्वाह्न) से आकाशवाणी, रांची में तदर्थ आधार पर प्रशासनिक अधिकारी के रूप में स्थानापन्न रूप में कार्य करने के लिए नियुक्त करते हैं ।

दिनांक 13 मई 1975

सं० 2/23/61-एस-दो :— श्री मुहम्मद युसूफ प्रशासनिक अधिकारी, आकाशवाणी, हैदराबाद, अधिवार्षिक आयु प्राप्त करने पर, 30-4-75 को अपराह्न में सेवा निवृत्त हो गए ।

इन्द्र सेन पांडी,  
अनुभाग अधिकारी  
कृते महानिदेशक

## सिविल निर्माण स्कंध

नई दिल्ली, दिनांक अप्रैल, 1975

सं० ए-12023/2/74-सी० डब्लू०-1:— महानिदेशक, आकाशवाणी, श्री एस० के० दास को, 18-3-75 (पूर्वाह्न) से अप्रेतर आदेशों तक, आकाशवाणी के सिविल निर्माण स्कंध में सहायक अभियन्ता (सिविल) के रूप में नियुक्त करते हैं तथा उन्हें उप मंडलीय कार्यालय (सिविल) कलकत्ता, में तैनात करते हैं।

के० बालसुब्रमण्यम्  
मुख्य इंजीनियर के इंजीनियरी अधिकारी  
कृते महानिदेशक।

## सूचना और प्रसारण मंत्रालय

पत्र सूचना कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक मई 1975

सं० ए 12026/3/74-स्टा० वि० मुख्य सूचना:— अधिकारी केन्द्रीय सचिवालय सेवा में के चतुर्थ ग्रेड के स्थाई अधिकारी श्री एस० एन० त्रिपाठी, जो भारतीय समाचार पत्रों के रजिस्ट्रार नई दिल्ली में कार्य कर रहे हैं, पत्र सूचना कार्यालय कलकत्ता में प्रशासन अधिकारी के पद प्रतिनियुक्ति के आधार पर नियुक्त करते हैं। यह प्रतिनियुक्ति 22 अप्रैल 1975 की प्रातः से तब तक के लिए लागू होगी जब तक इस संबंध में आगे आदेश नहीं दिये जाते।

मदन मोहन शर्मा,

सहायक मुख्य सूचना अधिकारी

कृते मुख्य सूचना अधिकारी

## स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 28 अप्रैल 1975

सं० 38-12/74-सी एच० एस० -1 :— अपने स्थानांतरण के परिणामस्वरूप केन्द्रीय स्वास्थ्य सेवा के जी० डी० ओ० ग्रेड-1 के अधिकारी डा० एस० जी० वोहरा ने 20 मार्च, 1975 के पूर्वाह्न को केन्द्रीय स्वास्थ्य शिक्षा ब्यूरो, स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय, नई दिल्ली में उप-सहायक निदेशक (जन स्वास्थ्य) के पद का कार्यभार छोड़ दिया तथा 29 मार्च, 1975 के पूर्वाह्न को पत्तन स्वास्थ्य संगठन, कलकत्ता, में पत्तन स्वास्थ्य अधिकारी के पद का कार्यभार ग्रहण कर लिया।

रवीन्द्र नाथ तिवारी,

उप निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक

1975

सं० 36-10/73-एडमिन-1 :— प्रत्यावर्तन होने के परिणामस्वरूप श्री राजकुमार सूरी ने विलिंग्डन अस्पताल, नई दिल्ली के प्रशासन अधिकारी के पद का कार्यभार 25 मार्च, 1975 के अपराह्न में छोड़ दिया तथा उसी तारीख को स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय में अनुभाग अधिकारी के पद का कार्यभार ग्रहण कर लिया।

सं० 9-5/75-एडमिन-1 :— स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय के प्रशासन और सतर्कता निदेशक ने राजकुमारी अमृतकौर परिचर्या महाविद्यालय, नई दिल्ली, की क्लिनिकल अनुदेशक कुमारी मनजीत कौर का त्यागपत्र 10 मार्च, 1975 के अपराह्न से स्वीकार कर लिया है।

दिनांक 29 अप्रैल 1975

सं० 12-1/75-प्रशासन-1:—उत्पात तथा खान मंत्रालय (इस्पात विभाग) में स्थानांतरण हो जाने पर श्री आर० चक्रवर्ती ने 10 अप्रैल, 1975 के पूर्वाह्न को इस निदेशालय में अनुभाग अधिकारी के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

दिनांक 1975

सं० 9-3/74-प्रशासन-1:—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय में प्रशासन और सतर्कता निदेशक ने कुमारी लीलम्मा इब्राहिम को राजकुमारी अमृत कौर परिचर्या महाविद्यालय नई दिल्ली में, 16 फरवरी 1975 से क्लिनिकल अनुदेशक के पद पर अस्थायी रूप में तथा आगामी आदेशों तक नियुक्त किया है।

दिनांक 1 मई 1975

सं० 26-2/70-प्रशासन-1 :— भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद् में वैज्ञानिक के पद पर अपनी नियुक्ति के परिणामस्वरूप डाक्टर एस० जे० रहमान ने 31 अक्टूबर 1974 के अपराह्न से राष्ट्रीय संचारी रोग संस्थान, दिल्ली में अनुसंधान अधिकारी के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

दिनांक 6 मई 1975

सं० 17-26/74-एडमिन-1 :— राष्ट्रपति जी ने डा० पी० दास गुप्त को 28 अगस्त, 1973 में स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय में भेषजगुण विज्ञानी के स्थायी पद पर स्थायी रूप से नियुक्त किया है।

दिनांक 9 मई 1975

सं० 17-40/एडमिन/1:— हैदराबाद में उप सहायक महानिदेशक (मेडिकल स्टोर्स) के पद पर अपनी नियुक्ति के फलस्वरूप श्री एम० रविकान्त ने 9 अप्रैल, 1975 के अपराह्न को स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय में सहायक सचिव (भारतीय भेषज संग्रह समिति) के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

दिनांक 16 मई 1975

सं० 27-5/73-एडमिन-1:— राष्ट्रपति जी ने डा० एस० पी० राम चौधरी को राष्ट्रीय संचारी रोग संस्थान दिल्ली में, 22 मार्च, 1972 के पूर्वाह्न से उप सहायक निदेशक (रसायनज्ञ) के पद पर स्थायी रूप से नियुक्त किया है।

दिनांक 1975

सं० 10-7/74-एडमिन-1 :— स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने श्री अरुण रंजन सेन को केन्द्रीय खाद्य प्रयोगशाला, कलकत्ता में तकनीकी अधिकारी (प्राध्यापक) (श्रेणी 2 राज पत्रित) के पद पर अस्थायी आधार पर 10 मार्च, 1975 के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक नियुक्त किया है।

दिनांक 19 मई 1975

सं० 17-14/75-एडमिन-1 :— राष्ट्रपति ने श्री दर्शन सिंह चड्ढा को स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय में 25 अप्रैल, 1975 के पूर्वाह्न से तथा आगामी आदेशों तक सहायक महानिदेशक (पी० एफ० ए०) के पद पर तदर्थ आधार पर नियुक्त किया है।

सहायक महानिदेशक (पी० एफ० ए०) के पद पर अपनी नियुक्ति के परिणामस्वरूप श्री दर्शन सिंह चड्ढा ने स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय में उपसहायक महानिदेशक (पी० एफ० ए०) के पद का कार्यभार 24 अप्रैल, 1975 के अपराह्न से छोड़ दिया।

सूरज प्रकाश जिन्दल,  
उप निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 30 अप्रैल 1975

सं० 21-2/73-एस-1 (पार्ट) :— चिकित्सा सामग्री संगठन में स्थायी फ़ैक्ट्री प्रबन्धक और स्थानापन्न उप-सहायक महानिदेशक (चि० सा०) श्री के० पी० बी० पिशा-रोटी अधिवार्षिकी वय की प्राप्ति पर 31 जनवरी, 1974 के अपराह्न से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए।

यह अधिसूचना इस निदेशालय की दिनांक 17-4-74 की अधिसूचना संख्या 21-2/73-एस० 1 का स्थान लेगी।

संगत सिंह,  
उपनिदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 23 अप्रैल 1975

सं० 24/6/(1)/75-सी० जी० एच० एस०-1 :— संघ लोक सेवा आयोग द्वारा नामित डा० मुहम्मद कुदरतुल्ला के केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, कानपुर, में 18 फरवरी, 1975 के पूर्वाह्न को केन्द्रीय स्वास्थ्य सेवा के जी० डी० ओ० ग्रेड-2 के पद का कार्यभार ग्रहण करने के परिणाम-स्वरूप डा० रमेश आहूजा, कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी (तदर्थ) (निलम्बित) की सेवाएं उनकी तदर्थ नियुक्ति की शर्तों के अनुसार समाप्त कर दी गईं।

के० वेणुगोपाल,  
उपनिदेशक प्रशासन

कृषि एवं सिंचाई मंत्रालय  
विस्तार निदेशालय,

नई दिल्ली, दिनांक 7 मई 1975

मि० सं० 5(7)/68-सिबबन्दी (प्रथम) :— भारतीय राज्य फार्म निगम से परावर्तन होने पर विस्तार निदेशालय के स्थायी अधीक्षक श्री के० पी० श्रीनिवासन अधीक्षक (ग्रेड प्रथम) ने 1 मई, 1975 के पूर्वाह्न से निदेशालय में अधीक्षक (ग्रेड प्रथम) के पद का कार्यभार संभाल लिया है।

पी० के० मुखर्जी,  
प्रशासन निदेशक

(ग्रामीण विकास विभाग)

विपणन और निरीक्षण निदेशालय  
(प्रधान शाखा कार्यालय)

नागपुर, दिनांक 18 अप्रैल 1975

सं० फा० 2/8/75 - वि० II :— भारत के राजपत्र में प्रकाशित सं० 125, 126, 127, दि० 15-9-1962 सं० 1131, 1132, दि० 7-8-1965, सं० 2907 दि० 5-3-1971, सं० 3601-क, 3601-ख, 13601-ग, दि० 1-10-1971 सं० 3099 दि० 3-11-1973, भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) 1, विदेश व्यापार मंत्रालय और वाणिज्य मंत्रालय की अधिसूचनाओं के लिए मैं एतद्वारा श्री वी० एस० भारद्वाज, सहायक विपणन अधिकारी को इस अधिसूचना के जारी किए जाने की तारीख से काली मिर्च, मिर्च, इलायची, अदरक, हल्दी, धनिया, सौंफ, मेथी, सेलरी, बीज और जीरा, जिनका श्रेणीकरण कृषि उपज (श्रेणीकरण और चिह्न) अधिनियम, 1937 (1937 का 1) के खण्ड 3 के अधीन सूचीकृत संबद्ध पण्यों के श्रेणीकरण और चिह्नन नियमों के उपबन्धों के अनुसार किया जा चुका है, के संबंध में श्रेणीकरण प्रमाण पत्र जारी करने के लिए प्राधिकृत करता हूँ।

एन० के० मुरलीधरराव,  
कृषि विपणन सलाहकार

फरीदाबाद, दिनांक 25 अप्रैल 1975

सं० फा० 4-6 (2)/74-प्रशा०-I :— श्री के० सुब्रह्मण्यम, सहायक विपणन अधिकारी, वर्ग-प्रथम नागा-पत्तिनम को, इस निदेशालय के अधीन कार्यालय तृतीकोरिन में तारीख 27 दिसम्बर, 1974 के अपराह्न से अगले आदेश होने तक तदर्थ आधार पर स्थानापन्न विपणन अधिकारी, वर्ग-प्रथम नियुक्त किया जाता है।

दिनांक 15 मई 1975

सं० फा० 4-6(16)/74 प्रशा I :— संघ लोक सेवा आयोग की ससंतुतियों के अनुसार श्री कंवरसिंह निशाल को विपणन एवं निरीक्षण निदेशालय नई दिल्ली, में दिनांक 12 जुलाई, 1974 के पूर्वाह्न से अगले आदेश होने तक स्थानापन्न सहायक विपणन अधिकारी वर्ग-द्वितीय नियुक्त किया गया है।

एन० के० मुरलीधरराव,  
कृषि विपणन सलाहकार

(खाद्य विभाग)

राष्ट्रीय शर्करा संस्था

कानपुर, दिनांक 22 अप्रैल 1975

सं० 19 (6) :— श्री आर० पी० शुक्ला अनुसंधान सहायक राष्ट्रीय शर्करा संस्था की कनिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी (फिजिकल कैमिस्ट्री) के पद पर तदर्थ आधार पर दिनांक 7-4-1975 पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक के लिए स्थानापन्न नियुक्ति की जाती है। श्री शुक्ला 650-30-740-35-810-ई० बी०-35-880-40-1000-ई० बी०-40-1200 के वेतनमान में प्रारम्भिक वेतन प्राप्त करेंगे।

ह० अपठनीय  
निदेशक

आई० टी० एन० एस० —————

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, KAKINADA

Kakinada, the 11th April 1975

Acq. File No. 1917/74-75/JI. N. I(420)/GTR/74-75.—  
यतः मुझे, K. Subba Raoभायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से  
अधिक है और जिसकी सं० 12-25-63. Guntur है जो  
Guntur में स्थित है (और इससेउपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय, Guntur में भारतीय  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन 15-9-1974को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत  
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण  
के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत  
said Act के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,  
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या said Act या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग  
of the said Act के अनुसरण में, मैं, said Act  
की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—(1) Smt. B. N. Mallikamba,  
W/o S. Prakasa Rao,  
Guntur.

(अन्तरक)

S/Shri

(2) 1. M. Deenadayal,  
2. M. Parathasarathi Naidu,  
3. M. Krishna Murthy Naidu,  
4. M. Purushottam Naidu,  
5. M. Gopal Rao Naid, and  
6. Smt. M. Laxmi.

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी  
व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो  
said Act के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

The schedule property as mentioned in the sale deed dated  
12th September, 1974 vide document No. 4676 dated 12-9-74  
registered before the SRO, Guntur.

K. SUBBA RAO

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, Kakinada

दिनांक : 11-4-1975

मोहर :



प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, KAKINADA.

Kakinada, the 11th April 1975

Acq. File No. 190/74-75 J. No. I(367)/EG/74-75.—

अतः, मुझे, K. Subba Rao आयकर अधिनियम, 1961  
(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम,  
कहा गया है )

की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी,  
को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति  
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और  
जिसकी सं० 2-40-27, है जो Alcot Garden, Main Road, RJY में  
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, Rajahmundry में भारतीय  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
15-9-74 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित

बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए  
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के  
लिए और/या;

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,  
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957  
का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा  
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए  
था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

अतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) Shri P. Venkatanarayana.  
Lalimeddyvari Street,  
Innispetta, Rajahmundry-2.

(अन्तरक)

S/Shri

(2) 1. Umedraj,  
2. Tejorai,  
3. Kanakraj,  
8-2-21, Nalam Bhimaraju St.  
Rajahmundry.

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा-  
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस  
अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

The property as stated in the from No. 37G vide document  
No. 3673/74 dated 4-9-74 registered before the SRO, Rajah-  
mundry.

K. SUBBA RAO

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, KAKINADA.

तारीख : 11-4-75

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

(1) Smt. Gokaravapu Sesbaratnam, Palakol,  
W/o Sundaraswara Rao.

(Transferor)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

(2) Smt. Vendra Parvatamma,  
W/o Nagabhushanam,  
Nidadavok, Vevvur Taluk.

(Transferee)

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, KAKINADA

Kakinada, the 11th April 1975

Acq. File No. 193/74-75/J. No. 1(337)/74-75.—

यतः, मुझे, K. Subba Rao

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)  
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को  
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,  
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी सं०

Door No. 14-1-8, है जो, Eluru Canal Road 14th Ward,  
Nidadavole में स्थित है (और इससे उपाबद्ध

अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
के कार्यालय, Nidadavole में भारतीय रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 30-9-1974  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य  
से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए  
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि  
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रति-  
फल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और  
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच  
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत,  
उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग  
के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा  
269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित  
व्यक्तियों अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा-  
परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो  
उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

The schedule property as shown in form No. 37G vide  
Document No. 2029 dated 20-9-74 Registered before the  
S.R.O., Nidadavole.

K. SUBBA RAO

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, Kakinada

तारीख : 11-4-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० ———

(1) Sri P. Narayana Murthy,  
Anakapally.

(Transferor)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

(2) Sri P. Chidambra,  
Swang, Visakhapatnam.

(Transferee)

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, KAKINADA

Kakinada, the 9th April 1975

Acq. File No. 189/J. No. I(119)/VSP/74-75.—

यतः मुझे, K. Subba Rao

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 26-14-372, Wood Yard Street है, जो Visakhapatnam में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय Visakhapatnam में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 15-9-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए सुकर बनाना;

अतः, अब, धारा 269-घ का उक्त अधिनियम के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना राजपत्र में प्रकाशन की तारीख 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## THE SCHEDULE

As per the schedule mentioned in Schedule dated 6th September, 1974 vide document No. 4283 dated 6-9-74 registered before Sub-Registrar, Visakhapatnam.

K. SUBBA RAO

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, Kakinada

दिनांक : 9-4-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 15 मई 1975

निर्देश सं० Phg /73/75-76—यतः, मुझे, बी० आर० सगर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० भूमि का प्लॉट है तथा जो जी० टी० रोड फगवाड़ा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, फगवाड़ा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई

है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री तेल् राम सपुत्र श्री रामदास मल, सिगला मार्केट, जी० टी० रोड फगवाड़ा (नजदीक पैराडाईज सिनेमा) (अन्तरक)
2. श्री बलवंत सिंह सपुत्र श्री भगत सिंह वासी गांव पलाही, फगवाड़ा जिला कपूरथला (अन्तरिती)
3. जैसा कि नं० 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि का प्लॉट जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1239 सितम्बर 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी फगवाड़ा में है।

बी० आर० सगर,  
सक्षम अधिकारी  
(सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 15-5-75

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 15 मई 1975

निर्देश सं० ASR/74/75-76—यतः, मुझे, वी० आर० सगर आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० सम्पत्ति है तथा जो हाल बाजार अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री बुद्ध सिंह सपुत्र श्री करम सिंह वासी राम गली, चौक पासीयां, अमृतसर । (अन्तरक)
2. श्री वीरिन्द्र मोहन सेठ सपुत्र लक्ष्मण दाम हाल बाजार अमृतसर । (अन्तरिती)
3. श्री विश्वामित्र, सुखदेव सिंह, शादी लाल, पुरषोत्तम दाम, श्रीमती सुरिन्द्र पुरी तथा और कोई किराएदार । (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है )
4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता है । (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है ) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी धाक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

1/3 भाग सम्पत्ति नं० 526, 527, 474 तथा 475 तथा 58 से 61/1-1 हाल बाजार अमृतसर में जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2067 सितम्बर 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर में है ।

वी० आर० सगर  
सक्षम अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 15-5-1975 ।

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 17 मई 1975

निर्देश सं० एस० आर० एस०/30/74-75—

अतः मुझे, जी० पी० सिंह सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० जमीन है तथा जो गांव खेरपुर, तहसील सिरसा में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सिरसा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर 1974 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या;

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, या छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री निरमल सिंह पुत्र श्री हरनाम सिंह, गांव खेरपुर, तहसील सिरसा (अन्तरक)

2. मै० गोपी चन्द टैक्सटायल मिल्स लिमिटेड, सिरसा द्वारा श्री गुरबख्श सिंह एजेंट मिल्स। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

जमीन 14 कनाल-9 मरले जो कि गांव खेरपुर, तहसील सिरसा में स्थित है। और

64	71	72
खसरा नं०—		
21	22/2,	5/1,
		1/1
(5-7)	(0-4)	(4-9)
		(4-9)

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3040, सितम्बर 1974, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी सिरसा में दिखाया गया है)

जी० पी० सिंह  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

तारीख : 17-5-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 17 मई 1975

निर्देश सं० एस० आर० एस०/31/74-75—अतः मुझे, जी० पी० सिंह, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० जमीन है तथा जो गांव खेरपुर तहसील सिरसा, सिरसा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सिरसा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है, कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री निरमल सिंह पुत्र श्री हरनाम सिंह गांव खेरपुर तहसील सिरसा । (अन्तरक)

2. मै० गोपी चन्द टैक्सटाईल मिल्स लिमिटेड, सिरसा द्वारा श्री गुरबखश सिंह, एजेंट मिल्स । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

### अनुसूची

जमीन 15 कनाल 9 मरले जो कि गांव खेरपुर, तहसील सिरसा, में स्थित है ।

	65		593
खसरा नं०	16/2	17	25 , ( 0—18 )
	( 1—18 )	( 5—2 )	( 7—11 )

(जायदाद जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3045, सितम्बर 1974, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी सिरसा में दिखाया गया है ।

जी० पी० सिंह  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

तारीख : 17-5-1975  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 15 मई 1975

निदेश सं० एस० आर० मोरेना—अतः, मुझे, श्री बी० के०  
सिन्हा, आयकर अधिनियम 1961

(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम'  
कहा गया है), की धारा

269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० जमीन है, जो मोरेना में स्थित है (और इससे  
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), कार्यालय मोरेना  
में रजिस्ट्रीकृत अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन 30-9-1974 ।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार

मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की  
गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त  
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से,  
ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह  
कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच  
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य  
से अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया  
गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के  
लिए; और

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए ।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,  
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री विशम्भर दयाल पुत्र श्री लक्ष्मी नारायण निवासी  
विक्रमपुरा मोरेना (अन्तरक)

2. श्रीमती पुष्पा देवी पत्नी सुरेशचन्द्र केशो कोलोनी मोरेना  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि, या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों  
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

अनुसूची

कुवि भूम 39.53 एकड़, गाँव शाहपुर, मोरेना ।

बी० के० सिन्हा  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 15-5-1975

मोहर :



प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 15 मई 1975

निर्देश सं० एस० आर० इन्दौर—अतः, मुझे, श्री बी० के० सिन्हा, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है) 1, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है और जिसकी सं० जमीन है, जो देवाम में स्थित है और उपाख्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय देवास में रजिस्ट्रीकृत अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्रीमती केशरबाई बेवा श्री सावन्त सिंह और भी है सब निवासी पाल नगर देवास (अन्तरक)
2. श्रीमती शान्ती बाई पत्नी श्री वीरेन्द्र सिंह भन्डारी निवासी यशवन्त रोड, इन्दौर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन स्थिति रसूल पुरा आगरा बाम्बे रोड, देवास

बी० के० सिन्हा  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 15-5-1975

गेहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 15 मई 1975

निर्देश सं०एस०आर० इन्दोर—अतः, मुझे, श्री वी०के० सिन्हा, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, मह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० जमीन है, जो इन्दोर में स्थित है (और इससे उपरिबद्ध अनुसूची में और पूर्ण के रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दोर में भारतीय रजिस्ट्रीकृत अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 7-5-1975।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए न्य पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम,' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :—

1. श्री रामफल पुत्र श्री बुद्धू प्रसाद जी निवासी ग्वाल  
55/5 ब बल्लभ नगर इन्दोर (अन्तरक)

2. श्री जनिक लाल पुत्र श्री अमूल लाल ओझा निवास  
इन्दोर (अन्तरिती)  
3. और भी है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम,' के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन टुकड़ा, स्थिति 7 एम० जी० रोड इन्दोर।

वी० के० सिन्हा,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, भोपाल।

तारीख : 15-5-75

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज भोपाल

भोपाल, दिनांक 11 अप्रैल 1975

निदेश सं०—अतः, मुझे एम० एफ० मुन्शी  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह  
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,  
जिसकी सं० प्लॉट और राइस मिल्स दुर्ग है, जो दुर्ग में स्थित है,  
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-  
कर्त्ता अधिकारी के कार्यालय दुर्ग में भारतीय रजिस्ट्रीकृत अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन 11-7-1974।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार  
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है  
कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है  
और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)  
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,  
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से  
कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम,'  
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम,  
1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम,'  
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं  
किया गया था या किया जाना चाहिए था,  
छिपाने में सुविधा के लिए सुकर बनाना।

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री रघुनंदन पुत्र श्री शिवदयाल हरीराम अग्रवाल द्वारा  
भगवती राइस मिल्स, दुर्ग, (अन्तरक)
2. श्री नन्दकिशोर पुत्र मानकचंद खड्डलवाल, सिवासी  
सदरबाजार द्वारा आदर्श राइस मिल्स, गंजपारा, मिला पारा, दुर्ग  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामोल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
ममाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति, द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

व्यष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त  
अधिनियम' के अध्याय 20-क में यथा-  
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस  
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि एवं राइस मिल्स (मशीन सहित) मिला पारा क्षेत्र, दुर्ग।

एम० एस० मुन्शी,  
सक्षम अधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, भोपाल।

तारीख : 11-4-1975।

मोहर :।

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज 1/2, दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 16 मई 1975

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यु०/11/833/75-76/599—  
यतः, मुझे, चं० वि० गुप्ते

आयकर अधिनियम, 1961 (1961

का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम',  
कहा गया है)

की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह  
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसकी सं० ई०-56 है, जो बाली नगर, नई दिल्ली में स्थित  
है और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-  
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 27-1-1975।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और  
मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त  
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल  
से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक  
है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)  
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-  
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप  
से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/ या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,  
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :—

1 श्री गुरजीत सिंह, गुणव एस० गुरबजरत सिंह, भकान नं०  
3607, गली नं० 11, रहगरपुरा, करौल बाग, नई दिल्ली (अन्तरक)

2. हरबन्स लाल भम्भानी सुपुत्र श्री नारायण दास भम्भानी,  
एफ-46, बाली नगर, नई दिल्ली (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर, उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित  
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

फोहोल्ड प्लॉट जिसका नं० 56 है तथा क्षेत्रफल 250 वर्ग  
गज है तथा जो बसाए दारापुर के गांव के क्षेत्र में है और बाली नगर  
ई ब्लॉक की श्रवादी जोकि मान्यताप्राप्त है तथा नजफगढ़ रोड  
नई दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है —

पूर्व : प्लॉट नं० ई-55

पश्चिम : सड़क 30' चौड़ी

उत्तर : सड़क 30' चौड़ी

दक्षिण : लेन 15' चौड़ी

चं० वि० गुप्ते

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1/2, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख 16 मई 1975।

माहूर :

**प्ररूप आई० टी० एन० एस०—**

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1/2, दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 16 मई 1975

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एस०/11/834/75/76/599—

यतः, मुद्रा चं० वि० गुप्ते

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)  
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम अधिकारी  
को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर  
सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसकी सं० एच-87 का 1/2 भाग है, जो कीर्ति नगर,  
नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
31-1-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित  
की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि  
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक  
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)  
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-  
लिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए ।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

4—106GI/75

1. श्री रजिन्द्र कुमार सुपुत्र श्री लाल चन्द, 8/41, रमेश  
नगर, नई दिल्ली (अन्तरक)

2. श्री नरिन्द्र कुमार, सुपुत्र श्री दिवान चन्द, आई०-80,  
कीर्ति नगर, नई दिल्ली (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के संबन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामोल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा; या

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

**स्पष्टीकरण :—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

**अनुसूची**

1/2 भाग फ्रीहोल्ड भूमि जिसका प्लॉट नं० 87 ब्लॉक नं०  
एच है तथा 1/2 का क्षेत्रफल 200 वर्गगज है जो मान्यताप्राप्त  
कालौनी कीर्ति नगर से जानी जाती है तथा जो बसाए दारापुर,  
दिल्ली स्टेट दिल्ली के क्षेत्रफल में है तथा इसकी सीमाएं निम्न  
प्रकार है :—

पूर्व : सड़क

पश्चिम : सर्विस लेन

उत्तर : मकान प्लॉट नं० एच०-88

दक्षिण : मकान प्लॉट नं० एच-86 पर

चं० वि० गुप्ते

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1/2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख 16 मई 1975 ।

मोहर :

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1/2, दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 16 मई 1975

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/11/835/75-76/599—  
यतः, मुझे, चं० वि० गुप्ते

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269घ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये  
से अधिक है

और जिसकी सं० 41 का 1/2 भाग है, जो डम्प स्कीम, नई दिल्ली  
में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्री-

करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 7-2-75  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य

से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार  
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि  
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रति-  
फल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और  
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच  
तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य  
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया  
गया :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,  
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269घ के अनुसरण  
में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269घ की उपधारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती सत्यावती, पत्नी स्वर्गीय श्री हरचरण दास,  
65/53, नया रोहतक रोड, नई दिल्ली (अन्तरक)

श्री खान चन्द (2) श्री रावल सिंह सुपुत्र श्री काका सिंह,  
निवासी 20-बी/33ए और 20-बी०/35ए, तिलक नगर, नई  
दिल्ली (3) श्री प्रीतम सिंह, सुपुत्र एस० गियान सिंह, निवासी  
20-बी/35ए० बी, तिलक नगर, नई दिल्ली (4) श्री सरदार सिंह  
सुपुत्र एस० पियारा सिंह, निवासी बी०-20/34-ए बी, तिलक  
नगर, नई दिल्ली—सभी मै० काहन सिंह रावेल सिंह, 41, रानी  
झांसी रोड, मोतिया खान, नई दिल्ली के हिस्सेदार हैं।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ :—

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप,—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में  
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

#### अनुसूची

लीसहोल्ड प्लॉट का 1/2 भाग जिसका क्षेत्रफल (1/2)  
597.37 वर्ग गज है जिसका प्लॉट नं० 41, तथा जो मोतिया खान,  
डम्प स्कीम, नई दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है :—

पूर्व : सड़क (सविस लेन)

पश्चिम : प्लॉट नं० 40

उत्तर : सड़क (रानी झांसी रोड)

दक्षिण : प्लॉट नं० 42

चं० वि० गुप्ते

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1/2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख 16 मई 1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-III कलकत्ता-16

कलकत्ता-16, दिनांक 6 मई 1975

निर्देश सं० 259/एकुरे०-II/75-76/कल०—अतः मुझे,  
एल० के० बालसुब्रमनियन  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)  
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह  
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित  
बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और  
जिसकी सं० 36/1 है तथा जो देवदार स्ट्रीट, कलकत्ता में स्थित  
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, आलिपुर में, रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 2-9-74  
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित  
की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि  
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है  
और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के  
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधि-  
नियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना  
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं,  
उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री अनिलमाधव पाल 36/1 देवदार स्ट्रीट, कलकत्ता-  
19 (अन्तरक)

2. (1) श्री चिरजी लाल आगरवाल, 114 कटन स्ट्रीट, कलकत्ता  
(2) श्री राधेस्याम आगरवाल, 42, यमुनालाल बाजार  
स्ट्रीट, कलकत्ता ।

(3) श्री गिरधारी लाल आगरवाल, 42 यमुनालाल बाजार  
स्ट्रीट, कलकत्ता ।

(4) श्री गोकुल आगरवाल, 144 कटन स्ट्रीट, कलकत्ता ।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

करीब 8 कट्टा 1 छटाक 9 स्को० फुट साथ उस पर बनाया  
दा तल्ला मकान और अन्योन्य स्ट्राकचर जो 36/1, देवदार स्ट्रीट  
कलकत्ता पर अवस्थित और जो डिस्ट्रिक्ट रजिस्ट्रार, आलिपुर द्वारा  
रजिस्ट्रीकृत दलिल सं० I—6400/1974 का अनुसार है ।

एल० के० बालसुब्रमनियन,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-III, 54, रफीअहमद क़िदवाही  
रोड, कलकत्ता-16

तारीख : 6-5-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 8 मई 1975

निर्देश सं० आई०-2/1063/2742/74-75—अतः मुझे एम० जे० माथन सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2 बम्बई, आयकर अधिनियम,

1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० प्लॉट नं० 2, सर्वे नं० 40 हिस्सा नं० 3 है, जो जूहू विलेज में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सब रजिस्ट्रार बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 4-9-1974।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित

की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, छियाने में सुविधा के लिए।

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री व्हीक्टर गैब्रीएल क्रिआडो और अन्य (अन्तरक)

2. श्री शहा अब्बास खान उर्फ संजय और सरीना शहा अब्बास खान की पत्नि (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो 'उक्त' अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

जमिन साथ में इमारत इमला आदि जिसका प्लॉट नं० 2 सिल्वर ब्रिज इस्टेट के नाम से ज्ञात जायदाद का उपखंड जिसका सर्वेक्षण नं० 745 (अंश), सर्वेक्षण नं० 40 हिस्सा नं० 3, सर्वेक्षण नं० 38, हिस्सा नं० 1 (अंश) सर्वेक्षण माप से 2029 वर्गगज समक्ष 1692-90 वर्गमीटर जिसका रजिस्ट्रेशन जिला और उप-जिला बम्बई नगर और बम्बई उपनगर रेवेन्यू विलेज जूहू है।

एम० जे० माथन,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख : 8 मई 1975।

मोहर :



प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-I, ग्रहमदाबाद ।

ग्रहमदाबाद, दिनांक 13 मई 1975

निर्देश सं० ए० सी० क्यू० 23-1-374 (183)/16-6/74-75—यतः मुझे जे० कथूरिया आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० सर्वे नं० 639, है, तथा जो पंचनाथ प्लाट की शेरी नं० 7 राजकोट में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, राजकोट में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन प्रकट 1974।

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की

गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देन के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या;

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम,' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम,' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :-

(1) श्री विजय गोकल दास सोमैया, तथा अन्य सोमया बिल्डींग नं० 1, 177 सेम्यग्रल (स्ट्रीट, बम्बई -1 (अन्तरक)

(2) श्री मोहनलाल पिताम्बर दास ओझीया (जीजुडा गेट, सावर कुंडला, जिल्ला भावनगर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम,' के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

#### अनुसूची

एक दो मंजला मकान जो 187-4-72 वर्ग गज भूमि पर स्थित है और जिसका सर्वे नं० 639, स्ट्रीट नं० 7, पंचनाथ प्लाट, राजकोट में स्थित है और जिसकी सीमाएं निम्नलिखित हैं ।

पूर्व : पंचनाथ प्लाट की स्ट्रीट नं० 7

पश्चिम : दूसरों की सम्पत्ति

उत्तर : सर्वे नं० 639 की दूसरों की सम्पत्ति

दक्षिण : दूसरों की सम्पत्ति

जे० कथूरिया  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I, ग्रहमदाबाद

तारीख : 13-5-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 13 मई 1975

निदेश सं० ए० सी० क्यू० 23-1-380(184)/16-6/74-75—यतः मुझे जे० कथूरिया आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है)

की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० है, तथा जो शेरी नं० 33, करणपरा, राजकोट में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय राजकोट में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 16-10-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या अन्य/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः जब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री पुरषोत्तम रामचंद्रभाई भाटीया, गंगा विहार, सरदारनगर, राजकोट

(अन्तरक)

(2) श्री दिनेशचन्द्र प्राणजीवन देसाई, 33, करणपरा, राजकोट

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

एक दो मंजला मकान जो “निर्मल” को नाम से जाना है और जो 168-5-81 वर्ग गज भूमि पर स्थित है और जो शेरी नं० 33, करणपरा, राजकोट में स्थित है, और जिसकी सीमाएँ निम्नलिखित हैं :—

पूर्व :—श्री भीमजी के० की सम्पत्ति

पश्चिम :—नर्बदा बाई विठलदास की सम्पत्ति

उत्तर :—श्री विजय शंकर जुठाभाई की सम्पत्ति

दक्षिण :—33, करणपरा मेईन रोड

ज० कथूरिया;  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I,  
अहमदाबाद

तारीख : 13-5-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० —

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 13 मई 1975

निवेश सं० ए० सी० क्यू० 23-1-381(185)/16-6/  
74-75—यतः मुझे जे० कथूरिया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की  
धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास  
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार  
मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 26/42, प्रहलाद प्लाट, राजकोट में स्थित  
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, राजकोट में भारतीय  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1961 (1908 का 16) के अधीन  
24-10-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे  
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान  
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक  
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के  
लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक  
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने  
में सुविधा के लिए और/या-अन्य/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,  
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधि-  
नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्त-  
रिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना  
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः जब उक्त अधिनियम की, धारा 269-ग के अनुसरण  
में मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) श्री बाबुलाल वनमाली दासभाई, नवानाका रोड,  
राजकोट । (अन्तरक)

(2) (1) श्री गुणवंतराय जेचंदभाई, (2) श्री शशी-  
कान्त जेचंदभाई, सोनी बाजार, सबजी भाई स्ट्रिट, राजकोट ।  
(अन्तरिती)

(3) (1) श्री फुलचंद बल्लभदास, (2) श्री कीशोर  
भाई सोनी, 26/42, प्रहलाद प्लाट, राजकोट ।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में  
सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन  
के लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप,

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में  
से किसी एक व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में  
दिखा गया है ।

अनुसूची

एक दो मंजला मकान जो 141-5-108 वर्ग गज जमीन  
पर स्थित है और जो 26/42 प्रहलाद प्लाट, राजकोट में  
स्थित है ।

जे० कथूरिया,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज-1,  
अहमदाबाद ।

तारीख : 13-5-1975  
मोहर :

## प्रारूप आई० टी० एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज 156, सैक्टर 9-बी, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 18 मार्च 1975

निदेश सं० सी एच डी० /178/74-75—यतः मुझे, जी० पी० सिंह आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० कार्मशियल प्लॉट नं० 63 है तथा जो सैक्टर 30-डी, चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, सितम्बर, 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) श्री अतुल नारायण चानना पुत्र लैफ्टीनेंट कर्नल के० एन० चानना, नं० 8, सांगली होस्टल, लिटन रोड, नई दिल्ली-1। (अन्तरक)

(2) डाक्टर आर० के० चौधरी पुत्र श्री टकन दास, बूथ नं० 29, सैक्टर 20-डी, चण्डीगढ़ (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आपेक्ष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवादी किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

कार्मशियल प्लॉट नं० 63, सैक्टर 30-डी, चण्डीगढ़।

जी० पी० सिंह,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

तारीख : 18-3-1975

मोहर :

## प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, 156, सैक्टर 9-बी, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 8 अप्रैल 1975

निदेश सं० एन० यू एच/9/74-75—यतः मुझे, जी० पी० सिंह, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० जमीन 1/2 भाग 269 कनाल 5 मरसे है तथा जो गाँव गोयाला, तहसील नूह, जिला गुडगांव, में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नूह में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, सितम्बर, 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था

या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) श्रीमती जवाला देवी विधवा पत्नी श्री माहीपाल सिंह ऊर्फ हरीपाल सिंह पुत्र श्री सूरत सिंह, निवासी बोहदा कला, तहसील और जिला गुड़गांव द्वारा श्री जगबीर सिंह पुत्र सिमबू सिंह निवासी बोहदा कला तहसील और जिला गुड़गांव। (अन्तरक)

(2) सर्वश्री

- |   |   |  |
|---|---|--|
| (i) धमान                                    | } | पुवान ऊँची पुत्र फता,  |
| (ii) सुखदेव                                 |   |  |
| (iii) मान सिंह                              | } | पुवान बखतावर, पुत्र पुशा राम, निवासी गोकालवास, तहसील और जिला गुड़गांव, |
| (iv) रतनलाल                                 |   |  |
| (v) हुकम चन्द्र पुत्र परभू दयाल पुत्र मँगल, |   | निवासी कुकरोला पचगोन, तहसील और जिला गुड़गांव,                          |
| (vi) दलीप सिंह                              | } | पुवान कुन्दन निवासी सफरपुर, तहसील गुड़गांव                             |
| (vii) रोहतस सिंह                            |   |  |
| (viii) रामेशवर                              |   |  |
| (ix) सुख नान                                |   |  |
| (x) राम फल                                  |   |  |

#### अनुसूची

जमीन, जो कि गाँव गोयाला तहसील नूह, जिला गुड़गांव में स्थित है क्षेत्रफल 269 कनाल 5 मरले का 1/2 भाग खेवट नं० 86 मिन, खाता नं० 100 मिन और 103, 102,

खसरा नं०	42	42	8	9	12	42	14	15		
			8-0	2	7-10		8-0	4-8		
गेरवाही	26	7		5-11		13				
	3-12	8-0				8-0				
6	7	6	9	12	44	2	3	49	43	4
	2	8	2	8-0	1	7-11	9-0	2	3	8-0
612	4-0	2	2-14		7-11			1-17		
3-0		4-0						2-9		
बूद	बूद	बूद	बूद	बूद				चाही मगदा		मगदा
	43	43	7	15	16	41	41	23	42	10
	5	6	5-6	8-12	4-2	21	22	1	6	2-14
	8-0	8-0				3-16	8-0	3-4	8-0	
	मगदा	मगदा	मगदा	मगदा	मगदा	मगदा	मगदा	मगदा	मगदा	मगदा
	42	9	23	24	25	44	0	44	12	13
	18	3-14	7-8	8-0	8-0	8-0	8-0	11	8-0	3-8
	8-0					8-0		8-0		
	मगदा	मगदा	मगदा	मगदा	मगदा	मगदा	मगदा	मगदा	मगदा	मगदा
	44	20	21	22						
और	19	8-0	5-4	6-2						
	8-12									

कुल क्षेत्रफल 269 कनाल 5 मरले जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1328 सितम्बर 1974 में सब रजिस्ट्रार नूह के जी० पी० सिंह, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, चण्डीगढ़।

तारीख : 8 अप्रैल, 1975

मोहर :

5-10(GI/74

(3) श्री कुर्वर सिंह, निवासी गाँव गोयाला तहसील नूह, जिला गुड़गांव। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है) को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, चण्डीगढ़ 156, सैक्टर 9-बी

दिनांक चण्डीगढ़ 8 अप्रैल 1975

निदेश सं० एन० यू० एच०/10/74/75—अतः मुझे,  
जी० पी० सिंह, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन  
रेंज, चण्डीगढ़

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का  
43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)  
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह  
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० जमीन 1/2 भाग 269 कनाल 5 मरले  
है तथा जो गांव गोयाला, तहसील नूह, जिला गुड़गावा,  
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नूह  
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन तारीख सितम्बर, 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार  
मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित  
की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि  
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल  
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से  
कथित नहीं किया गया है :-

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम,  
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने  
या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या;
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं,  
उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) श्रीमती जवाला देवी विद्यावा परती श्री माहीपाल  
सिंह ऊरफ हरीपाल सिंह पुत्र श्री सूरत सिंह, निवासी  
बोहदा कला, तहसील और जिला गुड़गावा द्वारा श्री जगदीर  
सिंह पुत्र सिमबू सिंह, निवासी बोहदा कला, तहसील और  
जिला गुड़गावा

(अन्तरक)

(2) सर्वश्री

- |                |   |  |
|----------------|---|--|
| (i) धामान      | } | पुत्रान ऊदी पुत्र फता,   |
| (ii) मुखदेव    |   |  |
| (iii) मान सिंह | } | पुत्रान वखतावर पुत्र पुशा राम, निवासी<br>मोकालावास, तहसील और जिला<br>गुड़गावा, |
| (iv) रतन लाल   |   |  |

(v) हुकम चन्द्र पुत्र परभू दयाल पुत्र मंगल, निवासी  
कुकरोला पशगोन, तहसील और जिला गुड़गावा,

- |                  |   |   |
|------------------|---|---|
| (vi) दलीप सिंह   | } | पुत्रान श्री कुन्दन, निवासी सफरपुर<br>तहसील गुड़गावा, |
| (vii) रोहतस सिंह |   |   |
| (viii) रामेशवर   |   |   |
| (ix) सूरज भान    |   |   |
| (x) राम फल       |   |   |

(अन्तरिती)

(3) मुकुन्द सिंह आदि निवासी गांव गोयाला तहसील  
नूह जिला गुड़गावा

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में  
सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिये एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अप्रोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों, का जो उक्त अधि-  
नियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

जमीन, जो कि गाँव गोयाला तहसील नूह, जिला गुड़गाँवा खेवट नं० 86 मिन, खाता नं० 100 मिन और खसरा नं० 42									
103 में स्थित है क्षेत्रफल 269 कनाल 5 मरले का 1/2 भाग, 102,									
42	42	8	9	12	42	14	15		
		8-0	2	7-10		8-0	4-8		
गेरचाही									
26	7		5-11		13				
	3-12	8-0			8-0				
6	7	6	9	12	44	2	3	49	43
	2	8	2	8-0	1	7-11	9-0	2	3
612	4-0	2	2-14		7-11			1-17	
3-0		4-0						चाही	2-9
बूद	बूद	बूद	बूद	बूद				मगदा	मगदा
43	43	7	15	16	41	41	23	42	10
	5	6	5-6	8-12	4-2	21	22	1	6
						2			
	8-0	8-0				3-16	8-0	3-4	8-0
	मगदा	मगदा	मगदा	मगदा	मगदा	मगदा	मगद	मगदा	मगदा
	42	19	23	24	25	44	10	44	12
	18	3-14	7-8	8-0	8-0	1-0	8-0	11	8-0
	8-0					8-0		8-0	
	मगदा	मगदा	मगदा	मगदा	मगदा	मगदा	मगदा	मगदा	मगदा
	44	20	21	22					
और									
	9	8-0	5-4	6-2					
	8-12								

कुल क्षेत्रफल 269 कनाल 5 मरले (जिसे कि रजिस्ट्रीकृत के विवेक नं० 1329, सितम्बर 1974 में सब रजिस्ट्रार नूह के दफ्तर में लिखा है।

जी० पी० सिंह,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़।

तारीख : 8 अप्रैल 1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़ 156, सैक्टर 9-बी

चण्डीगढ़, दिनांक 7 अप्रैल 1975

निदेश सं० एस० एन० जी०/5/74-75--अतः मुझे, जी० पी० सिंह, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज चण्डीगढ़ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी

को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है, और जिसकी स० खेती वाली भूमि ईमारत सहित है तथा जो गाँव बड़खवा तहसील और जिला संगरूर, में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, संगरूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अक्तूबर 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक

है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) मेजर टिका खुशवंत सिंह पुत्र श्री ई० ए० आर०, फतेह सिंह, निवासी बड़रूखा, तहसील और जिला संगरूर (अन्तरक)

(2) मै० सवराज सर्पिनिंग मिलज लि० रजिस्ट्रड आफिस पटियाला, द्वारा श्री सूरज भान डायरेक्टर, मार्फत मै० सिंगला निवास शाही समानाई पटियाला। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

भूमि और ईमारत जो कि गाँव बड़रूखा, तहसील और जिला संगरूर में स्थित है।

खतौनी नं० 212

खसरा नं० 99/27-69-16,

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत के विलेख नं० 1653, अक्टूबर 1974 में सब रजिस्ट्रार संगरूर के दफतर में लिखा है।)

जी० पी० सिंह,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़।

तारीख : 7 अप्रैल 1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

156, सैक्टर 9-बी

चण्डीगढ़, दिनांक 7 अप्रैल 1975

निदेश सं० एस० एन० जी०/6/74-75--अतः मुझे, जी० पी० सिंह, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, चण्डीगढ़, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० खेती वाली भूमि ईमारत सहित है तथा जो गाँव बड़रूखा, तहसील और जिला संगरूर, में स्थित है (और इससे उपायबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, संगरूर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अक्टूबर 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण, में मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) मेजर टिका खुशवंत सिंह पुत्र श्री ई० ए० आर०, फतेह सिंह, निवासी बड़रूखा तहसील और जिला संगरूर (अन्तरक)

(2) मै० सवराज सर्पिनिंग मिलज लि० रजिस्ट्रड आफिस, पटियाला द्वारा श्री सूरज भान डायरेक्टर, मार्फत मै० सिंगला निवास शाही समानाई, पटियाला (अन्तरिती) को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—



(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

भूमि और इमारत जो कि गाँव बड़रूखा, तहसील और जिला संगरूर में स्थित है

खतोनी नं० 2/2,

खसरा नं० 99/27—69-16

जैसे कि रजिस्ट्रीकृत के विलेख नं० 1663, अक्तूबर 1974, में सब रजिस्ट्रार संगरूर के दफतर में लिखा है।

जी० पी० सिंह,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़।

तारीख : 7 अप्रैल 1975

मोहर :

प्रारूप आई०टी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़ 156, सक्टर 9-बी

चण्डीगढ़, दिनांक 7 अप्रैल 1975

निर्देश सं० एम० एन० जी०/7/74-75—अतः मुझे, जी० पी० सिंह, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, चण्डीगढ़, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० खेती वाली भूमि ईमारत सहित है तथा जो गाँव बड़रूखा, तहसील और जिला संगरूर, में स्थित है (और इससे उपायवद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, संगरूर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह

प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) मेजर टिका खुशवंत सिंह पुत्र श्री ई० ए० आर०, फतेह सिंह, निवासी बड़रूखा, तहसील और जिला संगरूर (अन्तरक)

(2) मै० सबराज सपिनिंग मिल्स लि०, रजिस्ट्रड अफिस, पटियाला, द्वारा श्री सूरज भान डायरेक्टर, मार्फत मै० सिंगला निवास शाही समाद्धा पटियाला (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के सन्बन्ध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

भूमि और इमारत जो कि गाँव बड़रूखा, तहसील और जिला संगरूर में स्थित है।

खतोनी नं० 2/2

खसरा नं० 99/27—69/16

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत के विलेख नं० 1719 नवम्बर 1974, में सब रजिस्ट्रार संगरूर के दफतर में लिखा है।)

जी० पी० सिंह,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़।

तारीख : 7 अप्रैल 1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 7 अप्रैल, 1975

निर्देश सं० चण्डीगढ़/207/74-75—अतः मुझे जी० पी० सिंह, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, चण्डीगढ़ आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी सं० मकान नं० 665, सैक्टर 11-बी है तथा जो चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अक्तूबर, 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः, अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. करनल तरलोक सिंह, पुत्र श्री पूरन सिंह, निवासी 159, धौला कुआं, आफिसरज पर्वट, दिल्ली कैट। (अन्तरक)

2. श्री करम पाल सिंह सन्धू, पुत्र श्री ऊदम सिंह, निवासी मकान नं० 177, सैक्टर 11-ए, चण्डीगढ़। (अन्तरिती)

यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट आफ लैण्ड, क्षेत्रफल 499.8 वर्गगज जिस पर अनैकसी बनी हुई है। नं० 665, सैक्टर 11-बी०, चण्डीगढ़। (जैसे कि रजिस्ट्रीकृत के विलेख नं० 847, अक्तूबर 1974 में सब रजिस्ट्रार चण्डीगढ़ के दफ्तर में लिखा है।)

जी० पी० सिंह  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, चण्डीगढ़।

तारीख : 7 अप्रैल, 1975  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 7 अप्रैल 1975

निर्देश सं० लुधियाना/सी०/422/74-75—अतः मुझे जी०  
पी० सिंह, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज,  
चण्डीगढ़

आयकर अधिनियम, 1961 (1961

का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया  
है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को,  
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार, मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० जमीन है तथा जो गांव तरफ जोधवाल, तहसील  
लुधियाना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना  
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
तारीख अक्टूबर, 1974 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित

बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए  
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नाह  
प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम  
के अधीन कर देने के अन्तरक के क्षयित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए

अतः अब, उक्त अधिनियम धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं,  
उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. सर्वश्री (1) सुरजीत सिंह, (2) मलविन्द्र सिंह पुत्रान  
हरी सिंह, निवासी गांव जोधवाल, तहसील लुधियाना (अन्तरक)

2. मै० माडल लाईन कानोनार्डजर्ज प्रा० लि०, रजिस्टर्ड  
आफिस, दीपक सिनेमा चौक, लुधियाना। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों को, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

## अनुसूची

जमीन, क्षेत्रफल 1 बीघा, 3 बिस्वा और 3-3/4 बिस्वांसी,  
जोकि तरफ जोधवाल, तहसील लुधियाना में स्थित है। खसरा  
नं०

खसरा नं०	835/159	156	157
	0-4-8	0-11-0	0-10-16
	834/159	165	166
	0-2-8	0-16-20	1-4-14

खेबट नं० 432

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत के विलेख नं० 5949, अक्टूबर, 1974  
में सब रजिस्ट्रार, लुधियाना के दफ्तर में लिखा है)।

जी० पी० सिंह  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, चण्डीगढ़।

तारीख : 7 अप्रैल, 1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़ 7 अप्रैल 1975

निर्देश सं० लुधियाना/सी०/421/74-75—अतः मुझे जी० पी० सिंह, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० जमीन है तथा जो गांव तरफ जोधवाल तहसील लुधियाना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णतः रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अक्तूबर, 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. सर्वश्री (1) सुरजीत सिंह, (2) मलबिन्द्र सिंह पुत्रान श्री हरी सिंह, निवासी गांव तरफ जोधवाल, तहसील लुधियाना। (अन्तरक)

2. मै० माडल लाईन कलौनाईजर्ज प्रा० लि०, रजिस्टर्ड आफिस, दीपक सिनेमा चौक, लुधियाना, द्वारा श्री इन्द्रजीत सिंह मैनेजिंग डाइरेक्टर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एसद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

जमीन, क्षेत्रफल, 1 बीघा, 3 बिस्वा और 9 बिस्वासी, जोकि तरफ जोधवाल, तहसील लुधियाना में स्थित है।

1484/140	152
खसरा नं०	—
0-14-4	3-5-12
खेवट नं०	432

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत के विलेख नं० 5947, अक्तूबर, 1974 में सब रजिस्ट्रार लुधियाना के दफ्तर में लिखा है)।

जी० पी० सिंह  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

तारीख : 7 अप्रैल, 1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जेन रेंज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 7 अप्रैल, 1975

निर्देश सं० लुधियाना/सी०/423/74-75—अतः, मुझे, जी०  
पी० सिंह, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जेन रेंज,  
चण्डीगढ़ आयकर अधिनियम, 1961

(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त  
अधिनियम, कहा गया है)

की धारा 269-घ के अधीन सक्षम अधिकारी  
को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,  
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० जमीन है तथा जो गांव तर्फ जोधवाल, तहसील  
लुधियाना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना  
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
तारीख अक्तूबर, 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति  
के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के  
लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का  
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया  
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,  
या धन-कर अधिनियम, 1957  
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती  
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना  
चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

6—106GI/75

1. श्रीमती करतार कौर विधवा श्री हरी सिंह, निवासी  
गांव जोधवाल, तहसील लुधियाना। (अन्तरक)

2. मै० माडल लार्डन कालोनाईजरज प्रा० लि०, रजिस्टर्ड  
आफिस दीपक सिनेमा चौक, लुधियाना। द्वारा श्री इन्द्रजीत  
सिंह, मैनेजिंग डाइरेक्टर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाही करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख  
से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों  
पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि  
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर  
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख  
से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति  
में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी  
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो  
उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा  
परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस  
अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

जमीन, क्षेत्रफल 0 बीघा 11 बिस्वा और 11-7/8 बिस्वासी  
जो कि गांव तर्फ जोधवाल, तहसील लुधियाना।

खसरा न०	835/159	156	157
	0-4-8	0-11-0	0-10-16

खेवट न० 432

जैसे कि रजिस्ट्रीकृत के विलेख नं. 6036 अक्तूबर, 1974,  
में सब रजिस्ट्रार लुधियाना के बफतर में लिखा है।

जी० पी० सिंह,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जेन रेंज, चण्डीगढ़

तारीख : 7 अप्रैल, 1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० .....

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 7 अप्रैल, 1975

निर्देश सं० लुधियाना/सी०/424/74-75—अतः, मुझे, जी० पी० सिंह, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज चण्डीगढ़ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० जमीन है तथा जो गांव तर्फ जोधवाल, तहसील लुधियाना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अक्टूबर, 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रलिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए, था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः, अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

1. श्रीमती करतार कौर विधवा श्री हरी सिंह, निवासी गांव जोधवाल, तहसील लुधियाना। (अन्तरक)

2. मै० माडल लाईन कालोनाईजर प्रा० लि०, रजिस्टर्ड आफिस दीपक सिनेमा चौक, लुधियाना द्वारा इन्द्रजीत सिंह मैनेजिंग डायरेक्टर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:-**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

जमीन, क्षेत्रफल 0 बीघा, 11 बिस्वे और 14-1/2 बिस्वांसी जो कि गांव तर्फ जोधवाल, तहसील लुधियाना

खसरा नं०	1484/140	152
	0-11-4	3-5-12

खेबट नं० 432

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत के विलेख नं० 6037, अक्टूबर, 1974 में सब रजिस्ट्रार, लुधियाना के दफ्तर में लिखा है)।

जी० पी० सिंह  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, चण्डीगढ़।

तारीख : 7 अप्रैल, 1975  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 7 अप्रैल, 1975

निर्देश सं० एल० डी० एच०/सी/425/74-75—अतः

मुख्य जी० पी०

सिंह, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, चण्डीगढ़ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० जमीन है तथा जो गांव तर्फ जोधवाल, तहसील लुधियाना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्तित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अक्तूबर, 1974 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुख्य यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:-

1. श्री राजिन्दर सिंह पुत्र श्री हरी सिंह, निवासी गांव जोधवाल, तहसील लुधियाना। (अन्तरक)

2. मै० माइल लाईन कालोनाईजरज प्रा० लि०, रजिस्टर्ड आफिस दीपक सिनेमा चौक, लुधियाना, द्वारा श्री इन्द्रजीत सिंह, मैनेजिंग डाइरेक्टर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

जमीन क्षेत्रफल 0 बीघा, 11 बिस्वा और 11-7/8 बिस्वांसी जो कि गांव तर्फ जोधवाल, तहसील लुधियाना में स्थित है।

834/159 165 166

खसरा नं० —————, —————, —————

0-2-8 0-16-10 1-4-14

खेबट नं० • 432

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत के विलेख नं० 6128, अक्तूबर, 1974, में सब रजिस्ट्रार लुधियाना के दफ्तर में लिखा है)।

जी० पी० सिंह

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़।

तारीख : 7 अप्रैल, 1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 7 अप्रैल, 1975

निर्देश सं० एल०डी०एच०/सी/426/74-75-अतः मुझे जी० पी० सिंह, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43), (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० जमीन है तथा जो गांव तर्फ जोधेवाल तहसील लुधियाना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अक्तूबर, 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान के प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री राजिन्द्र सिंह पुत्र श्री हरी सिंह, निवासी जोधेवाल तहसील लुधियाना। (अन्तरक)

2. मै० माडल लाईन कालोनाइजरज् प्रा० लि० रजिस्टर्ड आफिस दीपक सिनेमा चौक, लुधियाना द्वारा श्री इन्द्रजीत सिंह मैनेजिंग डायरेक्टर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

जमीन, क्षेत्रफल 0 बीघा, 11 बिस्वा और 14-1/2 बिस्वासी जो कि गांव तर्फ जोधेवाल, तहसील लुधियाना में स्थित है।

खसरा नं० 1484/140 152  
0-11-4 , 5-5-12

खेवट नं० 432

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत के विलेख नं० 6129, अक्तूबर, 1974 में सब रजिस्ट्रार लुधियाना के दफ्तर में लिखा है)।

जी० पी० सिंह  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, चण्डीगढ़।

तारीख : 7 अप्रैल, 1975

मोहर :



प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 7 अप्रैल, 1975

निर्देश सं० चण्डीगढ़/192/74-75—अतः, मुझे, जी० पी०

सिंह, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, चण्डीगढ़ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० ट्रांसपोर्ट बिल्डिंग नं० 22, ट्रांसपोर्ट ऐरिया है तथा जो चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, अक्तूबर, 1974 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री गुरदियाल सिंह गंगावाला पुत्र श्री करम सिंह गंगावाला मकान नं० 1025, सैक्टर 21-बी०, चण्डीगढ़। (अन्तरक)
2. सर्वश्री (1) मेजर जनरल जोगिन्द्र सिंह पुत्र रणधीर सिंह, (2) श्रीमती जसवन्त कौर पत्नी मेजर जनरल जोगिन्द्र सिंह, (3) कुमारी जसबीर कौर पुत्री मेजर जनरल जोगिन्द्र सिंह, (4) श्रीमती सनजीव कौर मलहंस पत्नी बरोन्द्र सिंह मलहंस (5) बरोन्द्र सिंह मलहंस पिता और प्राकृतिक संरक्षक कुमारी पनीता मलहंस और कुमारी अमृत मलहंस, निवासी मकान नं० 138, सैक्टर 9-बी, चण्डीगढ़। (अन्तरिती)

- (1) असोसिएटिड ट्रेडर्स ऐण्ड इन्जीनियर्स प्राईवेट लिमिटेड, हैड ऑफिस, 20/1, आसिफ अली रोड, नई दिल्ली।
- (2) मोगा फिरोजपुर ट्रांसपोर्ट कम्पनी नं० 9, ट्रांसपोर्ट ऐरिया, चण्डीगढ़।
- (3) आरोड़ा ट्रांसपोर्ट कम्पनी, चण्डीगढ़, मार्फत ट्रांसपोर्ट बिल्डिंग नं० 22, ट्रांसपोर्ट ऐरिया, चण्डीगढ़। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी कर पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आपक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना को तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

ट्रांसपोर्ट बिल्डिंग नं० 22, ट्रांसपोर्ट ऐरिया, चण्डीगढ़।

जी० पी० सिंह

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़।

तारीख : 7-4-75

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय निरीक्षी सहायक

आयकर आयुक्त, अर्जन क्षेत्र लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 26 अप्रैल, 1975

निर्देश सं० 43-आर/अर्जन—अतः मुझे विशम्भर नाथ  
आयकर अधिनियम, 1961

(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम'  
कहा गया है) की धारा

269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य

25,000/- रु० से अधिक है  
और पजसकी सं० 158, 159 है तथा जो ग्राम जुल्फिकारपुर  
तहसील नजीबाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में  
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
नजीबाबाद में रजिस्ट्रीकृत अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन तारीख 20-9-1974 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए

अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का  
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से  
अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया  
है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के  
लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को  
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या उक्त आय-कर अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में  
उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रन्थात् :-

1. श्री राजकुमार प्रीतम शेर जंग व अन्य (अन्तरक)

2. श्री रामगोपाल (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आपेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी  
व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितयुक्त किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

एक कित्ता आराजी भूमि मय बिल्डिंग नं० 158, 159 जिसका  
रकबा 5260 वर्ग फीट है, जो कि ग्राम जुल्फिकारपुर तहसील  
नजीबाबाद, जिला बिजनौर में स्थित है।

विशम्भर नाथ

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, लखनऊ

तारीख : 26-4-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय निरीक्षी सहायक

आयकर आयुक्त, अर्जन क्षेत्र लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 25 अप्रैल, 1975

निदेश सं० 20 जे०/अर्जन—अतः मुझे विशम्भर नाथ

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० में अधिक है और जो जिसकी सं० बी-21/130 है तथा जो भो० कमच्छा, वाराणसी में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुमूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय वाराणसी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 6-9-74 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री महन्त रामानन्द दास (अन्तरक)

2. श्री जगननाथ प्रसाद व अन्य (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता सकान मय भूमि नं० बी-21/130 जिसका रकबा 30×20 वर्ग गज है जो कि मोहल्ला कमच्छा जिला वाराणसी में स्थित है।

विशम्भर नाथ,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख : 25-4-1975

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय निरीक्षी सहायक

आयकर आयुक्त, अर्जन क्षेत्र लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 25 अप्रैल, 1975

निर्देश सं० 15-एल/अर्जन—अतः मुझे विशम्भर नाथ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है और जिसकी सं० के०-53/88 है तथा जो माध्यमेश्वर वाराणसी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय वाराणसी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 9-9-74 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण के हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसारण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री पूर्णानन्द कुमार व अन्य (अन्तरक)

2. श्री लल्लू राम यादव (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

एक किता वो मंजिला मकान नं० के 53/88 जिसका रकबा 1625 वर्ग फीट है, जो कि मोहल्ला माध्यमेश्वर जिला वाराणसी में स्थित है ।

विशम्भर नाथ,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ ।

तारीख : 25-4-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

1. श्री सीताराम राय

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269ख (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय निरीक्षी सहायक

आयकर आयुक्त अर्जन क्षेत्र लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 25 अप्रैल, 1975

निर्देश सं० 16-एल/अर्जन—अतः मुझे विशम्भर नाथ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269ख के अधीन समक्ष प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० है तथा जो ग्राम चान्दपुर, गाजीपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गाजीपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 3-9-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ख की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

2. श्री लुयवन व अन्य

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता आराजी भूमि जिसका रकबा 9 बीघा, 2 बिस्वांसी है, जो कि ग्राम चान्दपुर परगना पचोरट, जिला गाजीपुर में स्थित है।

विशम्भर नाथ,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख : 25-4-1975  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

1. श्री श्याम लाल

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय निरीक्षी सहायक

आयकर आयुक्त, अर्जन रेंज लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 25 अप्रैल, 1975

निर्देश सं० 37-बी०/अर्जन—अतः मुझे विशम्भर नाथ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 565/50 है तथा जो पूरन नगर, लखनऊ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लखनऊ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 16-9-74 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के को दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा निम्नलिखित (1) के अधीन व्यक्तियों अर्थात् :—

2. श्रीमती बूज राना

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि, बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

एक किता मकान को मंजिला नं० 565/50, जिसका रकबा 95×22 वर्ग फीट है, जो कि पूरन नगर लखनऊ में स्थित है ।

विशम्भर नाथ,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ ।

तारीख : 25-4-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1/2, दिल्ली-1

4/14 ए, आसफ अली रोड, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 28 अप्रैल 1975

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/11/827/75-76/374

—यतः, मुझे च० वि० गुप्ते

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० दुकान नं० 9 है, जो खारी बावली, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 25-11-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्र प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. मै० एल० एन० गादोदिया एण्ड सन्स (प्रा०) लि०, 1112, कूचा नटवन, चांदनी चौक, दिल्ली-1 डायरेक्टर श्री तेज पाल गादोदिया, सुपुत्र श्री राम गोपाल गादोदिया, बंगलो नं० 8, अलीपुर रोड, सिविल लाइन, दिल्ली।

(अन्तरक)

2. (1) श्री नाथूमल, सुपुत्र श्री उपराग्रो सिंह, 58-एफ०, कमला नगर, दिल्ली (2) श्री श्याम सुन्दर (3) श्री तारा चन्द (4) श्री बिहारी लाल सुपुत्र श्री मुरली धर, 24/14, शक्ति नगर, दिल्ली-7।

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

एक दुकान जो कि ग्राउण्ड फ्लोर पर गादोदिया मार्किट में है जिसका नं० 9 है तथा कुल चिरा हुआ क्षेत्रफल 775 वर्ग गज (जिसमें बारान्दा तथा फड़) है तथा जो खारी बावली, दिल्ली में निम्न प्रकार की सीमाओं से चिरा हुआ है:—

पूर्व—साप्ती दीवार।

पश्चिम—साप्ती दीवार।

उत्तर—गादोदिया मार्किट के पीछे खुली म्युनिसिपल जोत।

दक्षिण—गादोदिया मार्किट के अन्दर 16 फीट चौड़ी नोजि साप्ती सड़क।

च० वि० गुप्ते,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, दिल्ली-2, नई दिल्ली-1

तारीख : 28 अप्रैल 1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, 1/2, दिल्ली-1

4/14-ए, आसफ अली रोड, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 28 अप्रैल 1975

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/11/828/75-76/375—

यतः मुझे च० वि० गुप्ते

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी सं० दुकान नं० 14 है, जो खारी बावली, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 21-1-1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित

बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसारण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थातः—

1. मै० एल० एन० गादोदिया एण्ड सन्स (प्रा०) लि०, 1112, कूचा नटवन, चादनी चौक, दिल्ली-1 डायरेक्टर श्री राम गोपाल गादोदिया, सुपुत्र श्री लक्ष्मी नारायण गादोदिया, बंगलो नं० 8, अलीपुर रोड, सिविल लाइन्स, दिल्ली।

(अन्तरक)

2. (1) श्री हुकम चन्द, सुपुत्र श्री सन्त लाल, (2) श्री सुभाष चन्द्रा, सुपुत्र श्री हुकम चन्द, 1547, गली कूचा बाग, श्यामा प्रसाद मुखर्जी मार्ग, दिल्ली-1।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

एक दुकान जो कि ग्राउण्ड फ्लोर पर गादोदिया मार्केट में है जिसका नं० 14 है तथा कुल घिरा हुआ क्षेत्रफल 768 वर्ग गज (जिसमें बारान्दा तथा फड़) है तथा जो खारी बावली, दिल्ली में निम्न प्रकार की सीमाओं से घिरा हुआ है :—

पूर्व—सामी दीवार

पश्चिम—सामी दीवार

उत्तर—इस जायदाद की सारी दीवार नीचे से ऊपर इसके बाद खुली म्युनिसिपल जोत है।

दक्षिण—गादोदिया मार्केट के अन्दर 16 फीट चौड़ी नेजि सामी सड़क।

च० वि० गुप्ते,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, 2-दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 28 अप्रैल 1975

मोहर :



प्ररूप आई० टी० एन० एस०—  
 प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
 269-घ (1) के अधीन सूचना  
 भारत सरकार  
 कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
 अर्जन क्षेत्र लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 22 अप्रैल, 1975

निदेश सं० 64-एस०/अर्जन—अतः मुझे विशम्भर नाथ  
 आयकर अधिनियम, 1961  
 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम'  
 कहा गया है)  
 की धारा 269-घ के अधीन सक्षम  
 प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर  
 सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है  
 और जिसकी सं० बी०-3-4-बी० है तथा जो हास्पिटल रोड जगदीश-  
 पुर बलिया में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और  
 पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
 बलिया में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
 16) के अधीन तारीख 30-9-1974 को  
 पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य  
 से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के  
 अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण  
 है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
 प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है  
 और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के  
 बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
 उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
 किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
 अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के  
 वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
 के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
 को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम,  
 या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957  
 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं  
 किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
 सुविधा के लिए ।

अतः अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम,  
 की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित  
 व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री ब्रजेन्द्र नारायण (अन्तरक)
2. श्रीमती शिव गुलाबी देवी (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
 कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
 की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
 में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
 किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
 अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
 में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
 अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
 वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया  
 है ।

### अनुसूची

एक किता मकान नं० 9 बी०-3-4-बी० जिसमें आराजी भूमि  
 का 1/4 भाग शामिल है। जो कि हास्पिटल रोड, जगदीश  
 पुर, शहर, बलिया में स्थित है ।

विशम्भर नाथ  
 सक्षम प्राधिकारी  
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
 अर्जन रेंज लखनऊ ।

तारीख : 22-4-1975  
 मोहर :

प्ररूप आई०टी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 22 अप्रैल, 1975

सं० 64 एस०/अर्जन—अतः मुझे विशम्भर नाथ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० बी० 2-4 बी० है तथा जो हास्पिटल रोड़ जगदीश पुर बलिया में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बलिया में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 30-9-74 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने के कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उप-धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् 1—

(1) श्री भगु नारायण

(अन्तरक);

(2) श्री शिव गुलाबी देवी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

एक किता मकान न० बी०-3-4 बी० जिसमें आराजी भूमित का 1/2 भाग भी शामिल है जो कि हास्पिटल रोड़ जगदीश पुर शहर बलिया में स्थित है ।

विशम्भर नाथ  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज लखनऊ

तारीख 22-4-1972  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)

अर्जन रेंज लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 22 अप्रैल, 1975

निर्देश सं० 64-एस०/अर्जन—अतः मुझे विशम्भर नाथ

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)  
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह  
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० बी०-3-4-बी० है तथा जो हास्पीटल रोड,  
जगवीशपुर बलिया में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची  
में और पूर्ण से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
कार्यालय, बलिया में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन, तारीख 30-9-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार

मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख  
के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान के प्रतिफल के पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया प्रतिफल,  
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से  
कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के  
लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं  
किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
सुविधा के लिए।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त  
अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

1. श्री विश्वेश्वर नारायण (अन्तरक)

2. श्रीमती शिव गुलाबी देवी (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप:-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय  
20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा,  
जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनसूची

एक किता मकान नं० बी०-3-4-बी० जिसमें आराजी  
भूमि का 1/4 भाग भी शामिल है। जो कि हास्पीटल रोड,  
जगवीश पुर, शहर बलिया में स्थित है।

विशम्भर नाथ,

सक्षम अधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, लखनऊ।

तारीख : 22-4-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1/2, दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 23. मई, 1975

निदेश सं० आई०ए०सी०/एक्यू०/1/एस०आर०-iii/दिसम्बर-1/534(18)/74-75—यतः मुझे, चं० वि० गुप्ते  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० आर०-62 है, जो ग्रेटर कैलाश, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 7-12-74 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री गुलाब सिंह जैन, सुपुत्र श्री रूली राम, निवासी डी/1ए, ग्रीन पार्क, नई दिल्ली (अन्तरक)

2. श्री मास्टर कमल डोगरा और मास्टर राजेश डोगरा नाबालिग सुपुत्र श्री जे० सी० डोगरा, माता तथा स्वभाविक संरक्षक श्रीमती कृष्णा कुमारी डोगरा, पत्नी श्री जे० सी० डोगरा द्वारा निवासी 62, कटरा शेर सिंह, हाल बाजार, अमृतसर (पंजाब) (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि के बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सके।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट की भूमि जिसका क्षेत्रफल 300 वर्गगज है और नं० 62 है तथा प्लॉक नं० 'आर०' तथा जो कि वुमजिल बिल्डिंग के साथ बना हुआ है और जोकि निवासी कालौनी ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली के नाम से जानी जाती है तथा जिसकी सीमाएं निम्न हैं:—

पूर्व: मकान नं० आर०-62

पश्चिम: मकान नं० आर०-64

उत्तर: सविस लेन

दक्षिण: सड़क

चं० वि० गुप्ते,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज 1/2, दिल्ली।

तारीख: 23 मई, 1975

मोहर:

प्राकृत्य आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन परिक्षेत्र, बिहार पटना

पटना, दिनांक 12 मई 1975

निर्देश सं०-III/6/अर्जन-75-76—यतः मुझे, ज्योतीन्द्र नाथ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० वार्ड नं० -II, हो० नं०-684-अ० है तथा जो अपर बाजार रांची में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रांची में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 18-9-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य के उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्रीमती लीला देवी टैनवाला जौजे श्री इंगरमल टैनवाला द्वारा एम०/एस० कलकत्ता हार्डवेयर स्टोर अपर बाजार रांची। (अन्तरक)

2. श्रीमती कमला देवी पोदार जौजे श्री केदार नाथ पोदार ईस्ट मार्केट रोड, अपर बाजार रांची (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

रांची गोशाला के पास मकान, वार्ड नं०-II हो० नं० 684 -अ० जो कि दस्तावेज नं० 14951/74 दिनांक 18-9-74 में वर्णित है।

ज्योतीन्द्र नाथ,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना

तारीख : 12 मई 1975

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना

पटना, दिनांक 12 मई 1975

निर्देश सं०-III-98/अर्जन /75-76—यतः मुझे, ज्योतीन्द्र  
नाथ

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की  
धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार  
मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है और  
जिसकी प्लॉट सं० 588, सं० नं० 13 है तथा जो कदम कुआं,  
पटना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
पटना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन, तारीख 28-9-74

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित  
बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत  
विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,  
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से  
कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को,  
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या उक्त अधिनियम,  
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का  
27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. (1) श्री तारकेश्वर राम वलद श्री भागवत राम  
2. श्री चन्द्र शेषर अग्रवाल 3. श्री ब्रजेश कुमार अग्रवाल/  
वलदान श्री तारकेश्वर राम सा० राजाराम लेन, राम बाग,  
पटना-8। (अन्तरक)

2. श्री केशव प्रसाद गुप्ता उर्फ बाबू लाल गुप्ता वलद  
श्री द्वारिका प्रसाद, सा०/पो० कदमकुआं, पटना-3। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिये एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करना हूँ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

#### अनुसूची

एक किता दो मंजिला मकान, कदम कुआं, पटना-3 में,  
सं० नं० 3 सीट नं० -54 प्लॉट नं० 588 जो कि वस्तावेज नं०  
1 5076 दिनांक 28-9-74 में पूर्णतया वर्णित है।

ज्योतीन्द्र नाथ,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन परिक्षेत्र, बिहार

तारीख : 12-5-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 मई 1975

निर्देश नं० आर० ए० सी०-17/75-76—यतः मुझे, के०  
एस० वेंकटरामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके  
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ब के अधीन  
सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर  
सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० 12-2-718 मलकापुर है, जो हैदराबाद में  
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में  
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन, 23-9-1974 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम  
के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और  
मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त  
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे  
दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक  
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण  
के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है —

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में  
सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों,  
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,  
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957  
का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा  
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए  
था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः, अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनु-  
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्रीमती रेहू मतुलीसा बेगम पत्नी मोहम्मद रेहासत अली,  
नं० 20-5-285/1, काजीपुरा, हैदराबाद-2 (अन्तरक)

2. मीसर्स हिन्दुस्तान बिल्डर्स, आबिद रोड, हैदराबाद-1  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति :—नं० पुराना 345, हल्का बाई नई नं०  
12-2-718 मलकापुर, बैरबन, हैदराबाद, क्षेत्रफल 10,555  
बर्गगज, या 8825.25 वर्ग मीटर्स।

के० एस० वेंकट रामन,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 8-5-75

मोहर :

प्ररूप आई टी० एन० एस०—

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 9 मई 1975

निर्देश नं० आर० ए० सी० 18/75-76—यतः मुझे, के०  
एस० बेंकट रामन आयकर अधिनियम

1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त  
अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ब के अधीन  
सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर  
सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० एफ० -2/661 का भाग सोमानीगूडा है,  
जो हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में  
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्या-  
लय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908  
(1908 का 16) के अधीन 5-9-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित

बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए  
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का  
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रति-  
शत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए या छिपाने के लिए  
सुकर बनाना ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में  
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) (1) श्री पी० वी० नरसिंहा राव पुत्र रामय्य  
डोकीपारु मोजा (2) श्रीमती आर० बुचम्माल पत्नी रामलू  
नायडु, ओरकाडु मोजा, मद्रास-67

(अन्तरक)

(2) मैसर्स शाह फारम और कन्स्ट्रक्शन इक्विपमेंट  
कंपनी, 5-3-335, आर० पी० रोड, सिकन्दराबाद

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप,

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही  
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

सम्पत्ति :—

पूरी प्लॉट जिसका क्षेत्र 1200 वर्ग गज और संलग्न  
प्लान में खुली तरह वर्णन किया गया है जो सं० नं० 35 पर  
सोमानीगूडा, हैदराबाद एफ०-2/661 का भाग निम्न से  
चिरा हुआ है :—

उत्तर—सी० सी० रोड

दक्षिण—मैसर्स शाह सन्स (पी०) लिमिटेड

पश्चिम—पेट्रोल पम्प

पूर्व—मैसर्स शाह सन्स

के० एस० बेंकट रामन,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 9-5-75

मोहर :



प्रारूप आई०टी०एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 9 मई 1975

निर्देश सं० आर० ए० सी० 19/75-76—यतः मुझे, के०  
एस० वेंकट रामन

आयकर अधिनियम, 1961

(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 16/52, 51, 50, 46, 47 है, जो ट्रंक रोड में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नेल्लूर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 11-9-1974 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तिर्षी, को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (1) श्री जी० सुब्रमन्यम्, (2) जी० आदीशेशयान, (3), जी० स्त्रीनीवास मुलकी कृष्णा, (4) जयचन्द्रा, (5) वेंकटाद्री लक्ष्मम्मा पत्नी ए० शेषप्पा, ट्रंक रोड, नेल्लूर (अन्तरक)

2. (1) श्री के० वेंकट सुब्बय्या पुत्र नारायण चेट्टी (2) वी० वेंकप्पा दोनों मैसर्स सिल्क प्यालेस के भागीदार ट्रंक रोड, नेल्लूर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति :—नं० 16/52, 51, 50, 46, 47, ट्रंक रोड, नेल्लूर।

के० एस० वेंकट रामन,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद।

तारीख : 9-5-1975  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

घर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 9 मई 1975

निर्देश सं० आर० ए० सी० 21/75-76—यतः मुझे के० एस०  
वेंकट रामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)  
की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को,  
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसकी सं० बाग 3-6-122 हिमायतनगर है, जो  
हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908  
का 16) के अधीन 17-9-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए  
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि  
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्नाह प्रतिशत से अधिक है  
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के  
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त  
अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या घन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था  
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए ;

अतः अब, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ब के  
अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ब की  
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (1) श्री जाल येम जहानगीर, (2) मेहर के  
हिटालिया (3) रोशन येम जहानगीर, (4) सीन येम  
जहानगीर तमाम नं० 10-5-15 मासाब टांक हैदराबाद /  
(अन्तरक)

2. श्री केस राम रेड्डी पिता सत्यानारायन रेड्डी एच०  
नं० 18-4-485 अलियाबाद हैदराबाद  
(अन्तरिती)

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त  
अधिनियम' के अध्याय 20-क में यथा  
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस  
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति :—पिचकाबरा नं० 3-6-122 हिमायतनगर  
हैदराबाद।

के० एस० वेंकट रामन,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
घर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 9-5-1975  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

1. राज सहकारी गृह निर्माण समिति लि०

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

2. श्री कैलाश नारायण मिश्रा

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूं।

अर्जन रेंज, लखनऊ

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:-

लखनऊ, दिनांक 7 मई 1975

निर्देश नं० 31-के०/अर्जन—अतः मुझे विशम्भरनाथ  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके  
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ  
के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रु०  
से अधिक है  
और जिसकी सं० प्लॉट नं० 3 है तथा 3/40 खियावान वजीर  
हसन रोड, लखनऊ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय, लखनऊ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन, तारीख 28-9-1974 को  
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे  
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त  
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे  
दृश्यमान प्रतिफल के पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और  
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच  
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित है,  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम,  
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने  
या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को,  
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम,  
1975 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती  
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुविधा  
के लिए;

एक किता प्लॉट नं० 3 जिसका रकबा 8604 वर्ग  
फिट है। मय एक किता कोठी जो कि 3/40 खियावान,  
वजीर हसन रोड, लखनऊ में स्थित है।

विशम्भर नाथ,  
सक्षम अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, लखनऊ।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

तारीख: 7-5-1975  
मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 7 मई 1975

निदेश नं० 65-एस०/अर्जन—अतः मुझे विश्वम्भर नाथ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी सं० प्लॉट नं० 7 है तथा जो 40/3 खियाबान वजीर हसन रोड लखनऊ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लखनऊ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 13-9-1974

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम,' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिबों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम,' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः, अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुकरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. राज सहकारी गृहनिर्माण समिति लि०

(अन्तरक)

2. श्री सन्तोष कुमार अग्रवाल

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबदख किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम,' के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

एक किता प्लॉट नं० 7 जिसका रकबा 6140 वर्ग फिट है। मय एक किता कोठी जो कि 40/3 खियाबान, वजीर हसन रोड लखनऊ में स्थित है।

विश्वम्भर नाथ,  
सक्षम अधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख : 7-5-1975  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 मई 1975

निर्देश सं० आर० ए० सी० 16/75-76—यतः मुझे के०  
एस० वेंकट रामन

आयकर अधिनियम, 1961

(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम'  
कहा गया है।) की धारा 269-ख के अधीन  
सक्षम अधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०  
से अधिक है

और जिसकी सं० 10-2-180 मोरह पल्ली है, जो सिकन्दरा-  
बाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
सिकन्दराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908  
(1908 का 16) के अधीन 4-9-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति

के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के  
लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का  
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्रह  
प्रतिशत से अधिक है यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन  
कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या  
उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं  
किया गया था, या किया जाना चाहिए था  
छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

9—106GI/75

1. श्रीमती पान कुमारी बाई, 1200 म्याक्लेवगूडा  
सिकन्दराबाद (अन्तरक)

2. (1) श्री नरेश कुमार (2) श्री लोकेन्दर कुमार  
9-3-164 रेजीमेन्टल बाजार, सिकन्दराबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख  
से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों  
पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि,  
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर  
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से, किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख  
से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति  
में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी  
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो  
उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में  
परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो अध्याय  
में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति:—दुःमजला पूरा मकान जिसका नं०  
10-2-180 (पुराना नं० 17) क्षेत्रफल 7182 वर्ग फीट, जो  
मारेडपल्ली, सिकन्दराबाद में स्थित है।

के० एस० वेंकट रामन,  
सक्षम अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 8-5-1975

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हुबली

धारवाड, दिनांक 8 मई 1975

निर्देश सं० 76/75-76/ए० सी० क्यू०—यतः, मुझे  
आर० पार्थसारथी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज धारवाड

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के  
अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से  
अधिक है और जिसकी सी० टि० एस्० नं० 142/एल्० बी० है, जो  
वार्ड नं० 9, लैन बझार, धारवाड में स्थित है (और इससे  
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय, धारवाड में डाक्युमेंट नं० 1236 के  
अंतर्गत 17-9-1974 के दिन भारतीय रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और  
मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त  
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल  
से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और  
यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के  
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक  
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में  
सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनु-  
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की  
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. डा० सुंदर लक्ष्मण बल्ले, एम्० आर० सी० पी०  
(लन्डन) फ्लॉट नं० 201, बी० ब्लाक, सिम्ला हाउस, 51  
बी० नेपियन् सी० रोड, बोबाई-400006 (अन्तरक)
2. लेफ्टनंट कर्नल डा० एम्० ए० सिरूर, 173, मीरा  
सीसाइटी, सॉलिस्बरी पार्क, पूना-4110001 (अन्तरिती)
3. (1) श्री पल्लप्पा एच्० कलाल, कॉलटेक्स, पेट्रोल  
पंप, धारवाड, (2) दि० रीजनल् ट्रांसपोर्ट ऑफीसर,  
धारवाड, (3) मेसर्स ज्योती आईल डिस्ट्रीब्यूटर्स, धारवाड  
(4) इंडियन् आईल कार्पोरेशन लिमिटेड, प्लॉट नं० 50,  
'उषा' हिल्सवाडी, बेलगाँव-590006  
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है,  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सी० टि० एस्० नं० 142/एल्० बी० का आस्ती जो,  
दो मुख्य बिल्डिंग और उसके अन्य संबंधी भागों का है और  
जिसका विस्तीर्ण 1 एकड़, 35 गुठा और 99 चदर यार्ड है,  
हुबली-धारवाड मुनिसिपल् कार्पोरेशन के हद्द में धारवाड शहर  
के 9 वार्ड, लैन बझार में स्थित है।

आर० पार्थसारथी,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, धारवाड।

तारीख : 8-5-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, धारवाड

धारवाड, दिनांक 30 अप्रैल 1975

निर्देश सं० 75/75-76/ए० सी० क्यू०—यतः, मुझे, आर० पार्थसारथी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज धारवाड आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी जिसकी सर्वे नं० 125 है, जो खिवरी गाँव, तालूका और जिला बीदर में स्थित है (और इससे उपान्वित अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बीदर में डोक्युमेंट नं० 2176 के अंतर्गत 11-11-1974 के दिन भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का 15 प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, या छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात :—

1. श्रीमती सरस्वती बाई, पत्नी भँवारी लाल, पानबहार, मुनाहटेड् कर्मशियल् बैंक के पीछे, सिकंदराबाद (आंध्रप्रदेश) (अन्तरक)

2. (1) श्रीमती कौसल्याबाई पत्नी मोहनलाल, (2) श्री बन्नीप्रसाद पुत्र मोहनलाल अग्रवाल, (3) श्रीमती कांता बाई पत्नी महेंद्र प्रसाद, (4) कुमार शामसुंदर पुत्र मोहन लाल, अल्पवयी, अपने संरक्षणदार और पिता मोहनलाल पुत्र शूरमल्लजी, (5) कुमार मुकेशबाबू पुत्र नरसिंगदास, अल्पवयी, अपने संरक्षणदार और माता श्रीमती शकुंतलाबाई पत्नी नरसिंगदास—घर नं० 5-3-39, धोशामहल, हैद्राबाद (आंध्र प्रदेश) (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जिला और तालूका बीदर के चिदरी गाँव के 'सर्वे नं० 125' में आग्नेय भाग में 9 एकड़ विस्तीर्ण का जमीन और उस जमीन पर स्थित सभी इमारतें, पक्का और अस्थायी सुपर स्ट्रक्चरें फेक्टरी शेड् औफीस का कमरा (बिना छत का) और औसवेस्टोस शीटों के छत का गोडौनें, जो पहले कर्नाटक खंडसारी शुगर फ्याक्टरी के आवार के नाम से ज्ञात था और अब सौंथल्या खंडसारी शुगर फ्याक्टरी के नाम से ज्ञात है।

आर० पार्थसारथी,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, धारवाड।

तारीख : 30-4-1975

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.—  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 6 मई 1975

निर्देश सं० सि० आर० 62/2995/74-75—यतः मुझे,  
आर० क्रिष्णमूर्ति  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/ रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 140 है, जो वी० पी० के० और सर्वे नं०  
9, सैट नं० 17, कामाक्षी, हेब्बाल कसबा, बेंगलूर नार्त  
तालूक में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
बेंगलूर नार्त, बेंगलूर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन 21-9-1974 दस्तावेज  
नं० 3575/74-75

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की कथित उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक  
के बायस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,  
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए ;

अतः, अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-  
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. (1) श्री एच० एम० तिममया (2) श्रीमती  
गनगम्मा हेब्बाल कसबा, बेंगलूर नार्त तालूक (अन्तरक)
2. श्री एम० क्रिष्णाप्पा पुत्र मारप्पा हेब्बाल कसबा,  
बेंगलूर नार्त तालूक (अन्तरिती)
3. (1) श्री रामबास (2) मुषिवेन्कटप्पा (3) जोसफ  
(4) सूब सिन्ज (5) माडप्पा (6) लोकोन्डो, (7) पांडे  
(यह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में  
से किसी व्यक्ति द्वारा ;

- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किन्ने जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा-  
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय  
में दिया गया है ।

### अनुसूची

मकान नं० 140, हेब्बाल, वी० पी० ले और सर्वे नं०  
9, सैट नं० 17, हेब्बाल कसबा, बेंगलूर नार्त क्षेत्रफल  
 $40' \times 60' = 2400$  वर्ग फीट सीमा  
पू : सैट नं० 18 अब्दुल कमर का  
प : सिद्ध गनगम्मा की सैट नं० 16  
उ : 25 फीट रोड  
द : कनकनसी रोड  
दस्तावेज नं० 3575/74-75 ता० 21-9-1974

आर० क्रिष्णमूर्ति,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, बेंगलूर ।

तारीख : 6-5-1975

मोहर :



प्ररूप आई० टी० एम० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 6 मई 1975

निर्देश सं० सि० आर० 62/3098/74-75—यतः मुझे,  
आर० क्रिष्णमूर्ति

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
(जिसे इसमें इसके पश्चात्, 'उक्त अधिनियम' कहा गया  
है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को  
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसकी सं० सर्वे नं० 42 है, जो कोटगुर्तु गांध, पावगडा  
तालुक, तुमकूर जिला में स्थित है (और इससे उपावद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
के कार्यालय, पावगडा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन 6-9-1974 दस्तावेज  
1350/74-75 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार  
मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित  
की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है  
कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है  
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)  
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम  
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. (1) श्री के० सुब्बराय सास्त्री (2) के० एस०  
नागभूषण समी, के० एस० सत्यनारायण पावगडा, तुमकूर  
जिला (अन्तरक)

2. श्री हनुमप्पा पुत्र हनुमप्पा सिनगरहल्ली, पावगडा,  
तालुक, बी० एन० होसकोटे होबली, तुमकूर जिला  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अथवा हस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त-  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय  
में दिया गया है।

अनुसूची

खेती जमीन सर्वे नं० 42 20 एकर 37 गुनटे (41  
एकर 35 गुनटे में से) जो कोटगुर्तु गांव पावगडा तालुक  
में स्थित है।

सीमा:—

पूर्व: सिनगर हल्ली

पश्चिम: सर्वे नं० 43 की जमीन.

उत्तर: सर्वे नं० 41/182 की जमीन

दक्षिण: सर्वे नं० 48 और कोमाला

दस्तावेज नं० 1350/74-75 ता० 6-9-1974

आर० क्रिष्णमूर्ति,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, बंगलूर।

तारीख: 6-5-1975

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जुन रेंज, बैंगलूर

बैंगलूर, दिनांक 6 मई 1975

निर्देश सं० सि० आर० 62/3099/74-75—यतः  
मुझे, आर० कृष्णमूर्ति

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)  
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी  
को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,  
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसकी सं० सर्वे नं० 42 है, जो कोटगुर्तु गांव, पावगडा  
तालूक तुमकूर जिला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
के कार्यालय, पावगडा दस्तावेज नं० 1351/74-75 में  
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन 6-9-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम  
के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई  
है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि  
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है  
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के  
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है —

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त  
अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के  
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) उक्त अधिनियम या धन-कर अधि-  
नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्त-  
रिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना  
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अब : अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में  
मैं 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (1) श्री के० सुबाय सास्त्री (2) के० एस०  
नागभूषण शर्मा (3) के० एस० सत्यनारायण, पावगडा,  
बी० एन० होसकोटे, तुमकूर जिला (अन्तरक)

2. श्री एस० टी० हनुम रेड्डी पुत्र तिमम्पा, सिनगरूर  
गांव, पावगडा तालूक तुमकूर जिला (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में  
यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस  
अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

खेती जमीन सर्वे नं० 42, 20 एकर 38 गुनटे (41  
एकर 35 गुनटे में से) कोटगुर्तु गांव, पावगडा तालूक।

सीमा—

पूर्व : सिनगरूर हल्ली

पश्चिम : सर्वे नं० 43

दक्षिण : सर्वे नं० 48 और कोमाला

दस्तावेज नं० 1351/74-75 ता : 6-9-1974

आर० कृष्णमूर्ति,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण);

अर्जुन रेंज, बैंगलूर।

तारीख : 6-5-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, बैंगलूर

बैंगलूर, तिथि 6 मई 1975

निर्देश सं० सि० आर० 62/3100/74-75—यतः मुझे,  
आर० क्रिष्णमूर्ति आयकर अधिनियम, 1961 (1961  
का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा  
गया है)

की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी  
को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,  
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और  
और जिस की सं० सर्वे नं० 52 खेती जमीन) पावगडा, तुमकर  
जिला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पावगडा,  
तुमकर जिला में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन 7-9-1974

दस्तावेज नं० 1352/74-75

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह  
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित  
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल  
का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम  
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री (1) पी० जी० रामय्या (2) पी० जी० बद्रिनारायण  
सुपुत्र गुन थय्या सास्त्री, पावगडा, तुमकर जिला  
(अन्तरक)

2. श्री के० एस० सत्यनारायण सपुत्र सुप्राय सास्त्री पावगडा  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जुन के  
लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्याक्तियों पर सूचना  
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो  
उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में  
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस  
अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

खेती जमीन सर्वे नं० 52, 19 एकर 4 गुनटे (34 एकर  
2 गुनटे में से), पावगडा, तुमकर जिला ।

सीमा: पूर्व: सर्वे नं० 54 की जमीन

पश्चिम : सर्वे नं० 48 की जमीन

उत्तर : के० एस० नागभूषण की सम्पत्ति

दक्षिण : सर्वे नं० 53 की जमीन

दस्तावेज नं० 1352/74-75 ता० 7-9-1974

आर० क्रिष्णमूर्ति

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, बैंगलूर

तारीख : 6-5-1975

मोहर :

प्ररूप० आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269 घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बेंगलूर

तारीख 6 मई 1975

निदेश सं० सि० आर० 62/3101/74-75—यतः मुझे,  
आर० क्रिष्णमूर्ति  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961  
का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम, कहा  
गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी  
को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,  
जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/-रुपये से अधिक है  
और जिसकी सं० सर्वे नं० 52 है, जो (जमीन) पावगडा, टुमकूर  
ज़िला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पावगडा  
दस्तावेज नं० 1353/74-75 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन 7-9-1974  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-  
फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का  
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से  
अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक  
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में  
सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए ।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग  
अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की  
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री (1) पी० जी० रामय्या (2) पी० जी० बद्रिनारायण  
पावगडा, टुमकूर जिला (अन्तरक)

2. श्री के० एस० नागभूषण समी सपुत्र के० सुब्बाराय सास्त्री,  
पावगडा, टुमकूर जिला (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अशोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्थितीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

अनुसूची

जमीन सर्वे नं० 52, 14 एकर 38 गुनटे (34 एकर 2 गुनटे  
में से) जो पावगडा में स्थित है और जिसकी सीमा निम्नलिखित  
है :—

पूर्व : सर्वे नं० 54 की जमीन

पश्चिम : सर्वे नं० 48 की जमीन

उत्तर : सर्वे नं० 51 की जमीन

दक्षिण : के० एस० सत्यनारायण की जमीन

दस्तावेज नं० 1353/74-75 ता० 7-9-74 ।

आर० क्रिष्णमूर्ति  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, बेंगलूर

तारीख : 6-5-1975  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बैंगलूर

तारीख 7 मई 1975

निदेश सं० सि० आर० 62/3152/74-75—यतः मुझे,  
आर० क्रिष्णमूर्ति

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०  
से अधिक है

और जिसकी सं० 48/1 और 48/2 है, जो ग्राउंड फ्लोर और  
48, 48/1, 48/2 और 48/3 का I फ्लोर जे० सी० रोड, बैंगलूर  
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बसवनगुडि, बैंगलूर  
दस्तावेज नं० 2852/74-75 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन 26-9-74 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार  
मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित  
की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण  
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है  
और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)  
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्न-  
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप  
से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम  
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने  
या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-  
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की  
उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

10—106GI/75

1. श्री जी० एस० आचार्य सपुत्र डा० बी० जी० एस० आचार्य  
द्वारा पी० ए० श्रीमती सुशीला देवी, 173, I ब्लॉक  
जयनगर, बैंगलूर- (अन्तरक)
2. श्रीमती एम० एन० जानकी पत्नी नरसिमहय्या होटल  
मालिक, सन्तपेट, चिन्नदुर्गा (अन्तरिती)
3. 1. रथालिस फार्मा डिवीजन  
2. सिलवेनिया और लक्ष्मण  
3. रथालिस वोलफ डिवीजन (वह व्यक्ति जिसके  
अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित  
हैं वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया  
है।

#### अनुसूची

स्थायर सम्पत्ति नं० 48/1 और 48/2 (पुराना नं० 20/4)  
ग्राउंड फ्लोर और I फ्लोर हमारत नं० 48, 48/1, 48/2 और  
48/3 जे० सी० रोड, बैंगलूर सिटी।

सीमा: पूर्व: जे० सी० रोड

पश्चिम: कार्पोरेशन की गली

उत्तर: पुराना सैट नं० 4 (नया नं० 20/3)

दक्षिण: सम्पत्ति नं० 48 और 48/3

क्षेत्रफल 216 वर्ग गज

दस्तावेज नं० 2852/74-75 तारीख 26-9-1974

आर० क्रिष्णमूर्ति

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बैंगलूर

तारीख: 7-5-1975

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर (आयुक्त) निरीक्षण

अर्जन रेंज ज्योती बिल्डिंग्स

गोपाल प्रभु रोड, एरणकुलम कोचीन-II

तारीख 5 मई 1975

निदेश सं० एल० सी० 38/75-76—यतः मुझे, के० राज-  
गोपालन आयकर अधिनियम, 1961

(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिस की सं० 892 और 898 है तथा जो कोट्टनकरा विल्लेज, कोल्लम में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय छरविपुरम में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 13-9-74 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरगितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में वर्णित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (1) श्रीमती जानममा रामन, गोविन्द भवन कोल्लम

(2) श्री हरिदास, गोविन्द भवन, कोल्लम

(3) श्री नटराजन, गोविन्द भवन, कोल्लम

मेसर्स ए० पी० गोविन्दन एण्ड मन्स (पी०)

लिमिटेड कोल्लम के लिए (अन्तरक)

2. श्री ए० एन० सैनुलब्दीन मुसलिलार बाफी मंजिल  
कस्मिलेचोरी, किलिकोदूर, कोल्लम (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करती हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

कोल्लम तालुका के पुनकोन्नरचेरी, कोट्टनकरा विल्लेज में सर्व० सं० 892 और 898 में मकान से यक्त I एकड 35 सेनटम् भूमि ।

के० राजगोपालन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, एरणकुलम

तारीख : 5-5-175

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, ज्योती बिल्डिंग्स,

गोपाल प्रभु रोड, एरणाकुलम, कोच्चिन-11

तारीख 6 मई 1975

निदेश सं० एल० सी० 40/75-76—यतः मुझे, के० राज-  
गोपालन

आयकर अधिनियम, 1961

(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधि-  
नियम' कहा गया है), की धारा 269 घ के अधीन सक्षम  
प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर  
सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है  
और जिस की सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो कालिकट के नगर  
अंश देश में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय चालप्पुरम  
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
तारीख 5-9-1974 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह  
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति  
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल ऐसे दृश्यमान  
प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक  
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण  
के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त  
अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,  
या, धन-कर अधिनियम, 1957 (1957  
का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट  
नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था,  
छिपाने में सुविधा के लिये;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री विचिन्दास पोकरदास, श्री पोकरदास के पुत्र, बैकर,  
नगरं कालिकट (अन्तरक)

2. के० बी० जी० राज एस्टेट (हि० अ० कु०) मैनेजर  
एण्ड कर्ता श्री के० बी० गोविन्द राज श्री के० बी०  
देवदास राज काचरी अंश (से प्रतिनिधित्व कालिकट के  
पुत्र (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में  
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

#### अनुसूची

कालिकट के नगरं अंश देश के सर्वे सं० 39/6 क (आर०  
एस० 11-2-75/2 (में स्थित, कालिकट निगम के सं० 11/179C)  
मकान के पहले और दूसरे मंजिलों के और दूसरे मंजिल के खुली छत  
के 4/5 अधिकार।

के० राजगोपालन;  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, एरणाकुलम,

तारीख : 6-5-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज बंगलूर कार्यालय

बंगलूर, दिनांक 5 मई, 1975

निदेश सं० सि० आर० 62/3017/74-75—यतः मुझे  
आर० कृष्णमूर्ति, आयकर आयुक्त बंगलूर

आयकर अधिनियम, 1961  
(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त  
अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन  
सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर  
सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है  
और जिस की सं० मकान नं० 10/6 है, जो VI क्रस, विक्टोरिया ले आउट,  
बंगलूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में  
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, को  
कार्यालय, शिवाजीनगर, बंगलूर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधि-  
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 2222/74-75 ता  
दिनांक 28-9-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति

के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के  
लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का  
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के  
बाधित्व में कमी करने या उससे बचने से सुविधा  
के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,  
या धन-कर अधिनियम, 1957  
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती  
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना  
था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के  
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा  
(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती बी० शारदम्मा, नं० 85 विक्टोरिया ले आउट,  
मंगलूर-7 (अन्तरक)
2. श्री बी० रुद्रय्या नं० 10/6 विक्टोरिया ले आउट बंगलूर-7  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख  
से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों  
पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि  
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर  
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से, किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख  
से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति  
में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी  
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-  
भाषित है, वही अर्थ होगा जो उस  
अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

मकान नं० 10/6 VI क्रस, विक्टोरिया ले आउट बंगलूर—  
560007

क्षेत्रफल : पूर्व-पश्चिम : 50' }  
उत्तर-दक्षिण : 37' } 1850 वर्ग फीट

वस्तावेज नं० 2222/74-75 ता० 28-9-1974

आर० कृष्णमूर्ति  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण,  
अर्जन रेंज, बंगलूर।

तारीख : 5-5-1975

मोहर :



## प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख 5 मई 1975

निदेश सं० 1380/74-75—यतः मुझे, के० बी० राजन  
आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43)  
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की  
धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह  
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिस की सं० डोर सं० 20, तिरुमूर्ती स्ट्रीट, टी० नगर, मद्रास  
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, टी० नगर, (मद्रास)  
(डाकुमेन्ट सं० 1384/74) में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन, तारीख 21-9-1974 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित  
की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि  
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक  
है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों)  
के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्न-  
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से  
कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या ग्रन्थ प्राप्ति, को  
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम,  
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती  
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना  
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त  
अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन  
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

- (1) श्री पी०वी० सत्यनारायणा एस० सुन्दरराजन, एस०  
श्रीदेवन; एस० रगोतमन; एस० रवीन्द्रनाथः (अन्तरक)  
(2) श्री चेन्नम्पल्लि ओबुलेसु (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाव में  
प्राप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

## अनुसूची

मद्रास, टी० नगर, तिरुमूर्ती स्ट्रीट डोर सं० 20 में 7200  
स्क्वायर फीट का भूमि (मकान के साथ) (आर० एस० सं० 6937)

के० बी० राजन  
सक्षम अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख : 5-5-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

(1) श्री रंघसामि किरामनि

(अन्तरक)

(2) श्री कन्ता कन्तसामि

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II मद्रास

मद्रास, दिनांक 30 अप्रैल 1975

निदेश सं० 3202/74-75—यतः मुझे ए० रागवेन्द्र राव आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिस की सं० 38, लूथिप्रकासम स्ट्रीट पान्डिचेरी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पान्डिचेरी (डाकुमेन्ट सं० 2678/74 में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16 के अधीन, तारीख 1974 16-9-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:-

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अग्रोहस्ताधरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

पान्डिचेरी लूथिप्रकासम स्ट्रीट में 2318 स्क्वयर फीट का भूमि (मकान के साथ) (डोर सं० 38)

ए० रागवेन्द्र राव  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण  
अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख 30-4-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, तारीख 30-4-1975

निर्देश सं० 2282/74-75—यतः मुझे, ए० रागवेन्द्र राव  
आयकर अधिनियम, 1961

(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त  
अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम  
अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर  
सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है  
और जिस की सं० आलान्दुरै गांव में सर्वे सं० 535/2; इक्करै  
बोलुवम्पट्टि गांव में सर्वे सं० 244/2; 375/3; 374; 375/1  
376/1 और 376/3 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
कोयम्बतूर (डाकुमेन्ट सं० 2317) में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 17-9-1974  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार  
मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए  
अन्तरित की गई है और मुझे यह  
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित  
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल  
के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर  
देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे  
बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम,  
1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम  
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का  
27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं  
किया गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने  
में सुविधा के लिए

यतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,  
मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ  
की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री एस० पी० राजगोपाल एस० पि० अरुमुधम और  
श्रीमती सुब्बुलजिम (अन्तरक)

(2) श्रीमती सुब्बुलजिम के द्वारा एस० आर० आनन्द  
कुमार (मैनर) (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम,  
के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित है,  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

गांव	सर्वे सं०	एकर-सेन्ट
आलान्दुरै	535/2	0-46 (भूमि)
इक्करै बोलुवम्पट्टि	244/2	1-92 (भूमि)
"	375/3	4-04 भूमि
"	374	0-53 भूमि
"	375/1	2-40 भूमि
"	376/1	2-17 भूमि
"	376/3	1-26 भूमि
		12-78

ए० रागवेन्द्र राव  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख 30-4-1975

मोहर

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

(1) श्रीमती सिधम्माल

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री आर० जान नाडार

(अन्तरिती)

भारत सरकार

को यह सूचना जारी करके पूर्णतः सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता है।

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

उक्त सम्पत्ति के सम्बंध में कोई भी आक्षेप :—

मद्रास, दिनांक 30 अप्रैल 1975

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्यावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

निर्देश सं० 2283/74-75—यतः मुझे, ए० रागवेन्द्र राव  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)  
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को  
यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिस की सं० कोयम्बतूर तालूका; पुलियकुलम गांव में एस०  
एफ० सं० 102 और 103 में स्थित है (और इस उपाबद्ध  
कार्यालय, कोयम्बतूर (डाकुमेंट सं० 3675/74) में, रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर  
1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में  
कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिक्ष की गई  
है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि  
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है  
और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के  
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में अधिन  
नहीं किया गया है :—

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है,  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

कोयम्बतूर तालूका, पुलियकुलम गांव

	एकर-सेन्ट
एस० एफ० सं० 102	1-74
एस० एफ० सं० 103	2-41
एस० एफ० सं० 103	0-20
	4-35

(क) अन्तरण में हुई किसी भाग की बाधत उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए  
और/या

(ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अन्य आस्तियों को,  
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम,  
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती  
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना  
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा  
(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों पर

ए० रागवेन्द्र राव  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख : 30-4-1975

मोहर

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 30 अप्रैल 1975

निदेश सं० 2283/74-75—यतः मुझे, ए० रागवेन्द्र राव  
आयकर अधिनियम 1961

(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम'  
कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी  
को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर  
सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु० से अधिक है  
और जिस की सं० पट्टा सं० 106, जी० एस० सं० 101, 102,  
103; पुलियकुलम गांव, कोयम्बतूर तालूका में स्थित है (और  
इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय, कोयम्बतूर (डाकुमेन्ट सं० 3674) में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
तारीख सितम्बर 1974 को पूर्वोक्त  
सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के  
लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का  
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,  
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957  
का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती  
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना  
चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

11—106GI/75

(1) श्री आर० वी० अरुनाचलम (अन्तरक)

(2) श्री आर० जान नाडार (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख  
से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों  
पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि  
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर  
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से, किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख  
से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति  
में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी  
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो  
उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-  
भाषित है, वही अर्थ होगा जो उस  
अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

कोयम्बतूर तालूका, पुलियकुलम गांव में पट्टा सं० 106;

एकर-सेन्ट	
जी० एस० सं० 101	3-09
जी० एस० सं० 102	1-06
जी० एस० सं० 103	0-20
<hr/>	
4-35	

ए० रागवेन्द्र राव  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-II, मद्रास

तारीख : 30-4-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 30 अप्रैल 1975

निदेश सं० 2276/74-75—यतः मुझे, ए० रागवेन्द्र राव आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० प्लॉट नं० 533, ग्यारहवां स्ट्रीट, टाटबाड कोयम्बतूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गान्धिपुरम (कोयम्बतूर (डाकुमेण्ट सं० 2799/74) में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 12-9-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

(1) श्री डी० जान विलियम्स (अन्तरक)

(2) श्री एन० तिरुवेंकटसामि (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कोयम्बतूर, ग्यारहवां वार्ड, टाटबाड ग्यारहवां स्ट्रीट, प्लॉट सं० 533 में ग्यारह सेन्ट और 283 स्क्वियर फीट का भूमि (भकान के साथ)।

ए० रागवेन्द्र राव  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण  
अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख : 30-4-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 6 मई 1975

निदेश सं० ए० सी० क्यू० 23-1-479 (174)/1-1/  
74-75—यतः मुझे, जे० कथूरिया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)  
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को  
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,  
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० फायनल प्लॉट नं० 517-2बी, टी० पी० एस०  
नं० 3 है, जो नरेश ब्रीज के निकट, आश्रम रोड, अहमदाबाद  
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद  
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन 30-9-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति

के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए  
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है  
कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक  
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)  
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-  
लिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से  
कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम, के अधीन करने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अम्ल आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. मैसर्स साधुराम गोरधनलाल फर्म के हेतु तथा उसकी  
ओर से—

- (1) श्री साधुराम बी० अंदाणी,
  - (2) श्री गोरधनलाल एस० अंदाणी,
  - (3) श्री कीशनलाल साधुराम अंदाणी,
  - (4) कुमारी भाग्यवती एस० अंदाणी,
- नेताजी क्लाय मार्केट, कालुपुर, कोटनी रंग,  
अहमदाबाद (अन्तरक)

2. श्री डाह्लाभाई रामसंग भाई जादव, 10-बी०, आम्बकुंज,  
सोसायटी, कांकरीया डोर बजार रोड, मणीनगर अहमदाबाद  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो  
भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर  
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों, का जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया  
है।

अनुसूची

एक अचल सम्पत्ति जिसका आफिस नं० ए-54 है और जो  
केपीटल कमर्शाल सेन्टर की चौथी मंजील के ब्लॉक ए० पर  
स्थित है और जिसका फायनल प्लॉट नं० 517-2बी, टी० पी०  
एस० नं० 3 है और जो नरेश पुल के निकट, आश्रम रोड,  
अहमदाबाद में स्थित है।

जे० कथूरिया,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

तारीख : 6-5-1975

मोहर :

## प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43)  
की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 6 मई 1975

यतः, मुझे, जे० कथूरिया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है

और जिसकी सं० फायनल प्लॉट नं० 517-2-बी टी० पी० एस० नं० 3 है, जो नहेरू पुल के निकट आश्रम रोड, अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 27-9-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य

से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य के उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम', 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मैसर्स साधुराम गोरधनलाल फर्म के हेतु तथा उसकी ओर से—

- (1) श्री साधुराम बी० अंरानी,
  - (2) श्री गोरधनलाल एस० अंरानी,
  - (3) श्री कीशनलाल साधुराम अंरानी,
  - (4) कुमारी भाग्यवती एस० अंरानी,
- नेताजी क्लाय मार्केट, कालुपुर, कोटनी रांग,  
अहमदाबाद (अन्तरक)

3. मैसर्स गुजरात एन्टरप्राइज 3, रंग कुंज सोसायटी, नारणपुरा चार रास्ता, अहमदाबाद (अन्तरिती)  
को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

एक अवल सम्पत्ति जिसका आफिस नं० ए-57 है और जो केपीटल कमर्शियल सेन्टर के चौथी मंजिल पर ब्लॉक ए में स्थित है और जिसका फायनल प्लॉट नं० 517-2-बी, टी० पी० एस० नं० 3 है और जो नहेरू पुल के निकट, आश्रम रोड अहमदाबाद में स्थित है।

जे० कथूरिया,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद।

तारीख : 6-5-1975।

मोहर :



प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 6 मई 1975

निर्देश सं० ए सी क्यू 23-1-481(176)/2,1/74-75—  
यतः, मुझे जे० कथूरिया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)  
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह  
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसकी सं० फायनल प्लॉट नं० 517-2-बी०, टी० पी० एस०  
नं० 3 है, तथा जो नहेरू पुल के निकट, आश्रम रोड, अहमदाबाद  
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद  
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन 25-9-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह  
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित  
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,  
निम्नलिखित उद्देश्य के उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत 'उक्त  
अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को  
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या  
किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में,  
मैं 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. मैसर्स साधुराम गोरधनलाल फर्म के हेतु तथा उसकी ओर  
से—

- (1) श्री साधुराम बी० अंरदानी,
- (2) श्री गोरधनलाल एस० अंरदानी,
- (3) श्री कीशनलाल साधुराम अंरदानी,
- (4) कुमारी भाग्यवती एस० अंरदानी,  
नेताजी कलाथ मार्केट, कालुपुर, कोटनी रांग, अहमदा-  
बाद (अन्तरक)

2. श्री गोविन्द लाल मयाभाई पटेल, C/O आफ मैसर्स अनील  
कुमार भगवानदास, 1457, नवा माधुपुरा, अहमदाबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी  
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में  
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों को जो 'उक्त  
अधिनियम', के अध्याय 20-क में यथा-  
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय  
में दिया गया है।

#### अनुसूची

एक अचल सम्पत्ति जिसका आफिस नं० ए०-56 और है जो  
केपीटल कमर्शल सेन्टर के चौथी मंजील के ब्लॉक ए० में स्थित  
है और जिसका फायनल प्लॉट नं० 517-2-बी० टी० पी० एस०  
नं० 3 है और जो नहेरू पुल के निकट, आश्रम रोड अहमदाबाद  
में स्थित है।

जे० कथूरिया,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद।

तारीख : 6-5-1975

मोहर :

प्राक्ष्य आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 6 मई 1975

निर्देश सं० ए० सी० ब्यू-23-1-482(177)/1-1/74-75—  
यतः, मुझे, जे० कथूरिया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
की धारा 269-ख के अधीन

(जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)।  
सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० फायनल प्लॉट नं० 517-2-बी, टी० पी० एस०  
नं० 3 है, जो नहेरू पुल के निकट, आश्रम रोड, अहमदाबाद  
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद  
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन 27-9-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति

के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के  
लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का  
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त  
अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए सुकर बनाना, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम,'  
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का  
27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट  
नहीं किया गया था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. मैसर्स साधुराम गोरधनलाल फर्म के हेतु तथा उसकी  
ओर से—

- (1) श्री साधुराम वी० अंजानी,
- (2) श्री गोरधनलाल एस० अंजानी,
- (3) श्री कीशनलाल साधुराम अंजानी,
- (4) कुमारी भाग्यवती एस० अंजानी,

नेताजी क्लाय मार्केट, कालपुर, कोटनी रांग,  
अहमदाबाद (अन्तरक)

2. श्री पुरषोत्तम दास अमीचंद पटेल 15, सुवास सोसायटी,  
सेन्ट जेवियर्स रोड, स्टेडियम के सामने, अहमदाबाद  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए एतद्वारा कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप:

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख  
से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों  
पर सूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि,  
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर  
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से, किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख  
से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति  
में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी  
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो  
'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में  
परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस  
अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

एक अटल सम्पत्ति जिसका ग्राफिस नं० ए०-50 है और जो  
केपीटल कमर्शल सेन्टर के चौथी मंजिल के ब्लाक ए० पर स्थित  
है और जिसका फायनल प्लॉट नं० 517-2-बी, टी० पी० एस०  
नं० 3 है और जो नहेरू पुल के निकट, आश्रम रोड, अहमदाबाद  
में स्थित है।

जे० कथूरिया  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद।

तारीख: 6-5-1975

मोहर:

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 25 अप्रैल 1975

निर्देश सं० सि० आर० 62/2906/74-75—यतः, मुझे,  
आर० त्रिणमूर्ति  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
(जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),  
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी  
को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति  
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है  
और जिसका सं० 3 है, जो डा० श्रमवेदकर रोड, बंगलूर में स्थित  
है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, शिवाजी नगर, बंगलूर  
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन दस्तावेज नं० 1923/74-75 9-9-1974  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित  
बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित  
की गई है और मुझे यह विश्वास करने का  
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत  
अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल  
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप  
से कथित नहीं किया गया है :-

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त  
अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उल्लेख करने में सुविधा के लिए;  
और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

अतः अब, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनु-  
सरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की उप-  
धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

1. (1) श्री बी० एस० लोकनाथन (2) बी० एल० त्याग-  
राजन (3) बी० एल० डोरैराजन, नठ० 7, मुखेश  
पिल्लय स्ट्रीट, बंगलूर-1 (अन्तरक)

2. श्री आर० केमपथ्या हेय-42, लक्ष्मीनारायणपुरम,  
बंगलूर-19 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त  
अधिनियम', के अध्याय 20-क में यथा-  
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस  
अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

स्थावर सम्पत्ति नं० 3, डा० श्रमवेदकर रोड, बंगलूर-5,  
क्षेत्रफल 223'—85'—18955 वर्ग फीट दस्तावेज नं० 1923/  
74-75 ता० 9-9-1974 ।

आर० त्रिणमूर्ति,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख 25-4-1975 ।

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 25 अप्रैल 1975

निर्देश सं० सि० आर० 62/2907/74-75—यतः, मुझे,  
आर० क्रिष्णमूर्ति आयकर

अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात्  
'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन  
सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर  
सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसकी सं० 3 (एक भाग) है, जो डा० अमबेदकर रोड,  
बंगलूर-5 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
शिवाजी नगर, बंगलूर में भारतीय दस्तावेज नं० 1922/74-75  
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन 9-9-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम  
के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे  
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल, से ऐसे दृश्यमान  
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित वास्तविक रूप में से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त  
अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः, अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में,  
मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (1) श्री वी० ऊस० लोकनाथन (2) वी० एल०  
स्यागराजन (3) वी० एल० डोरेराज, 7, मुरुगेश,  
पिलैय स्ट्रीट बंगलूर-1 (अन्तरक)

2. श्री आर० केमपय्या, हेच-42 लक्ष्मीनारायपुरम,  
बंगलूर-19 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप, :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी  
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों को, 'उक्त  
अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

#### अनुसूची

स्थावर सम्पत्ति नं० 3 (एक भाग), डा० अमबेदकर  
रोड, बंगलूर-5

93' + 85'

क्षेत्रफल  $177' \times \frac{93' + 85'}{2} = 15753$  वर्ग फीट

दस्तावेज नं० 1922/74-75 ता० 9-9-1974।

आर० क्रिष्णमूर्ति,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, बंगलूर।

तारीख : 25-4-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज - II, बैंगलूर

बैंगलूर, दिनांक 25 अप्रैल, 1975

निदेश सं० सि० आर० 62/2908/74-75 :—यतः,  
मुझे आर० क्रिष्णमूर्ति  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम'  
कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम  
प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर  
सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रुपये से अधिक है  
और जिसकी सं० 2 (एक भाग) है, जो डा० अम्बेडकर रोड,  
बैंगलूर-5 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, शिवाजी  
नगर, बैंगलूर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
1908 का 16) के अधीन दस्तावेज नं० 1924/74-75, 9  
सितम्बर, 1974

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित  
बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए  
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि  
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक  
है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्त-  
रितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम',  
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, ठिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, 'उक्त अधिनियम', धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—  
12—106GI/75

1. (1) श्री वी० एस० लोकनाथन  
(2) वी० एल० त्यागराजन  
(3) वी० एल० दोरैराज  
नं० 7, मुरगेश पिलैथ स्ट्रीट, बैंगलूर-1 (अन्तरक)
2. श्री आर० समपतराज नं० 1056, VII मैन रोड,  
श्रीराम पुरम, बैंगलूर-21 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी  
व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण : इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त  
अधिनियम' के अध्याय 20क में यथापरिभाषित है,  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

नं० 2 (एक भाग), डा० अम्बेडकर रोड, बैंगलूर-5 क्षेत्रफल  
$$\frac{175' \times 70' + 89'.6''}{2} = 14000 \text{ वर्ग फीट दस्तावेज नं०}$$
  
1924/74-75 ता० 9 सितम्बर, 1974।

आर० क्रिष्णमूर्ति  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, बैंगलूर।

दिनांक : 25 अप्रैल, 1975  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बैंगलूर

बैंगलूर, दिनांक 25 अप्रैल, 1975

निदेश सं० मि० आर० 62/2909/74-75 :—यतः,  
मुझे आर० कृष्णमूर्ति,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)  
की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह  
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी  
सं० 2 (एक भाग) है, जो डा० अम्बेडकर रोड, बैंगलूर-5 में  
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, शिवाजी नगर, बैंगलूर,  
वस्तावेज नं० 1925/74-75 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक  
9 सितम्बर, 1974

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह  
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति  
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान  
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक  
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे  
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य  
उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं गया है :-

(क) अन्तरण में हुई किसी आय को बावत  
उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने  
अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उस  
बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य  
आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम,  
1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम  
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957  
का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं  
किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :-

1. सर्व श्री (1) वि० एम० लोकनाथन,  
(2) बी० एल० त्यागराजन,  
(3) बी० एल० दोरैराज,  
नं० 7, मुरुगेश पिलैय स्ट्रीट, बैंगलूर (अन्तरक)

2. श्री आर० समपतराज, 1056, VII मैन रोड, श्रीराम-  
पुरम बैंगलूर-21 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां, शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आपेक्ष हो, तो:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी  
व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित  
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया  
है।

अनुसूची

नं० 2, डा० अम्बेडकर, रोड, बैंगलूर-5 (एक भाग) क्षेत्रफल  
178' × 70' = 12260 वर्ग फीट दस्तावेज 1925/74-75  
ता० 9 सितम्बर, 1974।

आर० कृष्णमूर्ति,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, बैंगलूर।

दिनांक : 25 अप्रैल, 1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बैंगलूर

बैंगलूर, दिनांक 25 अप्रैल 1975

निर्देश सं० सि० आर०-62/3000/74-75 :—यत्तः,  
मुझे आर० क्रिष्णमूर्ति,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके  
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन  
सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर  
सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसकी सं० 4 (एक भाग) है, जो डा० अम्बेडकर रोड,  
बैंगलूर-5 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
शिवाजी नगर, बैंगलूर दस्तावेज नं० 2037/74-75 में भारतीय  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
दिनांक 9 सितम्बर, 1974  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित  
की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-  
पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है  
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के  
बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,  
में उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन,  
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :

1. सर्व श्री (1) बी० एस० लोकनाथन  
(2) बी० एल० त्यागराजन,  
(3) बी० एल० दोरैराज ,  
नं० 7 मुरुगेश पिलैय स्ट्रीट, बैंगलूर-1 (अन्तरक)

2. श्री आर० समपतराज 1056, VII मैन रोड, श्रीराम-  
पुरम, बैंगलूर-21 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

#### अनुसूची

नं० 4 (एक भाग), डा० अम्बेडकर रोड, बैंगलूर-5 क्षेत्रफल  
210' × 70' = 14700 वर्ग फीट दस्तावेज नं० 2037/74-75  
ता० 9 सितम्बर, 1974 ।

आर० क्रिष्णमूर्ति  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, बैंगलूर ।

दिनांक : 25 अप्रैल, 1975

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बैंगलूर

बैंगलूर, दिनांक 25 अप्रैल, 1975

निर्देश सं० सि० आर० 62/3001/74-75 :—यतः,  
मुझे आर० क्रिष्णमूर्ति,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),  
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह  
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और  
जिसकी सं० 4 (एक भाग) है, जो डा० अम्बेडकर रोड, बैंगलूर-5  
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय शिवाजीनगर, बैंगलूर दस्तावेज  
नं० 2038/74-75 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 9 सितम्बर, 1974  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से  
कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित  
की गई है और मुझे यह विश्वास करने का  
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त  
अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,  
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम,  
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती  
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना  
चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :—

1. सर्व श्री (1) वी० एस० लोकनाथन,  
(2) वी० एल० त्यागराजन,  
(3) वी० एल० दोरैराज,  
नं० 7, मुक्तेश पिलैय स्ट्रीट, बैंगलूर-1 (अन्तरक)

2. श्री आर० समपतराज, 1056, VII मैन रोड, श्रीराम-  
पुरम, बैंगलूर-21 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख  
से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों  
पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि  
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर  
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से, किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख  
से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति  
में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी  
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो  
उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-  
भाषित है, वही अर्थ होगा जो उस  
अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

नं० 4 (एक भाग) डा० अम्बेडकर रोड, बैंगलूर-5 क्षेत्रफल  
190' × 70' = 13300 वर्ग फीट दस्तावेज नं० 2038/74-75.  
ता० 9 सितम्बर, 1974।

आर० क्रिष्णमूर्ति  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, बैंगलूर।

दिनांक : 25 अप्रैल, 1975

मोहर :



प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बैंगलूर

बैंगलूर, दिनांक 25 अप्रैल, 1975

निदेश सं० सि० आर०-62/ 3239/74-75 :-यतः,  
मुझे आर० क्रिष्णमूर्ति,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),  
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी  
को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,  
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसकी सं० 248 है, जो हड्डिगुनटा, काक्स टौन, बैंगलूर  
(डिवीजन नं० 49) 8 गुनटे में स्थित है (और इससे उपाबद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय, गिवाजीनगर, बैंगलूर दस्तावेज नं० 2549/74-74, में  
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन दिनांक 25 सितम्बर, 1974  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य  
से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए  
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दाधिर्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों,  
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाता चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनु-  
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

1. श्रीमती एस० जानकी, नं० 9, केमब्रिज रोड, बैंगलूर-8  
(अन्तरक)

2. श्री आर० समपतराज 1056, VII मैन रोड, श्रीराम-  
पुरम, बैंगलूर-21 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

नं० 248, हड्डिगुनटा, काक्स टौन, बैंगलूर-1 (डिवीजन  
नं० 49), 8 गुनटे जमीन। दस्तावेज नं० 2549/74-75 ता०  
25 सितम्बर, 1974।

आर० क्रिष्णमूर्ति,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, बैंगलूर।

तारीख : 25-4-1975  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बैंगलूर

बैंगलूर, दिनांक 30 अप्रैल 1975

निदेश सं० सि० आर०-62/3013/74-75 :—यतः,  
मुझे आर० क्रिष्णमूर्ति,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),  
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को,  
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० 27 (नया नं० 38639) है, जो वैलिगटन  
स्ट्रीट, रिचमन्ड टोन, बैंगलूर-26 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय, शिवाजी नगर, बैंगलूर, दस्तावेज नं० 2164/74-75  
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन दिनांक 25 सितम्बर, 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित  
बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है  
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति  
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान  
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक  
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण  
के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त  
अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के  
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए।

अतः अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त  
अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन  
निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. (1) श्री डी० वी० विश्वनाथ सुपुत्र डी० वी०  
दासप्पा

(2) श्रीमती सीतम्मा दासप्पा बाल गुडा एसटेड, सोम-  
वारपेट, कूर्ग जिला (अन्तरक)

2. श्रीमती प्रतिभा एस० मूला पत्नी एम० सुरेन्द्रनाथ  
38/39, वैलिगटन स्ट्रीट, रिचमन्ड टोन, बैंगलूर-26 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के  
अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में  
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त  
अधिनियम' के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

#### अनुसूची

मकान नं० 38/39 (पुराना 27), वैलिगटन स्ट्रीट, रिचमन्ड,  
टोन, बैंगलूर-26

$$\text{क्षेत्रफल } 50 \times \frac{103' + 88'}{2} \times 30 \text{ द० } \frac{170' + 180'}{2}$$

= 16712 वर्ग फीट दस्तावेज नं० 2164/74-75 ता० 25  
सितम्बर, 1974।

आर० क्रिष्णमूर्ति,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, बैंगलूर।

तारीख : 30-4-75  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बैंगलूर

बैंगलूर, दिनांक 25 अप्रैल 1975

निदेश सं० सि० आर०-62/3038/74-75 :—यतः,  
मुझे, आर० क्रिष्णमूर्ति,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० 6/1 है, जो श्रीकान्तय्या ले औट, क्रेसेन्ट रोड  
क्रास बैंगलूर-1 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गान्धी  
नगर, बैंगलूर-1, दस्तावेज नं० 2455/74-75 में भारतीय  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
दिनांक 2 सितम्बर, 1974  
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या  
किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए ।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री एच० एन० मृथुकृष्ण सुपुत्र एच० नरसिमहय्या  
36, क्रेसेन्ट रोड, क्रास, बैंगलूर-1 (अन्तरक)

2. श्री हीरालाल, नं० 3, नोबल हार्डवे स्टोरस, कुम्बार-  
पेट, बैंगलूर-2 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त संपत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में  
दिया गया है ।

### अनुसूची

नं० 6/1, श्रीकान्तय्या ले औट, क्रेसेन्ट रोड क्रास, बैंगलूर-1

$$\text{क्षेत्रफल} \frac{54' + 42'}{2} \times \frac{83' + 75'}{2} = 3792 \text{ वर्ग फीट}$$

दस्तावेज नं० 2455/74-75 ता० 2 सितम्बर, 1974 ।

आर० क्रिष्णमूर्ति,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, बैंगलूर ।

तारीख : 25-4-1975

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

बैंगलूर, दिनांक 23 अप्रैल, 1975

निदेश सं० सि० आर०-72/3046/74-75 :—यतः,  
मुझे आर० क्रिष्णमूर्ति  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269घ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु०  
से अधिक है  
और जिसकी सं० सैट नं० 12 कार्पोरेशन नं० 11/10, 19 का  
एक भाग है, जो ननदीदुर्ग रोड, बैंगलूर में स्थित है (और इससे उपा-  
बद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है); रजिस्ट्रीकर्ता अधि-  
कारी के कार्यालय गान्धीनगर, बैंगलूर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दस्तावेज  
नं० 2561 6 सितम्बर, 1974  
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
वृक्षमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह  
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके वृक्षमान प्रतिफल से ऐसे  
वृक्षमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और  
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच  
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से  
कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,  
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा  
के लिये।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में  
मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री एच० एच० सहदेवजी नरहर देवजी धरमपुर होज,  
जयमहल बैंगलूर-6 (अन्तरक)

2. श्रीमती सरोज कपूर, 14 II मैन रोड जयमहल एक्स-  
टेनशन, बैंगलूर-6 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

रिक्त भूमि नं० 11/10, (नं० 19 का एक भाग) सैट नं०  
12 ननदीदुर्ग रोड, बैंगलूर-1।

क्षेत्रफल 54' × 80' = 4320 वर्ग फीट

दस्तावेज नं० 2561/74-75 ता० 7 सितम्बर, 1974।

आर० क्रिष्णमूर्ति,  
सक्षम अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, बैंगलूर

तारीख : 23-4-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269(घ) (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

बैंगलूर, दिनांक 25 अप्रैल, 1975

निदेश सं० सि० आर०-72/3059/74-75 :—यतः,  
मुझे आर० क्रिष्णमूर्ति

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43)

(जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की  
धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य

25,000/ रुपये से अधिक है  
और जिसकी सं० 281 (पुराना नं० 379, 376, और 377)  
(दक्षिण भाग) अवेन्यु रोड, बैंगलूर मिटी में स्थित है, (और इसमें  
उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय गान्धीनगर, बैंगलूर-2 में भारतीय रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दस्तावेज नं०  
2763/74-75 23 सितम्बर, 1974 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है  
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति  
का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान  
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम,  
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने  
या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों,  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

13—106GI/75

1. श्री (1) मोहिनी समरवाल,

(2) जैका बिनद्रा, द्वारा पि० ए० डि० एस० बेदी,  
7/डी०/18, रेस्ट हाऊ क्रमेन्ट, बैंगलूर-1  
(अन्तरक)

2. श्री डी० एच० नारायण सा जे० 15, 15, मल्लिकार्जुन  
टेम्पल स्ट्रीट, बैंगलूर-25

3. श्री (1) जे० एम० सेथ कम्पनी

(2) अब्दुल हमीद (अन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर, उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही  
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

स्थावर सम्पत्ति नं० 281, (पुराना नं० 379, 376 और  
376), (दक्षिण भाग), अवेन्यु रोड, बैंगलूर मिटी।

सैट क्षेत्रफल पू० ५० 38' उ० ६० 10' 380 वर्ग फीट

दस्तावेज नं० 2763/74-75 ता० 23 सितम्बर, 1974

आर० क्रिष्णमूर्ति

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बैंगलूर

दिनांक : 25 अप्रैल, 1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 25 अप्रैल 1975

निदेश सं० सि०आर० 62-3060/74-75 :—यतः,  
मुझे, आर० क्रिष्णमूर्ति

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),  
की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह  
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० 281 (पुराना नं० 379, 376 और 377)  
(उत्तर भाग) है जो अवेन्यू रोड, बंगलूर सिटी में स्थित है (और  
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-  
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, गान्धीनगर, बंगलूर-9 दस्तावेज नं०  
2764/74-75 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन 23 सितम्बर, 1974 को  
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल  
के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है —

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए  
और/ या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए ।

अतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में  
मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्रीमती मोहिनी सभरवार

(2) श्रीका बिन्द्रा द्वारा पी० ए० श्री डी० एस० वेदी,  
7/डी/18, रेस्ट हाउस क्रैसेन्ट, बंगलूर-1 (अन्तरक)

2. श्री डी० एच० क्रिष्नामा, जे० 15, मल्लिकार्जन टेम्पल  
स्ट्रीट, बंगलूर-2ए (अन्तरिती)

3. (1) जे० एम० सेध एण्ड कम्पनी

(2) राधाक्रिष्ण सेट्टी

(यह व्यक्ति जिनके अभियोग में संपत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप,

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में  
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस  
अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

नं० 281 (पुराना नं० 379, 376 और 377) (उत्तरी  
भाग) अवेन्यू रोड, बंगलूर सिटी ।

पू० प० 38' उ० द० 10' = 380 वर्ग फीट  
दस्तावेज नं० 2764/74-75 ता० 23 सितम्बर, 1974

आर० क्रिष्णमूर्ति,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, बंगलूर

दिनांक : 25 अप्रैल, 1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर का कार्यालय

दिनांक, 23 अप्रैल, 1975

निर्देश सं० सी० आर० 62/3063/74-75—यतः मुझे आर० कृष्णामूर्ति आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 305/6 है, जो सदासिवनगर, बंगलूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गांधीनगर, बंगलूर दस्तावेज नं० 2797/74-75 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 20-9-74 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

अतः अब, उक्त अधिनियम की, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री डोड केमपक्का, डी० सुब्रमन्या गोसगौडा स्ट्रीट, श्रीरत्नगपटना, मैसूर जिला (अन्तरक)

2. श्री डी० के० रमेश 2, 3 ब्लाक, कुमारपार्क वेस्ट, बैंगलूर 20 (अन्तरिती)

3. श्री टी० आर० महालिनगम

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिये एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताखरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

सकान नं० 305/6, सदासिवनगर, बैंगलूर क्षेत्रफल 60' × 60' और 15' × 30' 4050 वर्ग फीट दस्तावेज नं० 2797/74-75 ता० 20-9-74

आर० कृष्णामूर्ति,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, बैंगलूर

दिनांक : 23-4-75  
मोहर :

प्ररूप धार्द० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बैंगलूर का कार्यालय

दिनांक, 23 अप्रैल, 1975

निर्देश सं० सी० आर० 62/3078/74-75—यतः मुझे,  
आर० कृष्णामूर्ति,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम,' कहा गया  
है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह  
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,  
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसकी सं० सर्वे० नं० 128/1 है, जो बेन्निगनहल्ली, के०  
आर० पुरम होब्ली बैंगलूर सौत तालुक में स्थित है (और इससे  
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-  
कारी के कार्यालय, बैंगलूर सौत दस्तावेज नं० 5399 में भारतीय  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
26-9-74

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिस्ती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त  
अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया  
है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिये और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,  
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम,  
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिस्ती  
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना  
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

अतः, अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब  
की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों  
अर्थात् :—

1. श्रीमती मनगी बाई डा०/आफ लेट गुलाबी बाई मैलापुर  
रोड़, मद्रास-51 (अन्तरक)

2. श्री 1. एम० वेनकटस्वामय्या 147, 3 आस हनुमन्त-  
नगर टी० हनुमन्तय्या हनुमन्तनगर बैंगलूर-19 (अन्तरिस्ती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में  
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

अनुसूची

जमीन सर्वे० नं० 128/1, बेन्निगनहल्ली, के० आर० पुरम  
होब्ली, बैंगलूर सौत तालुक । 2 एकर 12 गुनटे/दस्तावेज नं०  
5399/1 ता० 26-9-74

आर० कृष्णामूर्ति,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, बैंगलूर

दिनांक : 23-4-75

मोहर :



प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बैंगलूर

निर्देश सं० सी० आर० 62/3079/74-75—यतः मुझे, आर० क्रिष्णमूर्ति आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है और जिसकी सं० सर्वे० नं० 128/2 है, जो बेस्मिगनहल्ली, के० आर० पुरम होब्ली बैंगलूर सीत तालुक में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुमूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकाारी के कार्यालय, बैंगलूर सीत दस्तावेज नं० 5400 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 26-9-74 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विवेक के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्रीमती रजनी कुमारी शियाल नं० 12/7, के० ए०-स्ट्रीट, मद्राम-7 (अन्तरक)

2. श्री (1) एम० वेनकटेशय्या, 147, 3 आस हनुमन्तनगर बैंगलूर-19 (2) सी० हनुमन्तय्या, 91, 10 आस बेस्ट हनुमन्तनगर, बैंगलूर-19 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर, उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

जमीन सर्वे० नं० 128/2, बेस्मिगनहल्ली, के० आर० होब्ली, बैंगलूर सीत तालुक, 4 एकर 4 गुन्टे, दस्तावेज नं० 5400/74-75 ता० 26-9-74

आर० क्रिष्णमूर्ति,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, बैंगलूर ।

दिनांक : 23-4-75  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 9 मई 1975

सं० आर० ए० सी० 22/75-76—यतः मुझे, के० एस०  
वेंकटरामन्

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)  
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास  
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित  
बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और  
और जिसकी सं० 4-3-1069 आधा भाग है, जो रामकोट में स्थित  
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजि-  
स्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन  
21-9-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह  
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे  
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और  
अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच  
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य  
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों,  
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,  
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का  
27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं  
किया गया था या किया जाना चाहिए था,  
छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुकरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब  
की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. डा० जी० द्वारकाबाई, पत्नी स्व० डा० जैसूराम, बी-3-  
1069, राम कोट, हैदराबाद (अन्तरक)

2. श्रीमती एस० अन्नपूरनम्मा पत्नी डा० सुंक्कू बलराम,  
अंगोले, प्रकाशम्, जिला। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति :—4-3-1069 का उत्तर का भाग, एडिन भाग,  
रामकोट, हैदराबाद।

के० एस० वेंकटरामन्,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 9-5-75  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 9 जून 1975

सं० आर० ए० सी० 20/75-76—यतः मुझे, के० एस०  
बेंकटरामन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)  
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को,  
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,  
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० 3-6-122 मामले का भाग है, जो हिमायतनगर  
में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
17-9-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के  
उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये  
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है  
कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है  
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच  
ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक  
के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने  
में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम  
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957  
का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट  
नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. झाल० एम० जहागीर 2. श्रीमती मेहरू के० इटालिया
3. कु० रोशन एम० जहागीर 4. श्रीमती मिर्गन एम० जहागीर  
10-5-15 मासव टर्मांक हैदराबाद (अन्तरक)
2. श्रीमती एम० सरोजनी देवी पत्नी एम० बालराज रेड्डी  
15-5-717, अफजलगंज, हैदराबाद। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में रामाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में वृद्धि किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के नाम लिखित  
में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा-  
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो  
उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति :—सं० 3-6-122 का मामले का भाग हिमायत-  
नगर, हैदराबाद। क्षेत्र 463 वर्गमीटर्स।

के० एस० बेंकट रामन,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 9-5-75  
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 9 मई 1975

सं० आन० ए० सी० 23/75-76—यतः मुझे, के० एस०

वेंकटरामन

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे हमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)

की धारा 269-ख के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये में अधिक है और जिसकी सं० 4-3-1069 आधा भाग है, जो रामकोट में स्थित है (और इसे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 21-9-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के

उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. डा० जी० द्वाकाबाई पत्नी स्व० डा० जयसरया बी-3-1069, रामकोट, हैदराबाद (अन्तरक)

2. डा० संकू बलराम पुत्र बी० चेट्टी श्रीगोल, प्रकाशम जिला (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति :—बी-2-12 (पुगानी) नया 4-3-1069 का दक्षिण का भाग, रामकोट, एडिन बाग, हैदराबाद।

के० एस० वेंकटरामन,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 9-5-75

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 3 मई 1975

निदेश सं० एस० आर०/गवा/16-9-74—अतः, मुझे,  
बी० कु० सिन्हा

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43)  
(जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा  
गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को,  
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है  
जिसकी सं० कोठी है, जो झांसी-रोड़ में स्थित है। (और इससे  
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी, के कार्यालय, ग्वालियर में भारतीय रजिस्ट्रीकृत  
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन  
16-9-1974 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे  
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान  
प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक  
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण  
के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से  
उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम,  
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिये सुकर  
बनाना और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था  
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के  
लिए ;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में  
मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन  
निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री ब्रम्सेब यशोधरा राव सिधिन्या निवासी ग्वालियर  
(अन्तरक)

2. श्री जीत गुडस केरियर द्वारा सरदार गुरु दीप सिंह  
निवासी नया बाजार लशकर ग्वालियर  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो  
उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में  
यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो  
उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक कोठी और खुली जमीन बार्ड नं० 24 झांसी रोड़  
लशकर, ग्वालियर।

बी० कु० सिन्हा,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 3-5-75\*  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 3 मई 1975

निर्देश सं० एस० आर०/ग्वा/16-9-74— अतः, मुझे, श्री वी० कु० सिन्हा आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है) की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है जिसकी सं० मकान है, जो आसी रोड़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, ग्वालियर में भारतीय रजिस्ट्रीकृत अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 16-9-74 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरण के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये या छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थातः—

1. प्रन्सेस यशोधर राजे सिंधिया निवासी ग्वालियर।  
(अन्तरक)

2. श्री सुभाष सियाल पुत्र श्री जी० एम० सियाल दाल बाजार, लणकर, ग्वालियर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के संबन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कमरा और खुली जमीन 15607 वर्ग फीट स्थिति आंसी रोड़ —ग्वालियर।

तारीख : 3-5-75

मोहर :

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन, रेंज भोपाल

वी० कु० सिन्हा,

सक्षम प्राधिकारी

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

की धारा 269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 9 मई 1975

निदेश सं० ए० सी० ब्यू० 23-1-18 5(180)/1-1/74-75—यतः मुझे जे क्यूरिया आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269 ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० फायनल प्लॉट नं० 517-2-बी०, टी० पी० एस० नं० 3 है, तथा जो नेहरू पुल के निकट आश्रम रोड़ अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपायद्व अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 25-9-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृक्षमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृक्षमान प्रतिफल से ऐसे वृक्षमान प्रतिफल का पन्ना प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाधत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसके बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपावे में सुविधा के लिए ।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों प्रार्थनाः—

(1) मैसर्स साधुराम गोरधनलाल फर्म के हेतु तथा उसकी ओर से

- (1) श्री साधुराम बी० अंदांनी
- (2) श्री गोरधनलाल एस० अंदांनी
- (3) श्री कीशनलाल साधुराम अंदांनी
- (4) कुमारी भाग्यवती एस० अंदांनी

नेताजी कलाथ मार्केट कालुपुर, कोटनी रांग, अहमदाबाद (अन्तरक)

(2) (1) श्री प्रियकान्त मगनलाल बुच ।

(2) श्रीमती सरोजनी प्रियकान्त बुच ।

बुच मेन्सन, मीरा अंबीका होटल के निकट नवरंगपुरा, अहमदाबाद । अन्तरिती

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आपेय :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

एक अचल सम्पत्ति जिसका दुकान नं० एस०-9, है और जो केपीटल कमर्शल सेन्टर के ब्लॉक नं० ए० के भुमंजले पर स्थित है और जिसका फायनल प्लॉट नं० 517-2-बी०, टी० पी० एस० नं० 3 है और जो नेहरू पुल के निकट आश्रम रोड़ अहमदाबाद में स्थित है ।

जे० क्यूरिया,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद,

तारीख : 9-45-1975  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 9 मई 1975

निदेश सं० ए० सी० क्यू० 23-1-486(181)/1-1/  
74-75— यतः मुझे जे० कथूरिया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है जिसकी सं० फायनल प्लॉट नं० 517-2-बी०, टी० पी० एस० नं० 3 है जो नेहरू पुल के निकट, आश्रम रोड, अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1961 (1908 का 16) के अधीन 18-9-1974 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से फहित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. मैसर्स साधुराम गोरधनलाल फर्मे के हेतु तथा उसकी ओर से

- (1) श्री साधु राम बी० अंदाजी
- (2) श्री गोरधनलाल एस० अंदाजी,
- (3) श्री कीशनलाल साधु राम अंदाजी
- (4) कुमारी भाग्यवती एस० अंदाजी,

नेताजी कलाथ मार्केट, कालुपुर, कोटनी रांग, अहमदाबाद (अन्तरक)

(2) मैसर्स एसमुखलाल एण्ड कंपनी फर्स्ट फ्लार, धनलक्ष्मी मार्केट क्रोस लेन, अहमदाबाद-2 ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

### अनुसूची

एक अचल सम्पत्ति जिसका दुकान नं० 38, 39 है और जो केपीटल कमर्शियल सेक्टर के ब्लॉक नं० बी० भुमंजले पर स्थित है और जिसका फायनल प्लॉट नं० 517-2-बी० टी० पी० एस० नं० 3 है और जो नेहरू पुल के निकट आश्रम रोड, अहमदाबाद में स्थित है ।

जे० कथूरिया  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

तारीख: 9-5-1975

मोहर:



## प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

औयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 9 मई 1975

निर्देश सं० ए० सी० क्यू० 23-1-487(182)/1-1/  
74-75—यतः, मुझे जे० कथूरिया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का  
43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा  
गया है) की धारा 269-घ

के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी फायनल प्लॉट नं० 517-2 B. टी० पी० एस० नं०  
3 है जो नरेश पुल के निकट आश्रम रोड, अहमदाबाद में स्थित  
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में भारतीय  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1961 (1908 का 16) के  
अधीन 27-9-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति  
के उचित बाजारमूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिक्ष  
की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त  
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे  
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक  
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया  
ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से  
उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के  
लिए सुकर बनाना ;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,  
मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) मैसर्स साधुराम गोरधन फर्म के हेतु तथा उसकी  
ओर से

- (1) श्री साधुराम पि० अंरदानी,
- (2) श्री गोरधनलाल एस० अंरदानी,
- (3) श्री कीनशनलाल साधुराम अंरदानी,
- (4) कुमारी भाग्यवती एस० अंरदानी

नेताजी क्लाय मार्केट, कालुपुर, कोटनी रांग, अहमदाबाद  
(अन्तरक)

(2) मैसर्स गुजरात एण्ड प्राइज 3, रंग कुंज, नारणपुरा  
चार रास्ता अहमदाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन  
के लिये एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों-में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया  
है।

## अनुसूची

एक अंचल सम्पत्ति, जिसका दुकान नं० एस० 58 है  
और जो पीटल कमर्शल प्लॉट सेन्टर के ब्लाक बी० के भुमंजले  
पर स्थित है और जिसका फायनल प्लॉट नं० 517-2-बी०  
टी० पी० एस० नं० 3 है और जो नेहरू पुल के निकट, आश्रम  
रोड, अहमदाबाद में स्थित है।

जे० कथूरिया  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

तारीख: 9-5-1975

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (II) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रैंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 18 अप्रैल 1975

निर्देश सं० 2287/74-75—यतः मुझे के० वी०

राजन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है और जिसकी सं० 6ए/1, अलण्णीयम रोड, दारापुरम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दारापुरम में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 2-9-1974 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित

बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री पी० एस० तण्डवेलू (अन्तरक)

(2) श्री मुत्तुसमि घोन्डर; श्रीर पलनिसामि घोन्डर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां करवा हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तत्पश्चात् से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाह्य में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवादी किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दारापुरम वार्ड सं० छ; डोर सं० 6ए/1, अलण्णीयम रोड में 5060 स्क्वियर फीट का भूमि (मकान के साथ) जिसका टी० एस० सं० 1139।

के० वी० राजन,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रैंज II, मद्रास।

तारीख : 18-4-1975  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्री सि० बि० मुत्तिसामि चेद्वियार (अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43 की)  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री करुणसामि, कृष्णसामि घोण्डर, और राम-  
सामि । (अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, मद्रास

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ ।

मद्रास, दिनांक 18 अप्रैल 1975

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

निर्देश सं० 2291/74-75—यतः मुझे, के० बी०  
राजन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),  
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को  
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य रु० 25,000/- से अधिक है  
और जिसकी सं० लक्ष्मि रैस मिल, रेड्डिपालयम गाँव, ईरोड  
तालूका में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
ईरोड में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन, तारीख 21-9-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे,  
यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान  
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन  
कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या  
उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम,  
1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम,  
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती  
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना  
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में  
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी  
के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो  
उक्त अधिनियम, 1961 (1961 का  
के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में  
दिया गया है ।

अनुसूची

ईरोड तालूका, रेड्डिपालयम गाँव, में लक्ष्मि रैस मिल  
(भूमि मकान भेजितर के साथ) ।

के० बी० राजन,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख : 18-4-1975  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०

1. श्रीमती बाबायम्माल

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

2. श्रीमती बि० विसालक्षिम अम्माल

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज -II, मद्रास

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहिया करता हूं।

मद्रास, दिनांक 18 अप्रैल 1975

निर्देश सं० 2292/74-75—यतः मुझे, के० वी०

राजन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 38, राजा स्ट्रीट, बवानि में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, ईरोड में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 28-9-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आलेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 15 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

बवानि, राजा स्ट्रीट, डोर सं० 38 (वार्ड सं० 3) में  
1450 स्क्वयर फीट का भूमि (मकान के साथ)।

के० वी० राजन,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, मद्रास

तारीख : 18-4-1975  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०

1. श्रीमती बावायम्माल (अन्तरक)

2. श्री एल० बलरामन (अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

भारत सरकार

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप --

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज का कार्यालय

मद्रास, दिनांक 18 अप्रैल 1975

निर्देश सं० 2292/74-75—यतः मुझे, के० वी० राजन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 38, राजा स्ट्रीट, बबानि है तथा जो में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, ई ईरोड में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 28-9-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे, यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा, (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—  
15—106GI/75

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

बबानि, राजा स्ट्रीट, डोर सं० 38 (वाई सं० 3) में 1450 स्क्वियर फीट की भूमि (मकान के साथ)।

के० वी० राजन,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, मद्रास

तारीख: 18-4-1975

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०

1. श्री धर्मानन्द जोशी

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

2. श्रीमती राज भसीन

(अन्तरिक्ष)

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज.....का कार्यालय

लखनऊ, दिनांक 18 अप्रैल 1975

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप —

निर्देश नं० 42-आर०/अर्जन—घतः मुझे विशम्भर  
नाथ

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),  
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह  
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य रु० 25,000/- से अधिक है  
और जिसकी सं० 547-सी०/64 है तथा जो महानगर  
लखनऊ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
लखनऊ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन, तारीख 26-9-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे  
यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे  
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक  
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे  
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य  
से उक्त अन्तरण लिखित में लवास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन  
कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या  
या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961  
(1961 का 43) या धनकर अधिनियम 1957  
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट  
नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था,  
छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाव में समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में  
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी  
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो  
आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के  
अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा,  
जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता मकान सं० 547-सी०/64 जिसका रकबा  
3362 वर्ग फिट है। जो कि महानगर लखनऊ में स्थित  
है।

विशम्भर नाथ,  
सक्षम अधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, लखनऊ।

तारीख : 18-4-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०

1. श्री अन्नावती देवी व अन्य (अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43 की)  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

2. श्रीमती समला देवी व अन्य (अन्तरिती)

भारत सरकार

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज.....का कार्यालय

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप —

लखनऊ, दिनांक 18 अप्रैल 1975

निर्देश नं० 63-एस०/अर्जन—अतः मुझे विशम्भर नाथ  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),  
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को  
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य रु० 25,000/- से अधिक है  
और जिसकी सं० 90-ए०/1, है तथा जो महाजनी टोला  
इलाहाबाद में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में  
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय, इलाहाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन, तारीख 6-9-1974  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे,  
यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान  
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उपेक्ष्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में  
हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहरताक्षरी  
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का  
43) के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में  
दिया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन  
कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या  
उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम,  
1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम,  
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती  
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना  
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

एक किता मकाम को मजिला नं० 90-ए०/1 जिसका  
रकबा 53'—12' बर्ग फिट है। जो कि मोठ महाजनी  
टोला इलाहाबाद में स्थित है।

विशम्भर नाथ;  
सक्षम अधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण);  
अर्जन रेंज, लखनऊ।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 18-4-1975  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 18 अप्रैल 1975

निर्देश सं० सी० एच० ओ०/189/74-75—अतः मुझे जी० पी० सिंह, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज चण्डीगढ़

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य रु० 25,000/- से अधिक है और जिसकी सं० भूमी क्षेत्रफल 29 कनाल 5 मरले है तथा जो गाँव बडैल यू० टी० चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय चण्डीगढ़ जिसके साथ कोठा, मकान, कुँआ और ट्यूबवैल इत्यादि हैं में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख सितम्बर, 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 22) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. सर्व/श्री मेहर सिंह पुत्र बाबर सिंह, निवासी गाँव बडैल, यू० टी० चण्डीगढ़ (अन्तरक)

2. सर्व/श्री

(i) जंग बहल्लुर

(ii) धर्मपाल पुत्रान लैहना सिंह,

(iii) करिशन कान्त निवासी गाँव बडैल, यू० टी० चण्डीगढ़ (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आप्रश्न —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

भूमी का क्षेत्रफल 29 कनाल 5 मरले है जो कि कुल जमीन 58 कनाल 11 मरले का आधा हिस्सा है यह जमीन गाँव बडैल, यूनियन टैरीटरी में स्थित है। इसके साथ चण्डीगढ़ कोठा, मकान, और कुँआ और ट्यूबवैल इत्यादि हैं।

खेत नं० 177

खतौनी नं० 309,

खसरा नं० 34/5, मिन (0-13), 34/6/1, मिन (4-18), 35/1 मिन (6-8), 35/2/1, (7-19), 35/3 (7-8), 35/4/2 (1-2), 35/7 (7-8), 35/8/7 (7), 35/9 (7-7), 35/10 (7-7), 35/447 (0-13), खतौनी नं० 310, खसरा नं० 35/2/2 (0-1), 1966-67 की जमाबन्दी।

(जयदाद जैसा कि रजिस्ट्रींग ऑफिसर, चण्डीगढ़ के रजि० डी० नं० 728 सितम्बर, 1974 में दिखाया गया है।

जी० पी० सिंह,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

तारीख : 18-4-1975

मोहर :



प्ररूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय  
अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 18 अप्रैल 1975

निर्देश सं० एस० एम० एल० /19/74-75—अतः मुझे  
जी० पी० सिंह, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज चण्डीगढ़

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),  
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह  
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य रु० 25,000/- से अधिक है  
और जिसकी सं० रिहायशी ईमारत खाली भूमि सहित जो  
कि देव निवास इस्टेट के नाम से जानी जाती है तथा जो  
कनलोग, तहसील शिमला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
के कार्यालय, शिमला में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन, ता० 18 अक्टूबर, 1974  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे  
यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान  
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन  
कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या  
उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/ या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961  
(1961 का 43) या धन कर अधिनियम 1957  
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा  
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए  
था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री लाल दास पुत्र सवर्गीय श्री मुख्तार राज, देव  
निवास शिमला-1 (अन्तरक)

2. सर्व/श्री

(1) शियाम लाल

(2) चैन राम

(3) संचा राम पुत्रान जैय राम

(4) राम लाल

(5) मोती लाल

निवासी गाँव बारला, तहसील रोहडू, जिला शिमला।

(अन्तरिती)

3. दी० मैनेजिंग डायरेक्टर मै० हिमाचल प्रदेश स्टेट  
फारैस्ट कारपोरेशन लि०, विलो बैंक, शिमला-1

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में  
सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में  
हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी  
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का  
43) के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में  
दिया गया है।

अनुसूची

तीन मंजिला रिहायशी ईमारत साथ रसोई वाला भाग  
और खाली भूमि का भाग जो कि देव निवास इस्टेट के नाम  
से जानी जाती है, कनलोग एरिया तहसील शिमला में  
स्थित।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 529  
अक्टूबर, 1974 में रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी शिमला के कार्या-  
लय में लिखा है।

जी० पी० सिंह,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

तारीख : 18-4-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 25 अप्रैल 1975

निर्देश सं० एस० एम० एल०/20/74-75—अतः मुझे,  
जी० पी० सिंह, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज चण्डीगढ़

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य रु० 25,000/- से अधिक है और जिसकी सं० जमीन क्षेत्रफल 399.8 वर्गगज है तथा जो जाखू शिमला में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, शिमला में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अक्टूबर, 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 22) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री वीर भदरा सिंह पुत्र श्री पदम सिंह, 23,  
फिरोजशाह रोड नई दिल्ली  
(अन्तरक)

2. (1) श्री ओम प्रकाश पुत्रान श्री परमा मंद  
(2) श्री अजीत सिंह  
निवासी गाँव मांगसू डाकखाना शानेइर जिला शिमला  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जिसका क्षेत्रफल 399.8 वर्ग गज है खसरा नं० 805/489/सी०, जो कि जाखू, शिमला में स्थित है।

जैसे कि रजिस्ट्रीकृत के विलेख नं० 531, अक्टूबर, 1974 में रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी शिमला के दफ्तर में लिखा है।

जी० पी० सिंह,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

तारीख: 25-4-1975  
मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 25 अप्रैल, 1975

निर्देश सं० एस० एम० एल०/21/74-75—अतः मुझे, जी० पी० सिंह, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, चण्डीगढ़, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है और जिसकी सं० जमीन, क्षेत्रफल 402.6 वर्ग गज है तथा जो जाखू, शिमला में स्थित है (और इससे उपायय अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकाारी के कार्यालय, शिमला में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अक्टूबर, 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री वीर भदरा सिंह, पुत्र श्री पद्म सिंह, 23, फिरोजशाह रोड, नई दिल्ली (अन्तरक)

2. (i) श्री शेर सिंह,

(ii) श्री बहादुर सिंह ठाकर,

निवासी गाँव दावेश, डाकखाना थानेड़र, जिला शिमला

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी, अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन क्षेत्रफल 402.6 वर्ग गज है खसरा नं० 805/489, जो कि जाखू शिमला में स्थित है।

जैसे कि रजिस्ट्रीकृत के विलेख नं० 532, अक्टूबर 1974 में सब रजिस्ट्रार शिमला के दफतर में लिखा है।

जी० पी० सिंह,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, चण्डीगढ़।

तारीख : 25-4-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, 156, सैक्टर 9-बी चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 25 अप्रैल, 1975

निर्देश सं० एस एम एल०/22/74-75—यतः मुझे,  
जी० पी० सिंह, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन  
रेंज चण्डीगढ़,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),  
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह  
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० जमीन क्षेत्रफल 406.1 वर्ग गज है तथा  
जो जाखू शिमला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय, शिमला में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन, अक्टूबर, 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे  
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे  
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक  
(अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे  
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य  
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन  
कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या  
उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961  
(1961 का 43) या धनकर 1957 (1957  
का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट  
नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था,  
छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब उक्त 'अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री वीर भदरा सिंह पुत्र श्री पद्म सिंह, 23,  
फिरोज शाह रोड, नई दिल्ली (अन्तरक)

(2) श्री जय चन्द पुत्र श्री कर्म दास निवासी गाँव  
रेड़ा, तहसील रामपुर जिला शिमला (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी अपेक्षा —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में  
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी  
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें 'युक्त शब्दों और पदों का, जो  
आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43)  
के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ'  
होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

जमीन क्षेत्रफल 201 वर्ग गज है खसरा नं० 805/  
489/एफ, और क्षेत्रफल 205.1 वर्ग गज है खसरा नं०  
805/489/जी, कुल 406.1 वर्ग गज जो कि जाखू,  
शिमला में स्थित है।

जयदाव जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 533  
अक्टूबर, 1974 में रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी शिमला के दफ्तर  
में लिखा है।

जी० पी० सिंह,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, चण्डीगढ़।

तारीख : 25-4-1975  
मोहर :

आई० टी० एन० एस० ———

(1) Shri Kilam Venkata Subbarao.

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

(2) 1. Sri S. Venkateswararao

2. Smt. S. Katuri, Vijayawada.

(अन्तरिती)

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेज, KAKINADA

Kakinada, the 9th April 1975

J. No. I(278 &amp; 281)/KR/74-75 Acq. File. No. 188.—

यतः मुझे, K. Subbarao

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं०

31-12-5, Machavaram, Post Road, Vijayawada

में स्थित है (और इससे

उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, Vijayawada में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 15-9-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिती की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की याबत 'Said Act' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उमंग बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'Said Act' या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या, ठिकाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ of the 'Said Act' के अनुसरण में, मैं, 'Said Act' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

16-106GI/75

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'Said Act' के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

As per schedules of the sale deeds dated 2nd September, 1974 vide document Nos. 3117 and 3141 dated 2-9-74 and 4-9-74 registered at Sub-Registrar, Vijayawada.

K. SUBBARAO

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जुन रेज, Kakinada

दिनांक : 9-4-1975।

मोहर :

रूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, KAKINADA

Kakinada, the 2nd April 1975

Acq. File No. 185/J. No. 1(342)/EG/74-75.—

यतः, मुझे, K. Subba Rao

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं०

392/7A Amalapuram है जो,

Amalapuram में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, Amalapuram में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 15-9-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आब की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दावित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

नतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

- S/Shri  
(1) 1. Jana Veerabhadraraju,  
2. Jana Abbiraju,  
3. Konda Basavaraju.

(अन्तरक)

- S/Shri  
(2) 1. Edida Satyanarayanamurthy,  
2. Edida Venkataramaiah.  
3. Edida Dhanalaxmi Janardhanarao,  
Kandi Kuppa Amalapuram Taluk.

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

As per the schedule exhibited in the sale deed dated 12-9-74 document No. 3833/74 of the Sub-Registrar, Amalapuram.

K. SUBBARAO

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, Kakinada

तारीख : 2-4-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, KAKINADA

Kakinada, the 2nd April 1975

Acq. File No. 186/J. No. 1(343)/74-75—

यतः मुझे, K. Subba Rao

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की  
धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास  
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार  
मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं०  
392/7A, Amalapuram है, जो

में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
Amalapuram में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन 15-9-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति  
के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए  
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का  
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत  
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के  
लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम  
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए सुकर बनाना;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए  
सुकर बनाना;

अतः, अब, धारा 269-ग का उक्त अधिनियम के अमूतरण में,  
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

S/Shri

- (1) 1. Pichika Veer Naga Satya Desaka Swamy,  
Bandarlanka.
2. P. Venkatasuryanarayana Raju,  
Bandarlanka.
3. Kurma Someswararao,
4. Kurma Chinna Soveswararao,  
Jagannapeta.
5. Ankam Markandeswararao,
6. Smt. N. Nagaratnam,  
Ramachandrapuram.

(अन्तरक)

S/Shri

- (2) 1. Akasam Sriramulu.
2. A. Satyanarayanamurthy,  
Kandikuppa.

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन  
के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का,  
जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में  
यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस  
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

As per the Schedule exhibited in the sale deed dated  
12-9-1974 vide document No. 3834/74 of the Sub-Registrar,  
Amalapuram.

K. SUBBARAO

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, Kakinada

दिनांक : 2-4-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, KAKINADA.

Kakinada, the 26th February 1975

Acq. File No. 162/74-75/J. No. I(353)/KR/74-75.—

अतः, मुझे, K. Subba Rao आयकर अधिनियम, 1961  
(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त अधिनियम,  
कहा गया है)

की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी  
को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति  
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और  
जिसकी सं०

Bldg. Nos. 11/20, 6 & 11/266A, Cantonment Road  
Masulupatnam है जो

स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, Masulupatnam में भारतीय  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
30-9-74 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित

बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए  
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त  
अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के  
लिए और/या;

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम'  
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957  
का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा  
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए  
था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

S/Shri

- (1) 1. Ch. Ramakrishna Bhaskararao,
2. P. Laxmiganapathirao,
3. Vemuri Venkataratnam,
4. Attluri Sarojini Devi,
5. Varada Nageswaramba,
6. Varada Ramanujarao,
7. Namburi Swarajya Laxmi
8. Palakurti Laxmi Ganagapathirao,
9. Srikakulam Laxminageswararao,
10. Yallagadda Chalupathirao,
11. Achanta Venkata Mohanaprasad,
12. Vemuri Laxminageswara Prasad,
13. Kakarapatri Laxmi Narasimharao.

(अन्तरक)

S/Shri

- (2) 1. Vemuri Venkataratnam,
2. Vemuri Laxmi Nageswararao,
3. Vemuri Balaratnam being minor by guardian  
mother Laxmi Ranganayakamma.

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त  
अधिनियम' के अध्याय 20-क में यथा-  
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस  
अध्याय में दिया गया है ।

### अनुसूची

Krishna District—Masulipatnam Sub-Registrar—Masuli-  
patnam Taluk Masulipatnam Town—Robertsonpetta—Con-  
tonment Junction—Site and buildings and other constructions  
—Building Nos. 11/206 and 11/266A.

#### BOUNDRIES

East : Old Cantonment Road Now known as Ravindra-  
nath Tagore Road 250 ft.  
South : Paul Memorial Hall 2048 ft.  
West : Municipal Lane 282 ft.  
North : Road connecting to Rustumbada Sivalyam  
232 ft.

K. SUBBARAO

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, KAKINADA.

तारीख : 26-2-75

मोहर :



प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 5 मई, 1975

निर्देश सं० ए० पी० न० / 847 जालन्धर --- यतः  
मुझे, रवीन्द्र कुमार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)  
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम अधिकारी  
को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर  
सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 5878  
सितम्बर, 1974 में लिखा है तथा जो नगदीविमान में स्थित  
है (और इससे उभावद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन, सितम्बर, 1974 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित  
की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि  
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक  
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)  
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-  
लिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्री अमरजीत सिंह सपुत्र बहल सिंह गांव नंगली-  
विरान तहसील जालन्धर (अन्तरक)
- (2) श्री संसार चन्द सपुत्र फतेह चन्द ओफ मैसर्स  
र० ल० शर्मा एण्ड कम्पनी 15-ए वस्ती नौ  
जालन्धर (अन्तरिती)
- (3) जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके  
अधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) कोई भी व्यक्ति जो इसमें रुचि रखता हो (वह  
व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है  
कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा; या

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

जमीन जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 5878 सितम्बर,  
1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार  
सक्षम अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज जालन्धर।

तारीख: 5 मई, 1975  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 5 मई, 1975

निदेश नं० ए० पी० नं० 848 जालन्धर :— यतः मुझे, रवीन्द्र कुमार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 5869 सितम्बर, 1974 में लिखा है तथा जो नगलीबरान में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के के अधीन, सितम्बर, 1974 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य

से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए

अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या;

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, या छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री अमरजीत सिंह सपुत्र बहल सिंह नगलीबरान तहसील जालन्धर (अन्तरक)

(2) श्री रोशन लाल शर्मा सपुत्र हरनाम दास सपुत्र गणेश दास पार्टनर श्री र० ल० शर्मा एण्ड कम्पनी बस्ती नौ जालन्धर (अन्तरिती)

(3) जैसा कि न० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) कोई भी व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 5869 सितम्बर, 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

रवीन्द्र  
सक्षम अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, जालन्धर।

तारीख: 5 मई, 1974  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० —

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 2 मई 1975

निर्देश नं० ए० पी० नं० 849/जालन्धर :— यतः  
मुझे, रवीन्द्र कुमार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की  
धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास  
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार

मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 5834  
सितम्बर, में लिखा है तथा जो जी० टी० रोड में स्थित  
है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
तारीख सितम्बर, 1974 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे  
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान  
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक  
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के  
लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कबित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत,  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक  
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने  
में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,  
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधि-  
नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्त-  
रिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना  
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः जब उक्त अधिनियम की, धारा 269-ब के अन्तर्गण  
में मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री अमरजीत सिंह सपुत्र बहल सिंह गांव नंगली  
बिगान तहसील जालन्धर (अन्तरक)

(2) श्री चमनलाल मेहन पार्टनर मैसर्स र० ल० शर्मा  
एण्ड कम्पनी बस्ती नौ जालन्धर (अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग  
में सम्पत्ति है)

(4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह  
व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है  
कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन  
के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप,

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में  
से किसी एक व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में  
दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 5834 सितम्बर,  
1974 में रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर।

दिनांक 15 मई, 1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 5 मई 1975

निदेश नं० ऐ० पी० नं० 850/जालन्धर :—यतः मुझे,  
रवीन्द्र कुमार

रेंज-2 बम्बई, आयकर अधिनियम,

1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 6392 सितम्बर, 1974 में लिखा है तथा जो पुलिस लाईन रोड में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर, 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए, या, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्री लखवीर सिंह वकील सपुत्र श्री कपूर सिंह 186 सैणन कोर्ट रोड जालन्धर (अन्तरको)
- (2) श्री हरबंस सिंह गणधावा सपुत्र श्री अर्जन सिंह गाव गणधावा, कपूरथला (अन्तरिती)
- (3) जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) कोई भी व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो 'उक्त' अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

प्लेट जैसा कि रजिस्ट्रड डीउ नं० 6392 सितम्बर, 1974 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में दर्ज है।

रवीन्द्र कुमार  
सक्षम अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, जालन्धर।

तारीख: 5 मई 1975  
मोहर

प्ररूप आई० टी० एम० एस्०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, जालन्धर ।

जालन्धर, दिनांक 5 मई 1975

निर्देश नं० ऐ० पी० नं० 851 / जालन्धर :— यतः मुझे, रवीन्द्र कुमार आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1460 सितम्बर, में लिखा है तथा जो नूरमहल रोड नकोदर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर, 1974 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम,' के अधीन कर देने के अन्तरक के वायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या;

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम,' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम,' की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्रीमती बलजीत कौर सपुत्री जागीर सिंह सपुत्र सपुत्र प्रीतम सिंह थरु सम्पूर्ण सिंह नाकोदर (अन्तरक)

(2) श्री लाशर सिंह सपुत्र सन्ता सिंह सपुत्र गुरवित्त सिंह भार्फत सत उर्फ फैकट्टी नकोदर (अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है )

(4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है )

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यावाहिया शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम,' के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

जमीन जैसा कि रजिस्ट्रड डीड नं० 1460 सितम्बर, 1974 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में दर्ज है ।

रवीन्द्र कुमार  
सक्षम अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज जालन्धर ।

तारीख : 5 मई, 1975  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 5 मई 1975

निदेश नं० ऐ० पी० नं० 852 /जालन्धर :— यतः  
मुझे, रवीन्द्र कुमार

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43)  
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा  
गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को,  
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 6381  
सितम्बर, में लिखा है तथा जो सुराज गंज में स्थित  
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
तारीख सितम्बर, 1974 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक  
है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)  
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-  
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप  
से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या अन्य/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए।

अतः जब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनु-  
सरण में मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

- (1) श्री अमरीक सिंह सपुत्र तारा सिंह सपुत्र ज्ञान सिंह  
डब्लू जी 592 सुराज गंज जालन्धर (अन्तरक)
- (2) श्री परोमील जीत सिंह सपुत्र मोहिन्द्र सिंह सपुत्र  
मेहल सिंह आर०/आफ डब्ल्यू जी० 579/डब्ल्यू  
जी० (नवानं० 592 सुराज गंज जालन्धर (अन्तरिती)
- (3) जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग  
में सम्पत्ति है )
- (4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह  
व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है  
कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है )

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में  
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो  
उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में  
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय  
में दिया गया है।

अनुसूची

मकान जैसा कि रजिस्ट्रड डीड नं० 6381 सितम्बर, 1974  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर के में दर्ज है।

रवीन्द्र कुमार  
सक्षम अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रंज जालन्धर।

तारीख : 5 मई, 1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-I जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 5 मई 1975 ई.

निदेश नं० ए० पी० 853/ जालन्धर :— यतः मुझे,  
रवीन्द्र कुमार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)  
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह  
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित  
बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और  
जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 6382  
सितम्बर, में लिखा है तथा जो सुरज गंज में स्थित  
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख  
सितम्बर, 1974 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित  
की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि  
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है  
और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के  
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधि-  
नियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना  
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं,  
उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री अमरीक सिंह सपुत्र तारा सिंह सुराज गंज  
जालन्धर (अन्तरक)

(2) श्री गुरमीत सिंह सपुत्र मोहिन्द्र सिंह डब्ल्यू जी०  
592 सुराज गंज जालन्धर (अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग  
में सम्पत्ति है )

(4) कोई भी व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो  
(वह व्यक्ति जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता  
है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है )

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त  
अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित है  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान जैसा कि रजिस्ट्रड डीड नं० 6382 सितम्बर, 1974  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में दर्ज है।

रवीन्द्र कुमार  
सक्षम अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, जालन्धर।

तारीख : 5 मई, 1975  
मोहर :

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 5 मई 1975

निर्देश नं० ए० पी० नं० 854/जालन्धर :— यतः मुझे, रवीन्द्र कुमार आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 6406 सितम्बर, 1974 में लिखा है तथा जो गुजामल गली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन सितम्बर, 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269घ के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती सवित्री देवी स्वर्गीय, उमादत्त सपुत्र गुजरमल अड्डा होशियारपुर, गुजरमल की गली, जालन्धर (अन्तरक)

(2) मैसर्स चोपरा बेस्ट पेपर मचेंट्स, अड्डा होशियारपुर जालन्धर द्वारा यशपाल चोपड़ा (अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधि-भोग में सम्पत्ति है)

(4) कोई भी व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ :—

उक्त सम्पत्ति के सम्बंध में कोई भी आक्षेप,--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान जैसाकि रजिस्टर्ड डीड नं० 6406 सितम्बर, 1974 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी में दर्ज है।

रवीन्द्र कुमार,  
सक्षम अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, जालन्धर।

तारीख : 5 मई, 1975

मोहर :



प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 5 मई, 1975

निदेश सं० ऐ० पी० नं० 855/जालन्धर :— यत्तः

मुझे, रवीन्द्र कुमार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० जैसाकि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 5960 सितम्बर, 1974 में लिखा है तथा जो जिन्धर रोड में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर, 1974 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की नावत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-सरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

- (1) श्रीमती मोहिन्द्र कौर स्वर्गीय श्री हरपाल सिंह सपुत्र करतार सिंह 72 जिन्दन रोड जालन्धर कैन्ट (अन्तरक)
- (2) श्री कन्दर लाल अग्रवाल सपुत्र मूलराज 72 जिन्दन रोड जालन्धर कैन्ट (अन्तरिती)
- (3) जैसा कि नं० 2 में (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) कोई भी व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कोठी जैसा कि रजिस्ट्रड नं० 5960 सितम्बर, 1974 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में दर्ज है।

रवीन्द्र कुमार  
सक्षम अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, जालन्धर।

तारीख 5 मई, 1975  
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 5 मई 1975

निदेश नं० ऐ० पी० नं० 856/जालन्धर :— यतः मुझे, रवीन्द्र कुमार आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० रजिस्ट्री नं० 5892 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर सितम्बर, 74 में है को जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर, 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

- (1) श्रीमती महिन्द्र कौर पत्नी हरपाल सिंह 72 जालन्धर छावनी सपुत्र श्री करतार सिंह जिखल रोड (अन्तरक)
- (2) श्रीमती सुनीता अग्रवाल धर्मपत्नी कवर लाल छावनी अग्रवाल 72 जिन्दल रोड जालन्धर (अन्तरिती)
- (3) जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है )
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है )

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

धरती का टुकड़ा जैसा कि रजिस्ट्री नं० 5892 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर के कार्यालय में सितम्बर, 1974 में दर्ज है ।

रवीन्द्र कुमार  
सक्षम अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, जालन्धर ।

तारीख 5 मई, 1975  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 5 मई 1975

निर्देश सं० ऐ० पी० 857/जालन्धर :— यतः मझे, रवीन्द्र कुमार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसको पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 6139 सितम्बर, 1974 को लिखा है तथा जो लाजपत नगर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, ..... में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर, 1974 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 47) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) ल० कर्नल शिव चरण जीत सिंह तुलसी सपुत्र नारायण सिंह 3 होस्टिंग रोड कलकत्ता (अन्तरक)

(2) श्री के० ल० साहनी सपुत्र मोती राम र० / 217 लाजपत नगर जालन्धर (अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है )

(4) कोई भी व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है )

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लेट जैसा कि रजिस्ट्रड डी० नं० 6139 सितम्बर, 74 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में दर्ज है।

रवीन्द्र कुमार

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर।

तारीख : 5 मई, 1975

मोहर :

प्राकृत आर्ह० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 5 मई 75

निदेश नं० ऐ० पी० 858/ जालन्धर :— यतः मुझे,  
रवीन्द्र कुमार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की  
धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार  
मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है और

जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 6175  
सितम्बर, 1974 में लिखा है तथा जो लाजपत नगर  
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर  
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन, तारीख सितम्बर, 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित  
बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत  
विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,  
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से  
कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,  
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या उक्त अधिनियम,  
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का  
27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
म, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) श्री ल० कर्नल शिवचरणजीत सिंह सपुत्र नारायण  
सिंह 3 हेस्टिंग रोड कलकत्ता (अन्तरक)
- (2) श्री के० ल० सेहनी सपुत्र मोती राम, 217 लाज-  
पत नगर जालन्धर । (अन्तरिती)
- (3) जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधि-  
भोग में सम्पत्ति है )
- (4) कोई भी व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो  
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता  
है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है )

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिये एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

अनुसूची

जमीन जैसा कि रजिस्ट्रड डीड नं० 6175 सितम्बर, 1974  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में दर्ज है ।

रवीन्द्र कुमार  
सक्षम अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज जालन्धर ।

तारीख : 5 मई, 1975  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज जालन्धर

जालन्धर, तारीख 15 मई 1975

निदेश नं० ए० पी० नं० 859 / जालन्धर :— यतः मुझे, रवीन्द्र कुमार, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 6208 सितम्बर, 1974 में लिखा है। तथा जो गुरनाम नगर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर, 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कायित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम,' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम,' या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए सुकर बनाना।

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—  
18—106GI/75

(1) श्री रगबीर सिंह सपुत्र सम्पूर्ण सिंह नं० ए० 207/1 किष्णपुरा जालन्धर (अन्तरक)

(2) मेजर अमरीक सपुत्र बाबा सिंह गांव खेरा माजा तहसील जालन्धर (अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधि-भोग में सम्पत्ति है)

(4) कोई भी व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति, द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कोठी जैसा कि रजिस्ट्रड डीड नं० 6208 सितम्बर 1974 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में दर्ज है।

रवीन्द्र कुमार,  
सक्षम अधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, जालन्धर।

तारीख : 15 मई, 1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 15 मई 1975

निदेश नं० ऐ० पी० नं० 860 / जालन्धर :— यतः मुझे, रवीन्द्र कुमार, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 6232 सितम्बर, 1974 में लिखा है तथा जो गुरनाम नगर जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख सितम्बर, 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रार्थानु :-

- (1) श्री रगबीर सिंह सपुत्र सम्पूर्ण सिंह नं० ऐ० 207/1 किष्णपुरा जालन्धर (अन्तरक)
- (2) मेजर अमरीक सिंह सपुत्र बाबा सिंह खेरा माजा तहसील जालन्धर (अन्तरिती)
- (3) जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधि-भोग में सम्पत्ति है)
- (4) कोई भी व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर, उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कोठी जैसा कि रजिस्ट्रार डीड नं० 6232 सितम्बर, 74 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में दर्ज है।

रवीन्द्र कुमार,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, जालन्धर :

तारीख : 15 मई, 1975  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 15 मई 1975

निदेश न० ऐ० पी० न० 861/जालन्धर :— यत् मुझे, रवीन्द्र कुमार आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी स० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 6414 सितम्बर, 1974 में लिखा है तथा बस्ती दानिशमण्डा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख सितम्बर, 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसारण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

- (1) श्री मनजीत सिंह सपुत्र मोहिन्द्र सिंह सपुत्र प्रेम-सिंह बस्ती दानिशमण्डा जालन्धर (अन्तरक)
- (2) मैसर्स बलवत वदर्स बस्ती नौ जालन्धर द्वारा बलवत राम पटना (अन्तरिती)
- (3) जैसा कि न० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधि-भोग में सम्पत्ति है)
- (4) कोई भी व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

जमीन जैसा कि रजिस्ट्रड न० 6414 सितम्बर, 1974 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में दर्ज है।

रवीन्द्र कुमार,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, जालन्धर।

तारीख . 15 मई 1975  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 15 मई 1975

निदेश नं० ए० पी० नं० 862 / जालन्धर :— यतः  
मुझे, रवीन्द्र कुमार  
आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 6130  
सितम्बर, 1974 में लिखा है तथा जो बस्ती दानशमन्दा  
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख  
सितम्बर, 1974  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार  
मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की  
गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त  
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से,  
ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह  
कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच  
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य  
से अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया  
गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाधित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के  
लिए; और

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए ।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में,  
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्री मनजीत सिंह सपुत्र श्री मोहिन्द्र सिंह सपुत्र  
प्रेम सिंह बस्ती दानशमन्दा । (अन्तरक)
- (2) मैसर्स बलवंत ब्यादर्स बस्ती नौ जालन्धर श्री बल-  
वन्त राम द्वार' (अन्तरिती)
- (3) जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधि-  
भोग में सम्पत्ति है)
- (4) कोई भी व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह  
व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है  
कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि, या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों  
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

अनुसूची

जमीन जैसा कि रजिस्ट्रीकृत नं० 6130 सितम्बर,  
1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है ।

रवीन्द्र कुमार,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, जालन्धर ।

तारीख : 15-5-1975

मोहर :



प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, तारीख 5 मई, 1975

निदेश नं० ऐ० पी० नं० 863/75-76/जालन्धर :— यतः मुझे, रवीन्द्र कुमार आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 6373 सितम्बर, 1974 को लिखा है तथा जो जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर, 1974 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के धायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

धतः घब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) मैसर्स केन्या लैंड एण्ड फार्निशेड प्राइवेट लिमिटेड जालन्धर (अन्तरक)
- (2) श्री अजैब सिंह सपुत्र श्री इन्द्र सिंह आफ सिधर राज पोलिंग तहसील अमृतसर (अन्तरिती)
- (3) जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) जो कोई भी सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है )

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

प्लॉट जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 6373 सितम्बर, 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है ।

रवीन्द्र कुमार  
सक्षम अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 5 मई, 1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०.....

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, जालन्धर

जालन्धर दिनांक 2 मई, 1975

निदेश सं० ए० पी०-864/जालन्धर :— यतः मुझे,  
रवीन्द्र कुमार

आयकर अधिनियम, 1961  
(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम'  
कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी  
को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,  
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० रजिस्ट्री नं० 2765 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
जालन्धर सितम्बर, 74 में है तथा जो जालन्धर में स्थित  
है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन, तारीख सितम्बर, 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का  
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक  
है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)  
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः, अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) सतलुज फार्निश लैंड प्राइवेट लिमिटेड श्री अमर  
नाथ रोआमन नवांशहर । (अन्तरक)
- (2) सुरजीत सिंह प्रकाश सिंह सपुत्र श्री अवतार  
सिंह गोविन्द पुर । (अन्तरिती)
- (3) जैसा कि नं० 2 में है । (वह व्यक्ति, जिसके अधि-  
भोग में सम्पत्ति है)
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो ।  
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता  
है कि सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा-  
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस  
अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

धरती का टुकड़ा जैसा कि रजिस्ट्री नं० 2765 रजिस्ट्री-  
कर्ता अधिकारी नवांशहर सितम्बर, 74 में दर्ज है ।

रवीन्द्र कुमार  
सक्षम अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रंज, जालन्धर

तारीख: 2-5-75  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 15 मई, 1975

निदेश नं० ए० पी० नं० 865 —यत मुझे, रवीन्द्र कुमार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है जिसकी सं० रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 6221 सितम्बर, 74 में लिखा है तथा जो गोपालपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर, 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

- (1) श्री अमर सिंह सपुत्र दिनु सपुत्र शामसिंह जिला जालन्धर निवासी गांव गोपालपुर उर्फ विधिपुर। (अन्तरक)
- (2) मैसर्स आर० के० महाजन एण्ड कम्पनी, बस्ती रोड, जालन्धर (अन्तरिती)
- (3) जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधि-भोग में सम्पत्ति है)
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लेट जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 6221 सितम्बर, 1974 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, जालन्धर।

तारीख . 15 मई, 1975।  
मोहर .

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 5 मई, 1975

निदेश सं० ए० पी० 866/75-76 :— यतः मुझे, रवीन्द्र कुमार आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 6167 सितम्बर, 74 में लिखा है तथा जो मुहल्ला इस्लामाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर, 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम,' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्रीमती दलीप कौर सपुत्री श्री मान सिंह डब्ल्यू० जी० 228 मुहल्ला इस्लामाबाद जालन्धर अब खालसा इंजीनियर्स वर्क्स इन्डस्ट्रीयल एरिया जालन्धर। (अन्तरक)
- (2) श्रीमती शीला देवी पत्नी श्री रूप नारायण इस्लामाबाद जालन्धर (252) माडल टाउन जालन्धर अब डब्ल्यू० जी० 228। (अन्तरिती)
- (3) जैसाकि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम,' के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

घर जैसाकि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 6167 सितम्बर, 74 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार,  
सक्षम अधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, जालन्धर।

तारीख: 5 मई, 1975

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त, निरीक्षण,

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 5 मई, 1975

निदेश सं० ऐ० पी० 867/जालन्धर :— यतः मुझे, रवीन्द्र कुमार आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 5955 सितम्बर, 1974 में लिखा है तथा जो जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के के अधीन तारीख सितम्बर, 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्य मान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) श्री मोहिन्द्र पाल अलाईस जिन्द्र पाल जैन सपुत्र रखाव धन सपुत्र श्री लभू राम दिल्ली। (अन्तरक)
- (2) श्री मोहन लाल सपुत्र श्री कृन्वन लाल जालन्धर। (अन्तरिती)
- (3) जैसा कि नं० 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके अधि-भोग में सम्पत्ति है)
- (4) कोई भी व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 5955 सितम्बर, 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार  
सक्षम अधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज जालन्धर

तारीख : 5 मई, 1975  
मोहर :

प्रारूप आर्डी० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 15 मई, 1975

निदेश नं० ए० पी० - 868 जालन्धर :— यतः मुझे,  
रवीन्द्र कुमार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
(जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)  
की धारा 269-ब के अधीन सक्षम अधिकारी को,  
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,  
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है  
जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 5891  
सितम्बर, 1974 में लिखा है तथा जो किनगरा में स्थित  
है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन, तारीख सितम्बर, 1974 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह  
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित  
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल  
के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत  
'उक्त अधिनियम,' के अधीन कर  
देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उगने  
बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम,'  
या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का  
27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट  
नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था,  
छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः, अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुकरण  
में, मैं, 'उक्त अधिनियम,' की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्री तरलोक सिंह सच्चर सपुत्र गान सिंह द्वारा  
श्री हरमिन्द्र सिंह सपुत्र तरलोक सिंह 481 नं०  
माडल टाउन जालन्धर। (अन्तरक)
- (2) मैसर्स चौधरी हाउसिंग प्रोपर्टी डेवलपर्स चमन लाल  
सपुत्र हरदियाल चन्द, भगवती पानी आफ फेड  
दलीप कौर राविन्द्र कुमार सपुत्र भीम सैन विग  
गुरुदियाल सिंह सपुत्र हरनाम सिंह, जालन्धर  
(अन्तरिती)
- (3) जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति जो सम्पत्ति  
जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है )
- (4) कोई भी व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो  
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता  
है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है )

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो  
'उक्त अधिनियम,' के अध्याय  
20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो  
उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अमीन असाकि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 5891 सितम्बर,  
1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है

रवीन्द्र कुमार  
सक्षम अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज जालन्धर।

तारीख 5 मई, 1975।

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 5 मई, 1975

निर्देश सं० ए० पी०-869/ जालन्धर :— यत : मुझे,  
रवीन्द्र कुमार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया  
है) की धारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह  
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और  
जिसकी सं० जैसाकि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 5813  
सितम्बर, 1974 में लिखा है तथा जो माडल टाउन  
में स्थित है (और इससे उपायद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर  
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
के अधीन, तारीख सितम्बर, 1974 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है  
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति  
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान  
प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक  
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के  
लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के  
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,  
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या 'उक्त अधिनियम,' या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं  
किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,  
मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ उपधारा की (1) के अधीन,  
निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थातः—

- (1) श्रीमती भूपिन्द्र कौर पत्नी सं० अवतार सिंह  
सपुत्र हरनाम सिंह 615 सेक्टर 16-डी चण्डी-  
गढ़। (अन्तरक)
- (2) जसविन्द्र राम सपुत्र फूमन राम पेड़ गुरबख्त  
सिंह सपुत्र लाल सिंह द्वारा मैसर्ज के० पी०  
टेलर्स जी० टी० 'रोड लक्षमण दास सपुत्र भगत  
(अन्तरिती)
- (3) जैसाकि नं० 2 में है। (वह व्यक्ति, जिनके अधिभोग  
में सम्पत्ति है)
- (4) कोई भी व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो।  
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता  
है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी  
व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त  
अधिनियम,' के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में  
दिया गया है।

अनुसूची

कोठी जैसाकि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 5813 सितम्बर,  
1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, जालन्धर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार,  
सक्षम अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रंज, जालन्धर

तारीख 5 मई, 1975।  
मोहर :

प्रकाश आई० टी० एन० एस०-----  
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार  
 कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
 अर्जन रेंज, शिलांग

शिलांग, दिनांक 12 मार्च 1975

निर्देश सं० ए-89-एस० एच० जी०/74-75/417 1-81--  
 अतः मुझे एगवार्ट सिंग  
 आयकर अधिनियम, 1961  
 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम'  
 कहा गया है)

की धारा 269-घ के अधीन सक्षम  
 प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर  
 सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है  
 और जिसकी सख्या रजिस्ट्रेशन सं० 232 है तथा जो बिशपकाटन  
 रोड में शिलांग में स्थित है (और जिससे उपायद्ध अनुसूची में  
 और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
 शिलांग में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
 के अधीन तारीख 25-9-74 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य  
 से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के  
 अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण  
 है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
 प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है  
 और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के  
 बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
 उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
 किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त  
 अधिनियम,' के अधीन कर देने के अन्तरक के  
 दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
 के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों  
 को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम',  
 या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957  
 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं  
 किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
 सुविधा के लिए ।

अतः अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम,'  
 की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित  
 व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मिसेज एलि द्वारा, केयर ओक एच० पी० द्वारा, बिशप  
 काटन रोड, शिलांग (अन्तरक)
2. श्री प्रसेनजित द्वारा, केयर ओक श्री पी० पी० द्वारा एम०  
 सी० रोड गोहाटी, (अन्तरिती)
3. श्री सुबीर गुप्त, लाबान, शिलांग-4 (वह व्यक्ति,  
 जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
 कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
 की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
 में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
 किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी  
 अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
 में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त  
 अधिनियम,' के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
 वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया  
 है ।

#### अनुसूची

लगभग 14400 स्कोयर फिट माप के जमीन के साथ एक  
 मकान जो बेनभिला नाम से परिचित है और जो मेघालय प्रदेश  
 खासी हिलस जिला, शिलांग, इंडोरोपयन वार्ड की अन्तर्गत बिशप  
 काटन रोड में स्थित है ।

एगवार्ट सिंग  
 सक्षम प्राधिकारी  
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
 अर्जन रेंज, शिलांग

तारीख : 12-3-1975 ।

मोहर :



प्ररूप आई० टी० एन० एस० —————

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, शिलांग

शिलांग, दिनांक 12 मार्च 1975

निर्देश सं० ए-90/एस० एच० जी०/74-75/4185-93—

प्रतः मुझे एगवार्टे सिंग

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी रजिस्ट्रेशन सं० 219 है तथा जो लाभमियर शिलांग में स्थित है और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), राजस्त्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय शिलांग में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 12-9-75 पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित

बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तर्लिखित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थातः—

1. श्री एच० पी० राजखोभा, जु रोड गोहाटी।

(अन्तरक)

2. ड० पी० के० बरुआ, केवेट्रेस, शिलांग।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अल्पकाल में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

जमीन के परिमाण 212 एकड़ जिसकी अन्तर भाग पी० डब्ल्यू० डी० सड़क से घिरे हुए है, दक्षिण भाग मिस्टर एम० एच० चौधरी के आंगन, पूर्व भाग मिसेज आरति दास की आंगन और पश्चिम भाग पी० डब्ल्यू० डी० सड़क से घिरे हुए है और यह मेघालय प्रदेश की खासी हिल्स जिला की अन्तर्गत शिलांग की लाछा मियर स्थान में स्थित है।

एगवर्ट सिंग  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, शिलांग

तारीख : 12-3-1975।

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस ०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I अहमदाबाद।

अहमदाबाद, दिनांक 22 मार्च, 1975

निर्देश सं० ए०सी० क्यू० 23-1-340(155)/1-1/74-75  
यतः मुझे जे० क्यूरिया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० एफ० पी० नं० 105 टी० पी० एस० नं० 3 है, तथा जो शेखपुर खानपुर, अहमदाबाद में स्थित है और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 5-9-74 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के को दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

यतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा निम्नलिखित (1) के अधीन व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री पार्श्व नाथ लेन्ड प्रोगेनाइजर्स के एण्ड तथा उसकी (ओर से (1) श्री कीरीट कुमार पुरुषोत्तमदास पटेल, हरिसिद्ध कृपा सोसायटी, नारणपुरा अहमदाबाद, (2) श्रीमती इन्दीराबेन तविनभाई पटेल, विनेशनगर सोसायटी नारणपुरा रेलवे क्रॉसिंग के निकट, अहमदाबाद, (3) श्री प्रविण भाई चुनीभाई पटेल, दिनेश नगर सोसायटी वारणपुरा रेलवे क्रॉसिंग के निकट अहमदाबाद, (4) श्रीमती सुरजबेन चुनीभाई पटेल दिनेश नगर सोसायटी नारणपुरा रेलवे क्रॉसिंग के निकट अहमदाबाद, (5) श्री डाएयाभाई मोतीभाई पटेल, हसमुख कालोनी, नारणपुरा, संघवी हाई स्कूल के निकट अहमदाबाद, (6) श्रीमती प्रभाबेन मुकेशभाई पटेल, हरिसिद्ध कृपा सोसायटी, नारणपुरा, अहमदाबाद, (6) श्री उमेशभाई मोतीभाई पटेल, हसमुख कालोनी, नारणपुरा, संघवी हाई स्कूल के निकट, अहमदाबाद। (अन्तरक)

2. दी महेन्द्र मिलज लिमिटेड, दूसरा मंजला, पार्श्वनाथ चैम्बर्स, आश्रम रोड, अहमदाबाद। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपेक्ष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि, बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक इमारत का 6.5 प्रातणत अविभक्त हिस्सा (140.49 वर्ग मीटर) जो पार्श्वनाथ चैम्बर्स के दूसरे मंजले पर स्थित है और जिसका फायनल प्लॉट नं० 105 टी० पी० स्कीम नं० 3 है और जो शेखपुर खानपुर, अहमदाबाद में स्थित है।

जे० क्यूरिया  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद।

तारीख : 22-3-1975

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज अहमदाबाद ।

अहमदाबाद, दिनांक 22 मार्च 1975

निर्देश सं० ए० सी० ब्यू० 23-1-368 (156)/I-I/74-75  
यतः मुझे जे० कयूरिया  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)  
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को,  
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है  
'प्रोर जिसकी सं० एफ० पी० नं० 50/6+7+8+15 बी टी० पी०  
एस० नं० 4, है तथा जो मणीनगर अहमदाबाद में स्थित है और इससे  
सम्बद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-  
कारी के कार्यालय, अहमदाबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधि-  
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 18-9-1974  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य  
से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए  
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल  
का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्त-  
रकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण  
के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य  
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत उक्त अधिनियम,  
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने  
या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य  
आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम,  
1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम,  
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में,  
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन  
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री सुमनलाल हीरा लाल शाह (अन्तरक)  
2. श्रीमती सरीताबेन, सुमनलाल हीरालाल शाह की पत्नी  
सूर्य किरन पान गली, गोवालिया टैंक, बम्बई। (अन्तरक)  
2. नीचलदाम घनोमल जगवानी, (2) डा० मोतीराम  
नीचलदास जगवानी, (3) साधूराम नीचलदास  
जगवानी, एन० जे० मेन्शन, शांतीनगर सैजपुर बोधा  
अहमदाबाद । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख  
से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों  
पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि,  
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर  
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किमे जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

अनुसूची

एक अचल सम्पत्ति जिसका क्षेत्रफल 450 वर्ग गज है और  
जिसका फायनल प्लॉट नं० 50/6+7+8+15 बी टी० पी०  
स्कीम नं० 4 है और जो मणीनगर, अहमदाबाद में स्थित है ।

जे० कयूरिया  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1  
अहमदाबाद ।

तारीख : 22-3-1975  
मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एंसे०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

क. य. सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अज्ञेन रेंज-I अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 19 मार्च 1975

निर्देश सं० ए० सी० न्यु० 23-1-341 (151)/1-1/  
74-75 यतः मुझे जे० कभूरिया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
हिसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
28,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 195, 196, एफ० पी० नं० 51, एस०  
पी० नं० 7-6, टी० पी० एस० नं० 21 है, तथा जो पालडी,  
अहमदाबाद में स्थित है (और इसके उपाबद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का-  
16) के अधीन तारीख 11-9-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित  
बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत  
विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए लय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक  
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने  
में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य वास्तियों को  
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम,  
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती  
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए  
था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की, धारा 269-ब के अनु-  
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) श्री गौतम बालुभाई "पारीतोश", आनंद वाटीका,  
एल० कालोनी के सामने आंबावाडी, अहमदाबाद (अन्तरक)

(2) लताबेन सुपुत्री श्री शantilाल गोरधनदास शाह  
कटकीया बाड, धनामुधरनीपोल, कालुपुर, अहमदाबाद (अन्तरिती)

(3) श्री हरीशभाई चीमनलाल गुज्जर "पारीतोश",  
आनंद वाटीका, 'एल० कालोनी के सामने आंबावाडी, अहमदाबाद  
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन  
लिए एतद्वारा कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्तिके सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि के बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

लक्ष्यीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक मकान जो 534 वर्ग गज भूमि पर स्थित है और जिसके  
सर्वे नं० 195, 196. फायनल प्लॉट नं० 51, सब प्लॉट नं०  
7-6, टी० पी० स्क्रीम नं० 21 है और जो पालडी अहमदाबाद में  
स्थित है।

जे० कभूरिया  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अज्ञेन रेंज-I  
अहमदाबाद

तारीख: 19-3-1975  
मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 19 मार्च 1975

निर्देश सं० ए० सी० न्यू० 23-1-454(152)/1-1/74-  
75—यतः मुझे जे० कथूरिया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)  
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह  
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० एफ० पी० नं० 61, सब प्लॉट नं० 2 (हिस्सा)  
टी० पी० एस० नं० 3 है तथा जो उस्मानपुरा, अहमदाबाद में स्थित  
है (और इसके उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
तारीख 17-9-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार

मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख  
के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया प्रतिफल,  
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से  
कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के  
लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं  
किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

20—106 GI/75

(1) श्री रजनीकान्त वाडीलाल पारेख

(2) श्री हरेन्द्र वाडीलाल पारेख आयुर्वेदिक निकेतन  
हनुमान रोड, विल पार्ले, बम्बई-57। (अन्तरक)

(2) स्टेट बैंक आफ बीकानेर एण्ड जयपुर स्टाफ स्वप्न सिद्ध  
को-ऑपरेटिव हाउसींग सोसायटी (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये  
एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय  
20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा,  
जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनसूची

खुली जमीन वाला प्लॉट जिसका क्षेत्रफल 303-5 वर्ग गज  
है और जिसका फायनल प्लॉट नं० 61, सब प्लॉट नं० 2 (हिस्सा)  
टी० पी० स्कीम नं० 3 है और जो उस्मानपुरा अहमदाबाद में स्थित  
है।

जे० कथूरिया  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I  
अहमदाबाद

तारीख : 19-3-1975  
मोहर :

प्ररूप आई०टी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन-I अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 19 मार्च 1975

निर्देश सं० ए० सी० ब्यू० 23-1-455 (153)/1-1/74-75  
—सतः मुझे जे० कथूरिया  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)  
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को  
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० एफ० पी० नं० 61 सब प्लॉट नं० 2 (हिस्सा)  
टी० पी० एस० नं० 3 है, जो उस्मानपुरा, अहमदाबाद में स्थित  
है (और इसके उपाखण्ड अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
तारीख 17-9-1974 को  
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने के कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक  
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में  
सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम  
या धन-कर अधिनियम, 1957  
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा  
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता चाहिए  
था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ  
की उप-धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

1. (1) श्री रजनीकान्त वाडीलाल पारेख,  
(2) श्री हरेन्द्र वाडीलाल पारेख, आयुर्वेदिक निकेतन, हनुमान  
रोड, विले पार्ले, बम्बई-57 (अन्तरक)
2. श्री दिनकर गोकलदास परीख 2218/2, माली की  
खड़की, कटकीया बाड, कालुपुर, अहमदाबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख  
से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो  
भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर  
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

अनुसूची

खुली जमीन वाला प्लॉट जिसका क्षेत्रफल 303-5 वर्ग गज  
है और जिसका फायनल प्लॉट नं० 61 सब प्लॉट नं० 2 (हिस्सा)  
टी० पी० स्कीम नं० 3 है और जो उस्मानपुरा, अहमदाबाद में  
स्थित है ।

ज० कथूरिया  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

तारीख : 19-3-1975  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

अधिकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज -II 54 रफी अहमद किदवाई रोड, कलकत्ता-16

कलकत्ता, दिनांक 3 मार्च 1974

निदेश सं० 238/एफुरे-III/कल०/74-75—अतः मुझे,  
एल० के० बालसुब्रमनियम  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा  
गया है), की धारा 269-ब के अधीन समक्ष प्राधिकारी को  
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० 17/1 बि है तथा जो रिची रोड, कलकत्ता में  
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 1975  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित  
बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित  
की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि  
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक  
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)  
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,  
निम्नलिखित उद्देश्य से अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप  
से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) 1. श्री मिजेन्द्र कुमार आगरवाल 4 बिशप लेफय रोड  
कलकत्ता

2. श्री कानहाईयालाल सारफ श्री अन्यान्य 16 तारा चंद  
दत्त स्ट्रीट कलकत्ता। (अन्तरक)

(2) 1. कनहैयालाल सारफ 2. सीत देवी सारफ 3. निर्मल  
कुमार सारफ 4. बिमला देवी केटावहा  
5. बिमला देवी केटावहा (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

#### अनुसूची

करीब 12 कट्टा 110 छटांक जमीन का 1/8 हिस्सा जो 17/1  
बि, रिची रोड, कलकत्ता पर अवस्थित और जो रजिस्ट्रार आफ  
ऐसुरेन्सेस, कलकत्ता द्वारा रजिस्ट्रीकृत दलिल सं० 1503/1974  
का अनुसार है।

एल० के० बालसुब्रमनियम,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज III  
54, रफीअहमद किदवाई रोड,  
कलकत्ता-16

तारीख : 3-3-1975  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन-रेंज, III कलकत्ता-16

कलकत्ता-16, दिनांक 3 मार्च 1975

निर्देश सं० 236/एक्यू० रे० III/कल/74-75—यतः मुझे,  
एल० के० बालसुब्रमनियम  
आयकर अधिनियम, 1961  
(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम'  
कहा गया है) की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० 17/1-बी है तथा जो रिची रोड, कलकत्ता में स्थित  
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 3-6-75  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए  
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का  
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्रह  
प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
सय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से  
अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया  
है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के  
लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को  
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,  
मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री आनन्द प्रकाश अग्रवाला 8, विशाँप लेफय रोड, कलकत्ता  
(अन्तरक)

2. श्री कन्हैयालाल सारीफ और अन्यान्मू 16 तारा चंद  
दत्त स्ट्रीट कलकत्ता ।

1. कन्हैयालाल सरीफ

2. सीता देवी सरीफ

3. निर्मल कुमार सरीफ

4. बिमला देवी खेतावट

5. बिमला देवी खेतावट

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी  
व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

#### अनुसूची

छटाक जमीन का 1/4 हिस्सा जो 17/1 वि० स्वा रोड,  
करीब 12 कट्टा 10 छटाक जमीन का 1/4 हिस्सा जो 17/1  
बी० रिची रोड, कलकत्ता पर अवस्थित और जो रजिस्ट्रार आफ  
एष्योरेन्सेस, कलकत्ता द्वारा रजिस्ट्रीकृत दलील सं० 1501/1974  
के अनुसार है ।

एल० के० बालसुब्रमनियम,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III

54, रफी अहमद क़िदवाई रोड,

कलकत्ता-16

तारीख : 3-3-1975

मोहर :



प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज III, कलकत्ता--16

कलकत्ता--16, दिनांक 3 मार्च 1975

निर्देशक सं० 237/एक्यू० रे०/कल०/74-75—यतः, मुझे, एल० के० बालसुब्रमणियन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43), (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 17/1बी० है तथा जो रिची रोड, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 3-9-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान के प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाय अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री जितेन्द्रकुमार अग्रवाल 4 बिशाप लेफय रोड, कलकत्ता (अन्तरक)

1. कन्हैयालाल सराफ

2. सीता देवी सराफ

3. निर्मल कुमार सराफ

4. बिमला देवी खेतावट

5. बिमला देवी खेतावट

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरि-भाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

करीब 12 कट्टा 10 छटाक जमीन का 1/4 हिस्सा जो 17/1 बी रिची रोड, कलकत्ता पर अवस्थित और जो रजिस्ट्रार आफ एक्जोरेन्स कलकत्ता द्वारा रजिस्ट्रीकृत दलील सं० 1502/1974 के अनुसार है।

एल० के० बालसुब्रमणियन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज

54, रफी अहमद किदवाई रोड,

कलकत्ता-16

तारीख - 3-3-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज III, कलकत्ता-16

कलकत्ता --16 दिनांक 14 फरवरी 1975

निर्देश सं० ए० सी० 117/आर० V/cal /74-75--

यतः मुझे, एल० के० बालसुब्रमनियन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० पी०-- 126, 127, 127. 128 129 और 130 है जो बेनारस रोड, हावड़ा में स्थित है (और इसे उदात्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 20-9-1974।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की भावत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

1. मैसर्स कुमार इन्जिनियरिंग वर्क्स प्रा० लिमि० (अन्तरक)

2. श्रीमती शशीबाला महेश्वरी (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना को तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

करीब 1 बीघा 10 कट्टा 0 छटाक 15 स्को० फुट जमीन जो पी० 126, 127, 128, 129 और 130 बेनारस रोड, हावड़ा पर अवस्थित जो रजिस्ट्रार आफ एशरोरेन्स कलकत्ता द्वारा रजिस्ट्रीकृत दलील सं० 3151/1974 के अनुसार है।

एल० के० बालसुब्रमनियन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज III

54, रफी अहमद किववाई रोड,

कलकत्ता-16

तारीख : 14-2-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

घायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, शिलांग

शिलांग, दिनांक 11 फरवरी 1975

निर्देश सं० ए० 82/गो/74-75—यतः मुझे एगबर्टस सिंह, घायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है और जिसकी डाग सं० 1270, के० पी० पट्टा सं० 242 आठगांव है तथा जो गोहाटी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गोहाटी में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 26-9-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण के हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री० सैयद मोहम्मद हाबिबुल्लाह सैयद मोहम्मद मेहबूब-उल्लाह, सैयद मोहम्मद सामसूल आलमे, सैयद मोहम्मद कूटबूले आलम, लाखटकिया, गोहाटी । (अन्तरक)

2. श्री राधेश्याम केडिया, श्री भागवती प्रसाद जालान, टी० आर० फूकन रोड, गोहाटी । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

#### अनुसूची

1 (एक) बीघा, 10 लेछा जमीन जो डाग सं० 1270, के० पी० पट्टा सं० 242 से परिवेष्टित है और आसाम प्रदेश, कामरूप जिला, गोहाटी शहर के आठगांव में स्थित है ।

एगबर्ट सिंह,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, शिलांग

तारीख : 11-2-1975 ।  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

156 सेक्टर 9-बी अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 5 मार्च 1975

निर्देश सं० एल० एडी० एच०/सी०/412/74/75—यतः मुझे  
जी० पी० सिंह, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज,  
चण्डीगढ़ आयकर अधिनियम, 1961

(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त  
अधिनियम, कहा गया है)

की धारा 269-घ के अधीन सक्षम अधिकारी  
को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,  
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी प्लॉट सं० 6, जो कि ओसवाल मार्ग, जिसे गुप्ता  
मार्ग भी कहा जाता है पर स्थित है तथा जो लुधियाना में स्थित  
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, सितम्बर  
1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का  
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,  
या धन-कर अधिनियम, 1957  
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती  
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना  
चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मैसर्स कामन वेलथ स्पनिंग एण्ड निटिंग मिल्स प्रा०  
लि०, द्वारा श्री प्यारे लाल, इण्डस्ट्रीयल एरीया डायरेक्टर, लुधियाना  
(अन्तरक)

2. मै० कंवर इन्जीनियर्स, जी० टी० रोड, लुधियाना द्वारा  
श्री प्रमोद कुमार गोयल, निवासी 280-आर, माडल टाऊन,  
लुधियाना (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख  
से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों  
पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि  
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर  
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख  
से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति  
में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी  
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो  
उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा  
परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस  
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 6, क्षेत्रफल 602 वर्ग गज जो कि पहले मै० कामन  
वेलथ स्पनिंग एण्ड निटिंग मिल्स, प्रा० लि० का था और जो कि  
ओसवाल मार्ग, लुधियाना, जिसे गुप्ता मार्ग भी कहा जाता है,  
पर स्थित है।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत के विलेख नं० 5767 सितम्बर, 1974  
में सब रजिस्ट्रार लुधियाना के दफतर में लिखा है।

जी० पी० सिंह,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

तारीख : 5 मार्च 1975।

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज 1/2, 4/14ए, आसफअली रोड, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 7 जून, 1975

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/111/एस० आर०-111/सितम्बर-1/67(10)/74-75—यतः मुझे, च० वि० गुप्ते आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रुपये से अधिक है और जिसकी सं० प्लॉट नं० 32, ब्लॉक नं० 56, ईस्ट पार्क है, जो एरिया, करौल बाग, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 6-9-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती जनक कापूर, विधवास पत्नी श्री शादी लाल कापूर, निवासी ए-12, गुलमोहर पार्क, नई दिल्ली

स्वयं तथा जरनल एटारनी निम्न के लिए :—

(चार विक्रेता नं० 11 तथा 5)

(2) श्री निर्मल कापूर

(3) श्री दालीप कापूर, सुपुत्र स्वर्गीय श्री शादी लाल कापूर

(4) श्रीमती वीना दिवान, सुपुत्री श्री शादी लाल कापूर तथा पत्नी श्री अविनाश दिवान ; निवासी ए-12 गुलमोहर पार्क, नई दिल्ली

(5) श्रीमती शोभा कापूर, सुपुत्री श्री शादी लाल कापूर, पत्नी श्री अशोक कुमार

(6) श्री हरी लाल कापूर, सुपुत्र श्री रंगी लाल कापूर, निवासी 1425, चांदनी चौक, दिल्ली (अन्तरक)

(2) श्री भगवान दास

सुपुत्र श्री करम सिंह 20 प्रतिशत

श्री तीलक राज

सुपुत्र श्री भगवान दास 10 प्रतिशत

श्री अशोक कुमार, कमल कुमार,

बलोव राज (नावालिग) 30 प्रतिशत

सुपुत्र श्री तीलक राज कालरा, उनके

पिता तथा स्वाभाविक सारंक्षक द्वारा

श्री तीलक राज 10 प्रतिशत (प्रत्येक)

श्री मानोहर लाल,

सुपुत्र श्री भगवान दास 10 प्रतिशत

श्री विजय कुमार (नावालिग)

सुपुत्र श्री मानोहर लाल

उनके पिता श्री मानोहर लाल जैसा

कि स्वाभाविक संरक्षक श्री पृथ्वी राज,

सुपुत्र श्री भगवान दास, निवासी (सारे)

12/12, डब्ल्यू० ई० ए०, कारौल बाग,

नई दिल्ली 10 प्रतिशत

(अन्तरिती)

(3) (1) श्री कुलिनद्र सिंह साहनी (2) श्री गोपाल दास

(3) श्री हरदेव पुरी (4) श्री द्वारका नाथ

(5) श्री हरी राम (6) श्री सन्त सिंह साहनी

पहली मंजिल :—

(7) श्री राधे श्याम (8) श्री गोपाल

बरसाती फलौर :—

(9) श्री समपूरण सिंह (10) श्री प्रितपाल सिंह

(11) श्री मंगल सिंह

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप,

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक लीजहोल्ड प्लॉट की भूमि जिसका क्षेत्रफल 1288.02 वर्ग गज है तथा जोकि 2-1/2 मंजिला विल्डिंग के साथ बना हुआ है जिसका प्लॉट नं० 32, ब्लॉक नं० 56, खेबट नं० 308, खसरा नं० 723/21 है तथा जो कि ईस्ट पार्क एरिया, कारौल बाग, नई दिल्ली में है और नं० 8294, वार्ड नं० 16 है तथा जो निम्न प्रकार से स्थित है:—

पूर्व : सर्विस लेन

पश्चिम : सड़क

उत्तर : सड़क

दक्षिण : प्लॉट नं० 31×32 पर कोठी

च० वि० गुप्ते,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज III, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 7-6-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-I, बम्बई

बम्बई, दिनांक 2 जून, 1975

निर्देश सं० अ० ई० -1/947-9/सप्टेंबर 74—अतः मुझे, ग० सो० राव आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि

स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं०

सी० एस० नं० 13/722 मलबार और कंबाला हिल डिव्हीजन है, जो 19 कारमायकेल रोड में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सब रजिस्टार बम्बई में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 20-8-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय के बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11), उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुकरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)

अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती शिरीन बाई कावजी गोवाई और अन्य (अन्तरक)

(2) श्री महेन्द्र बिठ्ठुदास शाहा और अन्य (अन्तरिती)

(3) श्री किराएदार (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्वच्छीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

पेन्शन और टैक्स टेनर जमीन का वह तमाम टुकड़ा जो उप कर से मुक्त है, 19, कारमायकेल रोड, बम्बई नगर रजिस्ट्रेशन जिला और उप-जिला बम्बई नगर और बम्बई उपनगर में स्थित है माप में 1241.37 वर्गमीटर या आसपास है और दूसरी जमीन के साथ भूराजस्व के संग्रहक की पुस्तक में पुराना नं० 17 और संग्रहक का नैशा नं० 1/88 और सर्वेक्षण नं० 81 और नया सर्वेक्षण नं० 7116 (अंश) और जिसका क्रेडेन्सल सर्वेक्षण नं० 13/722, मालाबार और कंबाला हील खड्ड जिसके साथ निवास बाटा का अचल संपत्ती या निवास गृह और वहां निर्मित सभी भवन रजिस्टर है। और म्युनिसिपल भावों एवं करों के निर्धारक एवं संग्रहक द्वारा पूर्वतः डी० बार्ड नं० 3453(5) का अंश और स्ट्रीट नं० 8-ई० के अंतर्गत निर्धारित है और उक्त जगह इस प्रकार घिरी हुई है अर्थात् पूर्व की ओर से आर० डी० दुबासन की जायदाद द्वारा, पश्चिम की ओर से कारमायकेल रोड द्वारा और उत्तर की ओर से महामहिम बरोवा की रानी की जायदाद द्वारा और दक्षिण की ओर से माहेर आली मोहमद फकीरा की बिधवा कुलसमबाई की जायदाद द्वारा।

ग० सो० राव,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज I, बम्बई

तारीख : 2 जून, 1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, KAKINADA

Kakinada, the 11th April 1975

Acq. File No. 192/84-75/J. No. I(451)GTR/74-75.—  
यतः मुझे K. Subbarao

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० Door No. 3/13, Thummella Panchayat, Moparru है जो Moparru में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, Moparru में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 30-9-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए सुकर बनाना और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

S/Shri

- (1) 1. Y. Venkatarao,  
2. Y. Ankeneedu,  
3. M. Veeraiah,  
4. G. V. Pandurangarao,  
5. M. Bhusaiah,  
6. M. Ramaswamy,  
7. D. Ramaiah,  
8. D. Venkateswarlu,  
9. K. Umamaheswara Rao.

S/Shri

- (2). 1. K. Satyanarayana.  
2. K. U. Maheswara Rao.  
3. G. K. Viswanatham,  
4. G. V. Pandu Ranga Rao.  
5. M. Subba Rao,  
6. E. Govindaiah,  
7. M. S. Prakasa Rao,  
8. E. V. Chalamiah,  
9. K. V. Subbaiah,  
10. K. Subba Rao,  
11. B. V. Narasimha Rao.

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

The schedule property as mentioned in the sale deed dated 9th May, 1974 vide document No. 655 of 1974 registered before the SRO, Moparru, Guntur Dt.

K. SUBBA RAO

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, Kakinada

तारीख : 11-4-75

मोहर :

MINISTRY OF HOME AFFAIRS  
DIRECTORATE GENERAL, CRP FORCE

New Delhi, the April 1975

No. O.II-40/69-Estt.—Consequent on his appointment on re-employment basis as Commandant in IIBP, Lt. Col. Chattr Singh relinquished the charge of the post of Commandant, Group Centre, CRPF Deoli on the afternoon of 16th March, 1975.

2. His services will stand terminated from the CRPF from the same date.

The 1st May 1975

No. O.II-1012/75-Estt(CRPF)—The Director General, CRP Force is pleased to appoint Dr. Shiv Chandra Mathur as J.M.O. in the CRP Force, on an ad-hoc basis initially for a period of one year with effect from the forenoon of 8th April 1975.

2. Dr. Shiv Chandra Mathur is posted to Group Centre, C.R.P.F., Deoli (Raj).

The 7th May 1975

No. O.II-878/69-Estt.—Consequent on his attaining the age of superannuation Shri A. S. Bhatnagar has relinquished charge of the post of JAD(Acts)CPAU, Dte General CRPF, New Delhi on the afternoon of 30th April, 1975.

The 9th May 1975

No. O.II-1010/75-Estt(CRPF)—The Director General, CRP Force is pleased to appoint Dr. Debendra Kumar Pradhan as J.M.O. in the CRP Force, on an ad-hoc basis initially for a period of one year with effect from the forenoon of 5th March 1975.

2. Dr. Debendra Kumar Pradhan, is posted to Base Hospital, CRPF, New Delhi.

The 12nd May 1975

No. O.II-1009/75-Estt(CRPF)—The Director General, CRP Force is pleased to appoint Dr. Dinesh Kumar Jain as J.M.O. in the CRP Force, on an ad-hoc basis initially for a period of one year with effect from the forenoon of 18th March 1975.

2. Dr. Dinesh Kumar Jain, is posted to 39th Bn, CRPF.

S. N. MATHUR,  
Assistant Director(Adm)

CENTRAL TRANSLATION BUREAU

New Delhi-1100016, the 30th April 1975

F. No. 11(1)20/72-Admn.—Until further orders and with effect from 30-4-75(AN) the services of Shri Ram Shanker Singh, Translation Officer Central Translation Bureau, Ministry of Home Affairs are placed at the disposal of the Commissioner of Income Tax, Delhi-1 for his appointment as Hindi Officer in that Office on ad-hoc basis.

The 12nd May 1975

F. No. 11(1)28/72-Admn.—Shri Dev Lal, Senior Translator in the Central Translation Bureau is appointed to officiate as Translation Officer in the Bureau in leave vacancy w.e.f. 14-4-1975 to 11-7-1975 on ad-hoc basis.

G. K. MISHRA,  
Director

CENTRAL VIGILANCE COMMISSION

New Delhi, the 9th May 1975

No. 2/12/73-Admn.—The Central Vigilance Commissioner hereby appoints Shri I. K. Sobti, an Assistant Engineer of the Western Railway, as Assistant Technical Examiner in the Central Vigilance Commission in an officiating capacity, with effect from the forenoon of 1st May, 1975, until further orders.

B. V. DIGHE,  
Under Secy.  
for Central Vigilance Commission.

DIRECTORATE OF COORDINATION  
(POLICE WIRELESS)

New Delhi-1, the 23rd April 1975

No. A.38/5/74-Wireless—Shri P. J. Zachariah, Senior Technical Assistant is appointed on ad-hoc basis as Extra Asstt. Director in the Directorate of Coordination (Police Wireless) with effect from the forenoon of the 14th April, 1975 to 14th October, 1975(AN) in the pay scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200.

C. P. JOSHI,  
Director, Police Telecommunications.

MINISTRY OF FINANCE  
(DEPARTMENT OF ECONOMIC AFFAIRS)  
INDIA SECURITY PRESS

Nasik-Road, the 5th April 1975

No. 26/(A)—The undersigned hereby appoints Shri T. N. Valvi, Inspector Control (Class III non-gazetted), New Currency Note Press, Nasik-Road, to officiate as Deputy Control Officer (Class II Gazetted) in the New Currency Note Press in the revised scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200, on an ad-hoc basis for a period of 6 months with effect from the forenoon of 17th March 1975 or till the post is filled on a regular basis whichever is earlier.

V. J. JOSHI,  
General Manager

CENTRAL REVENUES CONTROL LABORATORY

New Delhi-110012, the 9th April 1975

Chemical Establishment

No. 5/1975—Shri D. K. Majumdar, Chemical Assistant Gr. I, Govt. Opium & Alkaloid Works, Ghazipur has been provisionally promoted to officiate as Assistant Chemical Examiner in the same factory with effect from the afternoon of 29th March, 1975 and until further orders.

The 18th April 1975

No. 6/1975—Shri D. K. Roy, Chemical Assistant Grade I, Govt. Opium & Alkaloid Works, Ghazipur has been provisionally promoted to officiate as Assistant Chemical Examiner in the Custom House Laboratory, Calcutta with effect from the forenoon of 27th Feb., 1975 and until further orders.

V. S. RAMANATHAN,  
Chief Chemist, Central Revenues.

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL, BIHAR

Ranchi, the 3rd May 1975

No. OE-I-Audo-501—The Accountant General has been pleased to promote Shri Gaur Baran Sarkar, a substantive Section Officer of the local Audit Branch of his office to officiate until further orders as an Assistant Examiner in that office with effect from 30-4-75 (F.N.).

The 6th May 1975

No. OEI-Audo-PF-GHM-546—The Accountant General has been pleased to promote Shri Gour Hari Mandal, a substantive Section Officer of his office to officiate until further orders as an Accounts Officer in that office with effect from 17-3-75(F.N.).

B. P. SINHA,  
Sr. Dy. Accountant General (Admn.)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL,  
KARNATAKA

OFFICE ORDER

Bangalore, the 21st April 1975

No. ESI/A4/54.—Shri J. R. Sachidananda Bhatta, Officiating Accounts Officer of the Office of the Accountant General, Karnataka Bangalore is appointed in a



substantive capacity in the grade of Accounts Officer in the same office with effect from 20-2-1975.

D. H. VEERAAIAH,  
Accountant General

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL, J&K,  
SRINAGAR

Srinagar, the 23rd April 1975

No. Admn. I/60(73)75-76/298-99.—The Accountant General, J&K, has appointed Shri Abdul Ahad, a permanent Section Officer of this office to officiate as Accounts Officer with effect from the forenoon of 19th April, 1975, until further orders.

P. K. BOSE,  
Sr. Dy. Accountant General (A&E)

DEFENCE ACCOUNTS DEPARTMENT

OFFICE OF THE CONTROLLER GENERAL OF  
DEFENCE ACCOUNTS

New Delhi-22, the 26th April 1975

No. 18342/AN-II.—The President is pleased to appoint Shri R. Patnaik, an officer of the Indian Defence Accounts Service to Level I of the Senior Administrative grade (Rs. 2500-125/2-2750) in an officiating capacity during the period 25-12-1973 to 17-2-1974.

No. 68018(2)/71-AN-II.—The President is pleased to appoint the following officers of the Indian Defence Accounts Service to officiate in Level I of the Senior

Administrative Grade (Rs. 2500-125/2-2750) with effect from the dates shown against them, under 'Next Below Rule', until further orders.

*Name of the officer and Date from which appointed*

1. Shri G. C. Katoch—1-1-1973.
2. Shri J. B. Martin—1-1-1973.
3. Shri K. A. Lakshminarayanan—1-1-1973.
4. Shri B. L. Jain—1-1-1973.
5. Shri S. G. Dube—1-1-1973.
6. Shri T. R. S. Murthy—1-1-1973.
7. Shri R. S. Gupta—15-2-1973.
8. Shri V. S. Bhir—18-2-1974.

No. 18342/AN-II.—The President is pleased to appoint the following officers of the Indian Defence Accounts Service, to Level I of the Senior Administrative Grade (Rs. 2500-125/2-2750), in an officiating capacity with effect from the dates shown against them, until further orders.

*Name of the officer & Date from which appointed*

1. Shri J. P. Kacker—1-1-1973.
2. Shri V. G. Kamath—1-1-1973.
3. Shri C. P. Ramachandran—1-1-1973.
4. Shri Bahadur Murao—1-1-1973.
5. Shri B. M. Menon—1-1-1973.
6. Shri B. M. Prabhu—1-1-1973.
7. Shri N. V. Sekariah—1-1-1973.
8. Shri R. Venkataraman—15-2-1973.
9. Shri K. Ramamoorthy—6-4-1973.
10. Shri C. L. Chaudhry—1-10-1973.

New Delhi, the 1st May 1975

No. 40011(2)/74-AN-A.—The undermentioned Accounts Officers will be transferred to the pension establishment with effect from the date shown against each on their attaining the age of superannuation.

S. No.	Name with Roster number	Grade	Date from which transferred to pension establishment	Organisation
1.	S/Shri P.V. Ramamurthy (P/5)	Permanent Accounts Officer	30-6-1975 (AN)	Controller of Defence Accounts (Factories) Calcutta (on deputation to Ministry of Finance New Delhi).
2.	T.S. Natarajan (P/7)	Permanent Accounts Officer	31-7-1975 (AN)	Controller of Defence Accounts (Other Ranks) South, Madras.
3.	H.C. Kanwar (P/116)	Permanent Accounts Officer	30-6-1975 (AN)	Controller of Defence Accounts (Pensions) Allahabad.
4.	P.N. Malhotra (P/632)	Permanent Accounts Officer	30-6-1975 (AN)	Controller of Defence Accounts (Other Ranks) North, Meerut.
5.	D.L. Dutta (O/182)	Officiating Accounts Officer	30-6-1975 (AN)	Controller of Defence Accounts (Factories) Calcutta.
6.	R. Subramaniam (N.Y.A.)	Officiating Accounts Officer	30-6-1975 (AN)	Controller of Defence Accounts (Pensions) Allahabad.

The 12th May 1975

No. 23011(1)/66-AN-II.—The following IDAS officers have been confirmed in the Junior scale of Class I of the Indian Defence Accounts Service with effect from the dates noted against each :—

*Name & Date of confirmation*

1. Shri Jnan Prakash—2-12-1973.
2. Shri Gur Saroop Sheel—20-9-1973.
3. Shri M. G. Agarwal—20-9-1973.
4. Shri V. Sarangapani—13-10-1973.
5. Shri K. Jagannathan—20-9-1973.

6. Shri S. P. Khanna—20-9-1973.
7. Shri C. G. Ramanathan—25-10-1973.
8. Shri V. D. Narasimhan—1-11-1973.
9. Shri P. K. Veeraraghavan—4-10-1973.
10. Kum. Harjeet Kaur Sandhu—16-7-1974.
11. Kum. Bulbul Chhibber—16-7-1974.
12. Kum. Indu Tiwari—16-7-1974.
13. Shri Tarapada Mandal—16-7-1974.
14. Shri Prem Singh—16-7-1974.
15. Shri S. K. Mehta—25-10-1974.
16. Shri B. Narasimhan—25-10-1974.

No. 29014(3)/69/AN-II.—Consequent on his permanent absorption in the Fertilizer Corporation of India Limited in public interest with effect from 16-8-1974 (FN) Shri R. S. Gupta has relinquished his appointment in the Indian Defence Accounts Service. Accordingly, he has been struck off the strength of the Department from that date.

The 14th May 1975

No. 86016(13)/75-AN-II.—The President is pleased to appoint Shri Charanjit Lal of the Indian Defence Accounts Service to officiate in the Junior Administrative Grade (Rs. 1500-60-1800-100-2000) with effect from 31-3-1975 (FN), until further orders.

S. K. SUNDARAM,  
Addl. Controller General of Defence Accounts (AN)

#### MINISTRY OF DEFENCE

##### INDIAN ORDNANCE FACTORIES SERVICE DIRECTORATE GENERAL, ORDNANCE FACTORIES

Calcutta-16, the 8th April 1975

No. 15/75/G.—On attaining the age of superannuation, Shri J. G. Bellan, Offg. Deputy Manager (Subst. & Permt. Foreman) retired from service with effect from 28th Feb., 1975 (AN).

The 14th April 1975

No. 14/G/75.—On attaining the age of superannuation (58 years) the undermentioned officers retired from service with effect from the dates as shown against each :—

##### *Name and Designation and Date*

1. Shri A. N. Roy, Offg. Deputy General Manager (Permt. Manager)—28th Feb., 1975 (AN).
2. Shri R. C. Ghosh, Offg. Manager, (Permt. Deputy Manager)—28th Feb., 1975 (AN).

No. 16/75/G.—The President is pleased to grant extension of service beyond the age of 58 years to Shri T. K. Chakraborty, Offg. Asstt. Manager (Subst. & Permt. Foreman) for one year with effect from 1st Oct., 1974.

The 22nd April 1975

No. 17/75/G.—On attaining the age of superannuation (58 years) the undermentioned officers retired from service with effect from the dates shown against each :—

##### *Name and Designation and Date*

1. Shri M. M. Bose, Permanent T.S.O.—30th Apl. 1974 (AN).
2. Shri P. K. Roy Choudhuri, Offg. T.S.O. (Permt. Foreman)—31st Dec, 1974 (AN).
3. Shri M. S. Patra, Offg. T.S.O. (Permt. Foreman) 31st Jan., 1975 (AN).

No. 18/75/G.—On the expiry of extension of service granted for one year Shri A. S. Margabandhu, Offg. T.S.O. (Permt. Staff Assistant) retired from service w.e.f. 13th Oct., 1974 (AN).

No. 19/75/G.—On expiry of his leave preparatory to retirement Shri Ale Hasan, Offg. Officer supervisor (Permt. Supdt.) retired from service with effect from 31st Dec., 1974 (AN).

M. P. R. PILLAI,  
Assistant Director General,  
Ordnance Factories

#### MINISTRY OF LABOUR

Simla-171004, the 14th June 1975

No. 23/3/75-CPI.—The All-India Consumer Price Index Numbers for Industrial Workers on base 1960=100 increased by two points to reach 323 (Three hundred and twenty three) during the month of April, 1975. Converted to base 1949=100 the index for the month of April, 1975 works out to 393 (Three hundred and ninety three).

K. K. BHATIA,  
Director.

#### MINISTRY OF COMMERCE

##### OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS & EXPORTS

##### IMPORTS & EXPORT TRADE CONTROL

New Delhi, the 25th April 1975

(ESTABLISHMENT)

No. 6/1039/74-Admn (G)/2667.—The Chief Controller of Imports & Exports hereby appoints Shri S. H. R. Hashmi, Marketing Officer, Directorate of Marketing & Inspection, Ministry of Agriculture & Irrigation, Rajkot, as Controller Class-II (Non-CSS), in the Office of the Joint Chief Controller of Imports & Exports, Bombay in an officiating capacity with effect from the forenoon of 29th March, 1975 until further orders.

2. Shri S. H. R. Hashmi will draw pay according to rules in the scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200.

A. T. MUKHERJEE,  
Dy. Chief Controller of Imports & Exports  
for Chief Controller of Imports & Exports

New Delhi, the 25th April 1975

No. 6/1021/74-Admn (G)/2659.—On attaining the age of superannuation, Shri B. L. Sharma, a permanent Grade IV Officer of the CSS, relinquished charge of the post of Controller of Imports & Exports in this office on the afternoon of the 31st March, 1975.

The 28th April 1975

No. 6/518/58-Admn (G)/2700.—The President is pleased to appoint Shri S. P. Diwan, Dy. Chief Controller of Imports & Exports (Non-CSS) in the office of the Joint Chief Controller of Imports & Exports, Bombay, to officiate as Dy. Iron & Steel Controller in that office for a period of three months with effect from the forenoon of the 3rd April, 1975.

No. 6/88/54-Admn (G)/2740.—The President is pleased to appoint Shri J. Shankar, an officer officiating in the Selection Grade of the CSS as Joint Chief Controller of Imports & Exports, in the office of the Chief Controller of Imports & Exports, New Delhi with effect from 17-3-75 (forenoon), until further orders.

No. 6/823/67-Admn (G)/2748.—On voluntarily retirement, Smt. S. L. Kirpalani relinquished charge of the post of Controller of Imports & Exports in the office of Joint Chief Controller of Imports & Exports, Bombay on the afternoon of 28th February, 1975.

B. D. KUMAR,  
Chief Controller of Imports & Exports

DEPARTMENT OF EXPORT PRODUCTION  
KANDLA FREE TRADE ZONE ADMINISTRATION

Kutch, the 15th April 1975

No. FTZ/ADMN/7/2/74.—In view of the Notification No. A/12018/1/72-E. I dated the 2nd January, 1975 approving the revised Recruitment Rules for the post of Administrative Officer, Shri U. J. Bharmalani is hereby appointed as Administrative Officer, Kandla Free Trade Zone in the pay scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 with effect from 22nd March, 1975 until further orders.

N. VITTAL,  
Development Commissioner,  
Kandla Free Trade Zone.

OFFICE OF THE JOINT CHIEF CONTROLLER OF  
IMPORTS & EXPORTS

Madras, the 16th April 1975

ORDER

Sub :—Cancellation of Customs Purposes copy of licence No. P/L/2680391/C/XX/50/M/37-38/A. 129-3 dated 14-2-74 for Rs. 16,40,000/- issued by M/s. Bharat Heavy Electricals Ltd., High Pressure Boiler Plant, Tiruchirapalli-620014.

M/s. Bharat Heavy Electricals Ltd., High Pressure Boiler Plant, Tiruchirapalli-620014 were granted a licence No. P/L/2680391/C/XX/50/M/37-38/A. 129-3 dated 14-2-1974 for Rs. 16,40,000/- for import of Steel items and components.

The firm have approached this office with a request for issue of a duplicate copy of the Customs Purposes Copy of the above licence on the ground that the original Customs Purposes copy of the Said licence was lost/misplaced, without having been registered with any Customs authority and without having been utilised. They have also furnished an affidavit on a Stamped paper in support of their claim.

I am satisfied that the original Customs Purposes copy of the licence No. P/L/2680391/C/XX/50/M/37-38/A. 129-3 dated 14-2-1974 has been lost/misplaced and direct that the duplicate Customs Purposes Copy of the licence should be issued to the firm. The original Customs purposes copy of the licence stands cancelled.

(Issued from file No. Engg/3/DR. 12/UPC. II).

M. F. R. BIJLI,  
Dy. Chief Controller of Imports and Exports

MINISTRY OF FOREIGN TRADE  
OFFICE OF THE JOINT CHIEF CONTROLLER OF  
IMPORTS AND EXPORTS

Madras, the 18th April 1975

ORDERS FOR CANCELLATION

Sub :—Cancellation of Exchange Control copy of import licence No. P/E/0210218/C/XX/48/M/37-38 dated 30-7-1973.

No. JTC/Dup. Copy/10/AM. 75/E.I/22.—M/s. A. Yahya & Company, 16, Linghi Chetty, Street, Madras-1, (now doing the business at 27, Thambu Chetty Street, Madras-1) were issued a licence No. P/E/0210218/C/XX/48/N/37-38 dated 30-7-1973 for Rs. 1250/- (Rupees one thousand two hundred and fifty only) for the import of parts of Machinery etc. [S. No. 65(5)(iii) V] for the period April-March 1974.

The firm have applied for grant of duplicate copy of the Exchange Control copy of the above licence on the ground that the original has been lost/misplaced after having utilised fully for A.M. 74 filing an affidavit in support of their contention.

I am satisfied that the original copy of the Exchange Control copy of the licence has been misplaced and I direct that a duplicate copy of the Exchange Control Copy of the licence should be issued to the applicant firm. Covering the unutilised value of Rs. 1250/- for repeat operation for A.M. 75 period.

The original Exchange Control copy of the licence is hereby cancelled.

This is reported for your information.

Sub :—Cancellation of Customs copy of import licence No. P/E/0210629/C/XX/50/M/37-38 dated 12-2-1974 issued to M/s. Oceanic Agencies, Madras-18.

No. ITC/Dup. copy/77/AM./75/EL./19.—A licence No. P/E/0210629/C/XX/50/M/37-38 dated 12-2-1974 for Rs. 195530/- for import of Instruments, Apparatus etc. S. No. 92(n)/V for the period A.M. 1957 was granted by this office to M/s. Oceanic Agencies, 71, Mowbrays Road, First Floor, Room No. 1, Alwarpet, Madras-18.

The firm have applied for grant of duplicate copy of the Customs copy of the above licence on the ground that the original has been misplaced/lost and have filed an affidavit in support of their contention.

I am satisfied that the original copy of the Customs copy of the licence has been misplaced and I direct that a duplicate copy of the Customs copy of the licence should be issued to the applicant firm. The original of the Customs copy of the licence is hereby cancelled to the extent of its full value of Rs. 195530/-.

This is reported for your information.

M. F. R. BIJLI,  
Deputy Chief Controller of Imports & Exports  
for Joint Chief Controller of Imports & Exports

MINISTRY OF INDUSTRY & CIVIL SUPPLIES  
DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT  
OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER  
SMALL SCALE INDUSTRIES

New Delhi, the 9th April 1975

No. A-19018/16/75-Admn (G).—The Development Commissioner, (Small Scale Industries) is pleased to appoint Shri L. P. Gangawar, Quasi permanent Small Industry Promotion Officer (Industrial Management and Training), Small Industries Service Institute, Indore, to officiate as Assistant Director (Gr. II) (Industrial Management and Training), Small Industries Service Institute, Cuttack, until further orders.

Shri L. P. Gangawar assumed charge of the post of Assistant Director (Gr. II) (Industrial Management and Training) at Small Industries Service Institute, Cuttack, on the forenoon of 25th February, 1975.

K. V. NARAYANAN,  
Director (Admn.)

# DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES & DISPOSALS

(Administration Section A-1)

New Delhi, the 17th April 1975

No. A-1/1(1022).—The Director General of Supplies & Disposals hereby appoint Shri Subalendu Das, Junior Field Officer in the office of the Deputy Director General, Supplies & Disposals, Calcutta to officiate, on *ad-hoc* basis, as Assistant Director of Supplies (Gr. II) in the Dtc. General of Supplies & Disposals, New Delhi with effect from the forenoon of 22nd March, 1975 and until further orders.

The appointment of Shri Subalendu Das as Assistant, Director (Gr. II) is purely temporary and subject to the results of Civil writ petition No. 739/71 filed by Shri M. Kupperswamy in the High Court of Delhi.

The 6th May, 1975

No. A-1/1(455).—The President is pleased to appoint Shri T. A. Awatramani, Assistant Directorate (Grade I) (Grade III of the Indian Supply Service) in the office of the Director of Supplies & Disposals, Bombay to officiate on *ad-hoc* basis as Deputy Director of Supplies (Grade II of the Indian Supply Service) in the same office at Bombay with effect from the forenoon of 15th April, 1975 and until further orders.

The 26th April, 1975

No. A/17011(23)/75-A6.—The President has been pleased to appoint Shri Ashok Kumar Varma, a candidate nominated on the results of the Engineering Services Examination 1973 to officiate in the Engineering Branch of Grade III of the Indian Inspection Service (Class I) w.e.f. 3-3-75, until further orders.

Shri Varma, assumed charge of the post of Inspecting Officer (Engg) in the office of the Director of Inspection N.I. Circle, New Delhi from the forenoon of 3-3-75.

K. L. KOHLI, Dy. Director (Adm)

New Delhi-1, the 22nd April 1975

No. A-1/1(962).—The Director General of Supplies & Disposals hereby appoints Shri K. K. Halder to officiate as Assistant Director (Grade II) in the Directorate General of Supplies & Disposals, New Delhi with effect from the forenoon of 5th April, 1975 and until further orders.

The 26th April 1975

No. A-1/1(1023).—The Director General of Supplies & Disposals hereby appoints Shri D. P. Gaur, Junior Field Officer in the Directorate General of Supplies and Disposals, New Delhi to officiate on *ad-hoc* basis as Assistant Director of Supplies (Grade II) in the same Directorate General with effect from the forenoon of 26th March, 1975 and until further orders.

The appointment of Shri Gaur as Assistant Director (Grade II) is purely temporary and subject to the result of Civil Writ Petition No. 739/71 filed by Shri M. Kuppuswamy in the High Court of Delhi.

The 15th May 1975

No. A-1/1(960).—The Director General of Supplies & Disposals hereby appoints Shri Lakshmikanthan Lakshminarayan to officiate as Assistant Director (Grade II) in the Directorate General of Supplies & Disposals, New Delhi with effect from the forenoon of 15th April, 1975 and until further orders.

The 23rd April 1975

No. A-17011/88/75-A. 6.—The Director General of Supplies & Disposals hereby appoints Shri D. L. Talwar, Examiner of Stores (Engg.) in the office of the Director of Inspection, N. I. Circle New Delhi to officiate as Assistant Inspecting Officer (Engg.) in the same circle w.e.f. the forenoon of the 7-4-75, until further orders.

No. A-17011/89/75-A. 6.—The Director General of Supplies & Disposals hereby appoints Shri P. N. Mukherjee, Examiner of Stores (Tex.) in the Calcutta Inspection Circle to officiate as Assistant Inspecting Officer (Textiles) in the office of the Director of Inspection, Calcutta, w.e.f. the forenoon of the 17-3-75 until further orders.

The-1st May 1975

No. A-6/247(83)/IV.—Shri P. C. Kapur, permanent Director of Inspection and officiating Deputy Director General (Inspection) in Grade I, of the Indian Inspection Service, retired from Govt. service with effect from the afternoon of 28-2-75, on attaining the age of superannuation (58-years).

K. L. KOHLI,

Deputy Director (Administration)  
for Director General, Supplies & Disposals

## MINISTRY OF STEEL AND MINES (DEPARTMENT OF MINES) INDIAN BUREAU OF MINES

Nagpur, the 17th May 1975

No. A-19011(5)/70-Estt. A.—The President is pleased to appoint Dr. S. C. Singhal, Regional Controller of Mines, Indian Bureau of Mines to officiate as Controller of Mines in this department with effect from the forenoon of 3rd May, 1975 until further orders.

A. K. RAGHAVACHARY  
Sr. Administrative Officer  
for Controller

Nagpur, the 19th April 1975

No. A-19011(80)/70-Estt. A.—The President is pleased to appoint Shri Md. Anwar, Assistant Controller of Mines, Indian Bureau of Mines to officiate as Deputy Controller of Mines in the Indian Bureau of Mines with effect from the forenoon of 12th March, 1975 until further orders.

D. N. BHARGAVA  
Controller

## GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-13, the 2nd May 1975.

No. 2251(KKD)/19B-Shri K. K. Dey, Driller, Geological Survey of India died on the 28th February, 1975.

No. 40/59/C/19A.—Shri Sudhamey Chakraborty, Personal Assistant to the Director General, Geological Survey of India, is appointed on promotion as Assistant Administrative Officer in the Geological Survey of India on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/- on *ad hoc* basis with effect from the forenoon of 5th May, 1975, until further orders.

Calcutta-13, the 13th May 1975

No. 3000/B/40/59/C/19A.—The following Superintendents of the Geological Survey of India are appointed on promotion as Assistant Administrative Officers in the Geological Survey of India on pay according to rules in the scale of pay Rs. 650-30-740-35-810-E.B.-35-880-40-1000-E.B.-40-1200/- on ad hoc basis with effect from the dates shown against each, until further orders :—

Sl. No., Name and Date of appointment

1. Shri Santi Ranjan Bhattacharjee—3-5-1975(FN)
2. Shri S. N. Chowdhury—5-5-1975(FN)
3. Shri Tarapada Mukherjee—5-5-1975(FN)

C. KARUNAKARAN, Director General

Calcutta-12, the 12th May 1975

No. F.92-83/74-Estt./5699.—Shri Kypa Sudhakar, is hereby appointed as Assistant Zoologist (Gazetted : Class II), in a temporary capacity, in the Headquarters, Zoological Survey of India, Calcutta, with effect from 19th April, 1975 (forenoon), until further orders.

No. F.92-84/74-Estt./5721.—Dr. R. C. Subba Raju is hereby appointed as Assistant Zoologist (Gazetted Class II) in a temporary capacity in the High Altitude Zoology Field Station of the Zoological Survey of India, Solan, with effect from 9th April, 1975 (forenoon), until further orders.

Dr. S. KEHRA, Deputy Director-in-charge,  
Zoological Survey of India.

#### SURVEY OF INDIA SURVEYOR GENERAL'S OFFICE

Dehra Dun, the 28th April 1975

Notice of termination of service issued under rule 5(1) of the Central Civil Service (Temporary Service) Rules, 1965.

No. FI-4955/PF(M.I.HAQUE).—In pursuance of sub-rule (1) of rule 5 of the Central Civil Service (Temporary Service) Rules, 1965 Shri Mohd. Imtiazul Haque, Officer Surveyor who has failed to acknowledge receipt of the notice dated 10-10-72 is hereby given the notice that his service shall stand terminated with effect from the date of expiry of a period of one month from the date on which this notice is published in the official Gazette.

HARI NARAIN, Surveyor General.

#### ANTHROPOLOGICAL SURVEY OF INDIA INDIAN MUSEUM

Calcutta-13, the 25th March 1975

No. 4-104/74/Estt.—The Director, Anthropological Survey of India, is pleased to appoint Shri Jogeshwar Mahanta to the post of Assistant Psychologist at Headquarters of this Survey, Calcutta, on a temporary basis, with effect from the forenoon of 15th March, 1975, until further orders.

No. 4-105/74/Estt.—The Director, Anthropological Survey of India, is pleased to appoint Shri Ashim Kumar Adhikary to a post of Assistant Anthropologist (Cultural) at headquarters of this Survey, Calcutta, on a temporary basis, with effect from the forenoon of 18-3-75, until further orders.

The 4th April, 1975

No. 4-111/75/Estt.—The Director, Anthropological Survey of India, is pleased to appoint Shri Vikas Bhatt to a post of Assistant Keeper at Zonal Anthropological Museum of this Survey at Jagdalpur, Dist. Bastar, on a temporary basis, with effect from the forenoon of 12th March, 1975, until further orders.

The 5th April 1975

No. 4-101/74/Estt.—The Director, Anthropological Survey of India is pleased to appoint Shri Rajendra Sarkar in the post of Assistant Anthropologist (Cultural) at North Western Station of this Survey, Dehra Dun, on a temporary basis, with  
22—106GI/75

effect from the forenoon of 24th March, 1975, until further orders.

C. T. THOMAS, Senior Admn. Officer.

#### NATIONAL ARCHIVES OF INDIA

New Delhi-1, the 12th May 1975

No. F.11-2/74-A.1.—The Director of Archives, Government of India, hereby appoints Shri Om Prakash Bhugra, Asstt. Microphotographer Gr. I to officiate as Microphotographer on ad-hoc basis, with effect from the forenoon of the 28th April, 1975 until further orders.

No. F.11-3/74-A.1.—The Director of Archives, Government of India, hereby appoints Shri Rajinder Prasad Assistant Chemist Gr. I to officiate as Scientific Officer on ad-hoc basis, with effect from forenoon of the 2nd May, 1975 until further orders.

Sd./- ILLEGIBLE

National Archives of India,  
for Director of Archives,

#### DEPARTMENT OF EXPLOSIVES

Nagpur, the 16th April 1975

No. E.11(7).—In this Department's Notification No. E.11(7) dated the 11th July, 1969, under Class 2—NITRATE MIXTURE, in the entry "AQUADYNE—II", for the figures "1975", the figures "1976" shall be substituted.

I. N. MURTY, Chief Controller  
of Explosives.

#### DIRECTORATE GENERAL : ALL INDIA RADIO

New Delhi, the 19th April 1975

No. 4/84/75-SI.—The Director General All India Radio hereby appoints Shri A. R. Hardikar as Programme Executive, All India Radio, Poona in a temporary capacity with effect from the 31st March, 1975 and until further orders.

No. 4/27/75-SI.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri Perseus D. Shira as Programme Executive, All India Radio, Shillong in a temporary capacity with effect from the afternoon of 29th March, 1975 and until further orders.

No. 4/73/75-SI.—The Director General, All India Radio hereby appoints Smt. Vijya M. Joglekar as Programme Executive, TV Centre, All India Radio, Bombay in a temporary capacity with effect from the 19th March, 1975 and until further orders.

No. 5/117/67-SI.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri Y. P. Singh, Transmission Executive, as Programme Executive, TV Centre, All India Radio, New Delhi in a temporary capacity with effect from the 12th March, 1975 and until further orders.

No. 4/35/75-SI.—The Director General, All India Radio hereby appoints Smt. Vijya Lakshmi Sinha as Programme Executive, All India Radio, Patna in a temporary capacity with effect from the 21st March, 1975 and until further orders.

No. 5/16/67-SI.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri M. K. Sarvade, Transmission Executive, All India Radio, Poona as Programme executive at the same Station in a temporary capacity with effect from the 27th March, 1975 and until further orders.

No. 4/18/64-SI.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri T. Ganesan, Transmission Executive, All India Radio, Tiruchirappalli as Programme Executive at the same Station in a temporary capacity with effect from the 15th March, 1975 and until further orders.

No. 4/24/75-SI.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri M. C. Shah as Programme Executive, All

India Radio, Rajkot in a temporary capacity with effect from the 22nd March, 1975 and until further orders.

No. 5/42/70-SI.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri S. A. Hungund, Transmission Executive, All India Radio, Dharwar as Programme Executive, All India Radio, Dharwar in a temporary capacity with effect from the 24th March, 1975 and until further orders.

The 28th April 1975

No. 4(16)/75-SI.—The Director General, All India Radio hereby appoints Smt. K. Thulasi, as Programme Executive, All India Radio, Madras in a temporary capacity with effect from the 4th April, 1975 and until further orders.

No. 4(123)/75-SI.—The Director General, All India Radio, hereby appoints Shri Naba Sharma as Programme Executive, All India Radio, Gauhati in a temporary capacity with effect from the 5th April, 1975 and until further orders.

No. 4(75)/75-SI.—The Director, All India Radio hereby appoints Shri V. D. Antani as Programme Executive, All India Radio, Bhuj in a temporary capacity with effect from the 9th April, 1975 and until further orders.

No. 4(36)/75-SI.—The Director General, All India Radio hereby appoints Dr. Udai Bhan Mishra as Programme Executive, All India Radio, New Delhi in a temporary capacity with effect from the 2nd April, 1975 and until further orders.

No. 4(48)/75-SI.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri G. S. Srikrishnan as Programme Executive, All India Radio, Tirunelveli in a temporary capacity with effect from the 5th April, 1975 and until further orders.

No. 4(58)/75-SI.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri V. K. Godkhindi as Programme Executive, All India Radio, Hyderabad in a temporary capacity with effect from the 31st March, 1975 and until further orders.

No. 5(75)/61-SI.—On the expiry of Leave Preparatory to Retirement granted to him from 1-1-1975 to 30-4-1975, Shri A. H. Buig, Programme Executive, Radio Kashmir, Srinagar will retire from service with effect from the afternoon of 30th April, 1975.

No. 4(116)/75-SI.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri Inder Raj Baid as Programme Executive, Commercial Broadcasting Service, All India Radio, Jaipur in a temporary capacity with effect from the 7th April, 1975 and until further orders.

No. 4(122)/75-SI.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri Makhon Chandra Rajkhowa as Programme Executive, All India Radio, Gauhati in a temporary capacity with effect from the 5th April, 1975 and until further orders.

No. 4(11)/75-SI.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri M. H. Khan as Programme Executive, All India Radio, Gulberga in a temporary capacity with effect from the 31st March, 1975 and until further orders.

No. 5(150)/67-SI.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri M. Sasitharan, Transmission Executive, All India Radio, Calicut as Programme Executive, All India Radio, Tirunelveli in a temporary capacity with effect from the 3rd April, 1975 and until further orders.

No. 4(92)/75-SI.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri Srikanta Das as Programme Executive, All India Radio, Sambalpur in a temporary capacity with effect from the 2nd April, 1975 and until further orders.

No. 4(66)/75-SI.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri Kartikeswar Naik as Programme Executive, All India Radio, Cuttack in a temporary capacity with effect from the 31st March, 1975 and until further orders.

No. 4(111)/75-SI.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri Athos Fernandes, Clerk Grade-I, All India Radio, Panaji as Programme Executive at the same Station in a temporary capacity with effect from the 1st April, 1975 and until further orders.

The 12th May 1975

No. A-30014(23)-74-SVI.—The Director General, All India Radio, hereby appoints Shri S. S. Panke, Farm Radio Officer

AIR, Poona in a quasi-permanent capacity in the post of Farm Radio Officer with effect from 23-2-74.

SHANTI LAL  
Deputy Director of Administration  
for Director General

New Delhi, the 9th May 1975

No. 2/39/60-SII.—Director General, All India Radio, is pleased to appoint Shri N. N. Ghosh, Head Clerk, All India Radio, Calcutta to officiate as Administrative Officer, All India Radio, Ranchi on ad-hoc basis with effect from 19-4-75. (I.N.)

The 13th May 1975

No. 2/23/61-SII.—Shri Mohd. Yousuf, Administrative Officer, All India Radio, Hyderabad retired from service w.e.f. afternoon of 30-4-75, on attaining the age of superannuation.

I. S. PANDHI  
Section Officer,  
for Director General.

#### (CIVIL CONSTRUCTION WING)

New Delhi-1, the 3rd May 1975

No. A-12023/2/74-CWI/1295.—The Director General, All India Radio is pleased to appoint Shri S. K. Das, as Assistant Engineer (Civil) in the Civil Construction Wing of All India Radio with effect from 10-3-1975 (A.N.) and to post him as Assistant Engineer (Civil) in the Sub-Divisional Office at Calcutta, under the Divisional Office, Calcutta until further orders.

Sd./- ILLEGIBLE  
Engineer Officer to C.E. (Civil)  
for Director General

#### MINISTRY OF INFORMATION & BROADCASTING PRESS INFORMATION BUREAU

New Delhi-1, the 7th May 1975

No. A. 12026/3/74-Est.—Principal Information Officer hereby appoints Shri S. N. Tripathi, a permanent Grade IV Officer of the Central Secretariat Service Cadre of the Ministry of Information & Broadcasting and working in the office of Registrar of Newspapers for India, New Delhi as Administrative Officer in the Press Information Bureau's office at Calcutta on deputation basis with effect from the forenoon of April 22, 1975, until further orders.

M. M. SHARMA, Asstt. Principal Information  
Officer for Principal Information Officer

#### DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 28th April 1975

No. 38-12/74-CHS.I.—Consequent on his transfer, Dr. S. D. Vohra, an officer of the GDO Grade I of the Central Health Service relinquished charge of the post of Deputy Assistant Director (Public Health) in the Central Health Education Bureau, Directorate General of Health Service, New Delhi, on the forenoon of the 20th March, 1975, and assumed charge of the post of Port Health Officer in the Port Health Organisation, Calcutta, on the forenoon of the 29th March, 1975.

R. N. TEWARI, Dy. Dir. Admn. (CHS)

New Delhi, the 18th April 1975

No. 36-10/73-Admn.I.—Consequent on reversion, Shri R. K. Suri relinquished charge of the post of Administrative Officer, Willingdon Hospital, New Delhi, on the afternoon of the 26th March 1975 and resumed charge of the post of Section Officer in the Directorate General of Health Services from the same date.

The 25th March 1975

No. 9-5/75-Admn.I.—The Director of Administration and Vigilance in the Directorate General of Health Services is pleased to accept the resignation from service of Kumari Manjeet Kaur, Clinical Instructor, College of Nursing, New Delhi, with effect from the afternoon of the 10th March, 1975.

The 29th April 1975

No. 12-1/75-Admn.I.—On his transfer to the Ministry of Steel and Mines (Department of Steel), Shri R. Chakravarthi relinquished charge of the post of Section Officer in this Directorate on the forenoon of the 10th April, 1975.

No. 9-3/74-Admn.I.—The Director of Administration & Vigilance, Directorate General of Health Services is pleased to appoint Kumari Leelamma Abraham to the post of Clinical Instructor at the Rajkumari Amrit Kaur College of Nursing, New Delhi with effect from the 16th February, 1975 in a temporary capacity and until further orders.

The 1st May 1975

No. 26-2/70-Admn.I.—Consequent on his appointment to the post of Scientist in the Indian Council of Medical Research, Dr. S. J. Rahman, relinquished charge of the post of Research Officer at the National Institute of Communicable Diseases, Delhi on the afternoon of 31st October, 1974.

The 6th May 1975

No. 17-26/74-Admn.I.—The President is pleased to appoint Dr. P. Das Gupta in a substantive capacity to the permanent post of Pharmacologist in the Directorate General of Health Services with effect from the 28th August, 1973.

The 9th May 1975

No. 17-40/73-Admn.I.—Consequent on his appointment to the post of Deputy Assistant Director General (Medical Stores), Hyderabad, Shri M. Ravikant relinquished charge of the post of Assistant Secretary (Indian Pharmacopoeia Committee) in the Directorate General of Health Services on the afternoon of the 9th April, 1975.

The 16th May 1975

No. 27-5/73-Admn.I.—The President is pleased to appoint Dr. S. P. Roychoudhury in a substantive capacity to the post of Deputy Assistant Director (Chemist) at the National Institute of Communicable Diseases, Delhi with effect from the forenoon of 22nd March, 1972.

No. 10-7/74-Admn.I.—The Director General Health Services is pleased to appoint Shri Asit Ranjan Sen to the post of Technical Officer (Lecturer) (Class II Gazetted) in the Central Food Laboratory, Calcutta, on a temporary basis, with effect from the forenoon of the 10th March, 1975, and until further orders.

The 19th May 1975

No. 17-14/75-Admn.I.—The President is pleased to appoint Shri D. S. Chadha to the post of A.D.G. (P.F.A.) in the Directorate General of Health Services, on an *ad-hoc* basis with effect from the forenoon of the 25th April, 1975 and until further orders.

2. Consequent upon his appointment to the post of Assistant Director General (P.F.A.), Shri D. S. Chadha relinquished charge of the post of Dy. Assistant Director General (P.F.A.) in the Directorate General of Health Services on the afternoon of the 24th April, 1975.

S. P. JINDAL, Dy. Dir. Admn. (O&M)

New Delhi, the 5th May 1975

No. 9-17/75-CHEB.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Shri V. P. Srivastava, Investigator, Central Health Education Bureau, New Delhi, to the post of Research Officer, in the same Bureau with effect from the forenoon of the 1st April, 1975 on an officiating basis, in the leave vacancy of Shri Y. P. Gupta on leave upto the 17th May 1975.

S. L. KUTHIALA, Dy. Dir. Admn.

New Delhi, the 30th April 1975

No. 21-2/73-SI(Pt).—Shri K. P. B. Pisharoty, permanent Factory Manager and officiating D.A.D.G. (MS), in the Medical Store Organisation retired from Govt. service in the afternoon of 31st January, 1974.

This supersedes Directorate's notification No. 21-2/73-SI dated 17-4-74.

The 2nd May 1975

No. 16-2/75-SI.—On retirement from Government Service, Shri Sadhu Ram Sharma, Depot Manager in the Medical Stores Organisation relinquished charge of his post with effect from the afternoon of 31st March, 1975.

The 6th May 1975

No. 16-9/75-SI.—Consequent on the acceptance of his resignation Dr. Ashit Ranjan Roy, Asstt. Director (Pharmacology), Biological Laboratory and Animal House, Govt.

Medical Store Depot, Madras relinquished the charge of his post in the afternoon of 31st March, 1975.

SANGAT SINGH, Dy Dir. Admn.

New Delhi, the 23rd April 1975

No. 24/6(1)/75-CGHSL.—Consequent on the U.P.S.C. nominee, Dr. Mohd. Quduratulla joining the Central Govt. Health Scheme at Kanpur as G.D.O. Gr. II of the Central Health Service, on the forenoon of the 18th Feb., 1975, the services of Dr. Ramesh Ahuja, Junior Medical Officer (*Ad-hoc*) (under suspension) stand terminated in terms of conditions of his *Ad-hoc* appointment.

K. VENUGOPAL  
Deputy Dir. Admn. (CGHS)  
for Director General of Health Services.

#### MINISTRY OF AGRICULTURE & IRRIGATION (DEPARTMENT OF AGRICULTURE) DIRECTORATE OF EXTENSION

New Delhi-1, the 7th May 1975

No. F.5(7)/68-Estt.(1).—On reversion from the State Farms Corporation of India, Shri K. P. Srinivasan permanent superintendent (Gr.I) of the Directorate of Extension, has assumed charge of the post of Superintendent (Gr. I) in this Directorate w.e.f. the forenoon of the 1st May, 1975.

P. K. MUKHERJI, Dir. of Admn.

#### (DEPARTMENT OF RURAL DEVELOPMENT) DIRECTORATE OF MARKETING AND INSPECTION

Nagpur, the 18th April 1975

No. F.2/8/75-DN.II.—For the purpose of the Government of India, Ministry of Finance (Department of Revenue), Ministry of Foreign Trade and Ministry of Commerce, notifications No. 125, 126, 127 Date 15-9-1962, No. 1131, 1132 Date 7-8-1965, No. 2907 Date 5-3-1971, No. 3601-A, 3601-B, 3601-C- Date 1-10-1971 and No. 3099, Date 3-11-1973, and published in the Gazette of India, I hereby authorise Shri B. S. Bhardway, Assistant Marketing Officer, to issue Certificate of Grading from the date of issue of this notification in respect of Black Pepper, Chillies, Cardamom, Ginger, Turmeric, Coriander, Fennel Seed, Fenugreek Seed, Celery Seed and Cumin Seed, which have been graded in accordance with the provisions of the grading & Marketing Rules of the respective commodities and formulated under Section 3 of the Agricultural Produce (Grading and Marketing) Act, 1937, (1 of 1937).

The 25th April 1975

No. F.4-6(2)/74-A.I.—Shri K. Subramaniam, Assistant Marketing Officer, Group I, Nagapattinam is appointed to officiate as Marketing Officer, Group I on *ad-hoc* basis in the sub-office of this Directorate at Tuticorin with effect from 27-12-74 (A.N.) until further orders.

The 15th May 1975

No. F.4-6(16)/74-A.I.—On the recommendations of the Union Public Service Commission Shri Kanwar Singh Nishal has been appointed to officiate as Assistant Marketing Officer, Group II in the Directorate of Marketing and Inspection at New Delhi with effect from 12-7-74 (F.N.), until further orders.

N. K. MURALIDHARA RAO, Agricultural Marketing Adviser

#### NATIONAL SUGAR INSTITUTE DEPARTMENT OF FOOD Kanpur, the 22nd April 1975

No. Estt.19(6)579.—Shri R. P. Shukla, Research Assistant at the National Sugar Institute, Kanpur is appointed to officiate as Junior Scientific Officer (Physical Chemistry) on *ad-hoc* basis with effect from the forenoon of 7-4-1975 till further orders. Shri Shukla will draw the initial salary of the pay scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200.

N. A. RAMAIAH, Director.

## FORM ITNS

(1) Smt. Batchu Naga Mallikamba,  
W/o Surya Prakasa Rao,  
Guntur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-  
MISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE  
KAKINADA

Kakinada, the 11th April 1975

Acq. File No. 192/74-75/J. N. I(420)/74-75.—Whereas, I, K. Subba Rao, being the competent authority under Section 269B of the Income-Tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 12-25-33 situated at Guntur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Guntur on 15-9-74 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the 'Said Act' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of section 269D of the 'Said Act' to the following persons namely :—

S/Shri

- (1) 1. M. Deenadayal,
2. M. Parthasarathi Naidu,
3. Krishna Murthy Naidu,
4. M. Purshottam Naidu,
5. M. Gopal Rao Naidu, and
6. Smt. M. Laxmi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as and defined in Chapter XXA of the 'Said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

The schedule property as mentioned in the sale deed dated 12th September, 1974 vide Document No. 4676 dated 12-9-74 registered before the Sub-Registrar, Guntur.

K. SUBBA RAO

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range,

KAKINADA

Date : 11-4-1975

Seal :



## FORM ITNS—

(1) Shri Podipireddi Venkatanarayana Lalimireddy-  
vari Street, Innispeta, Rajahmundry-2.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-  
MISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE  
KAKINADA

Kakinada, the 11th April 1975

Acq. File No. 190/74-75/J, No. I(367)/EG/74-75.—Where-  
as, I, K. Subba Rao.

being the competent authority under section 269B  
of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter  
referred to as the 'said Act'), have reason to believe that  
the immovable property having a fair market value ex-  
ceeding Rs. 25,000/- and bearing  
No. 2-40-27 situated at Alcot Gaydens, Main Road, Rly.  
(and more fully described in the Schedule  
annexed hereto), has been transferred  
under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the  
office of the Registering Office at  
Rajahmundry on 15-9-74

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen percent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for the  
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11  
of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957  
(27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section  
(1) of section 269D of the said Act to the following persons,  
namely :—

- (2) 1. Sri Umedraj  
2. Shri Tejoraj,  
3. Shri Kanakraj,  
8-2-21, Nalam Bhimaraju Street,  
Rajahmundry.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45  
days from the date of publication of this notice in the  
Official Gazette or a period of 30 days from the  
service of notice on the respective persons, which-  
ever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are  
defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

## THE SCHEDULE

The property as stated in the form No. 37G vide docu-  
ment No. 3673/74 dated 4-9-74 registered before the Sub-  
Registrar, Rajahmundry.

K. SUBBA RAO

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range,

Kakinada

Date : 11-4-75

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE  
KAKINADA

Kakinada, the 11th April 1975

Acq. File No. 193/74-75/J. No. I(337)/74-75.—Whereas, I K. Subba Rao, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing Door No. 14-1-8 situated at Eluru Canal Road, 14th Ward, Nidadavole (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nidadavole on 30-9-74 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Smt. Gokavarapu Sesharatnam, Palakol,  
W/o Sundareswara Rao.

(Transferor)

(2) Smt. Vendra Parvatamma,  
W/o Nagabhushanam,  
Nidadavole, Kovvur Taluk.

(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

The schedule property as shown in form No. 37G vide document No. 2029 dated 20-9-74 Registered before the sub-Registrar, Nidadavole.

K. SUBBA RAO  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Kakinada

Date : 11-4-1975  
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri P. Narayanamurthy, Anakapally.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) P. China Chidambara Swamy,  
Visakhapatnam.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-  
MISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
KAKINADA

Kakinada, the 9th April 1975

Acq. File No. 189/74-75/J. No. I(119)/74-75.—Whereas, I,  
K. Subba Rao,

being the competent authority under section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to  
as the 'said Act', have reason to believe  
that the immovable property, having a fair market value  
exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 26-14-372 situated at Woodyard Street, Visakhapatnam  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the office of the Registering Officer at  
Visakhapatnam on 15-9-74,

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said act or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the  
said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of  
the aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of the section 269D of the said Act, to the fol-  
lowing persons namely,—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons which-  
ever period expires later;

(b) by any other person interested in the said  
immovable property within 45 days from the  
date of the publication of this notice in the  
Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used  
herein as are defined in Chapter XXA of  
the said Act shall have the same meaning as  
given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

As per the schedule mentioned in Sale deed dated 6th Sep-  
tember, 1974 vide document No. 4283 dated 6-9-74 registered  
before the Sub-Registrar, Visakhapatnam.

K. SUBBA RAO  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Kakinada

Date : 9-4-1975  
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE  
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,  
AMRITSAR

Amritsar, the 15th May 1975

Ref No Phg /73/75-76—Whereas, I, V. R SAGAR being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot of land, situated at G T Road, Phagwara (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Phagwara in September 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act', or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this Notice under sub section (1) of section 269D of the 'Said Act' to the following persons, namely :—

(2) Shri Balwant Singh s/o Shri Bhagat Singh r/o Village Palahi Phagwara District Kapuithala.

(3) As at S. No 2 above (Person in occupation of the property)

(4) Any person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land as mentioned in the Registered Deed No, 1239 of September, 1974 of the Registering Authority, Phagwara

V. R SAGAR,

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income tax,  
Acquisition Range, Amritsar.

(1) Shri Telu Ram s/o Shri Ram Dass Mal, Singla Market G T Road, Phagwara (Near Paradise Cinema)

Date 15-5-75.

Seal :

## FORM ITNS—

(2) Shri Varinder Mohan Seth s/o Lachhman Dass,  
Hall Bazar, Amritsar.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(3) S/Shri Vishwa Mitter Sukhdev Singh, Shadi Lal,  
Parshotam Das Smt. Surinder Puri & any other ten-  
ant occupying the property.

(Person in occupation of the property).

## GOVERNMENT OF INDIA

(4) Any person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows  
to be interested in the property).OFFICE OF THE INSPECTING ASSIST. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSARObjections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

Amritsar, the 15th May 1975

Ref. No. ASR/74/75-76.—Whereas, I, V. R. SAGAR being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Property, situated at Hall Bazar Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amritsar in September 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Budh Singh s/o Shri Karam Singh r/o Ram Gali, Chowk Passian, Amritsar.

(Transferor)

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

1/3rd share in property No. 526, 527, 474 & 475 & 58 to 61/1—1 Hall Bazar, Amritsar as mentioned in the Registered Deed No 2067 of September, 1974 of the Registering Authority, Amritsar.

V. R. SAGAR,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-Tax, Acquisition Range, Amritsar.

Date 15-5-75.

Seal :

FORM ITNS—

(2) M/s Gopi Chand Textile Mills Ltd, Sirsa, through  
Shri Gurbax Singh, Agent Mills  
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH

Chandigarh, the 17th May 1975

Ref No SRS/30/74 75 —Whereas, I, G. P. Singh, being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing Land, situated at Village Kherpur, Tehsil Sirsa (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sirsa in September, 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely,—

- (1) Shri Nirmal Singh, s/o Shri Harnam Singh Village Kherpur, Tehsil Sirsa

(Transferor)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

## THE SCHEDULE

Land, measuring 14 Kanals 9 marlas, situated in Village Kherpur, Tehsil Sirsa			
Khasra Nos	64	71	72
	21	22/2	5/1
	21	22/2	5/1
	(5—7)	(0—4)	(4—9)

(Property as mentioned in the Registered Deed No 3040 of September, 1974 of the Registering Officer Sirsa)

G. P. SINGH,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner  
of Income-tax, Acquisition  
Range, Chandigarh.

Date 17-5-1975

Seal.

FORM I.T.N.S.—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH

Chandigarh, the 17th May 1975

Ref. No. SRS/31/74-75.—Whereas, I, G. P. SINGH, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Land, situated at Village Kherpur, Tehsil Sirsa, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sirsa in September, 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Nirmal Singh, s/o Shri Harnam Singh, Village Kherpur, Tehsil Sirsa. (Transferor)

(2) M/s Gopi Chand Textile Mills Ltd; Sirsa, through Shri Gurbax Singh, Agent Mills. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land, measuring 15 kanals 9 mailas, situated in Village Kherpur, Tehsil Sirsa.

Khasia Nos.  $\frac{16}{(1-18)}$   $\frac{2}{(5-2)}$   $\frac{65}{(7-11)}$   $\frac{593}{(0-18)}$

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 3045 of September 1974 of the Registering Officer, Sirsa.)

G. P. SINGH,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Chandigarh.

Date : 17-5-1975.  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Vishambardayal S/o Laxminarayan,  
R/o Village Eklod, Pargana, Vikrampur,  
Distt. Morena.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Pushpadevi W/o Sureshchand,  
Keshao Colony of Morena.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
BHOPAL

Bhopal, the 15th May 1975

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/...—Whereas, J. V. K. SINHA, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agricultural land of 30.53 Acres at Village Shahpur Khurd, Pargana Vikrampur, Distt. Morena situated at Morena, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Morena on 30-9-1974 for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Agricultural land of 30.53 Acres at Village Shahpur, Khurd, Pargana Vikrampur, Distt. Morena.

V. K. SINHA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner  
of Income-Tax,  
Acquisition Range,  
Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons namely :—

Date : 15-5-1975.

Seal :



## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
BHOPAL

Bhopal, the 15th May 1975

Ref. No. IAC/Acq/BPL/75-76.—Whereas, J. V. K. SINHA being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land situated at Rasulpura at Bombay Agra Road, Dewas situated at Dewas, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dewas on 4-9-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) (i) Smt. Keshar Bai Wd/o Shri Sawant,  
(ii) Smt. Deo Bai W/o Jangannath,  
(iii) Smt. Ramkunwar Bai W/o Shri Ramchand,  
(iv) Shri Mukund S/o Shri Muna,  
(v) Shri Ramchand S/o Shri Munnaji,  
All R/o Pal Nagar, Dewas.

(Transferor)

- (2) Smt. Shantibai W/o Shri Vinendra Singh Bhandari,  
1-Yeshwant Niwas Road, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land situated at Rasulpura at Bombay Agra Road, Dewas.

V. K. SINHA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner  
of Income-Tax,  
Acquisition Range,  
Bhopal.

Date : 15-5-1975.

Seal :

## FORM ITNS

- (1) Shri Ramphal S/o Late Shri Badhuprasadji Gwal,  
55/5 Vallab Nagar, Indore.  
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
BHOPAL.

- (2) Shri Maniklal S/o Amritlal Oza,  
R/o 1, South Yeshwantganj, Indore.  
2. Mr. Chandrakant S/o Martand Nimgaonkar,  
R/o 19, Pant Vaidya Colony, Indore.  
3. Mr. Vilas S/o Pandharinath Dixit,  
R/o 18, Jati Colony, Indore.  
4. Mr. Sumersingh S/o Jorawarsingh Dagtia,  
R/o 5, Shastri Colony, Indore.  
5. Mr. Vimalchand S/o Guljarilal Jain,  
R/o 8, Shastri Colony, Indore, and  
6. Mr. Mamnarayan S/o Pannalal Norgude,  
R/o 27, Kagdipura, Indore.  
(Transferee)

Bhopal, the 15th May 1975

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

Ref. No. IAC/Acq/BPL/75-76.—Whereas, I. V. K. SINHA, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Open piece of land situated at 7, M.G. Road, Indore situated at Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Indore on 7-9-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

## THE SCHEDULE

Open piece of land situated at 7 M.G. Road, Indore.

V. K. SINHA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner  
of Income-Tax,  
Acquisition Range,  
Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 15-5-1975.  
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
BHOPAL.

Bhopal, the 11th April 1975

Ref. No. IAC/Acq/BPL/75-76.—Whereas, I, M.F. Munshi, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. . . .  
Plot and Ruce Mill Superstructure (excluding mill machinery) at Mill para area, Durg, situated at Durg (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering officer at Durg on 11-9-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Shri Raghunandan Prasad S/o Shivdayal Agrawal, Through Mukhtiyar—Shri Rajkumar Hariram Agrawal, C/o Bhagwati Rice Mills, Durg. (Transferor)
- (2) Shri Nandkishore S/o Manakchand Khandelwal, R/o Sadar Bazar, Near Bata Shop, Durg, C/o Adarsha Rice Mills, Ganj Para, Mill Para, Durg. (Transferee)

Objections, if any, in the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot and Ruce mill superstructure (excluding mill Machinery) at Mill para area, Durg.

M. F. MUNSHI,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner  
of Income-Tax,  
Competent Authority,  
Bhopal.

Date : 11-4-1975.  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION  
RANGE-II, CENTRAL REVENUE BUILDING, 3RD  
FLOOR, NEW DELHI

New Delhi, the 16th May 1975

Ref. No. IAC/Acq.II/833/75-76/599.—Whereas, I, C. V. Gupta, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. E-65 situated at Bali Nagar, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 27-1-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Surjit Singh S/o S. Gurbachan Singh,  
r/o House No. 3607, Street No. 11, Rehgarhpura,  
Karol Bagh, New Delhi-5.

(Transferor)

(2) Shri Harbans Lal Bhambhani  
S/o Shri Narain Dass Bhambhani,  
R/o F-46, Bali Nagar, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Free hold plot No. 56 measuring 250 sq. yds situated in the area of Village Bassai Darapur abadi of Bali Nagar E-Block an approved colony on Najafgarh Road, New Delhi & bounded as under :—

North : Road 30' wide  
East : Plot No. E-55  
South : Lane 15' wide  
West : Road 30' wide

C. V. GUPTA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant  
Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date : 16-5-1975

Seal:

FORM I.T.N.S.———

(2) Shri Narinder Kumar s/o Shri Dewan Chand,  
r/o I-80, Kirti Nagar, New Delhi.

(Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION  
RANGE-II, 4-A/14, ASAF ALI ROAD, 3RD FLOOR  
NEW DELHI

New Delhi, the 16th May 1975

Ref. No. IAC/Acq.II/834/75-76/599.—Whereas, I,  
C. V. Gupta,  
being the competent authority under Section 269B of the  
Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act', have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearing No.  
No. 1/2 share of H/87 situated at Kirti Nagar, New Delhi  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred as per deed registered under the  
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the regis-  
tering Officer at  
Delhi on 31-1-1975  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated  
in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of  
the transferor to pay tax under the said Act,  
in respect of any income arising from the transfer;  
and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax,  
Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section  
(1) of section 269D of the said Act to the following persons,  
namely :—

- (1) Shri Rajinder Kumar S/o Shri Lal Chand,  
r/o 8/41, Ramesh Nagar, New Delhi.

(Transferor)

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons which-  
ever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said  
immovable property within 45 days from the  
date of the publication of this notice in the  
Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used  
herein as are defined in Chapter  
XXA of the said Act, shall have the  
same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

½ portion of free-hold land bearing Plot No. 87 in Block  
H (H/87) measuring 1/2 of 200 sq. yds situated in the  
approved colony known as Kirti Nagar, area of village Bassai  
Darpur, Delhi State Delhi, Delhi, & bounded as under :—

North : House No. Plot No. H/88

East : Road

South : House on Plot No. H/86

West : Service Lane

C. V. GUPTA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant  
Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date : 16-5-1975

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION  
RANGE-II, 4-A/14, ASAF ALI ROAD, 3RD FLOOR  
NEW DELHI

New Delhi, the 16th May 1975

Ref. No. IAC/Acq.II/835/75-76/599.—Whereas, I, C. V. Gupta, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 41 (1/2 portion) situated at Motia Khan, Dump Scheme, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi on 7-2-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Satyawati w/o Late Shri Harcharan Dass, 65/53, New Rohtak Road, New Delhi.

(Transferor)

- (2) Shri Khan Singh, 2. Sh. Rawel Singh, S/o Shri Kaka Singh r/o 20-B/33A & 20-B/35, Tilak Nagar, New Delhi respectively 3. Sh. Pritam Singh s/o S. Gian Singh r/o 20-B/35AB, Tilak Nagar, New Delhi & (4) Sh. Sardar Singh s/o S. Piara Singh r/o B20/34-AB, Tilak Nagar, New Delhi all partners of M/s Khan Singh Rawel Singh, 41 Rani Jhansi Rd. Motia Khan, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

$\frac{1}{2}$  portion of leasehold plot of land measuring  $\frac{1}{2}$  of 597.37 sq. yds. bearing Plot No. 41 situated at Motia Khan, Dump Scheme, New Delhi and bounded as under:—

North : Road (Rani Jhansi Road)  
East : Road (Service lane)  
South : Plot No. 42  
West : Plot No. 40

C. V. GUPTE,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant  
Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date : 16-5-1975

Seal :

## FORM ITNS

(2) 1. Shri Chiranjilal Agarwal  
114 Cotton St. Calcutta.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION  
RANGE-III, 54 RAJI AHMED KIDWAI ROAD.  
CALCUTTA-162. Shri Rudhesyam Agarwal,  
42 Jamunalal Bajaj Street, Calcutta.3. Shri Girdharilal Agarwal,  
42 Jamunalal Bajaj Street, Calcutta.4. Shri Kokul Agarwal,  
114 Cotton Street, Calcutta

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

Calcutta-16, the 6th May 1975

No. 259/Acq.R-III/75-76/Cal.—Whereas, I,  
L. K. Balasubramanian,  
being the competent authority under Section 269B of the  
Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as  
the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and  
bearing  
No. 36/1, situated at Deodar Street, Calcutta  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the office of the  
Registering Officer at  
Alipore on 2-9-1974

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen percent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
Parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act,  
1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section  
(1) of section 269D of the said Act to the following  
persons, namely :—

(1) Sri Anil Madhup Paul  
36/1, Deodar Street, Calcutta.

(Transferor)

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons, which  
ever period expires later;

(b) by any other person interested in the said  
immovable property, within 45 days from the  
date of the publication of this notice in the  
Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used  
herein as are defined in Chapter  
XXA of the said Act, shall have the same  
meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 8 cottahs 1  
chittacks 9 sq. ft. more or less together with two storied  
building and other structures thereon at premises No. 36/1,  
Deodar Street, Calcutta as per deed No. I-6400 of 1974  
registered before the District Registrar, Alipore, 24-Parganas.

L. K. BALASUBRAMANIAN,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant  
Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-III,  
54 Raji Ahmed Kidwai Road,  
(3rd floor), Calcutta-16.

Date : 6-5-1975

Seal :

FORM ITNS—

(2) Shri Shah Abbaskhan Alias Sanjay and Zarina,  
W/O Shah Subbas Khan.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION  
RANGE-II, AYAKAR BHAVAN, M. KARVE MARG,  
BOMBAY-20

Bombay-20, the 8th May 1975

Ref. No. ARII/1063/2742/74-75.—Whereas, I, M. J. Mathan being the competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 2, S. No. 40, Hissa No. 3 situated at Vil. Juhu (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sub-Registrar Bombay on 4-9-1974 for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land with building structures etc. bearing Plot No. 2 of sub-division of property known as Silver Beach Estate bearing Survey No. 74A (part) Survey No. 40 Hissa No. 3 Survey No. 38 Hissa No. 1 (Part) Survey No. 5 Hissa No. 4A (Part) and Hissa No. 4C (Part) admeasuring 2025 square yards equivalent to 1692.90 square metres registration District and sub-district Bombay city and Bombay suburban, Revenue village Juhu.

M. J. MATHAN,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant  
Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Bombay.

(1) Shri Victor Gabriel C reado & others

(Transferor)

Date : 8-5-75

Seal :



**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION  
RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE,  
ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 13th May 1975

Ref. No. Acq. 23-I-374(183)/16-6/74-75.—Whereas, I, J. Kathuria, being the competent authority under section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961), (herein after referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Survey No. 639, situated at Street No. 7 of Panchnath Plot, Rajkot (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajkot in October, 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said act to the following persons, namely :—

(1) Shri Vijay Gokaldas Somaiya & others,  
Somiya Building No. 1,  
177, Samuel Street, Bombay-9.

(Transferor)

(2) Shri Mohanlal Pitambardas Ondhia,  
Jinjuda Gate, Savarkundla, Bhavnagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

A double storeyed building standing on land admeasuring 187-4-72 sq. yds. bearing Survey No. 639, street No. 7 of Panchnath Plot, Rajkot and bounded as under :—

East : Main Street No. 7 of Panchnath Plot

West : Others' property.

North : Others' property of Survey No. 639,

South : Others' property.

J. KATHURIA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant  
Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date : 13-5-75

Seal :

FORM ITNS

(2) Shri Dineshchandra Pranjivanbhai Desai,  
33, Karanpara, Rajkot.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION  
RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE,  
ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 13th May 1975

Ref. No. Acq 23-I-380(184)/16-6/74-75.—Whereas, I, J. Kathuria, being the competent authority under section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961), (herein after referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Sheri No. 33, Karanpara, Rajkot (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajkot on 16-10-74 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

A double storeyed building known as 'Nirmal', standing on land measuring 168-5-81 sq. yds. situated at Sheri No. 33, Karanpara, Rajkot and bounded as under :—

East : Property of Shri Bhimji Kaishevji,

West : Property of Narbadabai Vithaldas,

North : Property of Vijayshanker Juthabhai,

South : 33 Karanpara Main Road

J. KATHURIA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant  
Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

(1) Shri Parshottam Ramchandbhai Bhatia,  
Ganga Vihar, Sardarnagar, Rajkot.

(Transferor)

Date : 13-5-75

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri Babulal Vanmalidasbhai,  
Nayanaka Road, Rajkot,

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) 1. Shri Gunvantrai Jechandbhai,  
2. Shri Shashikant Jechandbhai,  
Soni Bazar, Savjibhai Street, Rajkot.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION  
RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE,  
ASHRAM ROAD, AHMEDABAD(3) 1. Shri Foolchand Vallabhdas,  
2. Shri Kishorebhai Soni,  
26/42, Prahlad Plot, Rajkot.  
(Person in occupation of the property).Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

Ahmedabad-380009, the 13th May 1975

Ref No. Acq.23-I-381(185)/16-6/74-75.—Whereas, I, J. Kathuria, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. situated at 26/42, Prahlad Plot, Rajkot, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Rajkot on 24-10-74

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons which ever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

A double storeyed building standing on land admeasuring 141-5-108 sq. yds. situated at 26/42, Prahlad Plot, Rajkot.

J. KATHURIA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant  
Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date : 13-5-75  
Seal:

## FORM ITNS—

(2) Dr. R. K. Choudhary, s/o Shri Takan Dass,  
Booth No. 29, Sector 20-D, Chandigarh.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION  
RANGE, 156, SECTOR 9-B, CHANDIGARH

Chandigarh, the 18th March 1975

No. CHD/178/74-75.—Whereas, I, G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Commercial Plot No. 63, Sector 30-D situated at Chandigarh, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in September, 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1937).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Atul Narain Channa, s/o  
Lt. Col. K. N. Channa,  
No. 8-Sangli Hostel Lytton Road, New Delhi-1.  
(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Commercial Plot No. 63, Sector 30-D, Chandigarh.

G. P. SINGH,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant  
Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Chandigarh.

Date 18-3-1975.

Seal:

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION  
RANGE, 156, SECTOR 9-B, CHANDIGARH

Chandigarh, the 8th April 1975

No. NUH/9/74-75.—Whereas, I, G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the competent authority under section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land, 1/2 share of 269 kanals 5 marlas, situated at Village Goyala, Tehsil Nuh, Distt. Gurgaon, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nuh in September, 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to tax under the said act in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the

aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Jawala Devi Wd/o Sh. Mahipal Singh  
Urf Haripal Singh, s/o Sh. Surat Singh,  
R/o Bohda Kalan, Tehsil and District Gurgaon  
through Shri Jagbir Singh s/o Simbo Singh,  
R/o Bohda Kalan, Tehsil & District Gurgaon.  
(Transferor)

Sarvshri

- (2) 1. Shri Ghaman, 2. Shri Sukhdev  
Ss/o Shri Udhi, s/o Shri Fata,  
3. Shri Man Singh, 4. Shri Rattan Lal,  
sons of Shri Bakhtawar, s/o Shri Phusa Ram,  
R/o Mokaldas, Tehsil & District Gurgaon.  
5. Shri Hukam Chand, S/o Shri Prabhu Dayal.  
s/o Shri Mangal  
Resident of Kukrola Pachgaon, Teh. and Distt.  
Gurgaon.  
6. Shri Dalip Singh, 7. Shri Rohtas Singh,  
8. Shri Rameshwar, 9. Shri Suraj Bhan, 10. Shri  
Ram Phal, Ss/o Shri Kundan,  
R/o Safarpur, Tehsil Gurgaon.  
(Transferee)

- (3) Shri Kunwar Singh,  
R/o Village Goyala, Tehsil Nuh,  
District Gurgaon.  
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land, situated in village Goyala, Tehsil Nuh, District Gurgaon. 1/2 share out of land measuring 269 kanals 5 marlas. Khewat No. 86 Min. Khata No. 100 Min and 103, 102. Khasra Nos.

				42	42	8	9	12	42	14	15
						8-0	2	7-10		8-0	4-8
				26	7		5-11		13		
Gor Chahi				3-12	8-0				8-0		
6	7	6	9	12	44	2	3	49	43	4	
	2	8	2	8-0	1	7-11	9-0	2	3	8-0	
	6/2	4-0	2	2-14		7-11			1-17		
	3-0		4-0							2-9	
	Bhud	Bhud	Bhud	Bhud	Bhud	Bhud		Chahi	Magda	Magda	
	43	43	7	15	16	41	41	23	43	10	
	5	6	5-6	8-12	4-2	21	22	1	6	2-14	
	8-0	8-0				2	8-0	3-4	8-0		
	Magda	Magda	Magda	Magda	Magda	3-16	Magda	Magda	Magda	Magda	
	42	19	23	24	25	44	10	44	12	13	
	18	3-14	7-8	8-0	8-0	1	8-0	11	8-0	3-8	
	8-0					8-0		8-0			
and	Magda	Magda	Magda	Magda	Magda	Magda	Magda	Magda	Magda	Magda	
	44	20	21	22							
	19	8-0	5-4	6-2	Total area	269 kanals	5 marlas.				
	8-12										

(Property as mentioned in the registered deed No. 1328 of September, 1974 of Registering Officer, Nuh.)

G. P. SINGH

COMPETENT AUTHORITY  
INSPECTING ASSISTANT COMM-  
OF INCOME-TAX ACQUISITION  
RANGE, CHANDIGARH

Date : 8-4-1975

Seal:

25-106GI/75

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION  
RANGE, 156, SECTOR 9-B CHANDIGARH

Chandigarh, the 8th April 1975

No. NUH/9/74-75.—Whereas, I, G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Land, 1/2 share of 269 kanals 5 marlas, situated at Village Goyala, Tehsil Nuh, Distt. Gurgaon, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nuh in September 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Jawala Devi Wd/o Sh. Mahipal Singh Urf Haripal Singh, s/o Sh. Surat Singh, R/o Bohda Kalan, Tehsil and District Gurgaon through Shri Jagbir Singh s/o Simbo Singh, R/o Bohda Kalan, Tehsil & District Gurgaon. (Transferor)
- (2) 1. Shri Ghaman, 2. Shri Sukhdev Ss/o Shri Udhi, s/o Shri Fata, 3. Shri Man Singh, 4. Shri Rattan Lal, sons of Shri Bakhtawar, s/o Shri Phusa Ram, R/o Mokaldas, Tehsil & District Gurgaon. 5. Shri Hukam Chand s/o Shri Prabhu Dayal s/o Shri Mangal Resident of Kukrola Pachgaon, Teh. and District, Gurgaon. 6. Shri Dalip Singh, 7. Shri Rohtas Singh, 8. Shri Rameshwar, 9. Shri Suraj Bhan, 10. Shri Ram Phal, Ss/o Shri Kundan, R/o Safarpur, Tehsil Gurgaon. (Transferee)
- (3) Shri Mukand Singh and Others. R/o Village Goyala, Tehsil Nuh, District Gurgaon. (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THIS SCHEDULE

Land, situated in Village Goyala, Tehsil Nuh, District Gurgaon, 1/2 share out of land measuring 269 kanals 5 marlas. Khewat No. 86 Min. Khata No. 100 Min and 103, 102.

Khasra Nos.			42	42	8	9	12	42	14	15		
			8—0		2	7—10	8—0		4—8			
			26	7	5—11		13					
Garchahi	6	7	6	3—12 9	8—0 12	44	22	3	8—0 49	43	4	
	2		8	2	8—0	1	7—11	9—0	2	3	8—0	
	6/2 3—0 Bhud	4—0 Bhud 43	2 4—0 Bhud 43	2—14 Bhud 7	7—11 Bhud 15	16	41	41	1—17 Chahi 23	2—9 Magda 42	Magda 10	
	5	6	5—6	8—12	4—2	21	22 8—0	1 3—4	6 8—0	2—14		
			8—0 Magda 42	8—0 Magda 19	Magda 23	Magda 24	Magda 25	2 3—16 Magda 44	Magda 10	Magda 44	Magda 12	Magda 13
and	18 8—0 Magda 44	3—14 Magda 20	7—8 Magda 21	8—0 Magda 22	8—0 Magda	1 8—0 Magda	8—0 Magda	11 8—0 Magda	8—0 Magda	3—8 Magda		
	19 8—12	8—0	5—4	6—2	Total area 269 kanals 5 marlas.							

(Property as mentioned in the registered deed No. 1329 of September, 1974 of Registering Officer, Nuh.)

Date : 8-4-1975  
Seal:

G. P. SINGH  
COMPETENT AUTHORITY,  
INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE,  
CHANDIGARH

## FORM ITNS—

(1) Major Tikka Khushwant Singh, s/o Shri E.A.R. Fatch Singh, Resident of Badh-rukhan, Tehsil and District Sangrur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s Swaraj Spinning Mills Ltd. Regd. Office, Patiala through Shri Suraj Bhan, Director c/o M/s Singla Niwas Shahi Samadhan, Patiala.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

(Person in occupation of the property)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME TAX,  
ACQUISITION RANGE, 156, SECTOR 9-B CHANDIGARH

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Chandigarh, the 7th April 1975

Ref. No. SNG/5/74-75.—Whereas, I, G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Agricultural land with building, situated at Village Badhrukhan, Tehsil & Distt. Sangrur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sangrur in October, 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building situated in Village Badh-rukhan, Tehsil and District Sangrur,

Khatauni No. 2/2,

Khasra No. 99/27—69-16.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 1653 of October, 1974 of the Registering Officer, Sangrur.)

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

G. P. SINGH,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Chandigarh.

Date : 7-4-1975

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE,  
156, SECTOR 9-B, CHANDIGARH.

Chandigarh, the 7th April 1975

Ref. No. SNG/6/74-75.—Whereas, I, G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agricultural land with building, situated at Village Badh-rukhan, Tehsil & Distt. Sangrur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sangrur in October, 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Major Tikka Khushwant Singh, s/o Shri E.A.R. Fateh Singh, Resident of Badh-rukhan, Tehsil and District Sangrur.  
(Transferor)
- (2) M/s Swaraj Spinning Mills Ltd. Regd. Office, Patiala through Shri Suraj Bhan, Director, c/o M/s Singla Niwas Shahi Samadhan, Patiala.  
(Transferee)  
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and building situated in Village Badh-rukhan, Tehsil and District Sangrur.

Khatauni No. 2/2,

Khasra No. 99/27—69/16.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 1663 of October, 1974 of the Registering Officer, Sangrur.)

G. P. SINGH,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Chandigarh.

Date : 7-4-1975

Seal :



## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, 156, SECTOR 9-B CHANDIGARH

Chandigarh, the 7th April 1975

Ref. No. SNG/7/74-75.—Whereas, I, G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range Chandigarh,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agricultural land with building, situated at Village Badh-rukhan, Teh. & Distt. Sangrur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Sangrur, in November, 1974,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following person namely :—

(1) Major Tikka Khushwant Singh, s/o Shri E.A.K. Fateh Singh, Resident of Badh-rukhan, Tehsil and District Sangrur.

(Transferor)

(2) M/s Swaraj Spinning Mills Ltd.; Regd. Office, Patiala through Shri Suraj Bhan, Director c/o M/s Singla Niwas Shahi Samadhan, Patiala.

(Transferee)

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and building situated in Village Badh-rukhan, Tehsil and District Sangrur.

Khatauni No. 2/2.

Khasra No. 99/27—69/16.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 1719 of November, 1974 of the Registering Officer, Sangrur).

G. P. SINGH,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Chandigarh.

Date : 7-4-1975

Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-  
156, SECTOR 9-B, CHANDIGARH

Chandigarh, the 7th April 1975

Ref. No. CHD/207/74-75.—Whereas, I, G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House No. 665, Sector 11-B, situated at Chandigarh, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Chandigarh in October, 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Col. Trilok Singh, s/o Shri Puran Singh, Resident of 159, Dhaura Kuan Officers Flats, Delhi Cantt.  
(Transferor)
- (2) Shri Karampal Singh Sandhu, s/o Shri Udham Singh, Resident of House No. 177, Sector 11-A, Chandigarh.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot of land, measuring 499.8 sq. yds. and a annexe built thereon, bearing No. 665, Sector 11-B, Chandigarh.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 847 of October, 1974 of the Registering Authority, Chandigarh).

G. P. SINGH,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Chandigarh.

Date : 7-4-1975

Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUI-  
SITION RANGE, 156, SECTOR 9-B, CHANDIGARH

Chandigarh, the 7th April 1975

Ref. No. LDH/C/421/74-75.—Whereas, I, G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the Competent Authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land, situated at Village Taraf Jodhewal, Tehsil Ludhiana, (and more

fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in October, 1974,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair-market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) S/Shri Surjit Singh and Malvinder Singh sons, Hari Singh, Residents of Village Jodhewal, Tehsil Ludhiana.

(Transferor)

(2) M/s Model Line Colonisers Private Ltd.; Registered Office Deepak Cinema Chowk Ludhiana, through Shri Inderjit Singh Managing Director.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land, measuring 1 bigha, 3 biswa and 9 biswansi, situated at Taraf Jodhewal, Tehsil Ludhiana.

Khasra Nos. 1484/140,	152
0-11-4	3-5-12

Khewat No 432.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 5947 of October, 1974 of the Registering Officer, Ludhiana).

G. P. SINGH,  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Chandigarh.

Date : 7.4.1975

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri Surjit Singh and Malvinder Singh, sons of Hari Singh, Residents of Village Jodhewal, Tehsil Ludhiana.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTION ASSISTANT COM-  
MISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
CHANDIGARH 156, SECTOR 9-B.

Chandigarh, the 7th April 1975

Ref. No. LDH/C/422/74-75.—Whereas, I, G. P. Singh, Ins-  
pecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition  
Range, Chandigarh,

being the competent authority under Section 269B  
of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter refer-  
red to as the 'said Act'), have reason to  
believe that the immovable property, having a fair market  
value exceeding Rs. 25,000/- and bearing  
No. Land, situated at Village Taraf Jodhewal, Tehsil Ludhiana,  
(and more fully des-  
cribed in the Schedule annexed hereto), has been transferred  
under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office  
of the Registering Officer at  
Ludhiana in October, 1974,

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act,  
1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said  
Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-sec-  
tion (1) of section 269D of the said Act to the following  
persons, namely :—

(2) M/s Model Lines Colonisers Private Ltd.; Registered  
Office Deepak Cinema Chowk, Ludhiana, through  
Shri Inderjit Singh Managing Director.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons which-  
ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said  
immovable property within 45 days from the date of  
the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXXA of the said Act  
shall have the same meaning as given in that  
Chapter.

THE SCHEDULE

Land, measuring 1 bigha 3 biswa and 33/4 biswansi,  
situated at Taraf Jodhewal, Tehsil Ludhiana,

	835/159	156	157
Khasra Nos.	0-4-8	0-11-0	0-10-16,
	834/159	165	166
	0-2-8	0-16-10	1-4-14

Khewat No. 432.

(Property as mentioned in the Registered Deed No.  
5949 of October, 1974 of the Registering Authority,  
Ludhiana.)

G. P. SINGH,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Chandigarh.

Date : 7-4-1975

Seal :

## FORM ITNS—

(2) M/s Model Line Colonisers Private Ltd; Registered Office Deepak Cinema Chowk, Ludhiana through Shri Inderjit Singh, Managing Director.  
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR  
ACQUISITION RANGE,  
CHANDIGARH

Chandigarh, the 7th April 1975

Ref. No. LDH/C/423/74-75.—Whereas, I, G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- No. Land, situated at Village Taraf Jodhewal, Tehsil Ludhiana, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at Ludhiana in October, 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shrimati Kartar Kaur, Wd/o Shri Hari Singh, Resident of Village Jodhewal, Tehsil Ludhiana.  
(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land, measuring 1 Bigha 11 biswa and 11-7/8 biswansi, situated at Village Taraf Jodhewal, Tehsil Ludhiana.

	835/159	156	157
Khasra Nos.	0-4-8	0-11-0	0-10-16

Khewat No. 432.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 6036 of October, 1974 of the Registering Officer, Ludhiana.)

G. P. SINGH,  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Range,  
Chandigarh.

Date : 7-4-75.

Seal ;

FORM ITNS—

(1) Shrimati Kartar Kaur, Wd/o Shri Hari Singh,  
Resident of Village Jodhewal, Tehsil Ludhiana.  
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s Model Line Colonisers Private Ltd; Registered  
Office Deepak Cinema Chowk, Ludhiana through  
Shri Inderjit Singh, Managing Director.  
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-  
MISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION  
RANGE, CHANDIGARH 156, SECTOR 9-B

Chandigarh, the 7th April 1975

Ref. No. LDH/C/424/74-75.—Whereas, I G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land, situated at Village Taraf Jodhewal, Tehsil Ludhiana, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in October, 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land, measuring 0 Bigha 11 biswa and 14 $\frac{1}{2}$  biswansi, situated at Village Taraf Jodhewal, Tehsil Ludhiana.

	1484/140	152
Khasra Nos.	0-11-4	3-5-12

Khewat No. 432.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 6037 of October, 1974 of the Registering Officer, Ludhiana.)

G. P. SINGH,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Chandigarh.

Date : 7-4-1975

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri Rajinder Singh, s/o Shri Hari Singh, Resident of Village Jodhewal, Tehsil Ludhiana.  
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
CHANDIGARH 156, SECTOR 9-B

Chandigarh, the 7th April 1975

Ref. No. LDH/C/425/74-75.—Whereas, I G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land situated at Village Taraf Jodhewal, Tehsil Ludhiana, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ludhiana in October, 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(2) M/s. Model Lines Colonisers, Private Ltd; Registered Office Deepak Cinema Chowk, Ludhiana through Shri Inderjit Singh, Managing Director.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land, measuring 0 Bigha, 11Biswa and 11-7/8 Biswansi, situated at Village Taraf Jodhewal, Tehsil Ludhiana,

	834/159	165	166
Khasra No.	0-2-8	0-16-10	1-4-14

Khewat No. 432,

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 6128 of October, 1974 of the Registering Officer Ludhiana.)

G. P. SINGH,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Chandigarh.

Date : 7-4-75.

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri Rajinder Singh, s/o Shri Hari Singh, Resident of Jodhewal, Tehsil Ludhiana.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s Model Line Colonisers Private Ltd; Registered Office Deepak Cinema Chowk, Ludhiana through Shri Inderjit Singh, Managing Director.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE,  
CHANDIGARH  
156, SECTOR 9-B

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Chandigarh, the 7th April 1975

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. LDH/C/426/74-75.—Whereas, I G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land, situated at Village Taraf Jodhewal, Tehsil Ludhiana, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Ludhiana in October, 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land, measuring 0 Bigha, 11 Biswa and 14½ Biswansi situated at Village Taraf, Jodhewal, Tehsil Ludhiana.

1484/140	152
Khasra No. ————,	
0-11-4	3-5-12
Khewat No. 432.	

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 6129 of October, 1974 of the Registering Officer, Ludhiana.)

G. P. SINGH,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Chandigarh.

Date . 7th April 1975.

Seal :



## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE,  
CHANDIGARH  
156, SECTOR 9-B

Chandigarh, the 7th April 1975

Ref. No. CHD/192/74-75.—Whereas, I G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Transport Building No. 22, Transport Area, situated at Chandigarh, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in October, 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Gurdial Singh Gangawala, s/o Shri Karam Singh Gangawala, House No. 1025, Sector 21-B, Chandigarh.  
(Transferor)  
Sarvshri
- (2) (i) Major Gen. Joginder Singh, s/o Randhir Singh,  
(ii) Mrs. Jaswant Kaur, w/o Maj. Gen. Joginder Singh,  
(iii) Miss Jasbir Kaur, d/o Maj. Gen. Joginder Singh,  
(iv) Smt. Sanjiv Kaur Malhans, w/o Birinder Singh Malhans,  
(v) Birinder Singh Malhans, Father and Natural Guardian of Miss Panita Malhans and Miss Amrit Malhans, Residents of House No. 138, Sector 9-B, Chandigarh.  
(Transferee)
- (3) (i) Associated Traders & Engineers Pvt. Ltd.  
Head Office, 20/1, Asaf Ali Road,  
New Delhi.  
(ii) Moga Perozepur Transport Co. No. 9, Transport Area, Chandigarh.  
(iii) Arora Transport Company, Chandigarh,  
c/o Transport Building No. 22, Transport Area, Chandigarh.  
(Person in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Transport Building No. 22, Transport Area, Chandigarh.

G. P. SINGH,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-tax, Acquisition Range,  
Chandigarh.

Date : 7-4-1975.

Seal :

FORM ITNS ———

(1) Shri Raj Kumar Preetam Sher Jung & others.  
(Transferor)NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Shri Ram Gopal.  
(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION

RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 26th April 1975

Ref. No. 43R/Acq.—Whereas, I, Bishambhar Nath, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 158, 159, with building etc. situated at Vill. Zulfikar-pur, Teh. Najibabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Najibabad on 20-9-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

A agricultural land with building etc. No. 158 and 159, measuring 5260 Sqr. Fts. situated at Village Zulfikar-pur Teh. Najibabad Distt. Bijnore.

BISHAMBHAR NATH,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range,

Lucknow.

Date 26-4-1975.

Seal :

## FORM ITNS—

(2) Shri Jagan Nath Prasad &amp; others

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION  
RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 25th April 1975

Ref. No.20-I/Acquisition—Whereas, I, Bishambhar Nath being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act')

have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing House No. B-21/130 situated at Moh. Kammachha, Distt. Varanasi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Varanasi on 6-9-1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been fully stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transferor; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Mahant Ramanand Dass

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

A house alongwith land No. B-21/130 measuring 30'X25' Sqr.—situated at Mohalla Kammachha Distt. Varanasi.

BISHAMBHAR NATH,  
Competent Authority,  
Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Lucknow.

Date : 25-4-1975.

Seal :

**FORM ITNS—**

(2) Shri Laloo Ram Yadav.

(Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION  
RANGE, LUCKNOW**

Lucknow, the 25th April 1975

Ref No. 15-L/Acquisition.—Whereas, I Bishambhar Nath being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. K-53/88 situated at Madhyameshwar, Distt. Varanasi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Varanasi 9-9-1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration on such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Purna-nand Kumar &amp; others,

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

**THE SCHEDULE**

A double storeyed house No. K-53/88 measuring 1625 Sqr. fts. situated at Madhyameshwar, Distt. Varanasi.

**BISHAMBHAR NATH,**  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant  
Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Lucknow.

Date : 25-4-1975.

Seal :

FORM ITNS

(2) Shri Lutawan &amp; others

(Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION  
RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 25th April 1975

No. 16-I./Acq.—Whereas, I, Bishambhar Nath, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. .... situated at Village Chand-pur Distt. Ghazipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ghazipur on 3-9-1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Sita Ram Rai

27--106GI/75

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

A agricultural land measuring 9 Bigha 2 Biswansis situated at Chandpur Pagana Pachotar Distt. Ghazipur.

BISHAMBHAR NATH,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant  
Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Lucknow.

Date : 25-4-1975.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Shyam Lal

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Brij Rana

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION  
RANGE, LUCKNOWObjections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

Lucknow, the 25th April 1975

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

No. 37-B/Acquisition.—Whereas, I, Bishambhar Nath, being the competent authority under Section 269D of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 565/50 situated at Puran Nagar Lucknow (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Lucknow on 16-9-1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated

In the said instrument of transfer with the object of :—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of in any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

A double storied house No. 565/50 measuring 95'X22' Sqr. fts. situated at Puran Nagar, Lucknow.

BISHAMBHAR NATH,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant  
Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Lucknow.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Said Act, to the following persons, namely :—

Date : 25-4-1975.

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION  
RANGE-II, 4-A/14, ASAF ALI ROAD, 3RD FLOOR,  
NEW DELHI

New Delhi, the 28th April 1975

Ref N IAC/Acq/11/827/75-76.—Whereas, I,  
C V. Gupte,  
being the competent authority under Section 269B of the  
Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act') have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearing  
Shop No. 9 situated at Gododia Market Khari Baoli, Delhi  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the  
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the  
Registering Officer at  
Delhi on 25-11-1974  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason  
to believe that the fair market value of the property as  
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transfer to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax  
Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of  
the aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of section 269D of the said Act, to the following  
persons namely :—

- (1) M/s L N Gododia & Sons Pvt Ltd  
1112, Kucha Natwan Chandani Chowk, Delhi  
through one of its Director Sh. Tej Pal Gadodia  
S/o Shri Ram Gopal Gadodia,  
r/o Banglow No 8 Alipur Road, Civil Lines,  
Delhi.  
(Transferor)
- (2) Shri Nathu Mal s/o Shri Umrao Singh,  
r/o 58-F, Kamla Nagar, Delhi  
2 Shri Shyam Sunder 3 Shri Tara Chand,  
4 Shri Behari Lal S/o Shri Murli Dhar  
r/o 24/14, Shakti Nagar, Delhi-7  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of 30  
days from the service of notice on the respective  
persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are  
defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in that  
Chapter.

## THE SCHEDULE

One shop on the Ground floor of Gadodia Market bear-  
ing No. 9 having total covered area 775 sq. ft (including  
that of varandah & phar) in Khari Baoli, Delhi and  
bounded as under.

East Common Wall between property in question and  
property bearing No. 8

West Common wall between the property in question  
and common passage leading to staircase and the common  
staircase of Gadodia Market, Delhi

North Open Municipal Jhote behing Gadodia Market.

South 16 ft wide private comon road inside Gadodia  
Market

C V GUPTE,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant  
Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II  
Delhi/New Delhi.

Date 28-4-1975

Seal.

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION  
RANGE-II, 4-A/14, ASAF ALI ROAD, 3RD FLOOR,  
NEW DELHI

New Delhi, the 28th April 1975

Ref. No. IAC[Acq-II]828/75-76.—Whereas, I, C. V. Gupte, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Shop No. 14 situated at Gadodia Market Khari Baoli, Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 21-1-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'Said Act' to the following persons namely :—

- (1) M/s. I. N. Gadodia & Sons Pvt. Ltd.  
1112, Kucha Natwan Chandani Chowk, Delhi

through one of its Director Shri Ram Gopal Gadodia, S/o Seth Laxmi Narain Gadodia,  
r/o Banglow No. 8 Alipur Road, Civil Lines,  
Delhi.

(Transferor)

- (2) Shri Hukam Chand S/o Shri Sant Lal  
2. Shri Subhash Chandra S/o Sh. Hukam Chand,  
r/o 1547, Gali Kucha Bagh,  
Shyama Prasad Mukherjee Marg, Delhi.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

One shop on the ground floor of Gadodia Market bearing No. 14 having total covered area 768 sq. ft. (including that of varandah and phar) in Khari Baoli, Delhi and bounded as under :—

East : Common wall between the property in question & common staircase of Gadodia Market.

West : Common wall between property in question & the property No. 15

North : Entire wall from bottom to top of property in question and thereafter open Municipal Jhole.

South : 16 ft. wide private common road inside Gadodia Market.

C. V. GUPTE  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant  
Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II,  
Delhi/New Delhi

Date : 28-4-1975  
Seal :



## FORM ITNS

(1) Shri Bijendra Narain

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Shiv Gulabi Devi

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, in the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION  
RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 22nd April 1975

Ref. No. 64-S/Acquisition.—Whereas, I, Bishambhar Nath, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. B-3-4-B situated at Hospital Road, Jagdishpur Ballia (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ballia on 30-9-1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

A house No. B-3-4-B alongwith 1/4 portion of agricultural land, situated at Hospital Road Jagdishpur Shahr Ballia.

BISHAMBHAR NATH,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant  
Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Lucknow

Date : 22-4-1975.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Bhirgu Narain

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Shiv Gulabi Devi

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION  
RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 22nd April 1975

Ref. No. 64-S/Acquisition.—Whereas, I, Bishambhar Nath being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. B-3-4-B situated at Hospital Road, Jagdishpur Ballia, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ballia on 30-9-1974

for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of.—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

A house No. B-3-4 B alongwith 1/4 portion of agricultural land situated at Hospital Road, Jagdishpur Shahr Ballia.

BISHAMBHAR NATH,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Lucknow.

Date 22-4-1975

Seal :

## FORM ITNS

(1) Bisheshwar Narain

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Shiv Gulabi Dev and other,

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION  
RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 22nd April 1975

Ref. No. 64-S/Acquisition.—Whereas, I, Bishambhar Nath being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. B-3-4-B situated at Hospital Road, Jagdishpur Ballia, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Ballia on 30-9-1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

A house No. B-3-4-B alongwith 1/4 portion of agricultural land situated at Hospital Road, Jagdishpur Shahr Ballia.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

BISHAMBHAR NATH,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-Tax, Acquisition Range, Lucknow.

Date 22-4-1975  
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Gulab Singh Jain S/o Sh. Ruli Ram,  
D/1A, Green Park, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION  
RANGE-I, CENTRAL REVENUE BUILDING,  
3RD FLOOR, NEW DELHI(2) Shri Master Kamal Dhingra & Master Rajesh  
Dhingra, minor Ss/o Shri J. C. Dhingra through their  
mother and natural guardian Smt. Krishana Kumari  
Dhingra w/o Sh. J. C. Dhingra,  
Katra Sher Singh, Hill Bazar, Amritsar (Punjab).(1) Shri Gopi Chand (G.F.)  
R-62, Greater Kailash-I, New Delhi.  
(Person(s) in occupation of the property)

(Transferee)

New Delhi, the 23rd May 1975

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

Ref. No. IAC.Acq.I/SRIII/Dec.I/534(18)/74-75,—

Whereas, I, C. V. Gupta,

being the competent authority under section 269B of the  
Income Tax Act, 1961 (43 of 1961)  
(hereinafter referred to as the 'said Act')have reason to believe that the immovable property, having  
a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing  
No. R-62 situated at Greater Kailash, New Delhi,  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has  
been transferred under the Indian Registration Act, 1908 (16  
of 1908)in the office of the Registering Officer at  
New Delhi on 7-12-1974

for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the  
aforesaid property and I have reason to believe that the fair  
market value of the property as aforesaid exceeds the apparent  
consideration therefor by more than fifteen per cent of such,  
apparent consideration and that the consideration for such  
transfer as agreed to between the parties has not been truly  
stated in the said instrument of transfer with the object of :—(a) by any of the aforesaid persons within a  
period of 45 days from the date of publication  
of this notice in the Official Gazette or a  
period of 30 days from the service of notice  
on the respective persons, whichever period  
expires later;(b) by any other person interested in the said  
immovable property within 45 days from the  
date of the publication of this notice in the  
Official Gazette.EXPLANATION :—The terms and expressions used here-  
in as are defined in Chapter XXA of  
the said Act, shall have the same meaning  
as given in that Chapter.(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or(b) facilitating the concealment of any income of any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957).

## THE SCHEDULE

A plot of land measuring 300 Sq. yds. and bearing No. 62  
Block 'R', together with a 2½ storeyed building constructed  
thereon situated in the residential Colony known as Greater  
Kailash-I, New Delhi and bounded as under :—

North : Service Lane

East : House No. R-62

South : Road

West : House No. R-64.

C. V. GUPTE,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, New Delhi.Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section  
(1) of section 269D of the said Act, to the following persons,  
namely :—Date : 23-5-1975  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION  
RANGE, BIHAR, CENTRAL REVENUE BUILDING,  
PATNA.

Patna, the 12th May 1975

Ref. No. III-97/Acq/75-76.—Whereas, I, J. Nath, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bihar, Patna, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. W. No. II, H. No. 684-A as per deed No. 14951/74 dated 18-9-74 situated at Upper Bazar, Ranchi, (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ranchi on 18-9-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transferor; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—  
28—106GI/75

(1) Smt. Leela Devi Tainwalla w/o Sri Durgamal, Tainwalla, c/o M/s Calcutta, Hardware Stores, Upper Bazar, Ranchi.

(Transferor)

(2) Smt. Kamla Devi Poddar w/o Sri Kedarnath Poddar, East Market Road, Upper Bazar, Ranchi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House near Ranchi Goshala, Upper Bazar, Ranchi, W. No. II, H. No. 684-A as described in deed No. 14951/74, dated 18-9-1974.

J. NATH,  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Bihar, Patna.

Date : 12-5-1975

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION  
RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, PATNA,  
BIHAR

Patna, the 12th May 1975

Ref. No. III-98/Acq/75-76.—Whereas, I, J. Nath, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Rot No. 588 Cr. No. B as per deed No. 15076, dated 28-9-75 situated at Kadamkuan, Patna (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patna on 28-9-74 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons namely :—

- (1) 1. Shri Tarkeshwar Ram S/o Sri Bhagwat Ram,  
2. Shri Chandra Shekhar Agarwal  
3. Shri Brajesh Kumar Agrawal  
both Ss/o Sri Tarkeshwar Ram,  
at Raja Ram Lane, Rambagh, Patna-8.

(Transferor)

- (2) Shri Keshav Prasad Gupta Urf Babu Lal Gupta,  
S/o Sri Dwarika Prasad,  
at PO Kadamkuan, Patna-3.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

One double storeyed house at Kadamkuan, Patna Cr. No. 13, Sheet No. 54, Rot. No. 588 as described in deed No. 15076, dated 28-9-74.

J. NATH,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Bihar, Patna.

Date 12-5-1975

Seal :

## FORM ITNS

(1) Smt. Rabatunnisa Begum, W/o Mohd. Rehasat Ali,  
H. No. 20-5-285/1 at Kazipura, Hyderabad-2.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) M/s Hindustan Builders, at Abid Road,  
Hyderabad-1.Property : All that house bearing Municipal Old No. 345  
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
HYDERABAD

Hyderabad, the 8th May 1975

Ref. RAC No. 17/75-76.—Whereas, I, K. S. Venkataraman, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 12-2-718 situated at Malkapur, Hyderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 23-9-1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

## THE SCHEDULE

Property : All that house bearing Municipal Old No. 345 "Halqa Bai" New No. 12-2-718 at Malkapur, Bairban, Hyderabad, Area 10,555 Sq. Yards, equivalent to 8825.25 Sq. Meters.

K. S. VENKATARAMAN,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner  
of Income-tax, Acquisition  
Range, Hyderabad.

Date : 8-5-1975.

Seal :

## FORM IINS

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
HYDERABAD

Hyderabad the 9th May 1975

Ref No RAC No 18/75 76 —Whereas, I, K S Venkataraman, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing Portion No F2/661 situated at Somajiguda, Hyderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 6-9-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957),

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Sri P V Narasimharao, S/o Ramuah  
R/o Dokiparru Village, Krishna Dist  
2 Smt R Buchammal W/o Sri Ramulu Naidu,  
R/o Orkadu, village, Madras-67.

(Transferor)

- (2) M/s Shah Farm and Construction Equipment  
Company, H No 5-3-335, at Rastrapati Road,  
Secunderabad

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

## THE SCHEDULE

Property All that plot of land covering an area 1200 Sq Yds more fully described delineated in the plan annexed situated in S No 35 of Somajiguda, Hyderabad being part of M No F2/661 bounded as follows .

North Cement Concrete asphalt road.

South M/s Shah Sons Pvt Ltd

West Petrol Pump

East M/s Shah Sons Pvt Ltd

K S VENKATARAMAN,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad

Date 9-5-1975

Seal



## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
HYDERABAD

Hyderabad, the 9th May 1975

Ref No RAC No 19/75-76 —Whereas, I, K. S Venkataraman, being the competent authority under Section 269B of the Income tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No 16/52, 51, 50, 46, 47 situated at Trunk Road, Nellore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nellore on 11-9-74 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) 1 Sri Gattupalli Subramanyam,  
2 Sri G Audi Sheshayan,  
3 Sri G Srinivasa Murli Krishna,  
4 Sri Jayachandra  
5 Smt Venkatadrth Lakshamma,  
W/o A Shshiah,  
All are R/o Trunk Road, Nellore

(Transferor)

- (2) 1 Sri K Venkata Subbaiah, S/o Narayan Chetty,  
2 Sri V. Venkataiah, both are P/r  
in M/s Sil Palace Trunk Road, Nellore

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property Door No 16/52, 51, 50, 46, 47, situated at Trunk Road, Nellore.

K. S VENKATARAMAN,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner  
of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad.

Date 9-5-1975.

Seal

FORM ITNS—

- (1) 1. Sri Zal M. Jhangir, 2. Mrs. Mehru K. Italia, 3. Miss Roshan M. Jhangir, 4. Mrs. Sin M. Jhangir. All are residing at H. No. 10-5-15, at Masab Tank, Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
HYDERABAD

Hyderabad, the 9th May 1975

RAC No. 21/75-76.—Whereas, I, K. S. Venkataraman, Hyderabad on 23-9-1974 being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 3-6-122 Rear portion situated at Himayatnagar, Hyderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering officer at Hyderabad on 17-9-75 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (2) Sri Ram Reddy S/o Satyanarayana Reddy,  
H. No. 18-4-485, Aliabad, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property : Rear Portion of house No. 3-6-122 at Himayatnagar, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner  
of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 9-5-1975.

Seal :

FORM I.T.N.S. ———

(1) Raj Sahkari Griha Nirman Sammiti Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Kailash Narain Misra.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-  
MISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION  
RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 7th May 1975

Ref. No. 31-K/Acquisition.—Whereas, I Bishambhar Nath being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 3 situated at 3/40 Khyban Wazir Hasan Road Lucknow (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Lucknow on 28-9-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

## THE SCHEDULE

A plot No. 3 Measuring land 8604 Sqr. fts. along with building situated at 3/40 Khyban Wazir Hasan Road, Lucknow.

BISHAMBHAR NATH

Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner  
of Income-Tax,  
Acquisition Range, Lucknow

Date : 7-5-1975.

Seal :

## FORM ITNS—

(1) M/s. Raj Sahkari Grih Nirman Samiti Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Santosh Kumar Agarwal.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 7th May 1975

Ref. No. 65-S/Acq.—Whereas, I, BISHAMBHAR Nath being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 7 of Khyban situated at 40/3 Khyban Wazir Hasan Road Lucknow (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Lucknow on 13-9-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

A plot No. 7 measuring 6140 Sqr. fts. alongwith a Building situated at 40/3 Khyban wazir Hasan Road, Lucknow.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

BISHAMBHAR NATH,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 7-5-1975.

Seal :

## FORM ITNS—

(2) Sri Naresh Kumar and Sri Lokender Kumar, both are residing at 9-3-164 at Regimental Bazar, Secunderabad.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-  
MISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION  
RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 8th May 1975

Ref. No. RAC. No. 16/75-76.—Whereas, I K. S. Venkataraman, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 2 5,000/- and bearing No. 10-2-180 situated at Marredpally, Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering officer at Secunderabad on 4-9-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Pankumari Bai, 1200, Macleodguda, Secunderabad,

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property : All that double storeyed building bearing No. 10-2-180 (Old No. 17) admeasuring 7182 Sq. Feet, situated at Marredpally, Secunderabad.

K. S. VENKATARAMAN,  
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 8-5-1975,

Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-  
MISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION  
RANGE, DHARWAR-4

Dharwar-4, the 8th May 1975

No. 76/75-76/ACQ.—Whereas, I, R. Parthasarathy, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing C.T.S. No. 142/L.B. situated at Ward No. IX, Line Bazar, Dharwar Ghaziabad, Meerut, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Dharwar Under Document No. 1236 on 17-9-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from and transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings of the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Dr. Sunder Laxman Baise, M.R.C.P. (Lond.),  
Flat No. 201, 'B' Block, Simla House, 51 B,  
Napier Sea Road, Bombay-400006.

(Transferor)

(2) Lt. Col. Dr. M. A. Sirur, 173, Mira Society,  
Salisbury Park, Poona-411001.

(Transferee)

(3) (1) Shri Yellappa H. Kalal, Caltex Petrol Pump,  
Dharwar.

(2) The Regional Transport Officer, Dharwar.

(3) Messrs Jyoti Oil Distributors, Dharwar.

(4) Indian Oil Corporation Limited, Plot No.  
50 'USHA', Hinwadi, Belgaum-590006.  
[Person(s) in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property bearing C.T.S. No. 142/L.B. in Ward IX, Line Bazar, Dharwar City, with an area of 1 Acre, 35 Gunthas and 99 Square Yards with two main buildings and other appurtenances situate within the limits of Hubli-Dharwar Municipal Corporation.

R. PARTHASARATHY

Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Dharwar

Date : 8-5-1975,

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, DHARWAR-4

Dharwar-4, the 30th April 1975

No. 75/75-76/ASQ.—Whereas, I, R. Parthasarathy, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Dharwar being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act,) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Survey No. 125 situated at Chidri Village, Taluka and District Bidar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bidar Under Document No. 2176 on 11-11-1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shrimati Saraswatibai W/o Shri Bhanwarilal, Panbazar, behind United Commercial Bank, Secunderabad (A.P.).

(Transferor)

- (2) (1) Smt. Kousalyabai W/o Mohanlal,  
(2) Shri Badriprasad S/o Mohanlal Agrawal,  
(3) Smt. Kantabai W/o Mahendraprasad,  
(4) Kumar Shamsunder S/o Mohanlal, minor by guardian and father Shri Mohanlal, S/o Bhurmalji.  
(5) Kumar Mukeshbabu s/o Narasingadas, minor by guardian and mother Smt. Shakuntalabai W/o Narasingadas.  
All resident of House No. 5-3-39, Ghoshama Lal Hyderabad, A.P. (Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 9 acres towards South-East side in Survey Number 125 situate in village Chidri, Taluka and District Bidar, along with all the building, super structures, pakka and temporary, consisting of factory sheds, office room (without roof) and the godowns roofed with asbestos sheets, formerly known as the premises of Karnataka Khandasari Sugar Factory and now known as Sounthalya Khandasari Sugar Factory.

R. PARTHASARATHY

Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Dharwar

Dated : 30-4-1975.

Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUI-  
SITION RANGE, BANGALORE.

Bangalore-27, the 6th May 1975

No. C.R. No. 62/2995/74-75 Acq(B).—Whereas, I, R. Krishnamoorthy, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore-560027, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. The property being a residential house situated at (Kamakshi No. 140), V. P. Layout, S. No. 9, of Hebbal, Site No. 17, Hebbal Kasba, Bangalore North Taluk, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer Bangalore North, Bangalore, Document No. 3575/74-75, on 21-9-1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Shri H. M. Thimmaiah,  
(2) Smt. Gangamma,  
Hebbal Kasba, Bangalore North Taluk.

(Transferor)

- (2) Shri M. Krishnappa,  
S/o Marappa (Employee in B.E.L.)  
Hebbal Kasba, Bangalore North Taluk.

(Transferee)

- (3) Shri (1) Ramdoss  
(2) Munivenkatappa  
(3) Joseph  
(4) Sub. Singh  
(5) Madaiah  
(6) Lokondi (7) Ponde.  
[Person(s) in occupation of the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act; shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The property being a residential building, situated at Kamakshi bearing No. 140, Hebbal, V. P. Layout, S. No. 9, Site No. 17, Hebbal Kasba, Bangalore, North Taluk.

Site area measuring : 40 ft × 60 ft. = 2400 sq. ft.

Boundaries:—

- E : Site No. 18 of Sri. Abdul Samad.  
W : Site No. 16 of Smt. Sidda Gangamma.  
N : 25 feet Road in the Layout.  
S : Conservancy Road.

(Document No. 3575/74-75 Dated : 21-9-1974).

R. KRISHNAMOORTHY,  
Competent Authority,

Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bangalore.

Date : 6-5-1975.

Seal :



## FORM ITNS—

1. (1) Shri K. Subbaraya Sastry,  
(2) K. S. Nagabhushana Sarma, (3) K. S. Satyanarayana, Pavagada, Tumkur District.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BANGALORE-27.

2. Shri Hanumappa,  
S/o, Hanumappa, Singarahally,  
Pavagada Taluk—Y. N. Hoskote Hobli, Tumkur District.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Bangalore-27, the 6th May 1975

No. CR.62/3098/74-75/Acq(B).—Whereas, I, R. Krishna Moorthi, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax : Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Survey No. 42, situated at Kotagurth Village, Pavagada Taluk, Tumkur District, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Pavagada, Tumkur District Document No. 1350/74-75, on 6-9-1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transferor; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural land in Survey No. 42, measuring 20.37 acres (Out of 41.35 acres) situated in Kotagurth Village, Pavagada Taluk, Tumkur District and bounded as under :—

East : Singara Halli.

West : Land bearing Survey No. 43.

North : Land bearing Survey No. 41/1 & 41/2.

South : Survey No. 48 and Komala.

R. KRISHNA MOORTHY,  
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bangalore.

Date . 6-5-1975.

Seal :

## FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-  
MISSIONER OF INCOME TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
BANGALORE-27

Bangalore-27, the 6th May 1975

No. CR.62/3099/74-75/Acq(B).—Whereas, I, R. Krishna-Moorthy, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Survey No. 42, situated at Kotagurth Village, Pavagada Taluk, Tumkur District, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Pavagada, Tumkur District Document No. 1351/74-75, on 6-9-1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

1. (1) K. Subbaraya Sastry,  
(2) K. S. Nagabhushana Sharma, (3) K. S. Satyanarayana, Pavagada Y. N. Hoskote, Tumkur District.  
(Transferor)

2. Shri S. T. Hanuma Reddy,  
S/o, Thimmappa, Singara Village,  
Pavagada Taluk, Tumkur District.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural land in S. No. 42, measuring 20.38 acres (out of 41.35 acres) situated in Kotagurth, to Village Pavagada Taluk, Tumkur District and bounded as under :—

East : Singara Halli  
West : Survey No. 43  
North : Survey No. 41/1 & 2  
South : Survey No. 48 and Komala  
Document No. 1351/74.75/dated 6-9-1974

R. KRISHNA MOORTHY,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,  
Acquisition Range, Bangalore.

Date : 6-5-1975.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-  
MISSIONER OF INCOME TAX  
ACQUISITION RANGE,  
BANGALORE-27

Bangalore-27, the 6th May 1975

No. C.R. 62/3100/74-75/Acq(B).—Whereas, I, R. Krishnamoorthy, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore-560027

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and Agricultural Land bearing Survey No. 52 situated at Pavagada, Tumkur District

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Pavagada, Tumkur District Document No. 1352/74-75 on 7-9-1974,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 169D of the said Act, the following persons, namely :—

- (1) 1. Shri P. G. Ramaiah,  
2. P. G. Badrinarayana,  
Sons of Sri Gunthaiah Sastry,  
Pavagada, Tumkur District.

(Transferor)

- (2) Shri K. S. Sathyanarayana,  
S/o Subbaraya Sastry,  
Pavagada, Tumkur District.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) be any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural land bearing S. No. 52, measuring 19 acres 4 guntas (Out of 34 acres 2 guntas) situated in Pavagada, Tumkur District and bounded as under :—

- E : Land bearing S. No. 54  
W : Land bearing No. 48  
N : Property of K. S. Nagabhushan  
S : Land bearing S. No. 53

(Document No. 1352/74-75 dated 7-9-1974)

R. KRISHNAMOORTHY

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range,

Bangalore

Date : 6-5-1975

Seal :

FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
BANGALORE-27

Bangalore-27, the 6th May 1975

No. C.R. 62/3100/74-75/Act(B).—Whereas, I, R. Krishnamoorthy, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore-560027, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Survey No. 52 Agricultural Land situated at Pavagada, Tumkur District (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Pavagada, Tumkur District Document No. 1353/74-75 on 7-9-1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) 1. Shri P. G. Ramaiah,  
2. P. G. Badrinarayana,  
Sons of Sri Gunthaiah Sastry,  
Pavagada, Tumkur District.

(Transferor)

- (2) Shri K. S. Nagabhusana Sarma  
S/o Subbaraya Sastry,  
Pavagada, Tumkur District.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural land bearing S. No. 52, measuring 14 acres 38 guntas (Out of 34 acres 2 guntas) situated at Pavagada (Tumkur District and bounded as under:—

- E : Land bearing S. No. 54  
W : Land bearing No. 48  
N : Land bearing S. No. 51  
S : Property of K. S. Satyanarayana.  
(Document No. 1353/74-75 dated 7-9-1974)

R. KRISHNAMOORTHY

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range,

Bangalore

Date : 6-5-1975

Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-  
MISSIONER OF INCOME TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
BANGALORE-27

Bangalore-27, the 6th May 1975

No. C.R. 62/3100/74-75/Acq(B). —Whereas, I, R. Krishna-  
moorthy, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bangalore-560027  
being the competent authority under section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to  
as the 'said Act') have reason to believe  
that the immovable property, having a fair market value  
exceeding Rs. 25,000 and bearing  
Premises bearing No. (Old No. 20/4), New Nos. 48/1 and  
48/2 ground floor and 1st floor of the building bearing Nos.  
48, 48/1, 48/2 and 48/3 situated at J. C. Road, Bangalore  
City,  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the  
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the  
Registering Officer at  
Basavangudi, Bangalore-4, Document No. 2852/74-75 on  
26-9-1974  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
Parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax  
Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section  
(1) of section 269D of the said Act to the following persons,  
namely :—

30—106GI/75

(1) Shri G. S. Acharya,  
S/o Dr. B. G. S. Acharya,  
represented by his general power of Attorney holder,  
Smt. B.S. Susheela Devi, W/o Dr. B. G. S. Acharya,  
No. 173, 1st Block, Jayanagar,  
Bangalore-11.

(Transferor)

(2) Shrimati M. N. Janaki,  
W/o Sri Narasimhalah,  
Hotel Owner, Santhapet,  
Chitradurga,

(Transferee)

(3) 1. M/s. Rollis Pharma Division,  
2. Sylvania and Laxman  
3. Rollis Wolf Division

(Person(s) in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons which-  
ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXXA of the said Act  
shall have the same meaning as given in that  
Chapter.

## THE SCHEDULE

Premises bearing old No. 20/4, new Nos. 48/1 and 48/2,  
being the ground floor and first floor Portion of the whole  
building bearing Nos. 48, 48/1, 48/2 and 48/3, situated at  
J. C. Road, Bangalore City.

## BOUNDARIES

E : by P.C. Road  
W : by Corporation Lane  
N : by Old site No. 4 (New No. 20/3)  
S : by Premises No. 48 and 48/3  
(Site area about 216 sq. Yards).

Document No. 2852/74-75 date 26-9-1974.

R. KRISHNAMOORTHY

Competent Authority,

Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax.

Acquisition Range,  
Bangalore

Date : 6-5-1975

Seal :

## FORM ITNS

(2) Shri A. N. Saimuladeen, Mualiar, Shafi Manzil,  
Kanninelcherry, Kilikolloor, Quilon.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-  
MISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,  
'JYOTHI BUILDINGS', GOPALAPRABHU ROAD,  
ERNAKULAM, COCHIN-11.

Cochin-11, the 5th May 1975

Ref. LC No. 38/75-76.—Whereas, I K. Rajagopalan being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Sy. Nos. 892, 898 situated at Kottankara Village in Quilon (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Eravipuram on 13-9-74 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said act to the following persons, namely :—

- (1) 1. Smt. Janamma Ranan  
Govinda Bhavan, Quilon.
  2. Sri Haridas, Govinda Bhavan, Quilon.
  3. Shri Natarajan, Govinda Bhavan, Quilon.
- For M/s. M. P. Govindan & Sons (P) Ltd., Quilon.  
(Transferor)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1 acre 35 cents of land with buildings in Sy. Nos. 982 and 898 in Kottankara Village in Punnukornoorcherry in Quilon Taluk.

K. RAJAGOPALAN

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range,

Ernakulam, Cochin

Date : 5-5-1975

Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE  
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-  
MISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
'JYOTHI BUILDINGS', GOPALAPRABHU ROAD,  
ERNAKULAM, COCHIN-11,

Cochin-11, the 6th May 1975

Ref. LC No. 40/75-76.—Whereas, I, K. Rajagopalan, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Sy. No. as per schedule situated at Nagaram Amson Desom in Calicut

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chalappuram on 5-9-1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Vishandas Pocker Das,  
S/o Sri Pocker Das, Banker, Nagalam,  
Calicut

(Transferor)

- (2) K.B.G. Rao Estate (HUF)

Rept. by Manager and Kartha Sri K. B. Govinda Rao  
S/o Sri K. B. Devadasa Rao, Katcheri Amson,  
Calicut.

(Transferee)

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

4/5th right over 1st and 2nd floors and open terrace on the 2nd floor of the building No. 11/1796 of the Corporation of Calicut, situated in Sy. No. 39/6A (R.S. 11-2-75/2) on Nagaram Amson Desom in Calicut.

K. RAJAGOPALAN

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range,

Ernakulam, Calicut-11

Date : 5-5-1975

Seal .

## FORM ITNS—

(1) Shrimati B. Sharadamma,  
No. 85, Victoria Layout,  
Bangalore-560 007.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri V. Rudraiah,  
No. 10/6, Victoria Layout,  
Bangalore-560 007.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, BANGALORE-27

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Bangalore-27, the 5th May 1975

No. C.R. 62/3017/74-75/Acq.(B).—Whereas, I, R. Krishnamoorthy, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore—560 027, being the competent authority under section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 10/6, situated at VI Cross, Victoria Layout, Bangalore-560 007, (and more fully described

in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Shivajinagar, Bangalore, Document No. 2222/74-75, on 28-9-1974,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957) :

Now, therefore, in pursuance of section 269C. of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as give in that Chapter.

## THE SCHEDULE

The property being a residential house bearing No. 10/6, VI Cross, Victoria Layout, Bangalore-560 007—

Site area measuring—

E—W : 50 ft. }  
N—S : 37 ft. } —1,850 sq. ft.

Document No. 2222/74-75 dated 28-9-1974.

R. KRISHNAMOORTHY,  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bangalore.

Date : 5-5-1975

Seal :



## FORM I.T.N.S.—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6

Madrās-6, the 5th May 1975

Ref. No. 1380/74-75 —Whereas, I. K. V. Rajan, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 20, situated at Thirumurthy Street, T. Nagar, Madras-17, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at T. Nagar (Madras) (Document No. 1384/74), on 21-9-1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) 1. Shri P. V. Satyanarayana Rao,  
2. Shri S. Sundarajan, 3. Shri S. Sreedharan, 4. Shri S. Ragothaman and 5. Shri S. Ravindranathan

(Minor) through his father and guardian Shri Satyanarayana Rao, No. 20, Thirumurthy St., T. Nagar, Madras-17.

(Transferor)

- (2) Shri Chennampalli Obulesu,  
No. 56/1 South West Boag Road, T. Nagar,  
Madrās-17.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land admeasuring 7200 Sft. (with building) situated at Door No. 20, Thirumurthy Street, T. Nagar, Madras-17 (R.S. No. 6937).

K. V. RAJAN,  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Madras-6.

Dated : 5-5-1975.  
Seal :

## FORM ITNS—

(2) Shri Kanda Kandasami, S/o Shri Murugesu Pillai, No. 38, Looyeeprakasam St., Pondicherry

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6

Madras-6, the 30th April 1975

Ref. No. F. 3202/74-75.—Whereas, I, A. Raghavendra Rao, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 38, situated at Looyeeprakasam Street, Pondicherry, (and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Pondicherry (Document No. 2678/74), on 16-9-1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sri Alagappan alias Rengasami Kramani, S/o Shri Sengapuli Eramani, Poornangkuppam village, Ariyankuppam commune.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land admeasuring 2318 Sft. (with building) situated at Door No. 38, Looyeeprakasam Street, Pondicherry.

A. RAGHAVENDRA RAO,  
Competent Authority.

Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date : 30-4-1975.

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Sri S. P. Rajagopal, Shri S. P. Arumugam and Smt. Subbulakshmi,  
Sundakamuthur, Coimbatore Taluk.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II,  
MADRAS-6

(2) Shri S. R. Anandakumar (Minor) through his guar-  
dian Smt. Subbulakshmi No. 3, Narayanadas Layout  
Street No. 3, Tatabad, Coimbatore-12.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

Madras-6, the 30th April 1975

Ref. No. F. 2282/74-75.—Whereas, I, A. Raghavendra Rao, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. No. 535/2 in Alandurai village, S. Nos. 244/2, 375/3, 374, 375/1, 376/1 & 376/3 in Ikkarai Boluvampatti, (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Coimbatore (Document No. 2317), on 17-9-1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons ever period expires later;

(b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Village	S. No.	Acre—Cent
Alandurai	535/2	0—46
Ikkarai Boluvampatti	244/2	1—92
Do.	375/3	4—04
Do.	374	0—53
Do.	375/1	2—40
Do.	376/1	2—17
Do.	376/3	1—26
		12—78

A. RAGHAVENDRA RAO,  
Competent Authority

Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date : 30-4-1975.

Seal :

## FORM ITNS

(1) Smt. Chinnammal,  
W/o Shri R. V. Arunachalam,  
P. Koll St., Coimbatore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri R. John Nadai,  
472, Raja Street, Coimbatore.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-  
MISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

MADRAS-6, the 30th April 1975

Ref. No. F.2283/74-75.—Whereas, I, A. Raghavendra Rao being the Competent Authority under section 269D of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. SF 102, 103, situated at Puliakulam Village, Coimbatore Taluk (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coimbatore (Document No. 3675/74 on September 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax, Act 1957 (27 of 1957).

Lands in Puliakulam village. Coimbatore Taluk.

No.	Acre-Cent
S.F. No. 102	1—74
103	2—41
1103	0—20
	4—35

A. RAGHAVENDRA RAO

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range-II, Madras-6.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date : 30-4-1975

Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-  
MISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6

Madras-6, the 30th April 1975

Ref. No. F. 2283/74-75.—Whereas, I, A. Raghavendra Rao being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. G.S. No. 101, 102 and 103 situated at Patta No. 106 Puliakulam Village Coimbatore Taluk (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Coimbatore (Doc. No. 3674) on September 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

31—106GI/75

(1) Shri R. V. Arunachalam,  
S/o Shri Venkitachala Thevar, Muthusami Colony,  
Komarapalayam, Coimbatore Tk.

(Transferor)

(2) Shri R. John Nadar,  
S/o Shri Rathina Gurusami Nadar,  
No. 472 Raja Street, Coimbatore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Patta No. 150 in Puliakulam village, Coimbatore Taluk	
	Acre-Cents
G.S. No. 101	3—09
102	1—06
103	0—20
	<hr/>
	4—35
	<hr/>

A. RAGHAVENDRA RAO

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date : 30-4-1975

Seal :

## FORM ITNS ———

(2) Shri N. Thiruvengatasami,  
No. 35, Tatabad 11th St.,  
Coimbatore,

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-  
MISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6

MADRAS-6, the 30th April 1975

Ref. No. F. 2276/74-75.—Whereas, I, A. Raghavendra Rao being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 533, situated at Tatabad 11th St., 11th Ward, Coimbatore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhipuram (Coimbatore) (Doc. No. 2799/74) on 12-9-74 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri D. John Williams,  
No. 9/15, Dr. Munnsami Garden,  
Avinasi Road, Coimbatore.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land admeasuring 11 Cents and 283 Sq. ft. (with building) situated at Plot No. 533, Tatabad 11th St., 11th Ward, Coimbatore.

A. RAGHAVENDRA RAO

Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date : 30-4-1975

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR,  
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,  
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 6th May 1975

Ref No. Acq. 23-I-479(174)/1-1/74-75.—Whereas, J. J. Kathuria, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Final Plot No. 517-2-B, T.P.S. No. 3, situated Near Nehrubridge, Ashram Road, Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 30-9-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) 1. Shri Sadhuram V. Andani,  
2. Shri Gordhanlal S. Andani,  
3. Shri Kishanlal Sadhuram Andani,  
4. Kumari Bhagyawanti S. Andani,  
For and on behalf of the firm of M/s. Sadhuram Gordhanlal, Nelaji Cloth Market, Kalupur, Kotnang, Ahmedabad.

(Transferor)

- (2) Shri Dahyabhai Ramsangbhai Jadav,  
10-B, Amarkunj Society,  
Kankaria Dhor Bazar Road,  
Maninagar, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

An immovable property being office No. A-54 in Block 'A' on fourth floor of Capital Commercial Centre, bearing Final Plot No. 517-2-B, T.P.S. No. 3, situated Nr. Nehrubridge, Ashram Road, Ahmedabad.

J. KATHURIA

Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date : 6-5-1975

Seal :

## FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-  
MISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR,  
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,  
AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 6th May 1975

Ref. No. Acq. 23-I-480(175)/1-1/74-75.—Whereas, I, J. Kathuria, being the competent authority under section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Final Plot No. 517-2-B, T.P.S. No. 3 situated Near Nehru Bridge, Ashram Road Ahmedabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at Ahmedabad on 27-9-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons namely :—

- (1) 1. Shri Sadhuram V. Andani,  
2. Shri Gordhanlal S. Andani,  
3. Shri Kishanlal Sadhuram Andani,  
4. Kumari Bhagyawanti S. Andani,  
For and on behalf of the firm of M/s. Sadhuram Gordhanlal, Netaji Cloth Market, Kalupur, Kotmirang, Ahmedabad.

(Transferor)

- (2) M/s. Gujarat Enterprise,  
3, Rang Kunj Society,  
Naranpura Char-Rasta,  
Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

An immovable property being office No. A-57 in Block 'A' on fourth floor of Capital Commercial Centre, bearing Final Plot No. 517-2-B, T.P.S. No. 3, situated Near Nehru Bridge, Ashram Road, Ahmedabad.

J. KATHURIA

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date : 6-5-1975

Seal :



## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE  
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-  
MISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR,  
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,  
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 6th May 1975

Ref. No. Acq 23-I-481(176)/1-1/74-75.—Whereas, I, J. Kathuria,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Final Plot No. 517-2-B, T.P.S. No. 3 situated at Near Nehrubridge, Ashram Road, Ahmedabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 25-9-1974.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) 1. Shri Sadhuram V. Andani,  
2. Shri Gordhanlal S. Andani,  
3. Shri Kishanlal Sadhuram Andani,  
4. Kumari Bhagyawanti S. Andani,  
For and on behalf of the firm of M/s. Sadhuram Gordhanlal Netaji Cloth Market, Kalupur, Kotnang, Ahmedabad.

(Transferor)

- (2) Shri Govindlal Mayabhai Patel,  
C/o. M/s. Anilkumar Bhagwandas,  
1457, Nava-Madhupura,  
Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

An immovable property being office No. A-56 in Block 'A' on fourth floor of Capital Commercial Centre, bearing Final Plot No. 517-2-B, T.P.S. No. 3, situated Near Nehru-bridge, Ashram Road, Ahmedabad.

J. KATHURIA

Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date : 6-5-1975

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR,  
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,  
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 6th May 1975

Ref. No. Acq. 23-I-482(177)/1-1/74-75.—Whereas, I, J. Kathuria, being the Competent Authority, under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Final Plot No. 517-2-B, T.P.S. No. 3 situated at Near Nehrubridge, Ashram Road, Ahmedabad. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 27-9-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) 1. Shri Sadhuram V. Andani,  
2. Shri Gordhanlal S. Andani,  
3. Shri Kishanlal Sadhuram Andani,

4. Kumari Bhagyawanti S. Andani,  
For and on behalf of the firm of M/s. Sadhuram Gordhanlal Netaji Cloth Market, Kalupur, Kotnirang, Ahmedabad.  
(Transferor)

(2) Shri Purshottamdas Amichand Patel,  
15, Suvas Society, St. Xavier's Road,  
Opp. Stadium, Ahmedabad-14.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

An immovable property being office No. A-50 in Block 'A' on fourth floor of Capital Commercial Centre, bearing Final Plot No. 517-2-B, T.P.S. No. 3, situated Near Nehru-bridge, Ashram Road, Ahmedabad.

J. KATHURIA  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date : 6-5-1975  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, BANGALORE-27

Bangalore-27, the 25th April 1975

No. C. R. 62/2906/74-75/Acq(B).—Whereas, I. R. Krishnamoorthy, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore-27,

being the Competent Authority

under Section 269B of the Income-tax Act, 1961

(43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

The property being a vacant site in a portion of premises No. 3, Dr. Ambedkar Road, Bangalore-5

(and more fully described in the

Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Shivajinagar, Bangalore, Document No. 1923/74-75 on 9-9-1974.

for an apparent consideration which is less

than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Shri V. S. Loganathan,  
2. Shri V. L. Thyagarajan,  
3. Shri V. L. Dorairaj,  
No. 7 Murgesh-Pillai Street, Bangalore-1.  
(Transferor)
- (2) Shri R. Kampaih,  
No. H. 42 Lakshminarayanapuram, Bangalore-19.  
(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

The property being a Vacant site in a portion of Premises No. 3, Dr. Ambedkar Road, Bangalore-5.

Site Area  $223' \times 85' = 18,955$  Square feet.

Doc. No. 1923/74-75 dated 9-9-1974.

R. KRISHNAMOORTHY,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bangalore.

Date : 25-4-1975

Seal :

FORM I.T.N.S.—

(2) Shri R. Kampaiah,  
No. H. 42 Lakshminarayanapuram, Bangalore-19.  
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, BANGALORE-27

Bangalore-27, the 25th April 1975

No. C. R. 62/2907/74-75/Acq.(B).—Whereas, I. R. Krishnamoorthy, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore-27, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

The property being a vacant site in a portion of premises No. 3, Dr. Ambedkar Road, Bangalore-5 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shivaji Nagar, Bangalore Document No. 1922/74-75 on 9-9-74

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the said parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Shri V. S. Loganathan,  
2. Shri V. L. Thyagarajan,  
3.. Shri V. L. Dorairai,  
No. 7 Murgesh-Pillai Street, Bangalore-1.  
(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The property being a Vacant site in a portion of Premises No: 3 Dr. Ambedkar Road, Bangalore-5.

93' + 85'  
Site Area =  $177' \times \frac{93' + 85'}{2}$  = 15,753 Square feet.  
Doc. No. 1922/74-75 dated 9-9-1974.

R. KRISHNAMOORTHY,  
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bangalore.

Date : 25-4-1975  
Seal :

## FORM ITNS

(2) Shri R. Sampathraj,  
No. 1056, 7th Main Road, Sreerampuram  
Bangalore-21.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, BANGALORE-27

Bangalore-27, the 25th April 1975

No. C. R. 62/2908/74-75.—Whereas, I, R. Krishnamoorthy,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition  
Range, Bangalore-560027.

being the competent authority under section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as  
the 'said Act') have reason

to believe that the immovable property, having a fair  
market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

The property being a vacant site in a portion of premises  
No. 2 Dr. Ambedkar Road, situated at Bangalore-560005  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has  
been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the office of the Registering Officer at  
Shivaji Nagar, Bangalore, Document No. 1924/74-75 on  
9-9-1974.

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason  
to believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act,  
in respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or  
any moneys or other assets which have not  
been or which ought to be disclosed by the  
transferee for the purposes of the Indian  
income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the  
said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said  
Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of section 269D of the said Act to the following  
persons, namely :—

- (1) 1. Shri V. S. Loganathan,  
2. Shri V. L. Thyagarajan,  
3.. Shri V. L. Dorairaj,  
No. 7 Murugesh-Pillai Street, Bangalore-1.  
(Transferor)

32—106GI/75

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of  
30 days from the service of notice on the res-  
pective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said  
immovable property within 45 days from the  
date of the publication of this notice in the  
Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

## THE SCHEDULE

The property being a Vacant site in a portion of P  
No. 2 Dr. Ambedkar Road, Bangalore-560005.

Site Area :  $\frac{175' \times 70' + 89 \cdot 6'}{2} = 14,000$  Square feet.

Doc. No. 1924/74-75 dated 9-9-1974.

R. KRISHNAMOORTHY,  
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-tax, Acquisition Range, Bangalore.

Date : 25-4-1975

Seal :

FORM ITNS—

(2) Shri R. Sampatharaj, No. 1056, 7th, Main Road,  
Sreeramapuram, Bangalore-21.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, BANGALORE-27

Bangalore-27, the 25th April 1975

No. C. R. 6/2909/74-75/Acq.—Whereas, I. R. Krishnamoorthy, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore-27 being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. The property being a vacant site in a portion of premises No. 2, Dr. Ambedkar Road, Bangalore-5

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shivajinagar Bangalore, DOC No. 1925/74-75 on 9-9-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax, Act 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. V. S. Loganathan.
- 2. V. L. Thyagarajan.
- 3. V. L. Dorairaj.
- No. 7, Murgeshpillai St. Bangalore-1.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

The property being a vacant site in a portion of Premises No. 2 Dr. Ambedkar Road Bangalore-5.  
Site Area 178ft.×70ft.=12260 Square feet.  
Doc. No. 1925/74-75 dated 9-9-1974.

R. KRISHNAMOORTHY,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-tax, Acquisition Range, Bangalore.

Date : 25-4-1975  
Seal :

FORM ITNS—

3.. Shri V. L. Dorairaj,  
No. 7 Murgeshpillai Street, Bangalore-1.  
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri R. Kampathraj,  
1056, 7th Main Road Sreeramapuram, Bangalore-  
21.  
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-  
MISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE BANGALORE-27

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

Bangalore-27, the 25th April 1975

No. C. R. 62/3000/74-75/Acq.(B).—Whereas, I. R. Krishnamoorthy, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore-27 being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. the property being a vacant site in a portion of premises No. 4, Dr. Ambedkar Road, situated at Bangalore-5, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Shivajinagar, Bangalore Document No. 2037/74-75, on 19-9-1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269-D of the said Act to the following persons, namely :

- (1) 1. Shri V. S. Loganathan,
2. Shri V. L. Thyagarajan,

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this Notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

The property being a vacant site in a portion of Premises No. 4 Dr. Ambedkar Road, Bangalore-5.  
Site Area 210ft.×70ft=14,700 Square feet.  
Doc. No. 2037/74-75 dated 9-9-1974.

R. KRISHNAMOORTHY

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Competent Authority,  
Acquisition Range, Bangalore.

Date : 25-4-1975

Seal :

## FORM ITNS—

(2) Shri R. Rampath Raj,  
No. 1056, 7th Main Road, Sreerampuram,  
Bangalore—560021.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-  
MISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, BANGALORE-27

Bangalore-27, the 25th April 1975

No. C. R. 62/3001/74-75/Acq(B.—)Whereas, I, R. Krishnamoorthy, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore-560027, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

The property being a vacant site in a portion of premises No. 4 situated at Dr. Ambedkar Road, Bangalore-560005, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shivaji Nagar, Bangalore, Document No. 2038/74-75 on 9-9-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property of the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Shri V. S. Loganathan,  
2. Shri V. L. Thyagarajan,  
3. Shri V. L. Dorairaj,  
No. 7 Muruges-Pillai Street, Bangalore-560001.  
(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

The property being a vacant site in a portion of Premises No. 4 Dr. Ambedkar Road Bangalore-560005.

Site Area : 190ft.×70ft.=13,300 Square feet.

Doc. No. 2038/74-75 dated 9-9-1974.

R. KRISHNAMOORTHY,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bangalore.

Date : 25-4-1975

Seal :



## FORM ITNS—

(1) Shrimati S. Janki, No. 9 Cambridge Road  
Bangalore-8.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Shri R. Sampathraj, No. 1056, 7th Main Road,  
Sreeramapuram, Bangalore-21.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMIS-  
SIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE,  
BANGALORE-27Objections, if any to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

Bangalore, the 25th April 1975

No. CR.62/3239/74-75/Acq.—Whereas, I. R. Krishna-moorthy, Inspecting Assistant Commissioner, of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore-27, being the competent authority under section 269B of the Income Tax, Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing The Property being a vacant land Measuring 8 guntas of portion No. 248, situated at Doddigunta, Cox town, Bangalore. (Corporation Division No. 49), (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Shivaji Nagar, Bangalore DOC. No. 2549/74-75 on 25-9-74 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

The Property being a vacant land Measuring 8 guntas of portion No. 248, Doddigunta, Cox Town, Bangalore. (Corporation Dn. No. 49).

DOC No. 2549/74-75 Dated : 25-9-1974.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 25-4-1975  
Seal :

R. KRISHNAMOORTHY,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Bangalore.

## FORM ITNS—

- (1) 1. Shri D. V. Viswanath S/o D. V. Dasappa,  
2. Smt. Seethamma Dasappa, Balaguda Estate,  
Somwarpet, Coorg District.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
BANGALORE-27

Bangalore the 30th April 1975

No. C.R.62/3013/74-75/Acq.(B).—Whereas, I, R. Krishnamoorthy, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore-27, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Residential premises No. 27 (Old) New No. 38/39 situated at Wellington Street, Richmond Town, Bangalore-26 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shivajinagar, Bangalore, Document No. 2164/74-75 on 25-9-1974.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (2) Smt. Pratibha S. Moola, W/o Shri M. Surendranath, No. 38/39, Wellington Street, Richmond Town, Bangalore-26.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Residential Premises No. 38/39, (Old No. 27) situated on Wellington Street, Richmond Town, Bangalore-26, measuring.

$$E-W : \frac{103' + 88'}{2} \times N-S \frac{170' + 180'}{2} = 16,712 \text{ sq. ft.}$$

Document No. 2164/74-75 dated 25-9-1974.

R. KRISHNAMORTHY,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner  
of Income-tax, Acquisition  
Acquisition Range,  
Bangalore.

Date : 30-4-1975

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUI-  
SITION RANGE,  
BANGALORE-27

Bangalore, the 25th April 1975

No. C.R.62/3038/74-75/Acq.B.—Whereas, I, R. Krishna-moorthy, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore-27, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. The property being a vacant site bearing Corporation No. 6/1, Sreekanthiah Layout, situated at Crescent Road Cross, Bangalore-560 001.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhinagar, Bangalore-9, Document No. 2455/74-75 on 2-9-1974.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri H. N. Muddukrishna, S/O Shri H. Narasimhaiah, No. 36, Crescent road cross, Bangalore-1.

(Transferor)

(2) Shri Hiralal, No. 3, Noble Hardware Stores Kumbarpet, Bangalore-2.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons which ever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA, of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

The property being a vacant site bearing Corporation No. 6/1, Sreekanthiah Layout, Crescent Road Cross, Bangalore-560 001.

$$\text{Site Area : } \frac{54' + 42'}{2} \times \frac{83' + 75'}{2} = 3,792 \text{ Square feet.}$$

Document No. 2455/74-75 dated 2-9-1974.

R. KRISHNAMORTHY,  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Bangalore.

Date : 25-4-1975

Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri H. H. Sahadevji Narahardevji, Dharampur House, Jayamahall, Bangalore. 6.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(2) Shrimati Saroj Kapoor, No. 14, II Main Road, Jayamahall Extension, Bangalore-6.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, BANGALORE-27  
BANGALORE-27

Bangalore-27, the 23rd April 1975

No. CR.62/3046/74-75/Acq.(B).—Whereas, I, R. Krishna-moorthy, Inspecting Assistant Commissioner, of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore-27, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing the property being a vacant site No. 12, Corporation No. 11/10, part of Corporation No. 19, situated at Nandidurga Extension, Bangalore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering office at 6-9-1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, in the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

The property being a vacant site No. 12, Corporation No. 11/10, part of Corporation No. 19, Nandidurga Extension, Bangalore, Site area 54'x80' = 4320 sq. ft.

Document No. 2561/74-75 dated 6-9-1974.

R. KRISHNAMOORTHY,  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Bangalore.

Date : 23-4-1975

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
BANGALORE-27.

Bangalore-27, the 25th April 1975

No. C.R.62/3059/74-75/Acq.B.—Whereas, I, R. Krishnamoorthy, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Southern half portion of Shop Premises No. 281 (Old Nos. 379, 376 and 377), situated at Avenue Road, Bangalore city, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhinagar, Bangalore-560009 Document No. 2763/74-75 on 23-9-1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

33—106GI/75

- (1) 1. Smt. Mohini Sahbhaiwal.  
(2) Smt. Shaika Bindra, by Power of Attorney Holder, Father, Col. D. S. Bedi, 7/D/18, Rest House Crescent, Bangalore-1.

(Transferor)

2. Shri D. H. Narayanasa, J-15, Mallikarjuna Temple, Street, Bangalore-2 A.

(Transferee)

3. (1) J. M. Sheth & Co.,  
(2) Abdul Hameed,  
(Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property).  
(Person(s) in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Southern half portion of shop Premises No. 281 (Old Nos. 379, 376 and 377), Avenue Road, Bangalore city—

Site area measuring—

North to South=10ft. } 380 sq. ft.  
East to West=38ft.

Document No. 2763/74-75 dated 23-9-1974.

R. KRISHNAMOORTHY,

Competent Authority,

Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range,

Bangalore.

Date : 25-4-1975

Seal :

FORM I.T.N.S. — — — —

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
BANGALORE-27

Bangalore-27, the 25th April 1975

No. CR 62/3060/74-75/Acq.B.—Whereas, I, R. Krishnamoorthy, Inspecting Assistant Commissioner of Income tax, Acquisition Range, Bangalore-27,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Northern half portion of Shop Premises No. 281 (Old Nos. 379, 376 and 377) situated at Avenue Road, Bangalore city,

(and more fully

described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration

Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhinagar, Bangalore-560 009 Document No. 2764/74-75 on 23-9-1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) 1. Smt. Mohini Sabharwal,  
2. Smt. Shaika Bindra, by Power of Attorney Holder, father, Col D. S. Bedi, 7/D/18, Regt House Crescent Bangalore—560 001 (Transferor)
- (2) Shri D. H. Krishnasa, No. J 15, Mallikarjuna Temple Street, Bangalore-2-A, (Transferee)
- (3) (1) J. M. Sheth & Co  
(2) Shri Radhakrishna Setty.  
(person(s) in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used here, in as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

## THE SCHEDULE

Northern half portion of Shop Premises No. 281 (Old Nos. 379, 376 and 377) Avenue Road, Bangalore city.

Site area : E-W = 38'  
N-S = 10' = 380 Sq. ft.

Document No. 2764/74-75 dated 23-9-1974.

R. KRISHNAMOORTHY,  
Competent Authority,

Inspecting Asstt Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bangalore

Date : 25-4-1975.

Seal .

## FORM ITNS—

(2) Shri D. K. Ramesh,  
No. 2, III, Block, K. P. West, Bangalore-20.  
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

"(3) I. R. Mahalingam

"(4) (Person(s) in occupation of the property).

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION  
RANGE, BANGALORE-27

Bangalore-27, the 23rd April 1975

No. CR62/3063/74-75/Acq.—Whereas, I,  
R. Krishnamoorthy, Inspecting Assistant Commissioner  
of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore-27,  
being the competent authority under section  
269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (here-  
inafter referred to as the said Act) have reason to believe  
that the immovable property having a fair market value  
exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.  
The property being a residential house bearing No. 305/6,  
Palace Upper Orchards, situated at Sadashivanagar,  
Bangalore  
(and more fully described in the Scheduled annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act 1908 (16  
of 1908) in the office of the registering Officer at  
Gandhinagar, Bangalore-9, DOC No. 2797/74-75 on  
20-9-1974

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of trans-  
fer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the  
liability of the transferor to pay tax under  
the said Act in respect of any income arising from  
the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or  
any moneys or other assets which have not  
been or which ought to be disclosed by the  
transferee for the purposes of the Indian  
Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the  
said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said  
Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under  
sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the fol-  
lowing persons, namely:—

- (1) 1. Shrimati Doddakempamma.
- 2. Shri D. Subramanya,  
Gosa gowda Street, Srirangapatna.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any other person interested in the said  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of  
30 days from the service of notice on the res-  
pective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said  
immovable property, within 45 days from the  
date of the publication of this notice in the  
Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein  
as are defined in Chapter XXA of  
the said Act shall have the same meaning  
as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

The property being a residential house bearing No. 305/6,  
Place Upper Orchards, Sadashivanagar, Bangalore Site  
area—10ft.×60ft. and 15ft.×30ft.=40.50 Sq. ft.  
DOC No. 2797/74-75 Dated: 20-9-1974.

R. KRISHNAMOORTHY,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant  
Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bangalore

Date: 23-4-1975.

Seal:

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION  
RANGE, BANGALORE-27

Bangalore-27, the 23rd April 1975

No. CR.62/3078/74-75/Acq(B).—Whereas, I, R. Krishna Moorthy, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore-27, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. the property being a revenue land measuring 2 acres and 12 guntas in survey No. 128/1, Benaganhalli village, situated at K. R. Puram Hobli, Bangalore South Taluk. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bangalore South Taluk Document No. 5399/74-75 on 26-9-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Mangi Bai, D/o Late Gulabi Bai, Mailapur High Road, Madras-51.

(Transferor)

- (2) 1. M. Venkataswamaiah, S/o Muniswamaiah, No. 147, 3rd Cross, Hanumanthanagar, Bangalore-19.

- (2) Shri C. Hanumanthaiah, S/o Chikkahanumanthaiah, Door No. 91, 10th Cross West, Hanumanthanagar, Bangalore-19.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

The property being a revenue land measuring 2 acres and 12 guntas in Survey No. 128/1, Benaganhalli village, K. R. Puram Hobli, Bangalore South Taluk.

Document No. 5399/74-75/dated 26-9-1974.

R. KRISHNA MOORTHY,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant  
Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bangalore.

Date : 23-4-1975.  
Seal :



FORM I.T.N.S.—

(1) Smt. Rajani Kumari Shiyal,  
No. 12/7, K. A. Street, Madras-7 ,  
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION  
RANGE, BANGALORE-27

Bangalore-27, the 23rd April 1975

No. CR. 62/3079/74-75/Acq.(B).—Whereas, I, R. Krishna Moorthy, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore-27, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. the property being a revenue land measuring 4 acres and 4 guntas, in Survey No. 128/2, situated at Benaganahalli Vill. K. R. Puram Hobli, Bangalore South Taluk (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bangalore South Taluk Document No. 5400/74-75 on 26-9-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (2) 1. M. Venkataswamaiah, S/o Muniswamiah,  
No. 147, 3rd Cross, Hanumantha Nagar,  
Bangalore-19.  
2. Shri C. Hanumanthaiah, S/o  
Chikkahanumanthaiah,  
Door No. 91, 10th Cross West Hanumanthanagar,  
Bangalore-19.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

The property being a revenue land measuring 4 acres and 4 guntas in Survey No. 128/2, Benaganahalli village, K. R. Puram Hobli, Bangalore South Taluk.  
Document No. 5400/74-75/dated 26-9-1974.

R. KRISHNA MOORTHY,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant  
Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bangalore.

Date : 23-4-1975.

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
HYDERABAD.

Hyderabad, the 9th May 1975

Ref. No. RAC.No. 22/75-76.—Whereas, I K. S. Venkataraman, being the competent authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1/2 Portion, 4-3-1069, situated at Ramkote, Hyderabad,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Hyderabad on 21-9-75,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys, or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes, of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Dr. G. Dwaraka Bai, W/o  
Late Dr. Jaisooraya,  
R/o B-3-1069 at Ramkote, Hyderabad.

(Transferor)

- (2) Smt S. Annapurnamma, W/o  
Dr. Sunku, Balaram,  
R/o Ongole, Prakasham, Dist.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any of the person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property : A portion of northern side of the House No. 4-3-1069 at Ramkote, Eden Bagh, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN,  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Hyderabad.

Date : 9-5-1975.

Seal :

FORM ITNS—

4. Mrs. Srin M. Jehangir,  
all are residing at one place H. No. 10-5-15,  
at Masab Tank, Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
HYDERABAD.

Hyderabad, the 9th May 1975

Ref. No. RAC.No. 20/75-76.—Whereas, I, K. S. Venkata-  
raman,  
being the competent authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearing No.

Front Portion, 3-6-122, situated at Himayatnagar, Hyderabad,  
(and more fully described in the schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the office of the Registering Officer at  
Hyderabad on 17-9-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the  
liability of the transferor to pay tax under  
the said Act in respect of any income arising from  
the transfer; and

(b) facilitating the concealment of any income or  
any moneys or other assets which have not  
been or which ought to be disclosed by the  
transferee for the purposes of the Indian  
Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the  
said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under  
sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the follow-  
ing persons namely :

- (1) 1. Sri Zal M. Jehangir,  
2. Mrs. Meheru K. Italia,  
3. Miss Roshan M. Jehangir,

- (2) Smt. M. Sarojini Devi, W/o M. Balraj Reddy,  
H. No. 15-5-717 at Afzalgunj,  
Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of  
30 days from the service of notice on the res-  
pective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said  
immovable property, within 45 days from the  
date of the publication of this notice in the  
Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used here-  
in as are defined in Chapter XXA of  
the said Act shall have the same meaning as  
given in that Chapter.

## \ THE SCHEDULE

Property : The front portion of the building bearing House  
No. 3-6-122 at Himayatnagar, Hyderabad Area : 463 Sq.  
Meters.

K. S. VENKATARAMAN,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Hyderabad.

Date : 9-5-1975.

Seal :

## FORM 1TNS—

(1) Dr. G. Dwaraka Bai W/o  
Late Dr. Jaisooraya,  
R/o B-3-1069 at Ramkote, Hyderabad. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Dr. Sunku Balaram, S/o  
Sri Venkatachalamayya Chetty,  
R/o Ongole, Prakasam, Dist. (Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE,  
HYDERABAD.

Hyderabad the 9th May 1975

Ref. No. RAC.No. 23/75-76.—Whereas, J. K. S. Venkata-  
raman,  
being the competent authority under Section 269B of the  
Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearing

No. 1/2 Portion, 4-3-1069, situated at Ramkote, Hyderabad,  
(and more fully  
described in the Schedule annexed hereto), has been trans-  
ferred under the Registration Act,  
1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at  
Hyderabad on 21-9-75.

for an apparent  
consideration which is less than the fair market value of the  
aforesaid property and I have reason to believe that the fair  
market value of the property as aforesaid exceeds the appa-  
rent consideration therefor by more than fifteen per cent of  
such apparent consideration and that the consideration for  
such transfer as agreed to between the parties has not been  
truly stated in the said instrument of transfer with the object  
of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of  
the transferor to pay tax under the said act in res-  
pect of any income arising from the transfer; and

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or which  
ought to be disclosed by the transferee for the pur-  
poses of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of  
1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957  
(27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-sec-  
tion (1) of section 269D of the said Act to the following  
persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of  
30 days from the service of notice on the res-  
pective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said  
immovable property within 45 days from the  
date of the publication of this notice in the  
Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are  
defined in Chapter XXA of the said Act shall  
have the same meaning as given in that chap-  
ter.

## THE SCHEDULE

Property : A portion of Southern side of the house No.  
B-2-12 (Old) New No. 4-3-1069 at Ramkote, Eden Garden,  
Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Hyderabad.

Date : 9-5-1975.  
Seal :

## FORM ITNS

haji Rao Angre, Jaivilas Palace,  
Gwalior.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Jeet Goods Carrier, through  
Sardar Gurdeepsingh S/o Surdar Atma Singh,  
R/o Naya Bazar, Lashkar,  
Gwalior.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
BHOPAL

Bhopal, the 3rd May 1975

Ref. No. JAC/ACQ/BPL/75-76.—Whereas, I, V. K. Sinha, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

One Kothi and open land in ward No. 24 on Jhansi Road, admeasuring 41763 sq. ft. situated at Gwalior, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Gwalior on 16-9-1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Princes Yashodhara Raje Sindhia D/o  
His late Highness Maharaja Jiwaji Rao Sindhia  
through her Law ful attorney, Sardar Kumar Samb-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

One Kothi and open land in ward No. 24 on Jhansi Road admeasuring 41763 sq. ft.

V. K. SINHA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant  
Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range,  
Bhopal.

Date : 3-5-1975.

Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
BHOPAL

Bhopal, the 3rd May 1975

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/75-76—Whereas, I, V. K. Sinha, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Room and open land admeasuring 15607 sq. ft. situated at Jhansi Road, Gwalior. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gwalior on 16-9-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Princess Yashodhara Raje Sindhia D/o  
His late Highness Maharaja Jiwaji Rao Sindhia  
through her Lawful attorney, Sardar Kumar Samb-  
haji Rao Angre, Jaivilas Palace,  
Gwalior.  
(Transferor)

(2) 1. Shri Subhash Syal S/o  
Shri G. M. Syal.  
2. Shri Gopichand Gurnami S/o  
Shri Motiamal R/o Bada Kasim Khan,  
Dal Bazar, Lasbkar, Gwalior.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Room and open land admeasuring 15607 sq. ft. situated at Jhansi Road, Gwalior.

V. K. SINHA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant,  
Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range,  
Bhopal.

Date : 3-5-1975,  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-I,  
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,  
AHMEDABAD-380009.

Ahmedabad-380009, the 9th May 1975

Ref. No. Acq.23-I-485(180)/1-1/74-75.—Whereas, I, J. KATHURIA, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Final Plot No. 517-2-B, T. P. S. No. 3, situated at Near Nehrubridge, Ashram Road, Ahmedabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 25-9-1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment or any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) 1. Shri Sadhuram V. Andani,  
2. Shri Gordhanlal S. Andani,  
3. Shri Kishanlal Sadhuram Andani,  
4. Kumari Bhagyawanti S. Andani,  
For & on behalf of the firm of  
M/s. Sadhuram Gordhanlal,  
Netaji Cloth Market,  
Kalupur Kotnirang Ahmedabad.

(Transferor)

- (2) (i) Shri Priyakant Maganlal Buch,  
(ii) Smt. Sarojani Priyakant Buch,  
Buch Mansion, Near Meera Ambica Hotel,  
Navrangpura, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

An immovable property being Shop No. S-9 in Block No. 'A' on ground floor of Capital Commercial Centre, bearing F.P. No. 517-2-B, T.P.S. No. 3, situated Near Nehrubridge, Ashram Road, Ahmedabad.

J. KATHURIA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant  
Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range-I,  
Ahmedabad.

Date : 9-5-1975.

Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I,  
2ND FLOOR, HONDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD,  
AHMEDABAD-380009.

Ahmedabad-380009, the 9th May 1975

Ref. No. Acq.23-I-486(181)/1-1/74-75.—Whereas, I, J. KATHURIA, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Final Plot No. 517-2-B, T.P.S. No. 3, situated at Near Nehru bridge, Ashram Road, Ahmedabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 18-9-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons namely :—

- (1) 1. Shri Sadhuram V. Andani,  
2. Shri Gordhandas S. Andani,  
3. Shri Kishanlal Sadhuram Andani,  
4. Kumari Bhagyawanti S. Andani,  
For & on behalf of the firm of  
M/s. Sadhuram Gordhanlal,  
Netaji Cloth Market,  
Kalupur Kotnirang, Ahmedabad.

(Transferor)

- (2) M/s. Hasmukhlal & Co.,  
1st Floor, Dhanulaxmi Market,  
Crosslane, Ahmedabad-2.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

An immovable property being Shop No. S-38, 39 in Block 'B' on ground floor of Capital Commercial Centre, bearing F.P. No. 517-2-B, T.P.S. No. 3, situated Near Nehru bridge, Ashram Road, Ahmedabad.

J. KATHURIA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant  
Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range-I,  
Ahmedabad.

Date : 9-5-1975.  
Seal :



## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I,  
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,  
AHMEDABAD-380009.

Ahmedabad-380009, the 9th May 1975

Ref. No. Acq.23-I-487(182)/1-1/74-75.—Whereas, I. I. KATHURIA, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Final Plot No. 517-2-B, T.P.S. No. 3, situated at Near Nehru bridge, Ashram Road, Ahmedabad. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 27-9-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) 1. Shri Sadharam V. Andani,  
2. Shri Gorglhanlal S. Andani,  
3. Shri Kishanlal Sadharam Andani,  
4. Kumari Bhagyawanti S. Andani,  
For & on behalf of the firm of  
M/s. Sadharam Goidhanlal,  
Netaji Cloth Market,  
Kalapur Kotnirang. Ahmedabad.

(Transferor)

- (2) M/s. Gujarat Enterprises,  
3. Rang-Kunj, Naranpura Char Rasta,  
Ahmedabad-13.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

An immovable property being Shop No. S-58 in Block 'B' on ground floor of Capital Commercial Centre, bearing F.P. No. 517-2-B, T.P.S. No. 3, situated Near Nehru bridge, Ashram Road, Ahmedabad.

J. KATHURIA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant,  
Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range-I,  
Ahmedabad.

Date : 9-5-1975.

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-II,  
MADRAS-6.

Madrass-6, the 18th April 1975

Ref. No. F. No. 2287/74-75.—Whereas, I. K. V. RAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 6A/1, situated at Alangiam Road, Dharapuram (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Dharapuram (Doc. No. 2410/74) on 2-9-1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to following persons, namely :—

(1) Shri P. S. Thangavelu,  
S/o Shri Eivasubramania Mudaliar,  
Kuppusami Naidu Street, Dhapuram.

(Transferor)

(2) 1. Shri Muthusami Gounder; and  
2. Shri Palanisami Gounder;  
S/o Shri Chinnasami Gounder,  
Manakkadavu village, Dhapuram Taluk.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land admeasuring 5060 Sq. ft. (with building) and bearing T.S. No. 1139 situated at Door No. 6A/1 Alangiam Road, (Ward No. 6), Dharapuram.

K. V. RAJAN,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant  
Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range-II,  
Madrass-6.

Date : 18-4-1975.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-II,  
MADRAS-6.

Madras-6, the 18th April 1975

Ref. No. F. 2291/74-75.—Whereas, I. K. V. RAJAN, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. situated at Lakshmi Rice Mill, Reddipalayam Village, Erode Taluk, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at JSR I, Erode (Doc. No. 4064/74) on 21-9-1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act', in respect of any Income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the 'Said Act' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'Said Act', to the following persons, namely :—

(1) Shri C. B. Muthusami Chettiar,  
S/o Shri C. Balagurunatha Chettiar,  
Vaisiyal Street, Coimbatore.

(Transferor)

(2) 1. Shri R. Karuppusami, S/o Shri Ramasami Gounder;  
2. Shri Krishnasami Gounder, S/o Shri Chennimalai Gounder; and  
3. Shri Ramasami, S/o Shri Nachimuthu Gounder, Vadugapalayam, Uthukuli P.O.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the 'Said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Lakshmi Rice Mill (Land, Building and Machinery) in Reddipalayam village, Erode Taluk.

K. V. RAJAN,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant  
Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range-II,  
Madras-6.

Date : 18-4-1975.

Seal :

## FORM ITNS

(1) Smt. Bavayammal  
W/o Shri R. S. Sengoda Mudaliar,  
No. 216, Nethaji Road, Erode.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Smt. B. Visalakshmi Ammal, W/o Shri L. Bala-  
raman, Bazaar Street, Bhavani.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-II,  
MADRAS-6.

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

Madras-6, the 18th April 1975

Ref. No F. 2292/74-75.—Whereas, I, K. V. RAJAN,  
being the competent authority under Section 269B of the  
Income-tax, Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter re-  
ferred to as the 'said Act'), have reason to believe that  
the immovable property, having a fair market value  
exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.  
38, situated at Raja Street, Bhavani,  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the office of the Registering Officer at  
JSR I, Erode (Doc. No. 4149/74) on 28-9-1974,  
for an apparent consideration which is less than the  
fair market value of the aforesaid property and I have reason  
to believe that fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen percent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
Parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of the publi-  
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the 'Said  
Act', shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the 'Said Act', in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for the  
purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of  
1922) or the 'Said Act', or the Wealth-tax Act, 1957  
(27 of 1957).

Now, therefore in pursuance of section 269C, of the said  
Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of the 'Said Act', to the following persons  
namely :—

## THE SCHEDULE

Land admeasuring 1450 S. ft. (with building) situated at  
Door No. 38 (Ward No. 3) Raja Street, Bhavani.

K. V. RAJAN,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant  
Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range-II,  
Madras-6.

Date : 18-4-1975.

Seal ;

FORM ITNS—

Bazaar Street, Bhavani.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-II,  
MADRAS-6.

Madras-6, the 18th April 1975

Ref. No. F. 2292/74-75.—Whereas, I, K. V. RAJAN, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 38, situated at Raja Street, Bhavani, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSR I, Erode (Doc. No. 4150/74) on 28-9-1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act) to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Bavayammal,  
W/o Shri R. S. Sengoda Mudaliar,  
No. 216, Nethaji Road, Erode.

(Transferor)

- (2) Shri L. Balaraman,  
S/o Shri M. Lakshminarayana Chettiar,

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land admeasuring 1450 Sq. ft. (with building) situated at Door No. 38 (Ward No. 3), Raja Street, Bhavani.

K. V. RAJAN,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant  
Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range-II,  
Madras-6.

Date : 18-4-1975.  
Seal :

FORM I.T.N.S. —————

(2) Shri Raj Bhasin,

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
LUCKNOW.

Lucknow, the 18th April 1975

Ref. No. 42-R/Acq.—Whereas, I, Bishambhar Nath, being the competent authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

547-C/64 Mahanagar, situated at Mahanagar Lucknow, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Lucknow on 26/9/1974,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Dharmanand Joshi.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

A house No. 547-C/64 measuring 3362 sq. ft. situated at Mahanagar Lucknow.

BISHAMBHAR NATH,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant  
Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range,  
Lucknow.

Date : 18/4/1975.  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri Chandrawati Devi &amp; others.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Samla Devi &amp; others.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
LUCKNOW.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Lucknow, the 18th April 1975

Ref. No. 63-S/Acq.—Whereas, I, Bishambhar Nath, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

90-A/1, Mahajani Tola situated at Mahajani Tola, Allahabad.

(and more fully described

in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Allahabad, on 6/9/1974,

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later :

(b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act', or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

A double storyed house No. 90-A/1 measuring 53ft.×12ft. sqr. Its. situated at Mahajani Tola Allahabad.

BISHAMBHAR NATH,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant  
Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range,  
Lucknow.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the 'said Act', I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :—

Date : 18/4/1975.

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH 156, SECTOR 9-B

Chandigarh, the 18th April 1975

Ref. No. CHD/189/74-75.—Whereas, I, G. P. SINGH, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land measuring 29 kanal 5 marlas, alongwith Kotha house, well and tubewell etc. situated at Village Burail, U.T. Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Chandigarh in September 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said act to the following persons, namely :—

- (1) Sarvshri  
(1) Mehar Singh, s/o Babar Singh, Resident of Village Burail, U.T. Chandigarh.  
(Transferor)
- (2) Sarvshri  
(1) Jang Bahadur,  
(2) Dharam Pal,  
(3) Krishan Kant,  
sons of Lahena Singh,  
Residents of Village Burail, U. T. Chandigarh.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 29 kanal 5 marlas being half of total land 58 kanal 11 marlas situated in Village Burail, U.T. Chandigarh, alongwith Kotha, House, Well and Tube-well, etc.

Khewat No. 177.

Khatauni No. 309,

Khasra No. 34/5 Min (0-13) 34/6/1 Min (4-13) 35/1 Min (6-8) 35/2/1 (7-19) 35/3 (7-8) 35/4/2 (1-2) 35/7 (7-8) 35/8 (7-7) 35/9 (7-7) 35/10 (7-7) 35/447 (0-13), Khatauni No. 310 Khasra No. 35/2/2 (0-1). Jamabandi for the year of 1966-67.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 728 of September, 1974 of the Registering Officer, Chandigarh).

G. P. SINGH,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-tax, Acquisition Range,  
Chandigarh.

Date : 18-4-1975

Seal :



## FORM IINS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH 156, SECTOR 9-B

Chandigarh, the 18th April 1975

Ref. No. SMI/19/74-75.—Whereas, I, G. P. SINGH, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Residential building with vacant land known as Dev Niwas Estate, situated at Kanlog Tehsil Simla, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Simla in October 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Lal Dass, s/o Late Shri Mulkh Raj, Dev Niwas, Simla-1.

(Transferor)

(2) Sarvshri

(1) Shyam Lal,  
(2) Chian Ram  
(3) Sancha Ram  
(4) Ram Lal  
(5) Moti Lal,

Residents of Village Barla, Tehsil Rohru, District Simla.

(Transferee)

(3) The Managing Director,  
M/s Himachal Pradesh State Forest  
Corporation Ltd. Willow Bank,  
Simla-1.  
[Person in occupation of the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Three storeyed residential building alongwith kitchen portion and portion of vacant land known as Dev Niwas Estate, Kanlog Area, Tehsil Simla.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 520 of October 1974 of the Registering Officer, Simla).

G. P. SINGH,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-tax, Acquisition Range,  
Chandigarh,

Date : 18-4-1975  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE,  
CHANDIGARH 156, SECTOR 9-B

Chandigarh, the 25th April 1975

Ref. No. SML/20/74-75.—Whereas, I, G. P. SINGH, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land, measuring 399.8 sq. yds. situated at Jakhoo, Simla, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Simla in October 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Vir Bhadra Singh s/o Shri Padam Singh,  
23-Ferozeshah Road,  
New Delhi.

(Transferor)

- (2) (1) Shri Om Parkash } S/o Shri Parma Nand,  
(2) Shri Ajit Singh } Residents of Village Mangsu, P.O. Thanedar,  
District Simla.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land, measuring 399.8 sq. yds. bearing Khasra No. 805/489/C situated in Jakhoo, Simla.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 531 of October 1974 of the Registering Officer, Simla)

G. P. SINGH,  
Competent Authority.  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-tax, Acquisition Range,  
Chandigarh.

Date : 25-4-1975

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri Vir Bhadra Singh s/o Shri Padam Singh,  
23-Ferozeshah Road,  
New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) (1) Shri Sher Singh  
(2) Shri Bahadur Singh Thakur,  
Residents of Village Dadesh, P.O. Thanedar,  
District Simla.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER  
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE,  
CHANDIGARH 156, SECTOR 9-B

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

Chandigarh, the 25th April 1975

Ref. No. SML/21/74-75.—Whereas, I. G. P. SINGH,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition  
Range, Chandigarh,  
being the Competent Authority under Section 269-B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property,  
having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing  
No. Land, measuring 402.6 sq. yds. situated at Jakhoo,  
Simla,

(and more fully described in the Schedule annexed  
hereto), has been transferred under the Registration Act,  
1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer  
at Simla in October 1974

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid pro-  
perty and I have reason to believe that the fair market  
value of the property as aforesaid exceeds the appa-  
rent consideration therefor by more than fifteen per  
cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to bet-  
ween the parties has not

been truly stated in the said instrument of transfer  
with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of  
30 days from the service of notice on the res-  
pective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said  
immovable property within 45 days from the  
date of the publication of this notice in the  
Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used here-  
in as are defined in Chapter XXXA of  
the said Act, shall have the same meaning  
as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act,  
in respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or  
any moneys or other assets which have not  
been or which ought to be disclosed by the  
transferee for the purposes of the Indian  
Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the  
said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of  
1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said  
Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under  
sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the follow-  
ing persons, namely :—

Land, measuring 402.6 sq. yds. bearing Khasta No. 805/489  
situated in Jakhoo, Simla.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 532  
of October, 1974 of the Registering Officer, Simla.)

G. P. SINGH,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-tax, Acquisition Range,  
Chandigarh.

Date : 25-4-1975

Seal :

## FORM ITNS—

(2) Shri Jai Chand s/o Shri Karam Dass,  
Resident of Village Rera, Tehsil Rampur, District  
Simla.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE,  
CHANDIGARH 156, SECTOR 9-B

Chandigarh, the 25th April 1975

Ref. No. SML/22/74-75.—Whereas, I, G. P. SINGH,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition  
Range, Chandigarh,  
being the competent authority under Section 269B of the  
Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearing

No. Land, measuring 406.1 sq. yds. situated at Jakhoo, Simla.  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the Office of the Registering Officer at  
Simla in October 1974

for an apparent consideration which is  
less than the fair market value of the aforesaid property  
and I have reason to believe that the fair market value  
of the property as aforesaid exceeds the apparent consi-  
deration therefor by more than fifteen per cent of such  
apparent consideration and that the consideration for such  
transfer as agreed to between the parties has not been truly  
stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for the  
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11  
of 1922) or the said act or the Wealth-tax Act, 1957  
(27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said  
Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section  
(1) of section 269D of the said Act to the following persons,  
namely :—

- (1) Shri Vir Bhadra Singh s/o Shri Padam Singh,  
23-Ferozeshah Road,  
New Delhi.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons, which-  
ever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land, measuring 201 sq. yds. bearing Khasra No. 805/  
489/F, and measuring 205.1 sq. yds. bearing Khasra No. 805/  
489/G, total 406.1 sq. yds. situated in Jakhoo, Simla.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 533  
of October, 1974 of the Registering Officer, Simla.)

G. P. SINGH,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-Tax, Acquisition Range,  
Chandigarh.

Date : 25-4-1975  
Seal :

FORM ITNS—

(2) (1) Sri S. Venkateswararao  
(2) Smt. S. Kasturi, Vijayawada.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE,  
KAKINADA

Kakinada, the 9th April 1975

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Ref. No. Acq. File No. 188 J. No. I (278 & 281)/74-75.—  
Whereas, I K. Subbarao,being the Competent Authority under Section 269B  
of the Income-tax Act,  
1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'),  
have reason to believe that the immov-  
able property, having a fair market value exceeding Rs.  
25,000/- and bearingNo. 31-12-5 situated at Machavaram, Post office Road,  
Vijayawada(and more fully described in the Schedule  
annexed hereto), has been transferred under the Indian Regis-  
trationAct, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer  
at Vijayawada on 15-9-1974for an apparent consideration  
which is less than the fair market value of the aforesaid proper-  
ty and I have reason to believe that the fair market value of  
the property as aforesaid exceeds the apparent consideration  
therefor by more than fifteen percent of such apparent  
consideration and that the consideration for such transfer as  
agreed to between the parties.has not been truly stated in the said instrument of transfer  
with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or which  
ought to be disclosed by the transferee for the pur-  
poses of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of  
1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957  
(27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said  
Act, I hereby  
initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid pro-  
perty by the issue of this notice under sub-section (1) of  
section 269D of the said Act to the following persons,  
namely :—

(1) Shri Kilam Venkata Subbarao.

(Transferor)

36—106GI/75

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are  
defined in Chapter XXA of the said Act  
shall have the same meaning as given in that  
Chapter.

## THE SCHEDULE

As per schedules of the sale deeds dated 2nd September,  
1974 vide document Nos. 3117 and 3141 dated 2-9-1974 and  
4-9-1974 registered at Sub-Registrar, Vijayawada.

K. SUBBARAO,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Kakinada.

Date : 9-4-1975

Seal :

## FORM ITNS

- (2) (1) Shri Edida Satyanarayanamurthy  
 (2) Shri Edida Venkataramaiah  
 (3) Shri Edida Dhanalaxmi Janardhanarao,  
 Kandikuppa, Amalapuram Taluk.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1), OF THE INCOME-  
 TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
 SIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE,  
 KAKINADA

Kakinada, the 2nd April 1975

Ref No. Acq. File No. 185 J. No. I(342)/EG/74-75.—  
 Whereas, I, K. SUBBARAO,  
 being the competent authority under section 269B of the  
 Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to  
 as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
 property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
 and bearing  
 No. 392/7A situated at Amalapuram  
 (and more fully described in the  
 Schedule annexed hereto), has been transferred under the  
 Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Re-  
 gistering Officer at  
 Amalapuram on 15-9-1974  
 for an apparent consideration which is less than the fair  
 market value of the aforesaid property and I have reason to  
 believe that the fair market value of the property as aforesaid  
 exceeds the apparent consideration therefor by more than  
 fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
 consideration for such transfer as agreed to between the  
 Parties has not been truly stated in the said instrument of  
 transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
 of the transferor to pay tax under the said Act, in  
 respect of any income arising from the transfer;  
 and
- (b) facilitating the concealment of any income or any  
 moneys or other assets which have not been or  
 which ought to be disclosed by the transferee for  
 the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax  
 Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said  
 Act, I hereby initiate proceedings to the acquisition of the  
 aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
 section (1) of the section 269D of the said Act, to the  
 following persons namely :—

- (1) (1) Shri Jana Veerabhadraraju  
 (2) Shri Jana Abbiraju  
 (3) Shri Konda Basavaraju, Bandarlanka.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
 may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
 45 days from the date of publication of this notice  
 in the Official Gazette or a period of 30 days from  
 the service of notice on the respective persons which-  
 ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said  
 immovable property within 45 days from the  
 date of the publication of this notice in the  
 Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used  
 herein as are defined in Chapter  
 XXXA of the said Act shall have the  
 same, meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

As per the schedule exhibited in the sale deed dated 12-9-74  
 document No. 3833/74 of the Sub-Registrar, Amalapuram.

K. SUBBARAO,  
 Competent Authority,  
 Inspecting Assistant Commissioner of  
 Income-tax, Acquisition Range,  
 Kakinada.

Date : 2-4-1975  
 Seal :

## FORM ITNS—

- (4) Kurma China Someswararao, Jagannapeta  
 (5) Shri Ankam Markandeswararao Pallamkurra  
 (6) Shri N. Nagaratnam Ramachendrapuram.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
 INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(Transferor)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE,  
 KAKINADA

- (2) (1) Shri Akasam Sriramulu  
 (2) A. Satyanarayanamurthy, Kandikuppa, Amalapurm Tq.

(Transferee)

Kakinada, the 2nd April 1975

Ref. No. Acq. File, No. 186 J. No. I(343)/74-75.—  
 Whereas, I, K. SUBBARAO,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 392/7A situated at Amalapuram (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amalapuram on 15-9-74

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or their assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore in pursuance of section 269C of the said Act, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- (1) (1) Pichika Veernagasatyadesakaswamy }  
 (3) Kurma Semeswararao } Bandarlanka  
 (2) P. Venkatasuryanarayanaraju, }

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

As per the schedule exhibited in the sale deed dated 12-9-74 vide document No. 3834/74 of the Sub-Registrar, Amalapuram,

K. SUBBARAO,  
 Competent Authority,  
 Inspecting Assistant Commissioner of  
 Income-tax, Acquisition Range,  
 Kakinada.

Date : 2-4-1975  
 Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE,  
KAKINADA

Kakinada, the 26th February 1975

Ref. No. Acq. File No. 162/74-75 J. No. I(333)/KR/74-75.—Whereas, I K. SUBBARAO, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Bldg. Nos. 11/20 6 & 11/266A situated at Contonment Road Masulipatnam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Masulipatnam on 30-9-74

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or 'Said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the 'Said Act' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269 D of the 'Said Act', to the following persons, namely :—

- (1) (1) Shri Ch. Ramakrishna Bhaskararao,  
(2) Shri P. Laxmi Ganapati Rao  
(3) Vemuri Venkataratnam  
(4) Shri Attluri Sarojinei Devi  
(5) Shri Varada Nageswaramba  
(6) Shri Varada Ramanujarao  
(7) Shri Namburi Swarajya Laxmi  
(8) Shri Palakurti Laxmi Ganaptirao  
(9) Shri Srikakulam Laxmi Narasimharao  
(10) Shri Yarlagadda Chalapali Rao  
(11) Shri Achanta Venkata Mohana Prasad  
(12) Shri Vemuri Laxmi Nageswararao  
(13) Shri Kakarapatri Laxmi Narasimharao.  
(Transferor)
- (2) (1) Shri Vemuri Venkataratnam  
(2) Vemuri Laxmi Nageswararao  
(3) Vemuri Balaratnam being minor by guardian mother Laxmi Ranganayakamma.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Krishna District—Masulipatnam Sub-Registrar—Masulipatnam Taluk Masulipatnam Town—Robertsonpetta—Contonment Junction—Site and Buildings and other constructions—Building Nos. 11/206 and 11/266A.

## BOUNDRIES

East : Old contonment Road New Known as Ravindranath Tagore Road 250ft.  
South : Paul Memorial Hall 2048ft.  
West : Municipal Lane 282 ft.  
North : Road connecting to Rustumbada Sivalayam 232 ft.

K. SUBBARAO,  
Competent Authority,  
Income-tax, Acquisition Range,  
Kakinada.

Date : 26-2-1975  
Seal :



## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
JULLUNDUR

Jullundur, the 5th May 1975

Ref. No. AP./847/Jullundur/75-76.—Whereas, I, Ravinder Kumar, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. See schedule overleaf situated at Nagliviran (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Jullundur in September, 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons namely :—

- (1) Amarjeet Singh son of Bahal Singh V. Nangli Viran, Teh. Jullundur.  
(Transferor)
- (2) Sansar Chand s/o Fateh Chand of M/s R. L. Sharma & Co., 15A Basti Nau, Jullundur. As above  
(Transferee)
- (3) As above in Sr No. 2 (Person in occupation of the property).
- (4) Any person interested in the property [person whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 5878 of September 1974 of the Registering Authority Jullundur.

RAVINDER KUMAR,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner  
of Income-Tax,  
Acquisition Range,  
Jullundur

Date : 5-5-1975

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,  
JULLUNDUR

Jullundur, the 5th May 1975

Ref. No. AP./848/Jullundur/75-76.—Whereas, I Ravinder Kumar,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. See Schedule  
at Naghliwaran,

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering office

at Jullundur in September 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Amarjeet Singh son Bahal Singh Nangli varan Teh. Jullundur.

(Transferor)

(2) Shri Roshan Lal Sharma son of Harnam Dass s/o Gansh Dass partner through M/s R. L. Sharma & Co., Basti Nau, Jullundur.

(Transferee)

(3) As above in Sr. No. 2,  
(Person in occupation of the property.)

(4) Any person interested in the property.  
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 5869 of September, 1974 of the Registering Authority, Jullundur.

RAVINDER KUMAR,  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Range,  
Jullundur

Date : 5-5-75  
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Amarjeet Singh son of Behal Singh V. Nangli  
Viran, Teh. Jullundur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Chaman Lal Mahajan partner M/s R. L. Sharma  
& Co., Basti Nau, Jullundur Through Sh. R. L.  
Sharma.(3) As above in Sr. No. 2,  
(Person in occupation of the property.)\*(4) Any person interested in the property.  
(Person whom the undersigned knows to be inter-  
ested in the property).

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-1.  
ACQUISITION RANGE,  
JULLUNDURObjections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

Jullundur, the 5th May 1975

Ref. No. AP./849/Jullundur/75-76.—Whereas, I Ravinder Kumar, being the competent authority under Section 269D of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. See schedule situated at G T Road (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jullundur in September 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Register Deed No. 5834 of September, 1974 of the Registering Authority Jullundur.

RAVINDER KUMAR,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-tax, Acquisition Range-1,  
Jullundur

Date : 5-5-1975  
Seal :

FORM I.T.N.S.—

(1) Lakhbir Singh Advocate son of Kapur Singh, 186  
Session Court Road Jullundur City.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE  
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Harbans Singh Randhawa Son of Arjan Singh V.  
Randhawa (Kapurthala).

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) As above in Sr. No. 2.

(Person in occupation of the property.)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
JULLUNDUR\*(4) Any person interested in the property.  
[Person whom the undersigned knows to be inter-  
ested in the property].Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

Jullundur, the 5th May 1975

Ref. No. AP./850/Jullundur/75-76.—Whereas, I Ravinder Kumar, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. See schedule situated a Police Line Road, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in September 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Plot as mentioned in the Registered Deed No. 6392 of September 1974 of the Registering Authority Jullundur.

RAVINDER KUMAR,  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Range,  
Jullundur

Date : 5-5-1975.

Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
JULLUNDUR

Jullundur, the 5th May 1975

Ref. No. AP./851/Jullundur/75-76.—Whereas, I Ravinder Kumar, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 5686, situated at Faridpur No. 568 schedule situated at Nurmahal Road (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Nakodar in September 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

37—106GI/75

- (1) Smt. Baljit Kaur D/o Jagir Singh Son of Pritam Singh through Sampuran Singh, Nakodar.  
(Transferor)
- (2) Lashar Singh son of Santa Singh son of Gurdit Singh C/o Sant Ice Factory, Nakodar.  
(Transferee)
- (3) As above in Sr. No. 2  
(Person in occupation of the property.)
- (4) Any person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 1460 of September, 1974 of the Registering Authority Nakodar,

RAVINDER KUMAR,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-Tax, Acquisition Range,  
Jullundur

Date : 5-5-1975,

Seal :

## FORM ITNS—

(2) Shri Promiljeet Singh S/o Sh. Mohinder Singh S/o Mehal Singh R/o W.G. 579/WG 592 (New No.). Suraj Gang, Jull. City.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE,  
JULLUNDUR

Jullundur, the 5th May 1975

Ref No. AP. 852/Jullundur/75-76.— Whereas, I Ravinder Kumar, being the Competent Authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. See Sschedule situated at Suraj Gang, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jullundur in September 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sh. Amrik Singh S/o Tara Singh S/o Gyan Singh Suraj Gang W.G. 592, Jullundur City.  
(Transferor)

(3) As above in Sr. No. 2. (Person in occupation of the property).

(4) Any person interested in the property.  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House as mentioned in the Registered Deed No. 6381 of Sept. 1974 of the Registering Authority Jullundur.

RAVINDER KUMAR,  
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Jullundur.

Date : 5-5-1975  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
JULLUNDUR

Jullundur, the 5th May 1975

Ref. No. AP./853/Jullundur/75-76.—Whereas I, Ravinder Kumar, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. See schedule overleaf situated at Suraj Gang, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in September 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Amrik Singh son of Sh. Tara Singh, Suraj Gang, Jullundur.  
(Transferor)

(2) Shri Gurmeet Singh son of Mohinder Singh, Suraj Gang, Jullundur.  
(Transferee)

(3) As above in Sr. No. 2. (Person in occupation of the property).

(4) Any person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House as mentioned in the Registered Deed No. 6382 September 1974 of the Registering Authority Jullundur.

RAVINDER KUMAR,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner  
of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Jullundur.

Date : 5-5-1975.  
Seal :

FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
JULLUNDUR

Jullundur, the 5th May 1975

Ref. No. AP./854/Jullundur/75-76.—Whereas, I Ravinder Kumar, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. See schedule overleaf situated at Gujjamal Street, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jullundur in Sept., 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Savitri Devi Wd/o Pt. Umma Dut son of Gujjamal Adda Hoshiarpur Gujjamal St. Jullundur.  
(Transferee)
- (2) M/s Chopra Waste paper merchants Add Hoshiarpur. Jullundur through Yash Pal Chopra.  
(Transferee)
- (3) As above in Sr. No. 2.  
(Person in occupation of the property.)
- (4) Any person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House as mentioned in the Registered Deed No: 6405 of September 1974 of the Registering Authority Jullundur.

RAVINDER KUMAR,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Jullundur

Date : 5-5-1975.

Seal :



## FORM ITNS—

(2) Shri Kanwar Lal Aggarwal son of Mool Raj, 72, Jinder Road, Jullundur Cantt.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(3) As above in Sr. No. 2.

(Person in occupation of the property).

(4) Any person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE,  
JULLUNDUR

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Jullundur, the 5th May 1975

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. AP./855/Jullundur/75-76.—Whereas, I Ravinder Kumar, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. See schedule overleaf situated at Jinder Road, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in September 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

EXPLANATION—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the 'Said Act' to the following persons, namely :—

(1) Smt. Mohinder Kaur Wd/o Sh. Harpal Singh son of Kartar Singh 72, Jinder Road, Jullundur Cantt, (Transferor)

## THE SCHEDULE

Kothi as mentioned in the Registered Deed No. 5960 of September 1974 of the Registering Authority Jullundur.

RAVINDER KUMAR,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Jullundur

Date : 5-5-1975.

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shrimati Mohinder Kaur Wd/o Harpal Singh S/o Kartar Singh R/o Jinder Road No. 72, Jullundur Cantt.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Kewar Lal Aggarwal 72, Jinder Road, Jullundur Cantt.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

(3) As above in Sr. No. 2.  
(Person in occupation of the property).

(4) Any person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Jullundur, the 5th May 1975

Ref. No. AP./856/Jullundur/75-76.—Whereas, I Ravinder Kumar, being the competent authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. See schedule overleaf situated at Jind Road, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jullundur in September 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Kolhi as mentioned in the Registered Deed No. 5892 of the September 1974 of the Registering Authority Jullundur.

RAVINDER KUMAR,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-tax, Acquisition Range,  
Jullundur

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the 'Said Act' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of the section 269D of the said act to the following persons namely :—

Date : 5-5-1975.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Lt. Col. Shiv Charanjit Singh Tulsi son of Narain Singh, 3, Hastings Road, Calcutta.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri K. L. Sahni son of Moti Ram R/0217, Lajpat Nagar, Jullundur.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE,  
JULLUNDUR

Jullundur, the 5th May 1975

(3) As above in Sr. No. 2.

(Person in occupation of the property).

(4) Any person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

Ref. No. AP./857/Jullundur/75-76.—Whereas, I Ravinder Kumar, being the Competent Authority under section 269B of income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. See schedule overleaf situated at Lajpat Nagar, (and more fully described

in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in September 1974.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot as mentioned in the Registered Deed No. 6139 of September, 1974 of the Registering Authority Jullundur.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

RAVINDER KUMAR,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-Tax, Acquisition Range,  
Jullundur

Date : 5-5-1975.

Seal :

## Form ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
JULLUNDUR

Jullundur, the 5th May 1975

Ref. No. AP./858/Jullundur/75-76.—Whereas, I Ravinder Kumar, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. See schedule overleaf situated at Lajpat Nagar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jullundur in September 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act', in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act,' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'Said Act', to the following person—namely :—

- (1) Lt. Col. Shiv Charanjit Singh son of Narain Singh  
3 Hastings Road, Calcutta.  
(Transferor)
- (2) Shri. K. L. Sahni son of Moti Ram R/o 217 Lajpat Nagar, Jullundur.  
(Transferee)
- (3) As above in Sr. No. 2.  
(Person in occupation of the property).
- (4) Any person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 6175 of September 1974 of the Registering Authority Jullundur.

RAVINDER KUMAR.  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Jullundur

Date : 5-5-1975.

Seal ;

## FORM ITNS

(1) Shri Raghbir Singh son of Sampuran Singh N. A. 207/1, Kishanpura, Jullundur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Major Amrik Singh son of S. Bawa Singh V. Kheira Maja, Teh. Jullundur.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,  
JULLUNDUR(3) As above in Sr. No. 2.  
(Person in occupation of the property).

(4) Any person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Jullundur, the 5th May 1975

Ref. No. AP.859/Jullundur/75-76.—Whereas, I Ravinder Kumar, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. See schedule situated at Gurnam Nager, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in September 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

38—106GI/75

Kothi as mentioned in the Registered Deed No. 6208 of September 1974 of the Registering Authority Jullundur.

RAVINDER KUMAR,  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Jullundur

Date : 5-5-1975,

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,  
JULLUNDUR

Jullundur, the 5th May 1975

Ref. No. AP.860/Jullundur/1975-76.—Whereas, I Ravinder Kumar, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. See schedule situated at Jullundur Gurnam Nagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in September 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Shri Raghbir Singh son of Sampuran Singh R/o N.A. 207/1, Kishanpura, Jullundur.  
(Transferor)
- (2) Major Amrik Singh son of Bawa Singh Kherr Majra Teh. Jullundur.  
(Transferee)
- (3) As above in Sr. No. 2.  
(Person in occupation of the property).
- (4) Any person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Kothi as mentioned in the Registered Deed No. 6232 of September 1974 of the Registering Authority Jullundur.

RAVINDER KUMAR,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range,

Jullundur

Date : 5-5-1975.

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
JULLUNDUR

Jullundur, the 5th May 1975

Ref. No. AP.861/Jullundur/75-76.—Whereas, I Ravinder Kumar, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. See schedule situated at Basti Danshamnda. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in September 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties, has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Manjit Singh son of Sh. Mohinder Singh son of Prem Singh R/o Basti Danshamnda.

(Transferor)

(2) M/s Balwant Bros Basti Nau, Jullundur through Balwant Ram partner of the firm.

(Transferee)

(3) As above in Sr. No. 2.  
(Person in occupation of the property).

(4) Any person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later ;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 6414 of September, 1974 of the Registering Authority, Jullundur.

RAVINDER KUMAR,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range,

Jullundur

Date - 5-5-1975

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,  
JULLUNDUR

Jullundur, the 15th May 1975

Ref. AP./862/Jullundur/75-76.—Whereas, I Ravinder Kumar, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. See schedule situated at Basti Danshamnda, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in September 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the 'Said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely :—

(1) Shri Manjit Singh S/o Mohinder Singh son of Prem Singh R/o Basti Danshamnda Jullundur,

(Transferor)

(2) M/s Balwant Bros Basti Nau Through Balwant Ram, partner of the firm.

(Transferee)

(3) As above in Sr. No. 2.  
(Person in occupation of the property)

(4) Any person interested in the property.  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 6130 of September 74 of the Registering Authority, Jullundur.

RAVINDER KUMAR,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner or  
Acquisition Range,  
Jullundur.

Date : 15-5-1975.

Seal :



## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-1.  
JULLUNDUR

Jullundur, the 15th May 1975

Ref. No. AP./863/Jullundur/75-76.—Whereas, I Ravinder Kumar, being the competent authority under section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Sec schedule situated at Jullundur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at Jullundur in September 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the 'Said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'Said Act', to the following persons namely:—

- (1) Kenya Land & Finance (P) Ltd. Jullundur.  
(Transferor)
- (2) Shri Ajaib Singh son of Sh. Indet Singh of Sidhar Raj Pooling Teh. Amritsar.  
(Transferee)
- (3) As above in Sr. No. 2.  
(Person in occupation of the property)
- (4) Any person interested in the property.  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the 'Said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot as mentioned in the Registered Deed No. 6373 of September 1974 of the Registering Authority, Jullundur.

RAVINDER KUMAR,  
Competent Authority.  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-tax, Acquisition Range-1,  
Jullundur.

Date : 15-5-1975  
Seal :

## FORM ITNS

(1) The Sulej Land Finance Pvt. Ltd Sh. Amar Nath  
Roa man.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Shri Surjeet Singh, Parkash Singh sons of Avtar  
Singh, Govindpur.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-  
MISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
JULLUNDUR(3) As above in Sr. No. 2  
(Person in occupation of the property)(4) Any person interested in the property.  
Person whom the undersigned knows to be in-  
terested in the property.)Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

Jullundur, the 5th May 1975

Ref. No. AP./864/Nawanshehr/1975-76.—Whereas, I  
Ravinder Kumar,  
being the Competent Authority under Section  
269D of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961)  
(hereinafter referred to as the 'said Act'),  
have reason to believe that the immovable property,  
having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing  
No. See schedule overleaf  
situated at Nawanshehr  
(and more fully described in the Schedule  
annexed hereto) has been transferred  
under the Registration Act, 1908  
(16 of 1908) in the office of Registering Officer at  
Nawanshehr in September 1974,  
for an apparent consideration  
which is less than the fair market value of the aforesaid  
property and I have reason to believe that the fair market  
value of the property as aforesaid exceeds the apparent  
consideration therefor by more than fifteen per cent of  
such apparent consideration and that the consideration  
for such transfer as agreed to between the parties has not  
been truly stated in the said instrument of transfer with the  
object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used here-  
in as are defined in Chapter XXA of  
the 'Said Act', shall have the same meaning  
as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plots as mentioned in the Registered Deed No. 2765 of  
September, 1974 of the Registering Authority, Nawanshehr.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the 'said Act', in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for the  
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of  
1922) or the 'said Act', or the Wealth Tax Act, 1957  
(27 of 1957)

RAVINDER KUMAR,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Jullundur.

Now, therefore, in pursuance of 269C of the 'said Act', I  
hereby initiate proceedings for the acquisition of the afore-  
said property by the issue of this notice under sub-section  
(1) of section 269D of the 'said Act', to the following persons  
namely :—

Date : 5-5-1975

Seal :

## FORM IINS

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-  
MISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
JULLUNDUR

Jullundur, the 5th May 1975

Ref. No. AP./865/Jullundur/75-76.—Whereas, I Ravinder Kumar, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. (See Schedule) situated at Gopalpur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering officer at Jullundur in September 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Amar Singh son of Ditu son of Sham Singh R/o V. Gopalpur alias Bidipur, Jullundur.  
(Transferor)
- (2) M/s R. K. Mohajan & Co., Basti Road, Jullundur.  
(Transferee)
- (3) As above in Sl. No. 2  
(Person in occupation of the property)
- (4) Any person interested in the property.  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the Service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot as mentioned in the Registered Deed No. 6221 of September, 1974 of the Registering Authority Jullundur.

RAVINDER KUMAR,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Jullundur.

Date : 5-5-1975

Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
JULLUNDUR

Jullundur, the 5th May 1975

Ref. No. AP./866/Jullundur/75-76.—Whereas, I Ravinder Kumar, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. See schedule, situated at Islamabad Mohalla, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Jullundur in September 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Dalip Kaur D/o Sh. Man Singh Mohalla Islama Bad W.G. 228, Jullundur Now at Khalsa Engg. Works, Industrial Area, V. City. (Transferor)

- (2) Smt. Shilo Devi W/o Roop Naryan No. 252, Model Town Jullundur Now at W.G. 228, Islamabad V. City. (Transferee)

- (3) As above in Sr. No. 2. (Person in occupation of the property)
- (4) Any person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House as mentioned in the Registered Deed No. 6167 of September, 1974 of the Registering Authority, Jullundur.

RAVINDER KUMAR.  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner  
of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Jullundur.

Date : 5-5-1975  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
JULLUNDUR

Jullundur, the 5th May 1975

Ref. No. AP./867/Jullundur/75-76.—Whereas, I Ravinder Kumar, being the competent authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. see schedule, situated at Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jullundur in September 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1) of 1922) of the said Act or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

39—106GI/75

(1) Sh. Mohinder Pal Alias Janeder Pal Jain S/o Rekhav Dass son of Labhu Ram R/o Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Mohan Lal S/o Kundan Lal, Jullundur.

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 5955 of September, 1974 of the Registering Authority Jullundur.

RAVINDER KUMAR,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Jullundur.

Date : 5-5-1975

Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
JULLUNDUR

Jullundur, the 5th May 1975

Ref. No. AP./868/Jullundur/75-76.—Whereas, I Ravinder Kumar, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. see schedule situated at Kingra (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in September 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Tarlok Singh Sachar S/o Than Singh C/o Harminder Singh S/o Tarlok Singh, 481 L, Model Town, Jullundur City.

(Transferor)

- (2) M/s Chaudhry Housing Organisation, Chaman Lal S/o Hardayal Chand Bhagwati W/o & Dalip Kaur, Ravinder Kumar S/o Bhim Sain Vig Gurdial Singh S/o Harnam Singh, Jullundur. (Transferee)

- (3) As above in Sr. No. 2  
(Person in occupation of the property)

- (4) Any person interested in the property.  
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 5891 of September 1974 of the Registering Authority Jullundur.

RAVINDER KUMAR,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range,  
Jullundur.

Date : 5-5-1975

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE  
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-  
MISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
JULLUNDUR

Jullundur, the 5th May 1975

Ref. No. AP./869/Jullundur/75-76.—Whereas, I Ravinder Kumar, being the competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. See schedule overleaf situated at Model Town (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in September 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Smt. Bhupinder Kaur W/o S. Avtar Singh S/o Sh. Harnam Singh, 615, Sector 16D, Chandigarh.

(Transferee)

(2) Shri Jaswinder Ram S/o Sh. Phuman Ram & Sh. Gurbachan Singh S/o Lal Singh C/o M/s K. P. Tailors, G. T. Road, Through Lachman Dass S/o Bhagat Jullundur.

(Transferee)

(3) As above in Sr. No. 2.  
(Person in occupation of the property)

(4) Any person interested in the property.  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Kothi as mentioned in the Registered Deed No. 5813 of September 1974 of the Registering Authority Jullundur.

RAVINDER KUMAR,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Jullundur.

Date : 5-5-1975  
Seal :

FORM ITNS—

(2) Sri Prasanjit Duara C/o Sri P. P. Duara, M.C. Road, Gauhati Subir Gupta, Laban, Shillong-4.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, SHILLONG

Shillong, the 12th March 1975

Ref. No. A-89/Shg/74-75/4171-81.—Whereas, I Egbert Singh being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Registration No. 232 situated at Bishop Cotton Road, Shillong

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shillong on 25-9-74

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Mrs. Elly Duara C/o H. P. Duara, Bishop Cotton Road, Shillong.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 14400 Sq. ft. approximately with a Bungalow known as Benvilla situated at Bishop Cotton Road, European Ward, Shillong in Khasi Hills District of Meghalaya State.

EGBERT SINGH,  
Competent Authority.

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Shillong.

Date : 12-3-75.

Seal :



FORM I.T.N.S.———

(2) Dr. P. K. Barua, Kenchis Trace, Shillong.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, SHILLONG

Shillong, the 12th March 1975

Ref. No. A-90/Shg/74-75/4185-93.—Whereas, I Egbert Singh being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Registration No. 219 situated at Lachaumire, Shillong (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Shillong on 12-9-74

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri H. P. Rajkhowa, Zoo Road, Gauhati.  
(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 212 Acres covered by North P.W.D. Road, South compound of Mr. M. H. Choudhury, East Compound of Mrs. Arati Das and West P.W.D. Road situated at Lachaumire, Shillong in Khasi Hills District of Meghalaya State.

EGBERT SINGH,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Shillong.

Date : 12-3-75.  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-  
MISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION  
RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE,  
ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009.

Ahmedabad-380009, the 22nd March 1975

Ref. No. Acq. 23-I-340(155)/1-1/74-75.—Whereas,  
I, J. Kathuria,  
being the competent authority under section 269B  
of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter  
referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the  
immovable property having a fair market value exceeding  
Rs. 25,000/- and bearing No.  
F.P. No. 105 T.P.S. No. 3 situated at Sheikhpur-Khanpur,  
Ahmedabad  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto).  
has been transferred under  
the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the  
Registering Officer at  
Ahmedabad on 5-9-1974  
for an apparent consideration which  
is less than the fair market value of the aforesaid property and  
I have reason to believe that the fair market value of  
the property as aforesaid exceeds the apparent considera-  
tion therefor by more than fifteen per cent of such appa-  
rent consideration and that the consideration for such  
transfer as agreed to between the parties has not been truly  
stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the  
liability of the transferor to pay tax under the  
said Act in respect of any income arising from the  
transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or  
any moneys or other assets which have not  
been or which ought to be disclosed by the  
transferee for the purposes of the Indian  
Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the  
said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269-C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section  
(1) of section 269D of the said Act to the following persons,  
namely :—

- (1) For & on behalf of Parshvanath Land Organi-  
sers, Partners :—
  1. Shri Kiritkumar Parshotamdas Patel, Hari-  
siddhkripa Society, Naranpura, Ahmedabad.
  2. Smt. Indiraben Navinbhai Patel, Dineshnagar  
Society, Near Naranpura Rly. Crossing, Ahmeda-  
bad.

3. Shri Pravinbhai Chunibhai Patel Dineshnagar  
Society, Near Naranpura, Rly. crossing  
Ahmedabad.
4. Smt. Surajben Chunibhai Patel, Dineshnagar  
Society, Near Naranpura Rly. Crossing.  
Ahmedabad.
5. Shri Dahyabhai Motibhai Patel, Hasmukh  
Colony, Naranpura, Near Sanghvi High  
School, Ahmedabad.
6. Smt. Prabhaben Mukeshbhai Patel, Hari-  
siddhkripa Society, Naranpura, Ahmedabad.
7. Shri Umedbhai Motibhai Patel, Hasmukh  
Colony, Naranpura, Near Sanghvi High  
School, Ahmedabad.

(Transferor)

- (2) Mahendra Mills Ltd., Parshvanath Chambers, IInd  
Floor, Ashram Road, Ahmedabad-13.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said pro-  
perty may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of the  
notice in the Official Gazette or a period of 30  
days from the service of notice on the respective  
persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date  
of the publication of this notice in the Official  
Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein  
as are defined in Chapter XXXA of the  
said Act, shall have the same meaning as  
given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Undivided 6.5% share of constructed property i.e.  
140-49 sq. mtrs. on the 2nd floor of Parshvanath Cham-  
bers, bearing F.P. No. 105, T.P.S. No. 3, and situated at  
Shekhpur-Khanpur, Ahmedabad.

J. KATHURIA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-tax,  
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date : 22-3-1975.  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-  
MISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION  
RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE,  
ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009.

Ahmedabad-380009, the 22nd March 1975

Ref. No. Acq. 23-I-368(156)/1-1/74-75.—Whereas, I, J. Kathuria, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

F.P. No. 50/6+7+8+15 B of P.T.S. No. 4, situated at Maninagar, Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 18-9-1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) (1) Shri Sumanlal Hiralal Shah, (2) Smt. Saritaben Wife of Sumanlal Hiralal Shah, Suryakiran Pam Gali, Gowalia Tank, Bombay. (Transferor)

(2) 1. Shri Nihchaldas Ghanomal Jagwani, 2. Dr. Motiram Nihchaldas Jagwani, 3. Shri Sadhuram Nihchaldas Jagwani, N. J. Mension, Shantinagar, Saijpur Bogha, Ahmedabad. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

An immovable property admeasuring 450 sq. yds. bearing F.P. No. 50/6+7+8+15 B of T.P. Scheme No. 4 and situated at Maninagar, Ahmedabad.

J. KATHURIA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-tax, Acquisition Range-I,  
Ahmedabad.

Date : 22-3-1975.

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION  
RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE,  
ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009.

Ahmedabad-380009, the 19th March 1975

Ref. No. Acq. 23-I-341(151)/1-I/74-75.—Whereas, I J. Kathuria, being the competent authority under section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Survey No. 195, 196, F.P. No. 51, S.P. No. 7-6/3, T.P.S. No. 21, situated at Paldi, Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ahmedabad on 11-9-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Shri Gautam Balubhai, "Paritosh", Anandvatika, Opposite 'L' Colony, Ambawadi, Ahmedabad.

(Transferor)

- (2) Lataben d/o Shantilal Gordhandas Shah, Katakiawad, Dhana Sutharni Pole, Kalupur, Ahmedabad.

(Transferee)

- (3) Shri Harishbhai Chimanlal Gajjar, "Paritosh", Anandvatika, Opp. 'L' Colony, Ambawadi, Ahmedabad.

[Person in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Building standing on land measuring 534 sq. yds. bearing Survey Nos. 195 & 196, Final Plot No. 51, Sub-Plot No. 7-6/3 of T.P.S. No. 21 and situated at Paldi, Ahmedabad.

J. KATHURIA  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-tax,  
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date : 19-3-1975.

Seal :

FORM ITNS

(2) State Bank of Bikaner & Jaipur, Staff Swapna  
Siddh Co-op. Housing Society, Railwaypura,  
Ahmedabad.

(Transfree)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-  
MISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION  
RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE,  
ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009.

Ahmedabad-380009, the 19th March 1975

Ref. No. Acq. 23-1-454(152)/1-1/74-75.—Whereas, I,  
J. Kathuria  
being the competent authority under section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe  
that the immovable property, having a fair market value  
exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.  
F.P. No. 61, Sub-Plot No. 2 (Part), T.P.S. No. 3 situated  
at Usmanpura, Ahmedabad  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the office on the Registering Officer at  
Ahmedabad on 17-9-1974  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of—

- (a) facilitating reduction or evasion of the liability of  
the transferor to pay tax under the said Act, in res-  
pect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax  
1922) or the said Act or the Wealth-tax Act,  
1957 (27 of 1957).

Now, therefore in pursuance of section 269-C, of the said  
said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of  
the aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of the section 269D of the said Act to the  
following persons namely :—

- (1)1. Shri Rajnikant Vadilal Parekh, 2. Shri  
Harendra Vadilal Parekh, Ayurvedic Niketan,  
Hanuman Road, Vile Parle, Bombay-57.

(Transferor)

40—106GI/75

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid person within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of  
30 days from the service of notice on the res-  
pective persons, whichever period expires  
later;

- (b) by any other person interested in the said  
immovable property within 45 days from the  
date of the publication of this notice in the  
Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein  
as are defined in Chapter XXA of the  
said act shall have the same meaning  
as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

An open plot of land admeasuring 3035.5 sq. yds. bear-  
ing Final Plot No. 61, Sub-Plot No. 2 (Part) of T.P.S.  
No. 3 and situated at Usmanpura, Ahmedabad.

I. KATHURIA,  
Competent Authority.  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-tax, Acquisition Range-I,  
Ahmedabad

Date : 19-3-1975.

Seal :

## FORM ITNS—

(2) Shri Dinkar Gokaldas Parikh, 2218/2, Mali's Khadki, Katakiawad, Kalupur, Ahmedabad.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-  
MISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION  
RANGE-1, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE,  
ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009.

Ahmedabad-380009, the 19th March 1975

Ref. No. Acq. 23-I-455(153)/1-1/74-75.—Whereas, I J. Kathuria, being the Competent Authority under section 269D of the Income-Tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. F.P. No. 61, Sub-Plot No. 2 (Part) T.P.S. No. 3, situated at Usmanpura, Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 17-9-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269-C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) 1. Shri Rajnikant Vadilal Parekh, 2. Shri Harendra Vadilal Parekh  
Ayurvedic Niketan, Hanuman Road, Vile Parle,  
Bombay-57.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

An open plot of land admeasuring 303.5 sq. yds. bearing Final Plot No. 61 Sub-Plot No. 2 (Part) of T.P. Scheme No. 3 and situated at Usmanpura, Ahmedabad.

J. KATHURIA  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-tax, Acquisition Range-1, Ahmedabad

Date : 19-3-1975.

Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-  
MISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION  
RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta-16, the 3rd March 1975

Ref. No. 238/Acq. R-III/Cal/74-75.—Whereas, I, L. K. Balasubramanian being the competent authority under section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 17/1B, situated at Ritchi Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Calcutta on 3-9-74

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Vijendra Kr. Agarwalla, 4, Bishop Lefroy Road, Calcutta.

(Transferor)

(2) 1. Shri Kanahaiyalal Saraf

2. Smt. Sita Devi

3. Shri Nirmal Kumar Saraf

4. Smt. Bimla Devi Khetawat

5. Smt. Bimala Devi Khetawat

16, Tarachand Dutt Street, Calcutta.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

1/4th share in all the piece and parcel of land measuring 12 cottahs 10 chittacks more or less situated at 17/1B, Ritchi Road, Calcutta as per deed No. 1503 of 1974 registered by the Registrar of Assurances, Calcutta.

L. K. BALASUBRAMANIAN

Competent Authority.

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-III,  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date : 3-3-1975

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION  
RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta-16, the 3rd March 1975

Ref. No. 236/Acq. R-III/Cal/74-75.—Whereas, I L. K. Balasubramanian being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 17/1B situated at Ritchi Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 3-9-74 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Anand Prokash Agarwalla 4, Bishop Lefroy Road, Calcutta,

(Transferor)

- (2) 1. Shri Kanahaiyalal Sarat
  2. Shri Sita Devi
  3. Shri Kumar Saraf
  4. Smt. Bimla Devi Khetawat
  5. Smt. Bimala Devi Khetawat
  - 16, Tarachand Dutt Street, Calcutta,
- (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

1/4th share in all the piece and parcel of land measuring 12 cottahs 10 chittacks more or less situated at 17/1B, Ritchi Road, Calcutta as per deed No. 1501 of 1974 registered by the Registrar of Assurances, Calcutta.

L. K. BALASUBRAMANIAN

Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-III,  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date : 3-3-1975.  
Seal :



## FORM ITNS—

(2) 1. Shri Kanhaiyalal Saraf

2. Smt. Sita Devi

3. Shri Nirmal Kumar Saraf

4. Smt. Bimla Devi Khetawat

5. Smt. Bimala Devi Khetawat

16 Tarachand Dutt Street, Calcutta.

(Transferees)

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-  
MISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION  
RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta-16, the 3rd March 1975

Ref. No. 237/Acq. R.III/Cal/74-75.—Whereas, I, L. K. Balasubramanian

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No. 17/1B situated at Ritchi Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 3-9-74

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Jitendra Kr. Agarwalla, 4, Bishop Lifroy Road, Calcutta.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

1/4th share in all the piece and parcel of land measuring 12 cottahs 10 chittacks more or less situated at 17/1B, Ritchi Road, Calcutta as per deed No. 1502 of 1974 registered by the Registrar of Assurances, Calcutta.

L. K. BALASUBRAMANIAN

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner  
of Income-Tax, Acquisition Range-III,  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date : 3-3-1975.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-  
MISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION  
RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta-16, the 14th February 1975

Ref. No. Ac-117/R-V/Cal/74-75.—Whereas, I, L. K. Balasubramanian being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 126, 127, 128, 129 & 130 situated at Beneras Road, Howrah (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Howrah on 20-9-74 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) M/s. Kumar Engineering Works (P.) Ltd. P-52,  
Beneras Road, Lilloah, Howrah.  
(Transferor)

(2) Shrimati Sasi Bala Maheswari, w/o Ramesh  
Kumar Maheswari, 138, Canning Street,  
Calcutta.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

All the piece and parcel of land measuring more or less one bigha ten cottahs and fifteen sq. ft. of land at 126, 127 & 128, 129 and 130 Beneras Road, Pelgachia, Howrah which was registered in Sub-Registrar, Howrah under Deed No. 3151 of 1974.

L. K. BALASUBRAMANIAN,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner  
of Income-tax,  
Acquisition Range-V,  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date : 14-2-1975.  
Seal :

FORM ITNS

(2) (i) Radheshyam Kedia (ii) Shri Bhagwati Prasad Jalan of T.R. Phukan Road, Gauhati.

(Transferees)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-  
MISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION  
RANGE, SHILLONG

Shillong, the 11th February 1975

Ref. No. A-82/GAU/74-75/3828-42.—Whereas, I Egbert Singh being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing, Dag No. 1270, K.P. Patta No. 242 situated at Athgaon, Gauhati Town (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gauhati Town

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) (i) Syed Md. Habibullah (ii) Syed Md. Mah-bullah (iii) Syed Md. Samsul Alam (iv) Syed Md. Aadiul Alam (v) Syed Md. Kutubul Alam All of Lakhtokia, Gauhati.

(Transferors)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons which-ever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 1 (one) Bigha 10 (Ten) Lechas covered to Dag No. 1270, K. P. Patta No. 242 situated at Athgaon, Gauhati Town in Kamrup District of Assam state.

EGBERT SINGH,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Shillong.

Date : 11-2-75.  
Seal ;

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-  
MISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION  
RANGE,  
156, SECTOR 9-B,

Chandigarh, the 5th March 1975

Ref. No. LDH/C/412/74-75.—Whereas, I G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing, Plot No. 6 Oswal Road also known as Gupta Road, situated at Ludhiana, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in September, 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) for facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to following persons namely :—

(1) M/s. Common Wealth Spinning & Knitting Mills Private Ltd; Industrial Area 'A', Ludhiana, Through Shri Piare Lal, Director.

(Transferor)

(2) M/s. Kanwar Engineers, G.T. Road, Ludhiana through Shri Parmod Kumar Goyal, Resident of 280-R, Model Town, Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. 6, measuring 602 sq. yds. originally belonging to M/s. Common Wealth Spinning and Knitting Mills Private Ltd. situated on Oswal Road also known as Gupta Road, Ludhiana.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 5767 of September, 1974 of the Registering Officer, Ludhiana.)

G. P. SINGH

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Range, Chandigarh.

Date : 5th March 1975.

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION  
RANGE III,  
4/14A, ASAF ARLI ROAD, 3RD FLOOR,  
NEW DELHI.

New Delhi, the 7th June 1975

Ref. No. IAC. Acq. III/SR. III/Sept. I/67(10)/74-75/895-A.—Whereas I, C. V. Gupte, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 32, Block No. 56 situated at East Park Area, Karol Bagh, New Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Office at

New Delhi on 6-9-1974,

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1)(i) Smt. Janak Kapoor Wd/o Shri Shadi Lal Kapoor, r/o A-12, Gulmohar Park, New Delhi. herself and Attorney for the following :— four vendors (Nos. ii to v).
- (ii) S/Sh. Nirmal Kapoor and
- (iii) Dalip Kapoor ss/o Late Shri Shadi Lal Kapoor.
- (iv) Smt. Veena Dewan d/o Shri Shadi Lal Kapoor and w/o Shri Abinash Dewan r/o A-12, Gulmohar Park, New Delhi and
- (v) Smt. Shobha Kakar daughter of Shri Shadi Lal Kapoor w/o Shri Ashok Kakar and
- (vi) Shri Hira Lal Kapoor s/o Shri Rangil Lal Kapoor, r/o 1425, Chandni Chowk Delhi.

(Transferors)

- (2) Shri Bhagwan Dass s/o Shri Karam Singh : 20%  
Shri Tilak Raj s/o Sh. Bhagwan Dass : 10%  
Mr. Ashok Kumar, Kamal Kumar,

Baldev Raj (minors) all sons of Shri Tilak Raj Kalra through their father and 30% natural guardian Shri Tilak Raj. (10% each)  
Shri Manohar Lal s/o Shri Bhagwan Dass 10%  
Mr. Vijay Kumar (minor) son of Shri Manohar Lal as natural Guardian 0%  
Manohar Lal as natural Guardian 10%  
and Shri Prithvi Raj s/o Shri Bhagwan Dass all residents of 12/12, WEA, Karol Bagh, New Delhi. 20%

(Transferors)

## Ground Floor

- (i) Shri Kulinder Singh Sahni
- (ii) Shri Gopal Dass
- (iii) Shri Hardev Puri
- (iv) Shri Dwarka Nath
- (v) Shri Hari Ram
- (vi) Shri Sant Singh Sahni

## First Floor

- (vii) Shri Radhey Lal
- (viii) Shri Gopal Dass

## Barsatl Floor

- (ix) Shri Sampuran Singh
- (x) Shri Pritpal Singh
- (xi) Shri Mangal Singh

- (3) Persons in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

A leasehold plot of land mg. 1288.02 sq. yds. alongwith a 2½ storeyed building constructed thereon bearing plot No. 32 Block No. 56, Khewat No. 1, Khata No. 308 Khasra No. 723/21 situated at East Park Area, Karol Bagh, New Delhi bearing property No. 8294 Ward No. 16 and bounded as under :—

North—Road

East—Service Lane

South—Kothi built on plot No. 31×32

West—Road.

C. V. GUPTÉ

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner

of Income-Tax,

Acquisition Range III, New Delhi.

Date 7th June, 1975.

Seal :

Form I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE  
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-  
MISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION  
RANGE-I, AAYAKAR BHAVAN, M. KARVE MARG,  
BOMBAY-20.

Bombay-20, the 2nd June 1975

Ref. No. ARI/947-9/Sept. 74.—Whereas, I. G. S. Rao, the Inspecting Asstt Commissioner of Income Tax, Acquisition Range-I, Bombay, being the Competent Authority under section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. C.S. 13/722 of Malabar & Cumballa Hill Division situated at 19-Carmichael Road (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Sub-Registry, Bombay on 20-9-1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Shirinbai Cowasji Gobhai & Ors.  
(Transferor)
- (2) Shri Mahendra Vithaldas Shah & Ors.  
(Transferee)
- (3) Tenants  
(Persons in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land or ground of the pension and Tax Tenure the cess whereon has been redeemed situated at 19-Carmichael Road in the City of Bombay in the Registration District and Sub-District of Bombay City and Bombay Suburban and containing by admeasurement 1241.37 sq. metres or thereabouts and registered along with other land in the Books of the Collector of land revenue under old No. 17 and Collector's New No. 1/88 and Old Survey No. 81 and New Survey No. 7116 (pt) and bearing C.S. No. 13/722 of Malabar & Cumballa Hill Division together with the messuages, tenements or dwelling house and all buildings standing thereon and assessed by the Assessor & Collector of Municipal Rates & Taxes formerly as part of D Ward No. 3453(p) and Street No. 8-E and which said premises are bounded as follows :—that is to say on or towards the East by the property belonging to R.D. Dubash on or towards the West by the Carmichael Road, on or towards the North by the property of Her Highness the Maharani of Baroda and on or towards the South by the property of Kulsum-bai, widow of Meherally Mahomed Fakira.

G. S. RAO  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Bombay.

Date : 2nd June, 1975.  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-  
MISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE  
KAKINADA

Kakinada, the 11th April 1975

Acq. File No. 192/74-75/J. N. 1(451)/74-75.—Whereas, I, K. Subba Rao, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Door No. 3/13, situated at Thummella Panchayat Moparru (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Moparru on 30-9-74 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid, exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income Tax Act, 1922 (11 of 1922) or 'said Act' or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C. of the 'said Act' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :—

S/Shri

- (1) 1. Yelavarthi Venkatarao,
2. Y. Ankineedu,
3. Mallempati Veeraiah,
4. Godavarthi Venkatapanduranga Rao,
5. Mallempati Bhushaiah,
6. M. Ramaswamy,
7. Dasari Ramanaiah,
8. Dasari Venkateswarlu,
9. Kosaraju Umamaheswara Rao.

(Transferor)

S/Shri

- (2) 1. Kotla Satyanarayana,
2. Kosaraju Uma Maheswara Rao,
3. Godavarthi Kappaswanatham,
4. Godavarthi Venkatapanduranga Rao,
5. Malepati Subba Rao,
6. Ennamuri Govindaiah,
7. Mukkamala Suryaprakasa Rao,
8. Ennamuri Venkatachalamaiah,
9. Kolipakula Venkata Subbaiah,
10. Konejeti Subba Rao,
11. Badam Venkatanarasimha Rao.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

The schedule property as mentioned in the sale deed dated 9th May, 1974 vide document No. 655 of 1975 registered before the Sub-Registrar, Moparru, Guntur Dt.

K. SUBBA RAO  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
KAKINADA

Date : 11-4-1975  
Seal :

